



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-23012021-224675
CG-DL-W-23012021-224675

साप्ताहिक/WEEKLY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 23—जनवरी 29, 2021 (माघ 3, 1942)
No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 23—JANUARY 29, 2021 (MAGHA 3, 1942)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	31	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	75	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	93	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	127
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	73
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	109
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम और आदेश और अधिसूचनाएं.....	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्क.....	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	31	by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	75	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	93	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	127
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	73
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	109
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2020

सं. 2-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, अरुणाचल प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—
सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	डॉ. नवदीप सिंह बरार, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	ताबी बागे	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	जियाउद्दीन अंसारी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गयुंग यांगफो एक खूंखार वांछित अपराधी था, जो हत्या, लूट, जबरन वसूली, हथियारों की तस्करी और अपहरण के 9 जघन्य अपराधों में शामिल था। वह दो बार जेल से भागा हुआ था और ज्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों पर हमला करने का उसका पुराना इतिहास था। वह वर्ष 2009 में प्रतिबंधित आतंकी संगठन एनडीएफबी में शामिल हो गया था तथा सक्रिय रूप से हथियारों की तस्करी, फिरौती के लिए अपहरण और संगठन के लिए जबरन वसूली कर रहा था। वर्ष 2010 में उसने अन्य एनडीएफबी कैडरों के साथ मिलकर दो बार गैमन इंफ्रा के इंजीनियरों के अपहरण का प्रयास किया। वर्ष 2016 में, उसने उप पुलिस अधीक्षक श्री बोम्टो कामदक, एपीपीएस की हत्या की। अरुणाचल प्रदेश की सरकार ने इस अपराधी पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था और इस संबंध में च्यांगताजो पीएस में एक मामलागत एफआईआर संख्या 05/2016 आईपीसी की धारा 302/333/212/216/34 और आयुध अधिनियम की धारा 27 के अंतर्गत दर्ज है।

पश्चिम कामेंग जिले के दिरांग में आरोपी तागयुंग यांगफो के संदिग्ध ठिकाने के बारे में एक विशिष्ट इनपुट मिलने पर, डॉ. नवदीप सिंह बरार, आईपीएस, एसपी (एसआईटी) के नेतृत्व में 14 सदस्यीय एक एसआईटी ने दिनांक 18.01.2020 को लगभग 0800 बजे छापा मारा। आरोपी संदिग्ध ठिकाने से बाहर निकलकर पास के खामखर नाले के ऊपरी हिस्से की ओर चला गया। पुलिस अधीक्षक बरार, इंस्पेक्टर टी. बाजे और हेड कांस्टेबल जे. अंसारी द्वारा उसका पता लगा लिया गया। अपनी टीम को रणनीतिक रूप से सुविधाजनक पोजीशन में तैनात करते हुए, पुलिस अधीक्षक बरार ने आरोपी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उसने पुलिस दल पर हमला कर दिया और उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं।

अपराधी द्वारा चलाई गई गोली पुलिस अधीक्षक बरार के वीपी जैकेट पर लगी, जबकि अन्य दो सदस्य बाल-बाल बच गए।

आमने-सामने के मुठभेड़ के बाद अपराधी को मार दिया गया। इस मुठभेड़ में एसआईटी द्वारा कुल 28 राउंड फायर किए गए और स्वयं पुलिस अधीक्षक नवदीप सिंह बरार ने अपनी सर्विस पिस्टल से 12 राउंड फायर किए। यह फायरिंग अंतिम उपाय के रूप में आत्मरक्षा में और वांछित आरोपी को पकड़ने के लिए की गई। आपसी गोलीबारी में आरोपी घायल हो गया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुसार, उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने आरोपी को मृत घोषित कर दिया।

यह संपूर्ण ऑपरेशन अनुकरणीय उत्साह और उच्च स्तर की पेशेवरता के साथ किया गया था। पुलिस अधीक्षक नवदीप सिंह बरार, आईपीएस ने इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में, अपने जीवन की परवाह नहीं की और दृढ़ साहस, महान वीरता एवं वीरतापूर्ण भावना का प्रदर्शन किया। उनके बहादुर प्रयासों से न केवल वांछित खूंखार अपराधी को सफलतापूर्वक मार गिराया गया, बल्कि इसके परिणामस्वरूप, आपसी गोलीबारी के दौरान अधिकारी के प्रेरणादायक नेतृत्व और साहस से यह भी सुनिश्चित हो सका, कि कोई ऐसी समानांतर हानि न हो, जिससे पुलिस टीम सहित कई नागरिक हताहत हो जाएं।

वह पुलिस अधीक्षक/एसआईटी के नेतृत्व वाली एसआईटी की हमलावर टीम के सदस्य थे। छापेमारी के दौरान उनके साथ पुलिस अधीक्षक एसआईटी भी थे। अपराधी द्वारा पुलिस पार्टी पर हमला करने और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू करने के तुरंत बाद, वे पुलिस अधीक्षक के साथ अपराधी की ओर बढ़ गये और सीधे फायर की सीमा में आ गये। आत्मरक्षा में और अपनी जान बचाने के लिए उन्होंने एके-47 से 07 राउंड फायर किए। वे अपनी जान की परवाह किए बगैर मोर्चे में आगे बने रहे और उन्होंने पूरे ऑपरेशन में सक्रियता से भाग लिया। इंस्पेक्टर टी. बाजे ने अपनी टीम के सदस्यों की सुरक्षा के लिए अपने जीवन को खतरे में डाल दिया और कट्टर अपराधी तागयुंग यांगफो के साथ मुठभेड़ के दौरान सर्वोच्च वीरता का प्रदर्शन किया।

मुठभेड़ के दौरान वे सीबी पीएस एसआईटी की हमलावर टीम का हिस्सा थे और उन्होंने खामकर नाले के ऊपरी हिस्से में अपराधी की हरकत को रोक दिया। आरोपी ने उन पर हमला कर दिया, लेकिन वे बाल बाल बच गये। अपराधी ने एक बार फिर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। फायरिंग से बेपरवाह होकर, हेड कांस्टेबल जे. अंसारी सीधे ही फायर की सीमा में आ गए। हेड कांस्टेबल जे. अंसारी ने आत्मरक्षा में और अपनी जान बचाने के लिए अपनी एके 47 से 06 राउंड फायर किए। ऑपरेशन के दौरान, उन्होंने आरोपी तागयुंग यांगफो की क्रॉस फायर का सामना से मुकाबला करते हुए अपने जीवन को खतरे में डाल दिया। उनके इस वीरतापूर्ण कार्य को सम्मान दिए जाने की आवश्यकता है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री डॉ. नवदीप सिंह बरार, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, ताबी बाजे, निरीक्षक और जियाउद्दीन अंसारी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/01/2020 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/78/2020-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 3-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, असम पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	अनुपम गोवाला	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	कुशल दास	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	तीथेश्वर सैकिया	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	असीनी कुमार सैकिया	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	चाम हम चाकहाप	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

तलपाथर गाँव के उल्फा (I) कॉडर, रोंगमोन गोगोई उर्फ मेकुरी की मौजूदगी के बारे में एक विशेष जानकारी प्राप्त होने पर, 7वीं मद्रास, 19वीं जाट और बोरडूमसा पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मियों द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया। बाद में, एक स्रोत से इस बात की पुष्टि की गई कि उल्फा (I) कॉडर, रोंगमोन गोगोई उर्फ मेकुरी श्री सत्यनाथ दत्ता के घर में रह रहा है और तदनुसार, दिनांक 27.04.2016 को सुबह 01.00 बजे बाहरी घेराबंदी की गई। आंतरिक घेराबंदी सुबह 02.00 बजे शुरू करके इसे सुबह 02.30 बजे कस दिया गया। सुबह 02.45 बजे सर्च शुरू की गई। जब परिवार के सदस्य घर से बाहर आए, तो उनके द्वारा उल्फा (I) कॉडर, रोंगमोन गोगोई उर्फ मेकुरी की वहां मौजूदगी होने की पुष्टि की गई। उसने घर के पास चाय बागान में घुसने की कोशिश की। लगभग 03:00 बजे, जब नाइट विजन वाले चश्मे के माध्यम से देखा गया, तो घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर बांस के जंगल में संदिग्ध गतिविधि नजर आई। उल्फा (I) कॉडर को चुनौती दिए जाने पर, उसने अपनी राइफल से अंधाधुंध गोलीबारी कर दी और एक ग्रेनेड फेंकने का प्रयास किया। आत्मरक्षा पर और ग्रामीणों की जान-माल को बचाने के लिए, फोर्स के जवानों ने भी इसका जवाब गोलीबारी करके जवाब दिया। 10 मिनट के बाद, जब गोलीबारी रुक गई तो, उल्फा (I) कॉडर घायल अवस्था में पाया गया और वह एक एके -81 राइफल, जिसमें एके सीरीज के 10 जिंदा कारतूस के साथ एक मैगज़ीन लगी हुई थी, के साथ जमीन पर पड़ा हुआ था। घायल कॉडर को तुरंत इलाज के लिए पेंगेरी स्थित मिनी पीएचसी में ले जाया गया। कुछ समय बाद, जानकारी मिली कि पेंगेरी स्थित मिनी पीएचसी के डॉक्टर ने घायल व्यक्ति

को मृत घोषित कर दिया है। पीओ और निकटवर्ती क्षेत्र में सर्च के दौरान निम्नलिखित शस्त्र एवं गोला-बारूद और वस्तुएं मिलीं, जिन्हें विधिवत रूप से जब्त कर लिया गया:

- 1) एके 81 असाल्ट राइफल,
- 2) 10 ज़िंदा कारतूसों के साथ एक मैगज़ीन,
- 3) 02 (दो) मोबाइल फोन,
- 4) त्रिगेडियर जे. असोम द्वारा हस्ताक्षरित उल्फा (I) संगठन के 02 (दो) कोरे मांग पत्र।
- 5) 01 (एक) पाउच और
- 6) 01 (एक) जैकेट और कुछ कॉस्मेटिक वस्तुएं।

इस मामले में, एसआई (यूवी) अनुपम गोवका, प्रभारी अधिकारी, बोरदुमसा पीएस और बोरदुमसा पीएस कैम्प के एबीसी-723 कुशल दास, 10वीं एपीबीएन (एपीआरजी), एबीसी-801 तीथेश्वर सैकिया, 10वीं एपीबीएन (एपीआरजी), एबीसी-837 अशिनी कुमार सैकिया, 10वीं एपी बटालियन (एपीआरजी) और एबीसी-889 चाम हम चकहप, 10वीं एपी बटालियन (एपीआरजी) सभी ने कर्तव्य की पुकार पर हाजिर होकर अदम्य साहस की एक अनुकरणीय भावना का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अनुपम गोवाला, उप निरीक्षक, कुशल दास, सिपाही, तीथेश्वर सैकिया, सिपाही, असीनी कुमार सैकिया, सिपाही और चाम हम चाकहाप, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27/04/2016 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/89/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 4-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मलिक राम	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	महेंद्र सिंह ध्रुव	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री मलिक राम और महेंद्र ध्रुव, दोनों हमारे विभाग के बहादुर अधिकारी हैं। सीजी पुलिस सेवा में श्री मलिक राम की नियुक्ति वर्ष 2013 में सब-इंस्पेक्टर के रूप में और श्री महेंद्र ध्रुव की नियुक्ति वर्ष 1994 में कांस्टेबल के रूप में हुई थी। ये दोनों ही अधिकारी नक्सलरोधी कई ऑपरेशनों में शामिल रहे थे और उन्हें कई बड़े नक्सली नेताओं को मारने तथा बड़े पैमाने पर हथियार, गोला बारूद एवं अन्य उपकरण जब्त करने में सफलता मिली हुई है। नारायणपुर जिला प्रमुख नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने और वहाँ नक्सलियों का गढ़ होने के बावजूद उन्होंने वहाँ शांति और समन्वय को हमेशा ही सफलतापूर्वक बनाए रखा।

इस नक्सलरोधी ऑपरेशन में, इंस्पेक्टर मलिक राम दिनांक 02.07.2018 को हथियारों, गोला-बारूद और आवश्यक उपकरणों के साथ डीआरजी फोर्स के 122 जवानों के साथ एमएडी क्षेत्र में पेट्रोलिंग/सर्च ऑपरेशन पर थे। उन्होंने दिनांक 03.07.2018 को मुरेहापदार, सोनपुर, डोंडरबेड़ा, ब्रेहाबेड़ा, कादर गांव, पहाड़ियों, नदी और नहर क्षेत्र में छानबीन का कार्य किया और रात में विश्राम लेने के बाद, वे दिनांक 04.07.2018 को सुबह 6:20 बजे योजना के अनुसार ग्राम बालेबेड़ा में छानबीन करने के लिए चल पड़े। जब वे बालेबेड़ा के पास पहुंचे, तो माओवादी नक्सली संगठन, जिसे भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित किया गया है, की कंपनी संख्या-05 के वर्दी पहने हुए सदस्य, जो घात लगाकर बैठे हुए थे और जिनके पास पुलिस पार्टी पर हमला करने, उन्हें मारने और सुरक्षा बलों को लूटने के लिए अवैध हथियार थे, ने अचानक ही सुरक्षा बल पर फायर कर दिया, ताकि वे पुलिस पार्टी को मार सकें।

डीआरजी प्रभारी निरीक्षक मलिक राम ने तुरंत कार्रवाई की और वायरलेस पर सभी पार्टियों को सुरक्षित पोजीशन लेने और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी करने की सूचना दी तथा नक्सलियों को गोलीबारी रोकने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। लेकिन अच्छी तरह से सुरक्षित पोजीशन लिए हुए नक्सलियों ने गोलीबारी जारी रखी। अपने साथियों के जीवन को गंभीर खतरे में समझते हुए, इंस्पेक्टर मलिक राम और सब इंस्पेक्टर महेंद्र ध्रुव ने अपने जीवन की परवाह किए बिना साहसिक कदम उठाया। वे नक्सलियों पर ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए आगे बढ़े और उन्होंने सफलतापूर्वक उनके अम्बुश को तोड़ दिया। उन्होंने अपने साथियों को उनका पीछा करने के लिए कहा, लेकिन माओवादी घने जंगलों का फायदा उठाकर वहां से भाग गए। पुलिस पार्टी और माओवादी के बीच आधे घंटे तक गोलीबारी चली।

फायरिंग बंद होने के बाद, पुलिस बल ने उस स्थान की तलाशी ली, जहाँ उन्हें बंदूक की गोली से मारे गए 2 वर्दीधारी नक्सलियों के शव मिले। पार्टी को अमेरिका निर्मित एक थॉम्पसन सब मशीनगन मैगज़ीन के साथ मिली, जिस पर अंग्रेजी भाषा में “थॉम्पसन सब मशीनगन केलिबर 45 ऑटोमेटिक कार्ट्रिज मॉडल ऑफ़ 1928 नंबर-एस-90719” खुदा हुआ था। उन्होंने वहाँ उस 12 बोर की बंदूक से फायर किये गए .45 केलिबर राउंड के 3 खाली खोके भी बरामद किये। बंदूक की जाँच के बाद, इसके चैम्बर में एक जिन्दा कारतूस भी मिला, जिसे बंदूक से अनलोड किया गया, ताकि पार्टी की सुरक्षा बनी रह सके। बरामद किए गए अन्य गोला-बारूद व सामग्री में—पाउच में उस बंदूक के 18 जिन्दा कारतूस; दोनों हथियारों के कारतूस के खाली खोखे, बिजली के तार का 1 बंडल, 1 छोटा इन्वर्टर, 7 नक्सल साहित्य के दस्तावेज, 1 छोटी सौर ऊर्जा प्लेट, 12 वोल्ट की एक बैटरी, 1 प्रेशर कुकर बम इत्यादि शामिल है, जो कि पुलिस द्वारा गवाहों के समक्ष जव्त किये गये।

माओवादी के खिलाफ यह शानदार सफलता केवल इंस्पेक्टर, मलिक राम और सब इंस्पेक्टर, महेंद्र सिंह ध्रुव के अनुकरणीय साहस एवं वीरता के दुर्लभ कार्य और कर्तव्य के प्रति उनकी उच्च कोटि की समर्पण भावना के कारण ही संभव हुई। उन्होंने विशिष्ट वीरता के साथ, यह कार्य अपने सामान्य कर्तव्य से आगे बढ़कर और स्वयं के जीवन को खतरे में डालकर किया तथा उत्कृष्ट नेतृत्व गुणों को प्रदर्शित किया।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री मलिक राम, निरीक्षक और महेंद्र सिंह ध्रुव, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/07/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/04/2020-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 5 प्रेज/2021—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं: —

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री अभिषेक मीणा, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री अभिषेक मीणा, आईपीएस, जो दिनांक 10.06.2015 से 05.03.2017 तक नारायणपुर जिले के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक थे, ने अनेक नक्सल-रोधी ऑपरेशनों की योजना बनाई और उन्हें निष्पादित किया तथा कई वरिष्ठ माओवादी काडरों को ढेर किया और भारी मात्रा में स्वचालित और अर्ध-स्वचालित हथियार, विस्फोटक पदार्थ, नक्सली साहित्य तथा अन्य सामग्रियां बरामद करने में सफलता प्राप्त की। उनके कार्यकाल के दौरान नारायणपुर में, जिसे नक्सलवादी हिंसा का प्रमुख केंद्र और माओवादियों का प्रमुख गढ़ माना जाता है, शांति और विकास का दौर देखा गया। प्रशासन के आदेशों के तहत प्रभावशाली ढंग से निष्पादित किए गए ऑपरेशनों के माध्यम से और पूरे क्षेत्र में नियंत्रण स्थापित करने का कार्य करके अधिकांश प्रभावित क्षेत्र को नक्सलवादियों के प्रभाव से मुक्त करा लिया गया था।

मार्च के महीने में, जब नारायणपुर-ओरछा रोड पर सड़क निर्माण की गतिविधि अपने चरम पर थी, तब इस आशय की आसूचना संबंधी जानकारी मिली कि माओवादियों के पूर्वी बस्तर डिवीजन के नक्सलवादी द्वारा और धौराई कैम्पों के बीच वाले भाग पर सड़क निर्माण गतिविधियों की सुरक्षा करने वाले पुलिस बल पर हमला करने की योजना बना रहे हैं। ओरछा रोड का निर्माण नक्सलवादियों के लिए एक बड़ा झटका था, इसलिए उन्होंने सुरक्षा कर्मियों की हत्या करके और इसमें लगी मशीनरी को नुकसान पहुंचाकर निर्माण कार्य में बाधा डालने की योजना बनाई। नक्सलवादियों की योजना को विफल करने के लिए, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर, अभिषेक मीणा ने डीआरजी, एसटीएफ, आईटीबीपी और सीएफ के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई ताकि इस क्षेत्र पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण स्थापित किया जा सके और हिंसक तथा विनाशकारी गतिविधियों में शामिल नक्सलवादियों को गिरफ्तार किया जा सके।

इस ऑपरेशन के स्तर और महत्व के मद्देनजर, श्री अभिषेक मीणा, पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर ने स्वयं ऑपरेशन का नेतृत्व करने का निर्णय लिया। 28 मार्च, 2016 की रात्रि में धौराई, छोटे डोंगर, मरदापाल और बयानार कैम्पों से ऑपरेशन शुरू करने के लिए 700 पुलिस कार्मिकों की नफरी के साथ दो दलों का गठन किया गया। श्री अभिषेक मीणा ने स्वयं डीआरजी और एसटीएफ के सात दलों, जिनके कुल कार्मिकों की संख्या 237 थी, के साथ मरदापाल कैम्प से सैन्य दस्ते का नेतृत्व किया। दिनांक 29 मार्च 2016 को सुबह के समय, पुलिस अधीक्षक की अगुवाई वाले डीआरजी और एसटीएफ के दलों ने मेडपाल, नाहकानार, एहरा, छोटे उसरी और तिरकानार गांवों के आस-पास के जंगलों की तलाशी ली। सुबह 0930 बजे, जब ये दल तिरकानार और मरासकोल गांवों के बीच वाले जंगलों में तलाशी कर रहे थे, तब वहां घात लगाकर छिपे हुए नक्सलवादियों ने पुलिस कार्मिकों की हत्या करने और उनके हथियार लूटने के इरादे से स्वचालित, अर्ध-स्वचालित तथा अन्य आग्नेयास्त्रों का प्रयोग करते हुए पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सूझ-बूझ का प्रदर्शन करते हुए, पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा ने तत्काल नजदीकी दलों को कवर लेने का निर्देश दिया और अन्य दलों से वायरलेस पर बात करके उन्हें दायें तथा बायें छोर से आगे बढ़ने तथा नक्सलवादियों को घेरने का निर्देश दिया।

पोजीशन लेने के बाद, पुलिस दलों ने नक्सलवादियों से गोलीबारी बंद करने और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा। जब कोई विकल्प नहीं बचा, तब श्री अभिषेक मीणा ने अपने दल का नेतृत्व करते हुए उन्हें नक्सलवादियों की ओर ले गए और अन्य दलों को आगे बढ़ने तथा आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी करने का निर्देश दिया। वहां पर शुरू हुई लड़ाई लगभग 40 मिनट तक चलती रही, तत्पश्चात स्वयं को पराजित और घिरा हुआ जानकर नक्सलवादी घनी झाड़ियों का कवर लेते हुए उस क्षेत्र से भाग गए। गोलीबारी बंद होने के बाद, पुलिस दलों ने उस क्षेत्र को घेर लिया और उस स्थान की तलाशी करने लगे, जहां नक्सलवादी छिपे हुए थे तथा गोलीबारी कर रहे थे। उस क्षेत्र की तलाशी करने पर, डीआरजी और एसटीएफ के दलों को 01 इंसास राइफल, दो .315 राइफल, दो 12 बोर राइफल, 01 देशी पिस्तौल, 01 वायरलेस सेट, 27 जिंदा राउंड के साथ 02 इंसास मैगजीन, 02 पिट्टू बैग, 09 हैंड बैग, .315 राइफल के 02 राउंड, 12 बोर राइफल के 38 राउंड, 02 डेटोनेटर, भारी मात्रा में नक्सली साहित्य और दैनिक प्रयोग की अन्य सामग्रियों के साथ-साथ दो पुरुष और एक महिला माओवादी के शव मिले। पुलिस ने सारी सामग्री को अपने कब्जे में ले लिया और उसे समुचित रूप से जब्त कर लिया।

माओवादियों के पूर्वी-वस्तर डिवीजन में नक्सलवादी खतरे को नियंत्रित करने के प्रयास में यह मुठभेड़ नारायणपुर पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता साबित हुई। मृत नक्सलवादियों की पहचान अजय (कमांडर, बयानार एलओएस), लादेन (एरिया कमेटी मेम्बर) और रनिता (मेम्बर, बयानार एलओएस) के रूप में की गई। ये सभी तीनों लोग दो जिलों नामतः नारायणपुर और कोंडागांव में कई अपराधों में वांछित थे। सभी दलों, विशेषकर तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाले डीआरजी और एसटीएफ ने एक टीम के रूप में काम किया और आपसी समन्वय से यह सफलता प्राप्त की। उन्होंने अपने कार्यों से सभी सैन्य दस्तों में ऐसा आत्मविश्वास और साहस भर दिया, जिससे वे सामने खतरा होने के बावजूद उनके आदेश का पालन करने के लिए प्रोत्साहित हुए।

नारायणपुर जिले के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा ने अंधाधुंध गोलीबारी के समक्ष और जान के खतरे वाली स्थिति में अपनी टीम का आगे रहकर नेतृत्व करते हुए अनुकरणीय साहस, वीरता और सूझ-बूझ का प्रदर्शन किया। इस सफलता में उनका योगदान अदम्य वीरता, उत्कृष्ट नेतृत्व गुण, सेवा के प्रति समर्पण, पूर्ण पेशेवरता और इस मामले में पूर्ण नियंत्रण का एक उदाहरण है।

इस ऑपरेशन में श्री अभिषेक मीणा, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29.03.2016 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/100/2018-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 6-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	विनय कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	शिव मंगल	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह प्रशस्ति पत्र स्पेशल सेल, नई दिल्ली के अधिकारियों को सेवा के प्रति उनके समर्पण और कर्तव्य निष्ठा तथा अनुकरणीय शौर्यपूर्ण कार्यवाही हेतु 'वीरता के लिए पुलिस पदक' प्रदान करने के संबंध में है, जिसमें दिल्ली और हरियाणा के एक दू:साहसी और क़ख्यात अंतर-राज्य गैंगस्टर नामतः सत्यवान उर्फ सोनू पत्र राजेंद्र सिंह, निवासी- वीपीओ दरियापुर, शिव मंदिर के सामने, नई दिल्ली को दिनांक 14.09.2017 की भोर में दिल्ली पुलिस के साथ मूठभेड़ में गिरफ्तार किया गया था, जो मियांवाली नगर, दिल्ली के तीन हत्याओं वाले सनसनीखेज मामले में वांछित था, जिसमें भूपेंद्र उर्फ मोनू दरियापुर उर्फ टेम्पो तथा उसके मित्र अरूण और पीएसओ/असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर विजय कुमार की कई गोलियां लगने से मृत्यु हो गई थी। वह पहले भी हत्या, हत्या के प्रयास, जबरन धन वसूली, पुलिस कार्मिकों पर हमले और आयुध अधिनियम के कई सनसनीखेज मामलों में संलिप्त था। दिनांक 13 सितम्बर, 2017 को यह विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई कि सत्यवान उर्फ सोनू भोर में नरेला औद्योगिक क्षेत्र में अपने सहयोगी से मिलने के लिए आया। तदनुसार, उसकी गिरफ्तारी के लिए सुविधाजनक स्थानों पर एक जाल बिछाया गया। प्रातः लगभग 04:40 बजे सत्यवान उर्फ सोनू को उसके स्वयं के द्वारा चलायी जा रही और हरियाणा की ओर से दिल्ली की तरफ आ रही एक सफेद रंग की आई20 कार सं. एचआर-99-जेडए-9216 में देखा गया। इस कार की भलीभांति पहचान की गई और एनआईटी रोड, नरेला के निकट कारों में इंतजार कर रहे पुलिस कार्मिकों द्वारा इसे रोका गया। आरोपी को बचकर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिला और सत्यवान उर्फ सोनू ने तुरंत अपनी पिस्तौल निकाली तथा पुलिस दल पर दो गोलियां चलाई, परंतु सौभाग्यवश एक गोली इंस्पेक्टर विनय कुमार की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी, जबकि दूसरी गोली असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर शिव मंगल की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। इसी बीच इंस्पेक्टर विनय कुमार ने भी जवाबी कार्यवाही में अपनी सर्विस पिस्तौल से दो गोलियां चलाई। पुलिस दल के अन्य सदस्यों ने तत्काल सत्यवान उर्फ सोनू को पकड़ लिया और उसकी अत्याधुनिक पिस्तौल छीन ली, जिसकी मैगजीन में 12 और बैरल में एक जिंदा कारतूस भरा हुआ था। उसके द्वारा चलायी जा रही सफेद आई20 कार की सरसरी तौर पर तलाशी करने पर उक्त आई20 कार के चालक की सीट के नीचे से एक और स्वदेश निर्मित इंग्लिश पिस्तौल बरामद हुई, जिसमें 04 जिंदा कारतूस भरे हुए थे। घटनास्थल से 04 खाली (प्रयुक्त) कारतूस (आरोपी व्यक्ति द्वारा चलाए गए दो कारतूस और इंस्पेक्टर विनय कुमार द्वारा चलाए गए दो कारतूस) भी बरामद किए गए। इस संबंध में पुलिस स्टेशन स्पेशल सेल, दिल्ली में भारतीय दंड संहिता की धारा 186/353/307 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के अंतर्गत दिनांक 14.09.2017 की एफआईआर सं. 67 के तहत इस आशय का एक मामला दर्ज किया गया था।

दिनांक 30 अप्रैल, 2017 को रात्रि लगभग 10.00 बजे पीपी भूपेंद्र उर्फ मोनू द्वारा चलाई जा रही एचआर99वाईजे (अस्थायी) 0743 नम्बर वाली मारुति सियाज कार में अरूण आगे वाली पैसेंजर सीट पर बैठा था, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर विजय पिछली सीट पर दायीं ओर बैठे हुए थे, योगेश बीच में बैठा था और वह पिछली सीट पर बायीं ओर बैठा था। जब वे शौकीन चौक, गर्ग प्लाजा-नेशनल मार्केट के कोने पर पहुंचे, तो भूपेंद्र ने शौकीन चौक पर एक अंडे की दुकान के पास कार रोक दी। उन्होंने उस दुकान से रात्रि लगभग 11.00 बजे आमलेट लिया, तभी अचानक दो मोटर साइकिलों पर 5/6 लड़के आउटर रिंग रोड की ओर से आए और उन्होंने कार पर गोलीबारी शुरू कर दी। उसे, भूपेंद्र, अरूण और असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर विजय को गोलियां लगने से चोटें आईं। यह हमला अचानक हुआ था और उनको जवाबी कार्यवाही करने का कोई मौका नहीं मिला। हमलावर हवा में गोली चलाते हुए बाँस्को स्कूल की ओर भाग गए। कांस्टेबल कुलदीप के बयान पर पुलिस स्टेशन मियांवाली नगर में आईपीसी की धारा 302/307/34 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27/54/59 के अंतर्गत एफआईआर सं. 216/17 के तहत एक मामला दर्ज किया गया था। पीपी भूपेंद्र, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर विजय और अरूण की चोट लगने के कारण मृत्यु हो गई थी।

अपराध की गंभीरता के कारण यह मामला मीडिया में हाईलाइट हो गया था, अतः इस घिनौने अपराध को अंजाम देने वालों को गिरफ्तार करने के लिए इंस्पेक्टर विनय कुमार और इंस्पेक्टर विजय कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। मारुति सियाज कार पर हमला करने वाले व्यक्ति की पहचान के बारे में कोई सुराग न होने की वजह से यह एक अज्ञात मामला था, जिसमें पीपी भूपेंद्र, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर विजय और अरूण की चोट लगने के कारण मृत्यु हो गई थी। जांच के दौरान, पीपी भूपेंद्र, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर विजय और अरूण की गोली मारकर हत्या करने वाले अपराधी की पहचान सुनिश्चित करने के लिए मार्ग में लगे हुए कैमरे में रिकॉर्ड हुए सीसीटीवी फुटेज की छानबीन की गई। अपराधी की पहचान सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी और मानव, दोनों प्रकार की आसूचना का इस्तेमाल किया गया। सूचना जुटाई गई और यह पता चला कि सत्यवान सेहरावत उर्फ सोनू दरियापुर, निवासी गांव दरियापुर इस घिनौने अपराध को अंजाम देने वाला व्यक्ति है। इसके परिणामस्वरूप, उसको पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर खोज शुरू की गई। उसके सहयोगी ने भी सत्यवान सेहरावत उर्फ सोनू दरियापुर, निवासी गांव दरियापुर की पहचान की। यह भांपते हुए कि पुलिस उसके पीछे है, अपराधी लगातार हरियाणा, हिमाचल प्रदेश आदि में अपने छिपने के स्थानों को बदलता रहा, इसलिए सत्यवान और उसके सहयोगियों की तलाश में पुलिस की विभिन्न टीमों में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान में भेजी गई।

उसे गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की विभिन्न टीमों ने अथक प्रयास करना जारी रखा। तथापि, वह पुलिस के महाजाल से बचने में सफल रहा। दिनांक 13.09.2017 को, वांछित गैंगस्टर सत्यवान के बारे में एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, श्री अखिलेश्वर स्वरूप यादव, एसीपी/एसडब्ल्यूआर की गहन निगरानी में और इंस्पेक्टर विनय कुमार तथा इंस्पेक्टर विजय कुमार के नेतृत्व में असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर अनिल, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर मुनीश पाल, हेड कांस्टेबल शिव कुमार, हेड कांस्टेबल सुनील, हेड कांस्टेबल संजय, कांस्टेबल कुलदीप, कांस्टेबल किशोर और कांस्टेबल राज हसन को शामिल करके एक टीम बनाई गई। साथ ही, हिमाचल प्रदेश में दूसरी टीम को भी दिल्ली के लिए प्रस्थान करने हेतु कहा गया। इंस्पेक्टर विनय कुमार और इंस्पेक्टर विजय कुमार के नेतृत्व वाली टीम को समुचित ढंग से ब्रीफ करके तैयार किया गया। उक्त टीम

तुरंत सूचना स्थल की ओर निकल पड़ी और आरोपी को पकड़ने के लिए टीम को विभाजित करके कारों में और मोटर साइकिलों पर रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया गया। इसी बीच, हिमाचल प्रदेश से दूसरी टीम भी वहां पहुंच गई और उपर्युक्त टीम में शामिल हो गई। प्रातः लगभग 04.40 बजे, सिंधु बॉर्डर पर मोटर साइकिल पर तैनात कार्मिक ने यह सूचना दी कि सत्यवान उर्फ सोनू दरियापुर को स्वयं उसके द्वारा चलाई जा रही और हरियाणा की तरफ से दिल्ली की ओर आ रही एक सफेद रंग की आई20 कार सं. एचआर-99-जेडए-9216 में देखा गया है। सभी कार्मिकों को हाई अलर्ट पर रख दिया गया। सफेद रंग की उक्त आई20 कार को भोरगढ़ की ओर जाने वाली और जीटी रोड पर टी-प्वाइंट बनाने वाली नरेला औद्योगिक क्षेत्र रोड पर मेन जी.टी. रोड से दाईं ओर मुड़ते हुए देखा गया। एनआईटी रोड, नरेला के नजदीक कारों में इंतजार कर रहे टीम के सदस्यों द्वारा उस कार की भलीभांति पहचान की गई और उसे रोका गया। आरोपी को बचकर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिला और सोनू ने तुरंत अपनी पिस्तौल निकाली तथा पुलिस टीम पर दो गोलियां चलाई, परंतु सौभाग्यवश एक गोली इंस्पेक्टर विनय कुमार की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी, जबकि दूसरी गोली असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर शिव मंगल की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी और इस प्रकार, वे इस छोटी सी मूठभेड़ में सौभाग्यवश बाल-बाल बच गए। पुलिस पार्टी के अन्य सदस्यों ने तत्काल सत्यवान उर्फ सोनू को पकड़ लिया और उसकी अत्याधुनिक पिस्तौल छीन ली, जिसमें 13 जिंदा कारतूस भरे हुए थे। उसके द्वारा चलायी जा रही सफेद आई20 कार की सरसरी तौर पर तलाशी करने पर चालक की सीट के नीचे से एक और स्वदेश निर्मित इंग्लिश पिस्तौल बरामद हुई, जिसमें 04 जिंदा कारतूस भरे हुए थे। इस संबंध में पुलिस स्टेशन स्पेशल सेल, दिल्ली में भारतीय दंड संहिता की धारा 186/353/307 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के अंतर्गत दिनांक 14.09.2017 की एफआईआर सं. 67 के तहत इस आशय का एक मामला दर्ज किया गया था।

दिल्ली पुलिस के कार्मिकों के सूक्ष्म जांच कौशल और वीरतापूर्ण कार्रवाई की न केवल मीडिया में बल्कि आम लोगों द्वारा भी सराहना की गई। उन्होंने वीरता और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। संपूर्ण ऑपरेशन के दौरान, पुलिस टीम के सभी सदस्य गोलीबारी की चपेट में आ गए थे और उनकी जान को खतरा था। उन्होंने खूंखार अपराधी द्वारा चलाई गई गोलियों का सामना किया। उन्होंने अडिग रहते हुए और भयभीत हुए बिना अपनी जान को जोखिम में डाल दिया और अपराधी का बहादुरी से सामना किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पहले भी दुःसाहसी अपराधियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और असाधारण साहस, समर्पण, सूझ-बूझ तथा विरल शौर्यपूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया था और उन्होंने अपनी ड्यूटी के प्रति शौर्यपूर्ण कार्रवाई का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री विनय कुमार, निरीक्षक और शिव मंगल, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14.09.2017 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/07/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 7-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	गोविंद शर्मा	सहायक पुलिस आयुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	संजय गुप्ता	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	राजेश कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	अजयवीर सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एक बड़े ऑपरेशन में दो खूंखार गैंगस्टर्सों नामतः संजय लाकड़ा, उम्र 48 वर्ष पुत्र राम किशन, निवासी- मुंडका, दिल्ली और विजय सेहरावत, उम्र 38 वर्ष पुत्र राजवीर सिंह, निवासी- गांव दरियापुर, दिल्ली को गिरफ्तार किया गया था। दोनों आरोपी व्यक्ति 12 वर्षों से अधिक समय से फरार थे और वे दिल्ली पुलिस द्वारा वांछित थे और लम्बे समय से अर्थात् वर्ष 2006 से फरार अपराधी थे। वे दोनों सोनू दरियापुर गैंग के सक्रिय सदस्य थे और उन्हें विभिन्न माननीय न्यायालयों ने अपराधी घोषित कर रखा था।

आरोपी संजय लाकड़ा पुलिस स्टेशन मुंडका का एक फरार बीसी भी था और वह 20 से अधिक जघन्य अपराधों में संलिप्त था, जबकि आरोपी विजय लाम्बा 9 जघन्य अपराधों में संलिप्त था। सक्षम पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने भी उनकी गिरफ्तारी पर “2 लाख रुपये प्रत्येक” के नकद इनाम की घोषणा कर रखी थी।

आरोपी विजय लाम्बा तीन हत्याओं वाले एक सनसनीखेज मामले में भी संलिप्त था, जिसमें बहादुर असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर विजय कुमार की हत्या शामिल है, जिन्होंने किसी सोनू दरियापुर, जिसे माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश द्वारा सुरक्षा प्रदान की गई थी, के पीएसओ के रूप में अपनी ज्यूटी करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया था। इस घटना में एक अन्य पीएसओ नामतः कांस्टेबल कुलदीप भी गोली लगने से घायल हो गए थे। एक राहगीर भी गोली लगने से घायल हुआ था। अपराध स्थल से 9 एमएम के 35 खाली कारतूस भी बरामद किए गए, जो अपराध की गंभीरता को दर्शाता है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन मियांवाली नगर, दिल्ली में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302/307/186/353/120ख/34 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के अंतर्गत दिनांक 01.05.2017 की एफआईआर सं. 216 के तहत एक मामला दर्ज किया गया था।

इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी से पहले, सहायक पुलिस आयुक्त गोविंद शर्मा, इंस्पेक्टर संजय गुप्ता और राजेश कुमार की टीम ने इस गिरोह के आठ (8) सदस्यों को भी गिरफ्तार किया था, जो बहादुर असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर की नृशंस हत्या में शामिल थे। ये गैंगस्टर सत्यवान सेहरावत उर्फ सोनू दरियापुर (वर्ष 2009 से फरार), राजेश उर्फ राजे (आजीवन कारावास), सुमित उर्फ पलोतरा (आजीवन कारावास), नवीन खत्री (वर्ष 2014 से फरार), परमीत डबास, सोनू उर्फ केजरीवाल, संदीप उर्फ पाडू उर्फ पागल और सतीश उर्फ डीलू हैं, जो बहादुर असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर की नृशंस हत्या में शामिल थे। इस गिरोह से नौ अत्याधुनिक अवैध पिस्तौलें और रिवॉल्वर (विदेश निर्मित रिवॉल्वर और पिस्तौल सहित), एक 9एमएम की एसएएफ कारबाइन (पुलिस और अर्ध सैनिक बलों द्वारा प्रयुक्त) और कारतूस बरामद किए गए थे। सीएफएसएल की रिपोर्टों से यह साबित होता है कि बरामद किए गए हथियारों का प्रयोग अपराध को अंजाम देने में किया गया था।

इस गिरोह के विरुद्ध पुलिस स्टेशन स्पेशल सेल में एमसीओसी अधिनियम की धारा 3/4 के तहत एफआईआर सं. 78/2018 के अंतर्गत एमसीओसी अधिनियम के तहत एक कड़ी कार्रवाई का मामला भी दर्ज किया गया था।

इस गिरोह के आठ (8) सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद भी, यह गिरोह अभी भी सक्रिय था और निर्दोष व्यक्तियों से जबरन धन वसूली और अपने विरुद्ध दर्ज मामलों के गवाहों पर दबाव डालने में संलिप्त था। ऐसा इसलिए किया जा रहा था, क्योंकि इस गिरोह के दो शीर्ष गैंग लीडर नामतः संजय लाकड़ा और विजय सेहरावत वर्ष 2006 से बाहर थे और फरार थे।

उपर्युक्त पुलिस अधिकारियों द्वारा विशेष रूप से 01 मई, 2017 के बाद एक व्यापक और सतत ऑपरेशन शुरू किया गया था (जब इस गिरोह ने दिल्ली पुलिस के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर की हत्या और दिल्ली पुलिस के ही एक कांस्टेबल को घायल करने सहित एक नृशंस ट्रिपल मर्डर किया था)। इन पुलिस अधिकारियों के सतत और निरंतर प्रयास उस समय सफल हुए, जब दिनांक 07.12.2018 को उन्हें पुलिस स्टेशन द्वारका सेक्टर-23, दिल्ली के क्षेत्र में लम्बे समय से दिल्ली पुलिस के इन दो फरार आरोपी व्यक्तियों की गतिविधि के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई।

यह विशिष्ट सूचना प्राप्त होने पर, पुलिस स्टेशन द्वारका सेक्टर-23 के क्षेत्र में एक जाल बिछाया गया। पुलिस टीम ने आरोपी व्यक्तियों की आई-10 कार देखी और अपने वाहनों की सहायता से आई-10 कार के दोनों ओर से मूवमेंट को रोक दिया और उनसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। परंतु हथियार डालने के बजाय, दोनों आरोपी व्यक्तियों ने अपने बच निकलने का रास्ता बनाने के लिए पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, पुलिस टीम पूरी तरह मुस्तैद थी, क्योंकि पूर्व सूचना से यह पता चल गया था कि आरोपी व्यक्ति अवैध अत्याधुनिक आग्नेयास्त्रों से लैस हैं और आसानी से गोली चला देते हैं। दोनों आरोपी व्यक्तियों ने पुलिस टीम पर 11 राउंड गोलियां चलाईं। आरोपी विजय लाम्बा ने अपनी रिवॉल्वर से पुलिस टीम पर कुल छह राउंड गोलियां चलाईं जबकि आरोपी संजय लाकड़ा ने अपनी अत्याधुनिक पिस्तौल से पुलिस पर 5 राउंड गोलियां चलाईं। ग्यारह में से, चार गोलियां पुलिस टीम के सदस्यों अर्थात् सहायक पुलिस आयुक्त गोविंद शर्मा, इंस्पेक्टर संजय गुप्ता, इंस्पेक्टर राजेश कुमार और सब इंस्पेक्टर अजयबीर सिंह को लगीं और कुछ गोलियां पुलिस टीम के सरकारी वाहनों में लगीं। तथापि, पुलिस टीम की सतर्कता और सुरक्षात्मक तैयारी के कारण, कोई भी पुलिस कार्मिक घायल नहीं हुआ। पुलिस ने भी सावधानी के साथ जवाबी कार्रवाई की और इससे पहले कि वे अपने हथियार दुबारा लोड करते अथवा उस स्थान से भागते, पुलिस ने दोनों आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी विजय सेहरावत से एक वेबले इंग्लिश रिवॉल्वर, आरोपी संजय लाकड़ा से एक अत्याधुनिक पिस्तौल और उनकी आई-10 कार से भारी मात्रा में गोला-बारूद के साथ-साथ एक और अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद की गई। छानबीन के दौरान, यह पाया गया कि आई-10 कार भी पुलिस स्टेशन बदरपुर, दिल्ली के एरिया से चोरी की गई है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन स्पेशल सेल, दिल्ली में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 186/353/307/34 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के अंतर्गत दिनांक 08.12.2018 की एफआईआर सं. 146/2018 के तहत एक मामला दर्ज किया गया है।

दिनांक 07.12.2018 को उपर्युक्त आरोपी संजय लाकड़ा और विजय सेहरावत की गिरफ्तारी के दौरान अपनी स्वयं की सुरक्षा की परवाह न करते हुए और अपनी जान को खतरे में डालते हुए, उपर्युक्त पुलिस अधिकारियों ने ऑपरेशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए

आवश्यकता के अनुसार बहादुरीपूर्ण पहले कीं। इसके पहले भी, उपर्युक्त पुलिस अधिकारी दुःसाहसी अपराधियों को पकड़ते समय गोलीबारी की चपेट में आ चुके थे।

दिल्ली पुलिस के अधिकारियों की बहादुरीपूर्ण कार्यवाही की न केवल उच्च रैंक के पुलिस अधिकारियों ने, बल्कि आम लोगों ने भी भरपूर सराहना की। उन्होंने वीरता और अपनी ड्यूटी के प्रति समर्पण का एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री गोविंद शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त, संजय गुप्ता, निरीक्षक, राजेश कुमार, निरीक्षक और अजयवीर सिंह, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07.12.2018 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/97/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 8-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक तृतीय बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का छठवां बार (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्वर्गीय मोहन चंद शर्मा	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का छठवां बार (मरणोपरांत)
2	कैलाश सिंह बिष्ट	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
3	धर्मेन्द्र कुमार	उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
4	देवेंद्र सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
5	निसार अहमद शेख	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	परवेश राठी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो उग्रवादियों को विशेष सेल, दिल्ली के निरीक्षक मोहन चंद शर्मा के नेतृत्व वाली टीम ने तिरसठ लाख रुपये की नकदी, 5 किलोग्राम आरडीएक्स, 12 हैंड ग्रेनेड, 10 इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, 2 पिस्टल और 87 कारतूस आदि के साथ अगस्त 2005 में गिरफ्तार किया था, जिसका उल्लेख एफआईआर नंबर-122/2005 पीएस स्पेशल सेल, दिल्ली में किया गया है। पृच्छताछ के दौरान, गिरफ्तार आतंकवादियों ने खुलासा किया कि उन्हें जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी आसिफ उर्फ कारी उर्फ सैफुल्लाह निवासी-पाकिस्तान (जम्मू क्षेत्र के डिवीजनल कमांडर) द्वारा दिल्ली में एक अड्डा स्थापित करने के लिए भेजा गया था, ताकि आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके। तुरंत ही, जेईएम आतंकवादी आसिफ उर्फ कारी उर्फ सैफुल्लाह के संबंध में गैर-जमानती वारंट प्राप्त किया गया और भौतिक/तकनीकी निगरानी शुरू की गई। अगस्त 2007 में, स्पेशल सेल/दिल्ली पुलिस की टीम ने जम्मू के जनीपुरा में इस वांछित आतंकवादी आसिफ उर्फ कारी उर्फ सैफुल्लाह की गतिविधि का पता लगा लिया।

10/11 अगस्त, 2007 की रात को, स्पेशल सेल/दिल्ली पुलिस की टीम ने जम्मू में एक घर की घेराबंदी की और जेईएम के इन आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन आतंकवादी बाहर नहीं आए। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए टीम ने घर में प्रवेश किया और फिर से आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी गई, लेकिन सैफुल्लाह उर्फ कारी ने तुरंत ही पुलिस पार्टी पर गोलीबारी खोल दी और बचने के लिए घर से बाहर भाग गया। आतंकवादी द्वारा चलाई गई एक गोली एसआई देवेंद्र सिंह को लग गई। तुरंत ही पुलिस ने सुरक्षित पोजीशन ले ली और हताहत होने से बचने के लिए आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की। आधे घंटे से अधिक की इस मुठभेड़ में, जेईएम आतंकवादी सैफुल्लाह उर्फ कारी, निवासी- पाकिस्तान ने मौके पर ही गोली लगने के कारण दम तोड़ दिया और उसका एक साथी जफर इकबाल निवासी- पाकिस्तान गोली लगने से घायल हो गया।

मारा गया जेईएम आतंकवादी सैफुल्लाह उर्फ कारी, निवासी- पाकिस्तान (जम्मू क्षेत्र का डिवीजनल कमांडर) वर्ष 2001 से जम्मू और कश्मीर घाटी में सक्रिय था। इससे पहले, वह हरकत-उल-मुजाहिदीन और हरकत-उल-जेहाद-ए-इस्लामी में शामिल रहा था। एचयूजेआई के विभाजन के बाद, वह मौला मसूद अजहर के साथ मिल गया और जमात-उल-मुजाहिदीन में शामिल हो गया, जो बाद में जैश-ए-मोहम्मद बना। वह भारत में आतंकवादी ऑपरेशनों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के लिए जेईएम के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर से टास्क प्राप्त करता था। उसने राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद, अयोध्या, यूपी में फिदायीन हमले सहित कई आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया।

निम्नलिखित बरामदगियों की गई :—

- (i) एक चीन निर्मित स्टार पिस्टल
- (ii) मैगज़ीन-02
- (iii) लाइव हैंड ग्रेनेड-02
- (iv) मोबाइल फ़ोन-08
- (v) सैटेलाइट थुराया हैंडसेट-01
- (vi) अतिरिक्त मोबाइल सिम कार्ड-04
- (vii) जेएंडके का नकली चुनाव पहचान पत्र ,जिसमें मारे गए आतंकवादी की फोटो लगी हुई है और फर्जी नाम मोहम्मद रकीब पुत्र श्री नूर मोहम्मद निवासी -हरमुदा गुरसाई, मेंधर पुंछ, जम्मू अंकित है तथा 30,000/-रुपये की नकदी
- (viii) 3मैट्रिक्स शीट ,जिसमें जेईएम आतंकवादियों के कोड, टेलीफोन नंबर, उनके लक्ष्य और जेईएम कमांडरों के बारे में अन्य जानकारी निहित है।
- (ix) अन्य आपराधिक दस्तावेज।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री स्वर्गीय मोहन चंद शर्मा, निरीक्षक, कैलाश सिंह बिष्ट, निरीक्षक, धर्मेन्द्र कुमार, उप निरीक्षक, देवेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक, निसार अहमद शेख, सिपाही और परवेश राठी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11/08/2007 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/101/2008-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 9--प्रेज/2021—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मनीषी चंद्रा	सहायक पुलिस आयुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	रविन्दर जोशी	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	विनोद कुमार	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	बन्ने सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिल्ली और हरियाणा के अत्यधिक दुःसाहसी अपराधी नामतः सुरेंद्र मलिक उर्फ नीतू दाबोदा और संदीप चितानिया (जिसकी 17 मई, 2012 को सोनीपत, हरियाणा में हरियाणा पुलिस द्वारा पुलिस मुठभेड़ में मृत्यु हो गई थी) 2 अप्रैल, 2012 को द्वारका क्षेत्र से हरियाणा पुलिस की हिरासत से उस समय बच निकले थे, जब उन्हें साकेत न्यायालय में पेश करने के बाद भोंडसी जेल वापस ले जाया जा रहा था।

जब यह पता चला कि उन्होंने अपने सहयोगियों नामतः आलोक गुप्ताम और एक अन्य व्यक्ति काले के साथ दिनांक 25/26.11.2012 की मध्यवर्ती रात्रि में पुलिस स्टेशन कंझावला, दिल्ली में तैनात दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल राम किशन की हत्या कर दी है, जिसने पिकेट चेकिंग के दौरान कंझावला, दिल्ली में जॉंटी पुलिस पिकेट पर उन्हें रोका था, तब स्पेशल सेल ने आरोपी सुरेंद्र मलिक उर्फ नीतू को गिरफ्तार करने के लिए अपने प्रयास तेज कर दिये। दिनांक 18.02.2013 को स्पेशल सेल और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीमों तथा आरोपी सुरेंद्र मलिक उर्फ नीतू दाबोदा उर्फ मोहित और उसके सहयोगियों के बीच सारदूलगढ़, जिला मनसा, पंजाब में एक मुठभेड़ हुई, जिसमें आरोपी नीतू दाबोदा गोली लगने से घायल हो गया, परंतु वह बच निकलने में सफल हो गया, लेकिन उसका सहयोगी दयानंद, निवासी- हरियाणा और तीन अन्य स्थानीय सहयोगी गिरफ्तार कर लिये गये और आरोपी दयानंद भी उक्त मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया।

दिनांक 24.10.2013 को विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी सुरेंद्र मलिक उर्फ नीतू दाबोदा और उसके सहयोगियों, जिनकी संख्या अज्ञात है, के देर शाम दिल्ली के नम्बर प्लेट 3716 वाली एक सफेद रंग की हंडई आई-20 कार में होटल ग्रांड, वसंत कुंज के नजदीक सर्विस रोड पर स्थित पेट्रोल पम्प के आस-पास आने की संभावना है। यह भी सूचित किया गया था कि नीतू का यह दौरा फिरौती के लिए किसी अज्ञात टारगेट की सनसनीखेज किडनैपिंग की योजना बनाने हेतु अपने किसी संपर्क सूत्र से मिलने के लिए है। तदनुसार, अपराधियों की संदिग्ध कार का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक रेड आयोजित की गई।

रात लगभग 10.30 बजे पेट्रोल पम्प के निकट तीन सवारियों को ले जा रही संदिग्ध कार दिखाई दी। तथापि, पुलिस की मौजूदगी को भांपते हुए उक्त सवारियां अपनी कार के साथ होटल ग्रांड से सी-5 ब्लॉक, वसंत कुंज की ओर जाने वाली लिंक रोड पर भाग गईं। स्पेशल सेल की टीमों द्वारा विभिन्न वाहनों में उनका पीछा किया गया।

कुछ देर पीछा करने के बाद, सहायक पुलिस आयुक्ता मनीषी चंद्रा ने अपनी स्वयं के द्वारा चलाई जा रही स्कॉर्पियो कार से तेजी से बाईं ओर मुड़कर अपराधियों की आई-20 कार को बीच में ही अवरुद्ध कर दिया। अपराधियों ने ब्रेक लगाने के बजाय अपनी आई-20 कार से स्कॉर्पियो कार में टक्कर मार दी। उसके तत्काल बाद सभी तीनों अपराधी अपनी कार से नीचे उतरे और अलग-अलग दिशाओं में भाग गए। आगे बायीं ओर बैठे हुए अपराधी ने श्री मनीषी चंद्रा, सहायक पुलिस आयुक्त द्वारा चलाई जा रही स्कॉर्पियो कार पर गोलीबारी की और सामने की ओर भागा, जबकि इसका चालक और पीछे की सीट पर बैठा हुआ तीसरा व्यक्ति अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए ग्रांड होटल की ओर पीछे की दिशा में भाग गए। इसी बीच, इंस्पेक्टर हृदय भूषण और सब इंस्पेक्टर रविन्दर जोशी के नेतृत्व वाली टीम ने संदिग्ध अपराधियों की क्षतिग्रस्त आई-20 कार और पुलिस टीम की स्कॉर्पियो कार को ओवरटेक किया और क्षतिग्रस्त कारों के सामने पोजीशन ले ली तथा टीम के सदस्य उपयुक्त पोजीशन लेते हुए नीचे उतर गए।

एक अपराधी, जिसकी बाद में आरोपी सुरेंद्र मलिक उर्फ नीतू दाबोदा के रूप में पहचान की गई, जो स्कॉर्पियो कार पर गोलीबारी करने के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों के सामने की ओर भागा था, को उप पुलिस आयुक्त संजीव कुमार यादव और इंस्पेक्टर हृदय भूषण तथा टीम के अन्य सदस्यों द्वारा अपनी पहचान उजागर करते हुए चुनौती दी गई और उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परंतु इसके बजाय उसने पुलिस टीम के सदस्यों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उसके द्वारा चलाई गई दो गोलियां सब इंस्पेक्टर रविन्दर जोशी द्वारा पहनी हुई बुलेटप्रूफ जैकेट में लगीं। आत्मरक्षा में और अपनी जान बचाने के लिए, पुलिस टीम के सदस्यों ने भी अपराधी पर गोलीबारी की, जो घायल हो गया और सड़क के किनारे गिर गया। "वेबले" मेक की एक पिस्तौल उसके बगल में पड़ी हुई मिली। थोड़ी दूर दौड़ने के बाद, उनमें से एक अपराधी ने बायीं ओर की सड़क पार कर ली और उसे सब इंस्पेक्टर सुखवीर सिंह एवं अन्य कार्मिकों वाली इंस्पेक्टर ललित मोहन नेगी की टीम द्वारा रोका गया। इंस्पेक्टर ललित मोहन नेगी ने अपनी पहचान बतायी और अपराधी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन इसके बजाय उसने पुलिस टीम के सदस्यों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसके द्वारा चलायी गई एक गोली इंस्पेक्टर सुखवीर द्वारा पहनी हुई बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। आत्मरक्षा में और अपनी जान बचाने के लिए, पुलिस टीम के सदस्यों ने भी अपराधी पर गोलीबारी की, जो घायल हो गया और सड़क के किनारे गिर गया। बाद में, उसकी पहचान आरोपी आलोक गुप्ता, निवासी कन्नौज (उ.प्र.), आरोपी नीतू दाबोदा के एक निकट सहयोगी के रूप में की गई। उसके बगल में एक स्टील कलर की पिस्तौल पड़ी हुई मिली।

तीसरे अपराधी, जो होटल ग्रांड की ओर जाने वाली सड़क के दायीं ओर भाग रहा था और जिसने अपने हाथ में हथियार ले रखा था, को इंस्पेक्टर रमेश चंद्र लाम्बा की टीम द्वारा रोका गया। इंस्पेक्टर रमेश चंद्र लाम्बा ने संदिग्ध अपराधी को अपनी पहचान बतायी और उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, परंतु इसके बजाय उसने पुलिस दल के सदस्यों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसके द्वारा चलायी गई एक गोली इंस्पेक्टर रमेश चंद्र लाम्बा की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। आत्मरक्षा में और अपनी जान बचाने के लिए, पुलिस टीम के सदस्यों ने भी अपराधी पर गोलीबारी की, जो घायल हो गया और सड़क के किनारे गिर गया। बाद में, उसकी पहचान आरोपी दीपक गुप्ता, निवासी उत्तम नगर, दिल्ली, आरोपी नीतू दाबोदा के सहयोगी के रूप में की गई। एक पिस्तौल, जिस पर "मेड इन यूएसए" लिखा हुआ था, उसके बगल में पड़ी हुई मिली। सभी तीनों घायल अपराधियों को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां सभी तीनों अपराधियों को मृत लाया हुआ घोषित कर दिया गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मनीषी चंद्रा, सहायक पुलिस आयुक्त, रविन्दर जोशी, उप निरीक्षक, विनोद कुमार, सहायक उप निरीक्षक और बन्ने सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.10.2013 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/162/2016-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 10-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री साकिब रसूल शेख	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.12.2017 को, जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा गांव कर्णबल संबूरा में जैश-ए-मोहम्मद के एक शीर्ष आतंकवादी सरगना की मौजूदगी के बारे में जानकारी जुटाई गई। इस सूचना की श्री मुनीर अहमद खान, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर जोन द्वारा आगे और पुष्टि की गई तथा इसे 50 आरआर एवं 130/110 बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा किया गया। एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई और श्री मुनीर अहमद खान, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर जोन, श्री एस.पी. पाणी, आईपीएस, डीआईजी एसकेआर अनंतनाग और श्री मोहम्मद जैद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अबंतीपोरा के नेतृत्व में पुलिस और उक्त आरआर/सीआरपीएफ यूनिट की संयुक्त टीमों उस क्षेत्र में पहुंचीं। सर्वप्रथम उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) पंपोर रियाज अहमद-जेकेपीएस, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर गुलाम रुबानी 151/एस, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर इरशाद अहमद 346/एडब्ल्यू टी, हेड कांस्टेबल शेर खान 395/एडब्ल्यू टी, एसजीसीटी शबीर अहमद 2692/एस, एसजीसीटी फारूक अहमद 819/आईआर 11वीं बटालियन, कांस्टेबल साकिब रसोक 653/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद 659/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल खालिद मसूद 598/एडब्ल्यू टी, कांस्टेबल मुदासिर अहमद 541/एडब्ल्यू टी, कांस्टेबल निसार अहमद 749/एडब्ल्यू टी, कांस्टेबल वसीम अहमद 658/एडब्ल्यू टी, कांस्टेबल आरिफ मोहम्मद 506/एडब्ल्यू टी, कांस्टेबल नसीर अहमद 737/एडब्ल्यू टी, मुख्तार अहमद 727/एडब्ल्यू टी, एसपीओ शिराज अहमद 282/एसपीओ, एसपीओ मुख्तार अहमद 75/एसपीओ, एसपीओ मुश्ताक अहमद 173/एसपीओ, एसपीओ सूरज सिंह 137/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल कयूम 793/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद यूनिस् 312/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद इरफान 156/एसपीओ, एसपीओ सजाद अहमद 155/एसपीओ, एसपीओ असलम 458/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद जहांगीर 505/एसपीओ, एसपीओ यूनिस् रजा भट 611/एसपीओ, एसपीओ फयाज अहमद 109/एसपीओ, एसपीओ हसीना बानो 360/एसपीओ, एसपीओ नूर-उल-अमीन 146/एसपीओ, एसपीओ गुलाम नेब सं. 316/एसपीओ और एसपीओ मंजूर अहमद सं. 123/एसपीओ वाला छोटा पुलिस घटक और बाद में अबंतीपोरा पुलिस के अतिरिक्त सैन्य बल भी इस संयुक्त ऑपरेशन में शामिल हो गए। योजना के अनुसार कार्रवाई करते हुए, संयुक्त ऑपरेशन टीमों ने लक्षित स्थान पर पहुंचने के तुरंत बाद उक्त क्षेत्र को घेर लिया और तैनात संपूर्ण कार्मिकों को तीन हिस्सों में बांट दिया गया। तैनात कार्मिकों के एक दल को विशेष तौर पर कानून और व्यवस्था के प्रबंधन का कार्य सौंपा गया और शेष दो दलों को बाहरी/भीतरी घेराबंदी का कार्य सौंपा गया तथा श्री मुनीर अहमद खान, आईपीएस के नेतृत्व में तैनात कार्मिकों के एक भाग ने तलाशी ऑपरेशन का कार्य संभाला। श्री एस. पी. पाणी, आईपीएस डीआईजी पुलिस एसकेआर, अनंतनाग, सीओ 50 आरआर और श्री मोहम्मद जैद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अबंतीपोरा के नेतृत्व में भीतरी घेराबंदी वाले दलों को आगे तीन हिस्सों में बांट दिया गया। इस कार्य हेतु सबसे वरिष्ठ अधिकारी होने के नाते श्री मुनीर अहमद खान, आईपीएस ने पूरे ऑपरेशन की जिम्मेदारी संभाल ली और श्री एस. पी. पाणी, आईपीएस डीआईजी एसकेआर, अनंतनाग के साथ आगे रहकर तलाशी दलों का नेतृत्व करने का निर्णय लिया। चूंकि, दिन में ऑपरेशनों को अंजाम देना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है और वह भी तब, जब शीर्ष आतंकवादी सरगनाओं के छिपने की सूचना प्राप्त होती है, इसलिए पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर ने जमीनी हालात के अनुसार कार्रवाई करते हुए दोबारा रणनीति तैयार की और श्री रियाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) पंपोर को लक्षित घर से उन आम लोगों, जो उक्त घर के भीतर फंसे हुए थे, को सुरक्षित बचाने के लिए दो अलग-अलग दिशाओं से अपनी टीम का अनुसरण करने का कार्य सौंपा। जब पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर के नेतृत्व में तलाशी दल ने अब्दुल अजीज डार पुत्र मोहम्मद गुलाम मोहम्मद डार, निवासी- कर्णबल, संबूरा के लक्षित घर की ओर बढ़ना शुरू किया, तब आतंकवादी ने उक्त घर की खिड़की खोली और एक हैंड ग्रेनेड फेंका, जो श्री मुनीर अहमद खान, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर, श्री एस. पी. पाणी, आईपीएस डीआईजी पुलिस, एसकेआर से कुछ मीटर की दूरी पर गिरा और चूंकि दोनों अधिकारी तथा उनकी टीम के सदस्य काफी सतर्क थे, इसलिए वे इस विस्फोट से बाल-बाल बच गए। आतंकवादी ने संयुक्त तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी भी शुरू कर दी। तथापि, पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर और डीआईजी एसकेआर सहित टीम के प्रत्येक सदस्य ने अपने संबंधित स्थानों पर पोजीशन ले रखी थी, इसलिए वे आतंकवादी के हमले से सफलतापूर्वक बच गए। पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर के नेतृत्व वाली टीम ने उसी विशिष्ट क्षण पर जवाबी गोलीबारी नहीं की, क्योंकि आम लोगों के मारे जाने की पूरी संभावना थी। तथापि, विद्रोह-रोधी ऑपरेशन का विशेषज्ञ होने की वजह से उक्त अधिकारी ने आतंकवादी के भीतर घबराहट की भावना पैदा कर दी और उन्होंने तब तक उसे भीतर ही रहने पर विवश

कर दिया, जब तक कि वे स्वयं अपनी टीम के साथ उक्त घर के प्रथम तल के अंदर प्रवेश नहीं कर गए। घर के बाहर, अपनी टीम के साथ सीओ 50 आरआर, अपनी-अपनी टीमों के साथ 110/130 बटालियन सीआरपीएफ के पर्यवेक्षण अधिकारियों ने तब तक पूरे घर को घेरे रखा, जब तक कि पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर के नेतृत्व वाले दलों ने घर के अंदर कैद लोगों को बचाकर बाहर नहीं निकाल लिया। आतंकवादी ने उस घर के प्रथम तल पर जाने के तीन प्रयास किए, ताकि वह उन्हें नुकसान पहुंचा सके। ऐसा करते समय, आतंकवादी ने 10 राउंड गोली चलाई, परंतु घर की बनावट के कारण आतंकवादी को कुछ भी दिखाई नहीं दिया और विशेषकर डीआईजी एसकेआर, अनंतनाग और कांस्टेबल साकिब रसूल शेख 653/एडब्ल्यू टी ईएक्सकेके 126373 द्वारा ली गई प्रभावशाली पोजीशन के कारण भी आतंकवादी लक्षित घर के प्रथम तल पर नहीं जा सका। आम लोगों को सफलतापूर्वक सुरक्षित निकालने के बाद, आतंकवादी ने अपना धैर्य खो दिया और उसने पूर्ण निराशा में घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से संयुक्त तलाशी दलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, ताकि वह उस स्थान से बच कर भाग सके। तथापि, श्री मुनीर अहमद खान, आईपीएस ने योजना के अनुसार कार्रवाई की और घेराबंदी को अधिक सुदृढ़ कर दिया तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा को लक्षित घर के चारों ओर तैनात कार्मिकों का पर्यवेक्षण करने का निदेश दिया। सीओ 50 आरआर भी वहां मौजूद थे। इसी बीच, लक्षित घर को भी निशाना बनाया गया और दो दिशाओं से जवाबी गोलीबारी की गई। जवाबी गोलीबारी की प्रक्रिया लगभग 1½ घंटे तक चली, जिसके दौरान आतंकवादी को अधिक से अधिक गोला-बारूद का प्रयोग करने के लिए विवश कर दिया गया। यह भांपते हुए कि आतंकवादी भी रणनीति बदल रहा है और अपने बचने के लिए लम्बे ऑपरेशन की प्रतीक्षा कर रहा है, श्री मुनीर अहमद खान, आईपीएस ने डीआईजी एसकेआर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा की टीम के साथ घर के भीतर प्रवेश करने की योजना बनाई। ऐसा करते समय, सीओ 50 आरआर (सेना) की टीम लक्षित घर के बहुत निकट पहुंच गई और उसने आतंकवादी को तब तक भीषण गोलीबारी में उलझाए रखा, जब तक कि डीआईजी एसकेआर के साथ पुलिस महानिरीक्षक कश्मीर और उनकी टीम के साथी उस घर के भीतर प्रवेश नहीं कर गए। घर के भीतर जाते समय, आतंकवादी प्रथम तल पर चला गया और दोनों अधिकारियों और उनकी टीम के सदस्यों पर हमला कर दिया, जिसमें वे बाल-बाल बच गए। तथापि, जवाबी कार्रवाई में उक्त आतंकवादी मौके पर ही मारा गया और उसकी पहचान नूर मोहम्मद तंत्रे पुत्र स्वर्गीय अब्दुल खालिक निवासी डार गनी गुंड त्राल (ए ++ श्रेणी) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के पास से बरामद किए गए हथियारों/गोला-बारूद में 1 एके 47, 2 एके मैगजीन, 49 एके राउंड, 1 मेडिसिन, 250 ग्राम विस्फोटक (सूखा), 1 जोड़ी जूता, 1 आत्मघाती बेल्ट और 1 कंबल शामिल हैं। इस संबंध में पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा में आरपीसी की धारा 307 तथा आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के अंतर्गत एफआईआर सं. 219/2017 के तहत एक मामला दर्ज है और जांच चल रही है। जैश-ए-मोहम्मद के ऊपर उल्लिखित अत्यधिक वांछित शीर्ष आतंकवादी सरगना का मारा जाना, पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए निस्संदेह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि उसकी मृत्यु से जैश-ए-मोहम्मद गुट को काफी क्षति पहुंची।

इस ऑपरेशन में श्री साकिब रसूल शेख, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25.12.2017 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/139/2018-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 11-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	सैयद जावीद अहमद	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	तबरेज अहमद	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	मुनीर अहमद भट	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	अयाज अहमद कटोच	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27-05-2017 को पुलिस बारामूला को उरी सेक्टर की नियंत्रण रेखा के पास राखिया बेहक के सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों की आवाजाही होने के बारे में विश्वसनीय स्रोत से एक सूचना मिली। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बारामूला की देखरेख में उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बारामूला, एसडीपीओ उरी, पुलिस स्टेशन उरी की नफरी और एसओजी कर्मियों के साथ 4वीं गढ़वाल आर्मी से लगी हुई लोकेशन की ओर रवाना हुए तथा कॉर्डन और सर्च ऑपरेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी। 4वीं गढ़वाल आर्मी

और कुछ पुलिस कर्मियों/जिला पुलिस बaramूला के एसपीओ की एक टीम गठित की गई थी। उनमें से एक टीम को सर्च ऑपरेशन चलाने का कार्य सौंपा गया था, जबकि एक दूसरी टीम को सर्च टीम को कवर सुरक्षा देने का काम सौंपा गया था। श्री निसार अहमद उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बaramूला, श्री सैयद जावीद अहमद, एसडीपीओ उरी जेकेपीएस-116036, इंस्पेक्टर तबरेज अहमद नंबर-एआरपी-046147, एसआई मोहम्मद मुर्तजा नंबर 7601/एनजीओ, एसआई खालिद फयाज ईएक्सके-109446, एएसआई मोहम्मद सादिक, हेड कांस्टेबल मुनीर अहमद 295/बीडी, हेड कांस्टेबल अमरजीत सिंह 526/बी, हेड कांस्टेबल मोहम्मद ताहा 82/बी, हेड कांस्टेबल अब्दुल अजीज 298/बी, एसजी कांस्टेबल अमरैज खान 890/बी, एसजी कांस्टेबल अयाज अहमद एआरपी-096446, एसजी कांस्टेबल, तारिक अहमद 1600/बी, एसजी कांस्टेबल शब्बीर अहमद 477/बी, कांस्टेबल मोहम्मद असलम 618/एडब्ल्यूपी, कांस्टेबल अब्दुल हमीद 1078/बी, कांस्टेबल फारूक अहमद 1334/बी, कांस्टेबल अयाज अहमद 1341/बी, कांस्टेबल हिलाल अहमद 1580/बी, कांस्टेबल सजाद अहमद 1308/बी, कांस्टेबल हिलाल अहमद 626/बी, एसपीओ आसिफ हुसैन 479/एसपीओ, एसपीओ सैयद मोहम्मद 1782/एसपीओ, एसपीओ अली मोहम्मद 1870/एसपीओ, एसपीओ मंजूर अहमद 833/एसपीओ (एसजीआर), एसपीओ वजीर अहमद 1104/एसपीओ, एसपीओ ऑडिल हामिद 305/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल गनी 820/एसपीओ, एसपीओ नाजिर अहमद 1151/एसपीओ, एसपीओ ओतार सिंह 270/एसपीओ, एसपीओ फैयाज अहमद 650/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद अशरफ 1620/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद रमजान 1785/एसपीओ, एसपीओ हबीबुल्लाह मलिक 193/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद इस्माइल 1192/एसपीओ, एसपीओ निस्सार अहमद 1464/एसपीओ, एसपीओ करनैल सिंह 1210/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद ज़मान 127/एसपीओ, एसपीओ वसीम अहमद 523/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल लतीफ 675/एसपीओ, एसपीओ बशीर अहमद 180/एसपीओ ने स्वयं इस सर्च और कवर टीमों का हिस्सा बनने की इच्छा जताई। सर्च ऑपरेशन श्री सैयद जावीद अहमद उप पुलिस अधीक्षक एसडीपीओ उरी के नेतृत्व वाले ऑपरेशनल अधिकारियों की निगरानी में शुरू किया गया था। संदिग्ध क्षेत्र की तलाशी लेते समय, अचानक ही तबरेज अहमद एआरपी-046147, हेड कांस्टेबल मुनीर अहमद 295/बीडी और एसजी कांस्टेबल अयाज अहमद एआरपी-096446, जिनकी अगुवाई उप पुलिस अधीक्षक सैयद जावेद अहमद कर रहे थे, आस-पास के जंगलों में छिपे हुए आतंकवादियों की भारी गोलीबारी के चपेट में आ गए। सर्च पार्टी पर्याप्त रूप से सतर्क थी और उसे हमले के दौरान कोई नुकसान नहीं हुआ। तभी अधिकारी द्वारा एक कुशल रणनीति बना ली गई और आतंकवादी के स्थान को चिह्नित कर लिया गया। पूर्ण पेशेवरता के साथ सर्च पार्टी घटनों के बल रेंगती हुई आतंकवादियों के छिपने की दिशा में आगे बढ़ी, हालांकि आतंकवादियों ने उनकी गतिविधियों को भांप लिया तथा सर्च पार्टी को मारने और घेराबंदी तोड़ने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। सर्च पार्टी ने जवाबी गोलीबारी की। संयुक्त ऑपरेशनल टीमों की कवर सहायता के तहत हमलावर पार्टी और आतंकवादियों के बीच एक भयंकर मुठभेड़ हुई, जो आधे घंटे तक चली। हमलावर पार्टियां अपने कार्य के प्रति वचनबद्ध थी, जिससे सभी 06 कट्टर आतंकवादियों को तुरंत गोलियों से उड़ा दिया गया।

उस क्षेत्र में आगे फिर खोज करने के बाद पाया गया कि आतंकवादियों की कोई और गतिविधि/मौजूदगी अब नहीं है और अंत में ऑपरेशन को समाप्त कर दिया गया। ऑपरेशन के दौरान बरामद किये गए हथियारों/गोला-बारूद में 4 एके-47 राइफल, 10 एके-47 मैगज़ीन, एके-47 के 305 राउंड, 2 पिस्टल, 1 यूबीजीएल, 3 कंबल, 4 जैकेट, 4 रुक्सैक, 1 टोर्च, 1 लाईटर, 2 दवाईयाँ, 10 इंजेक्शन, 02 बैटरी चार्जर और 1000/- रूपए पाकिस्तानी मुद्रा इत्यादि शामिल हैं। आगे की पूछताछ से पता चला कि ये आतंकवादी विदेशी थे और घाटी में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए हाल ही में हमारी तरफ घुस आये थे। उक्त घटना के लिए आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और आरपीसी की धारा 307 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 27/17 पीएस-उरी में पंजीकृत है।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री सैयद जावीद अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, तबरेज अहमद, उप निरीक्षक, मुनीर अहमद भट, हेड कांस्टेबल और अयाज अहमद कटोच, एसजी कांस्टेबल ने अदम्य, वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27/05/2017 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/150/2018-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

(जगन्नाथ श्रीनिवासन)

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 12-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्वश्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	तारिक महमूद	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	अब्दुल हमीद खताना	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

हंदवाड़ा पुलिस को विशिष्ट सूचना मिली कि दिनांक 19.05.2018 को आतंकवादियों के एक नए घुसपैठ करने वाले समूह ने मूलदारी जंगल में 15आरआर की पैट्रोलिंग पार्टी पर हमला कर दिया है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक पुलिस पार्टी घटनास्थल की ओर रवाना की गई और हंदवाड़ा पुलिस तथा 15 आरआर द्वारा पूरे जंगल क्षेत्र के चारों ओर एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया। आतंकवादियों की मौजूदगी का पता लगाया गया तथा छिपे हुए आतंकवादियों के चारों ओर घेराबंदी को और मजबूत किया गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलाबारी शुरू कर दी, जिससे लकड़ी काटने के लिए जंगल क्षेत्र में काम कर रहे आम नागरिकों के बीच अफरातफरी मच गई। सभी आम नागरिकों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाने के उद्देश्य से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया और उप पुलिस अधीक्षक ऑपरेशंस हंदवाड़ा श्री तारिक महमूद – जेकेपीएस के नेतृत्व वाले तथा एसजीसीटी अब्दुल हामिद खताना सं.630/एच द्वारा मजबूती प्रदान किए गए पुलिस और सेना के संयुक्त दल ने आम नागरिकों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाने की जिम्मेदारी स्वयं संभाल ली। खतरा होने के बावजूद, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए भारी गोलीबारी के बीच आम नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। आम नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया के दौरान भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी और बचाव दल के ऊपर कई ग्रेनेड फेंके। गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया गया और आतंकवादियों को भीषण गोलीबारी में उलझाकर रखा गया।

सभी आम नागरिकों की सुरक्षित निकासी के बाद, ऑपरेशन पुनः शुरू किया गया और बिना किसी समानांतर क्षति के खूंखार आतंकवादियों का सफाया करने के लिए मौके पर ही हमला दलों का गठन किया गया। हमला दलों का नेतृत्व करते हुए उप पुलिस अधीक्षक ऑपरेशंस हंदवाड़ा श्री तारिक महमूद – जेकेपीएस और एसजीसीटी अब्दुल हामिद खताना सं.630/एच इस कार्य के लिए पुनः आगे आए और विभिन्न दिशाओं में छिपे हुए आतंकवादियों की ओर बढ़े तथा घेराबंदी को और मजबूत किया तथा आतंकवादी हमले का फुर्ती से जवाब दिया। जिस क्षेत्र की घेराबंदी की गई थी, वह एक घने जंगल वाला क्षेत्र था और आतंकवादियों ने ऑपरेशन पार्टी को अत्यधिक क्षति पहुंचाने के लिए पहले से ही लाभप्रद पोजीशन ले रखी थी। संस्तुओत कार्मिक पेड़ों के पीछे पोजीशन लेते हुए धीरे-धीरे आतंकवादियों की ओर आगे बढ़े। हमला दल को आगे बढ़ता देखकर आतंकवादियों ने हमला दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और कई ग्रेनेड फेंके। उप पुलिस अधीक्षक ऑपरेशंस हंदवाड़ा श्री तारिक महमूद – जेकेपीएस और एसजीसीटी अब्दुल हामिद खताना सं.630/एच ने इस हमले का पूरी चतुराई के साथ जवाब दिया तथा हमला दल को आतंकवादियों की ओर और आगे बढ़ते समय एक-दूसरे को कवर फायर प्रदान करने का निर्देश दिया। आतंकवादियों के इस अप्रत्याशित हमले से हमला दलों का आगे बढ़ना और ज्यादा कठिन हो रहा था। सुरक्षित पोजीशन का फायदा उठाते हुए, उप पुलिस अधीक्षक हंदवाड़ा श्री तारिक महमूद-जेकेपीएस और एसजीसीटी अब्दुल हामिद खताना सं. 630/एच ने आतंकवादी हमले का जवाब दिया और आतंकवादियों की पोजीशन की ओर आगे बढ़ते हुए उन्होंने आतंकवादियों को अपना बचाव करने वाली स्थिति में पहुंचा दिया। आतंकवादियों के काफी करीब पहुंचने पर, छिपे हुए आतंकवादियों के ऊपर निर्णायक हमला किया गया, जिसके फलस्वरूप चार खूंखार विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया। मारे गए आतंकवादियों ने हाल ही में घुसपैठ की थी और वे लम्बे समय तक प्रतिरोध करने तथा ऑपरेशन पार्टी को अधिक क्षति पहुंचाने के लिए भारी हथियारों से लैस थे। तथापि, सावधानीपूर्वक बनाई गई योजना के कारण बिना किसी समानांतर क्षति के उनका सफाया कर दिया गया। पुलिस स्टेशन हंदवाड़ा में आरपीसी की धारा 307 तथा आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के अंतर्गत एफआईआर सं. 187/2018 के तहत एक मामला दर्ज है।

इस संयुक्त आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन के दौरान हमला दल में शामिल अन्य कार्मिकों नामतः (01) हेड कांस्टेबल नजीर अहमद सं.278/एपी 7वीं बटालियन, (02) एसजीसीटी मोहम्मद अशरफ सं.170/एच, (03) एसजीसीटी जाविद अहमद सं.193/एच, (04) कांस्टेबल शबीर अहमद सं.500/एच, (05) कांस्टेबल इम्तियाज अहमद सं.1101/बीएलए और कांस्टेबल सजाद अहमद सं.610/एच (ये सभी ओटीपी के लिए अनुशंसित) तथा (01) एसपीओ जाकिर अहमद सं.616, (02) रियाज अहमद सं.148/एसपीओ, (03) एसपीओ इरशाद अहमद सं.79/जीबीएल, (04) एसपीओ यासिर अहमद सं.121/एसजीआर, (05) एसपीओ अब्दुल राशिद सं.88/एसपीओ, (06) एसपीओ मंजूर अहमद सं.168/एसपीओ, (07) एसपीओ अब्दुल जब्बार सं.897/बीएलए और (08) एसपीओ गुलाम नबी सं.856/बीएलए (कनवर्सन के लिए अनुशंसित) ने भी इस आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन के निष्पादन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे इन खूंखार आतंकवादियों का सफाया करने के दौरान रणनीतिक पोजीशन लेते समय भी सबसे आगे रहे और उन्होंने इन खूंखार आतंकवादियों की ओर आगे बढ़ने के दौरान एक-दूसरे को कवर फायर भी प्रदान किया। उनकी भूमिका/सक्रिय भागीदारी के आधार पर, उनकी अनुशंसा क्रमशः ओटीपी और कनवर्सन के लिए की गई थी। आतंकवादियों को बचकर भागने से रोकने हेतु बाहरी घेराबंदी के लिए तैनात किए गए शेष सहभागियों को उपयुक्त नकद पुरस्कार प्रदान किया गया था।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री तारिक महमूद, उप पुलिस अधीक्षक और अब्दुल हामिद खताना, एसजी कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19.05.2018 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/37/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 13. प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
3.	आरिफ अमीन शाह	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4.	माजिद अली	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
5.	गुलाम हसन लोन	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	शब्बीर अहमद सोहिल	फॉलोअर	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10/07/2018 को लगभग 05:00 बजे शोपियां पुलिस को गांव कुंडलन शोपियां में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 34 आरआर, दसवीं पैरा और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ एक घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (सीएएसओ) की योजना बनाई गई। एक विदेशी आतंकवादी सहित जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना की पुष्टि हुई। विस्तृत विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि एक पुलिस घटक और आरआर कंपनी विस्मय बनाए रखते हुए लक्षित क्षेत्र की ओर प्रस्थान करेगी तथा तलाशी ऑपरेशन चलाएगी। दोनों तलाशी दल लगभग 05:15 बजे विशिष्ट स्थान पर पहुंच गए और योजना के अनुसार, पुलिस/आरआर की पार्टियां तलाशी के उद्देश्य से उस गांव में संदिग्ध मकान तक पहुंच गईं।

तलाशी के दौरान, गांव में छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दलों के ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप सेना के तीन जवान नामतः (1) 10 पैरा के जेसीओ राजपाल दयाल सं. 414383, (2) 34 आर आर के हेड कांस्टेबल महिंद्र कुमार सं. 31933231 और (3) 34 आरआर के नायक अनिल चौधरी सं. 3200937 गोली लगने से घायल हो गए। आतंकवादियों से संपर्क स्थापित होने की सूचना शीघ्र ही सभी संबंधित लोगों को दी गई। श्री संदीप चौधरी-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां पुलिस दल के साथ और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट भी अपनी कंपनी के साथ घटना स्थल की तरफ चल पड़े और लगभग 0545 बजे लक्षित गांव में पहले से मौजूद दलों में शामिल हो गए। मुठभेड़ स्थल पर पहुंचने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां ने स्थिति का जायजा लिया। इसी बीच, आरआर की अन्य पार्टियां भी उस स्थान पर पहुंच गईं। कार्रवाई के दौरान, आसपास के गांव से बहुत सारे पत्थरबाजों की भीड़ लक्षित गांव के पास इकट्ठा होने लगी, ताकि चल रही मुठभेड़ में व्यवधान उत्पन्न किया जा सके और वहां फंसे हुए आतंकवादियों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का रास्ता प्रदान किया जा सके। तथापि, वहां पर तैनात पुलिस और सीआरपीएफ के कानून एवं व्यवस्था संभालने वाले घटक शरारती तत्वों को सुरक्षित दूरी पर रोककर रखने में सफल रहे। शरारती तत्वों के प्रवेश मार्ग को अवरुद्ध करने के लिए, कुंडलन जंक्शन पर सीआरपीएफ और पुलिस के सशक्त घटक तैनात किए गए। योजना के अनुसार, नफरी को दो दलों में बांटा गया। पहले दल में श्री संदीप चौधरी-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में एसओजी शोपियां और 34 आरआर की क्यूआरटी तथा 14 बटालियन सीआरपीएफ शामिल थी और इसे लक्षित क्षेत्र में आंतरिक घेराबंदी करने के लिए कहा गया। दूसरे दल में श्री आरिफ अमीन शाह, एसपी शोपियां के नेतृत्व में एसओजी जैनापोरा और 10 पैरा की क्यूआरटी तथा 14 बटालियन सीआरपीएफ शामिल थी और इसे लक्षित क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

सभी दलों ने ऊपर उल्लिखित योजना के अनुसार अपनी-अपनी पोजीशन संभाल ली। घेराबंदी किया गया क्षेत्र एक बहुत ही कठिन इलाका था, जिसमें घने आवासीय मकान, घने बगीचे और अन्य घनी वनस्पतियां शामिल थीं। इस क्षेत्र को सील कर दिया गया तथा बगीचों में जाने के रास्तों, आंतरिक सड़कों एवं गलियों/उप-गलियों सहित भागने के सभी संभावित रास्तों को समुचित रूप से बंद कर दिया गया। इसी बीच, लक्षित मकान में छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने और आंतरिक घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से अपने गैर-कानूनी स्वचालित हथियारों से विभिन्न दिशाओं से सैन्य दस्ते के ऊपर पुनः अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। छिपे हुए आतंकवादी बार-बार अपनी जगह बदलते रहे ताकि उनके विशिष्ट स्थानों का पता न चल सके। सैन्य दस्ते ने तुरंत कवर लेते हुए रणनीति के साथ सटीक जवाबी कार्रवाई की, जिसके कारण आतंकवादियों को घेराबंदी किए हुए क्षेत्र से भागने का अवसर नहीं मिला। आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के उद्देश्य से, ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां ने दलों से घेराबंदी किए गए क्षेत्र में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए कहा। जब बचाव कार्य चल रहा था, तभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां और एसपी शोपियां के नेतृत्व वाला हमला दल भारी गोलाबारी के बीच फंस गया, तथापि उन्होंने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और अपनी जान की परवाह किए बिना बचाव कार्य जारी रखा तथा इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। शीघ्र ही आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी बंद हो गई। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए राजी करने के अवसर को भ्रामते हुए, ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां लक्षित मकान के काफी करीब चले गए और आतंकवादियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का प्रस्ताव रखा। तथापि, आतंकवादियों ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और बदले में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी; आतंकवादियों को इस गोलीबारी का जवाब दिया गया। इसी बीच, एक हिंसक भीड़ ने घेराबंदी को तोड़ने और फंसे हुए आतंकवादियों को सुरक्षित बाहर निकालने का रास्ता प्रदान करने के इरादे से घेराबंदी में शामिल सैन्य दस्ते के ऊपर सभी दिशाओं से भारी पत्थरबाजी शुरू कर दी। तथापि, वहां पर तैनात सैन्य-दस्ते ने इस स्थिति को प्रभावी रूप से नियंत्रित किया और पत्थरबाजों को दूर ही रोके रखा।

आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप लक्षित मकान में आग लग गई और आतंकवादियों ने आंतरिक घेराबंदी में शामिल सैन्य दस्ते पर गोलीबारी करते हुए उस जलते हुए मकान से बाहर निकलने की कोशिश की। एसपी शोपियां, श्री आशिक, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय शोपियां, श्री माजद अली, उप पुलिस अधीक्षक केल्लर, सब इंस्पेक्टर जाविद अहमद ईएक्सके 109550, एसजीसीटी रिफाकत हुसैन लोन 2847/एस, एसजीसीटी अब्दुल अहद 1276/एस, एसजीसीटी समीर अहमद मीर 623/आईआरपी 19वीं बटालियन, एसजीसीटी राकेश कुमार 333/आईआरपी 18वीं बटालियन, एसजीसीटी गुलाम हसन लोन 2812/एस, कांस्टेबल अजाज अहमद 543/एसपीएन, कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह 1771/जे, कांस्टेबल दयाल औंध 700/एल, फालोअर शब्बीर अहमद सोहिल 89/आईआरपी प्रथम बटालियन, एसपीओ मोहम्मद अकरम 1263/जे, एसपीओ नीतू मसीह 29/जे एवं एसपीओ इदरीस हुसैन 686/बीडी समेत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में सैन्य-दस्ते ने पहले से ही सुरक्षित पोजीशन ले रखी थी और वे आतंकवादियों के बाहर आने के उचित अवसर का इंतजार कर रहे थे। आतंकवादियों ने बाहर निकलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व वाले दल के ऊपर भारी गोलीबारी की और ऊपर वर्णित दल ने अपने बहुमूल्य जीवन की परवाह किए बिना साहस और बहादुरी के साथ गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया तथा घेराबंदी में फंसे हुए दोनों आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों ओर से गोलीबारी के रुकते ही, उस बिल्डिंग की तलाशी लेने का निर्णय लिया गया, जहां से गोलीबारी हो रही थी। तलाशी के उद्देश्य से पुलिस, आरआर और सीआरपीएफ के संयुक्त दल का गठन किया गया। सघन तलाशी के दौरान लक्षित मकान के निकट दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। तदनुसार, यह ऑपरेशन बंद कर दिया गया। बाद में, इन मारे गए आतंकवादियों की पहचान समीर अहमद शेख उर्फ शाहीन भाई पुत्र गुलाम अहमद शेख निवासी अविंद रावलपोरा और बाबर निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई। इन मारे गए आतंकवादियों से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किए गए। इस संबंध में शोपियां पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, 148, 336, 353 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के अंतर्गत एफआईआर संख्या 211/2018 के तहत एक मामला दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री आरिफ अमीन शाह, पुलिस अधीक्षक, माजिद अली, उप पुलिस अधीक्षक, गुलाम हसन लोन, एसजी कांस्टेबल और शब्बीर अहमद सोहिल, फालोअर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10.07.2018 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/117/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 14-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री आजाद अहमद	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29/30-06-2018 को एक विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस पुलवामा ने 55 आरआर और 182/183वीं बटालियन, सीआरपीएफ की सहायता से ग्राम- थुमना, पुलवामा में संयुक्त रूप से एक घेराबंदी की। घेराबंदी करने और उसे मजबूत करने के बाद, लक्ष्य घर में आतंकवादियों की खोज के लिए कार्रवाई एसआई आजाद अहमद एआरपी-109245 की निगरानी में की गई, जिसमें एसआई यार मोहम्मद मुगल एआरपी-984587, एसजी कांस्टेबल आमिर मोहम्मद नंबर 349/पीएल, कांस्टेबल मशकूर अहमद नंबर 995/पीएल और सीटी गालिब अहमद नंबर 143/पीएल द्वारा सहायता प्रदान की गई। इस बीच, बशीर अहमद वानी पुत्र श्री अब्दुल रहमान वानी निवासी- थुमना पुलवामा के आवासीय घर में छिपे आतंकवादियों ने पुलिस दलों को देखकर उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, ताकि वे घेराबंदी से बच सकें। लेकिन, लक्ष्य घर में खोज रहे सैन्य दल ने अपनी सूझ बूझ से शीघ्र ही पोजीशन ले ली और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिससे उनके भागने के प्रयास विफल हो गए। आतंकवादियों की मौजूदगी को सुनिश्चित कर लेने के बाद, घेराबंदी को और बढ़ा दिया गया। जवाबी कार्रवाई को एसआई गुलाम रसूल मलिक एआरपी -55115539 की निगरानी में मजबूती से अंजाम दिया गया। इसके अलावा, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), पुलवामा के निर्देश पर 04 टीमों का गठन किया गया, जिसमें पश्चिमी दिशा से एक पार्टी का नेतृत्व एसआई आजाद अहमद नंबर एआरपी-109245 ने किया, जिसमें उनके साथ एसजी कांस्टेबल अमीर मोहम्मद नंबर 349/पीएल, सीटी गालिब अहमद नंबर 143/पीएल और एसपीओ सोहैल अहमद नंबर 442/एसपीओ (केजीएम) तथा सेना एवं सीआरपी के काउंटर पाटर्स की पार्टी शामिल थी, दूसरी पार्टी का नेतृत्व एसआई गुलाम रसूल नंबर एआरपी-115539 ने किया, जिसमें उनके साथ सीटी मशकूर अहमद नंबर 993/पीएल, एसपीओ जाविद अहमद 283/एसपीओ (एसपीएन) तथा सेना एवं सीआरपीएफ के काउंटर पाटर्स की पार्टी शामिल थी। एक

अन्य पार्टी का नेतृत्व एसआई यार मोहम्मद नंबर, एआरपी-984587, बीसी पीसी नीवा द्वारा किया गया, जिसमें उनके साथ एसपीओ जयपाल नंबर 372/एसपीओ और एसपीओ राज कुमार नंबर 337/एसपीओ तथा सेना एवं सीआरपीएफ के काउंटर पाटर्स की पार्टी शामिल थी और उत्तरी दिशाओं से एक अन्य दूसरी पार्टी का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), पुलवामा श्री ज़हीर अब्बास जाफरी-केपीएस नंबर केपीएस-116057 ने किया, जिसमें उनके साथ उनके अपने एस्कॉर्ट कार्मिक तथा सीआरपीएफ एवं सेना के काउंटर पाटर्स की पार्टी थी।

लक्षित क्षेत्र में रोशनी करने के बाद, एसआई आज़ाद अहमद नंबर एआरपी-109245 और एसजी कांस्टेबल अमीर मोहम्मद नंबर 349/पीएल द्वारा लक्षित घर में फंसे नागरिकों को एक-एक करके गोलियों की बौछार के बीच से निकाला गया। एसआई गुलाम रसूल नंबर एआरपी-115539 और एसआई यार मोहम्मद नंबर एआरपी-984587 द्वारा उनकी अपनी अपनी उपरोक्त टीम के साथ प्रदान की गई कवर फायर की मदद से ही नागरिकों की निकासी संभव हो पाई थी। आतंकवादियों को सम्मान के साथ हथियार डालने का अवसर दिया गया था, जिसे कि उन्होंने नजरअंदाज कर दिया और बदले में सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। सैनिकों ने तुरंत कवर ले लिया और वे अपने जीवन की परवाह किए बिना सामने से बहादुरी से लड़े और लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी को मार डाला, जिसका नाम सज्जाद अहमद शाह (श्रेणी "सी") पुत्र श्री अली मोहम्मद शाह निवासी गुंड, हंदवाड़ा है और साथ ही, भारी मात्रा में हथियारों/गोला बारूद की बरामदगी की। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन पुलवामा में भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और आरपीसी की धारा 307 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 169/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में श्री आज़ाद अहमद, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/06/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/119/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 15-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अजाज अहमद	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2.	गुलाम मोहम्मद राथेर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	फयाज अहमद शेख	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4.	मो.यासीन डार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.06.2018 को हायेना त्राल के निवासी अब्दुल खालिक भट के मकान में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई और 42 आरआर तथा 180 बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से उक्त मकान के चारों ओर घेराबंदी कर दी गई। तत्काल दो तलाशी दलों का गठन किया गया, जिसमें से एक दल का नेतृत्व श्री मोहम्मद जैद – जेकेपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा ने किया और दूसरे दल का नेतृत्व श्री अजाज अहमद – जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) त्राल ने किया। छिपे हुए आतंकवादियों को बचकर निकल जाने से रोकने के लिए तलाशी दलों ने लक्षित मकान की काफी नजदीक से घेराबंदी की। छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने तथा मकान मालिक को अपने परिवार के सदस्यों के साथ घर से बाहर निकलने की अनुमति देने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया। लक्षित मकान के भीतर फंसे हुए मकान मालिक/परिवार के सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकालने की योजना बनाई गई। पहले दल, जिसमें मोहम्मद जैद – जेकेपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा के साथ शहजादा कबीर मट्टू, उप पुलिस अधीक्षक डार अवंतीपोरा, इंस्पेक्टर गुलाम मोहम्मद राथेर सं.7150/एनजीओ (ईएक्सके-002164), हेड कांस्टेबल समीत पाल सिंह सं.530/आईआर 11वीं बटालियन (एआरपी-036385), एसजीसीटी हक नवाज यूसुफ सं.538/एडब्ल्यूटी (ईएक्सके-097392), एसजीसीटी रविंदर सिंह सं.-327/एडब्ल्यूटी (ईएक्सके-021623), एसजीसीटी मुनीर अहमद सं.710/एडब्ल्यूटी (ईएक्सके-126199), कांस्टेबल साजिद सलाम डार सं.809/एडब्ल्यूटी (ईएक्सके-155769), एसपीओ रजा फिदा हुसैन सं.36/एसपीओ, एसपीओ मुजफ्फर अहमद बेग सं.292/एसपीओ, एसपीओ उल्फत जान सं. 238/एसपीओ और एसपीओ रियाज अहमद खान सं.357/एसपीओ शामिल थे, ने पूरी सावधानी से मकान के परिसर में प्रवेश किया और दो विभिन्न दिशाओं से हो रही भारी गोलीबारी के बीच फंस गया। दूसरे दल, जिसमें उप पुलिस अधीक्षक

अजाज अहमद-जेकेपीएस (पीसी), त्राल के साथ इंस्पेक्टर मोहम्मद यूसुफ सोफी सं. 3611/एनजीओ (ईएक्सके-922375), हेड कांस्टेबल मोहम्मद यासीन डार सं.527/एडब्ल्यूटी (ईएक्सके-098129), कांस्टेबल मुश्ताक अहमद वानी सं.746/एडब्ल्यूटी (ईएक्सके-155452), फॉलोअर शाहनवाज अहमद सं.54/एफ एपी 9वीं बटालियन (एआरपी-127318), एसपीओ कुलबीर सिंह सं.42/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद शफी तांत्रे सं.388/एसपीओ, एसपीओ जहूर अहमद डार सं.368/एसपीओ और एसपीओ इफ्तिखार अहमद गनई सं. 08/एसपीओ शामिल थे, ने आतंकवादियों को गोलीबारी में उलझाकर रखा, जबकि ऊपर उल्लिखित अधिकारियों/कर्मियों वाला पहला संयुक्त तलाशी दल सावधानीपूर्वक उक्त मकान की ओर गया और उस कमरे के दरवाजे को सफलतापूर्वक खोल दिया, जिसमें परिवार के सदस्य फंसे हुए थे। परिवार के सभी सदस्य पुलिस दल की सुरक्षा में घर से बाहर दौड़ पड़े, जिन्होंने एक ओर आतंकवादियों को गोलीबारी में उलझाए रखा और दूसरी ओर परिवार के सदस्यों को सुरक्षित रूप से दरवाजे से बाहर निकाला। आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के तुरंत बाद पहला संयुक्त तलाशी दल छिपे हुए आतंकवादियों की ओर सावधानीपूर्वक आगे बढ़ा, जिन्होंने उनकी गतिविधि को देखने के पश्चात् उनकी ओर अंधाधुंध गोलीबारी की। लेकिन अपनी जान की परवाह किए बिना पहला संयुक्त तलाशी दल आगे बढ़ा और गोलीबारी का जवाब दिया तथा आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी करके एक आतंकवादी को मार गिराया। इसी बीच दूसरे आतंकवादी ने कई ग्रेनेड फेंके और सुरक्षित बचकर निकलने के उद्देश्य से मकान के पिछले हिस्से की ओर भागा, लेकिन ऊपर उल्लिखित अधिकारियों वाला दूसरा संयुक्त दल पहले से ही उस दिशा में आगे बढ़ रहा था और क्षण भर ही में दूसरे आतंकवादी को मार गिराया। तथापि, एक अन्य आतंकवादी घर के भीतर से संयुक्त तलाशी दलों की ओर अभी भी अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा था। यह मुठभेड़ का आखिरी चरण था और समय गंवाए बिना, मोहम्मद जैद-जेकेपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तीपोरा ने अपने सहयोगियों के साथ उस घर की ओर कुछ ग्रेनेड फेंके, जहां आतंकवादी छिपा हुआ था और कुछ मिनटों में ही उस कमरे में प्रवेश करने में सफल हो गये, जहां से आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा था तथा त्वरित कार्रवाई और सटीक गोलीबारी करके तीसरे आतंकवादी को मार गिराया। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान दानिश खालिक डार पुत्र अब्दुल खालिक डार निवासी पिंगलिश त्राल, आदिल अकरम लोन पुत्र मोहम्मद अकरम लोन निवासी मिदूरा त्राल और जैश-ए-मुहम्मद संगठन के अबू बकर उर्फ कासिम बाई निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से बरामद किए गए हथियारों/गोलाबारूद में 01 एके-47, 02 एके मैगजीन (01 क्षतिग्रस्त), 12 एके राउंड, 01 वायरलस सेट (आईसी-वी8आईसीओएन) (क्षतिग्रस्त), 02 पिस्टल, 03 पिस्टल मैगजीन, 07 पिस्टल राउंड और 01 आधार कार्ड (आदिल अकरम लोन पुत्र मोहम्मद अकरम लोन निवासी मिदूरा त्राल) शामिल हैं। इस संबंध में पुलिस स्टेशन त्राल में आरपीसी की धारा 307 तथा आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के अंतर्गत एफआईआर सं.53/2018 के तहत एक मामला दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, गुलाम मोहम्मद राथेर, निरीक्षक, फयाज अहमद शेख, हेड कांस्टेबल और मो. यासीन डार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19.06.2018 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/118/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 16-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	संदीप, आईपीएस	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	आशिक हुसैन टाक	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार
3	इम्तियाज अहमद भट	उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	हिलाल अहमद गनई	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03.08.2018 को, गांव- किलौरा, शोपियां में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां की निगरानी में सेना की 44 आरआर और 14वीं बटालियन, सीआरपीएफ की सहायता से शोपियां

पुलिस ने उक्त गांव में एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया। आरंभ में आम नागरिकों को बाहर निकालने के प्रयास किए गए और छिपे हुए आतंकवादियों को ग्रामीण बुजुर्गों के माध्यम से आत्म समर्पण करने का संदेश भेजा गया। छिपे हुए आतंकवादियों ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और बदले में, उन्होंने घेराबंदी क्षेत्र से बच कर भागने के लिए तैनात संयुक्त दल पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी, जिसके परिणामस्वरूप 44 आरआर सेना के एक जवान सुरेश सिंह और एक आम नागरिक इम्रियाज अहमद गनई पुत्र श्री गुलाम मोहि-उद-दिन गनई, निवासी- कुंडलन इस गोलीबारी में घायल हो गए।

श्री संदीप चौधरी-आईपीएस के नेतृत्व वाली इन हमलावर पार्टियों, जिनमें श्री आशिक हुसैन उप पुलिस अधीक्षक, माजद अली उप पुलिस अधीक्षक, एसआई इम्रियाज अहमद, एसआई पृथ्वी राज नंबर 196/आईआरपी 18वीं, हेड कांस्टेबल सुरजीत सिंह नंबर 791/आईआरपी 18वीं, हेड कांस्टेबल हिलाल अहमद गनई, एसजी कांस्टेबल गुलजार अहमद 760/आईआरपी 18वीं, हेड कांस्टेबल हिलाल अहमद नंबर ईएक्सके 972323, एसजी कांस्टेबल अरशद अहमद नंबर 218/आईआरपी 18वीं, एसजी कांस्टेबल रवीस अहमद नंबर 1146/पीएल, एसजी कांस्टेबल किफायत हुसैन नंबर 405/एपी 13वीं, एसजी कांस्टेबल जावेद इक़बाल नंबर 557/एपी 14वीं, एसजी कांस्टेबल अब्दुल शकूर नंबर 566/आईआरपी 11वीं, एसजीसीटी मोहम्मद महफूज नंबर 612/आईआरपी 11वीं, कांस्टेबल फैज मोहम्मद 752/आईआरपी 14वीं, कांस्टेबल राकेश कुमार नंबर 215/एपी 9वीं, कांस्टेबल मोहम्मद मसूद नंबर 857/एसपीएन, कांस्टेबल उबैदुल्लाह नंबर 426/एसपीएन, कांस्टेबल तजामुल इस्लाम शाह नंबर 1367/बीडी, कांस्टेबल शोकत अली खान नंबर 4503/एस, कांस्टेबल अमनप्रीत सिंह नंबर 944/आईआरपी 3, एसपीओ मोहम्मद अशाक डार 214/बीडी, एसपीओ अब्दुल हामिद नंबर 17/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल क़यूम नंबर 847/एस, एसपीओ अयाज़ अहमद नंबर 105/एसपीओ और एसपीओ शब्बीर अहमद नंबर 52/एसपीओ शामिल थे, ने आतंकवादियों की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया और सभी पाँचों आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया। इन आतंकवादियों की पहचान बाद में उमर नाजिर मलिक पुत्र श्री नाजिर अहमद मलिक, निवासी- मलिकगुंड किल्लूरा शोपियां, शेख वकार असलम पुत्र श्री शेख, निवासी- मलिकगुंड किल्लूरा शोपियां, ऐजाज़ अहमद पॉल पुत्र श्री अब्दुल रशीद पॉल निवासी- लुसदानो शोपियां, अर्शीद अहमद खान पुत्र श्री अब्दुल राशिद खान, निवासी- गनोवपोरा शोपियां और आरिफ अहमद मीर पुत्र श्री अब्दुल रहमान मीर, निवासी- यनर पहलगाम अनंतनाग के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी संख्या में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया था और इस संबंध में, आरपीसी की धारा 148, 149, 307, 336, 353 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के अंतर्गत पी/एस शोपियां में एक मामलागत एफआईआर संख्याआ 248/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री संदीप, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, आशिक हुसैन टाक, उप पुलिस अधीक्षक, इम्रियाज अहमद भट, उप निरीक्षक और हिलाल अहमद गनई, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीनकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03/08/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/130/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 17 -प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	अजाज़ अहमद ज़रगर	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस का द्वितीय बार
2	दर्विंदर सिंह	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	परविज अहमद बानी	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14/15-09-2018 की रात के दौरान गाँव-चौगाम में आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस कुलगाम ने 18वीं, 24वीं, 163वीं बटालियन सीआरपीएफ और 9 आरआर की सहायता से उस गाँव में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया, जिसकी समग्र निगरानी श्री अमित कुमार, आईपीएस, पुलिस के उप महानिरीक्षक, एसकेआर अनंतनाग कर रहे थे। घेरा डालने के बाद, आम नागरिकों को बाहर निकालने की कोशिश की गई और मंज़ूर अहमद गनई पुत्र श्री अब्दुल गनी गनई, निवासी- चौगाम देवसर के घर में छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इंकार कर दिया और बदले में, उन्होंने वहाँ तैनात बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, ताकि वे घेराबंदी को तोड़कर वहाँ से भाग सकें। हालांकि, तैनात दलों ने अधिकतम सतर्कता दिखाई और उन्होंने आतंकवादियों को भाग नहीं दिया। तदनुसार, घेराबंदी को मजबूत किया गया और आतंकवादियों को

वहाँ से भागने का कोई मौका नहीं दिया गया। भीड़भाड़ वाला क्षेत्र होने के कारण इसे ठीक से सील कर दिया गया था और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले सभी आम नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था, ताकि किसी भी नागरिक को हताहत होने से बचाया जा सके।

बिना किसी अड़चन के ऑपरेशन को अंजाम देना बहुत मुश्किल काम था, क्योंकि यह क्षेत्र कानून-व्यवस्था/ आतंकवाद के दृष्टिकोण से काफी संवेदनशील था। लेकिन श्री अमित कुमार, आईपीएस, पुलिस उप महानिरीक्षक एसकेआर, अनंतनाग, श्री अजाज़ अहमद ज़रगर, अपर पुलिस अधीक्षक, कुलगाम, श्री मोहम्मद मुज़फ़्फ़र जान जीकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक डार कुलगाम, इंस्पेक्टर दर्विंदर सिंह, एसआई सेलेंदर सिंह नंबर एआरपी- 931810, एसजी कांस्टेबल समीर अहमद नंबर 495/पीएल, एसजी कांस्टेबल निसार अहमद वानी नंबर 812/केजीएम, एसजी कांस्टेबल परविज अहमद नंबर 719/केजीएम, एसजी कांस्टेबल मुश्ताक अहमद नंबर 676/केजीएम, एसजी कांस्टेबल सतबीर सिंह नंबर 2414/एस, एसजी कांस्टेबल अजाज़ अहमद नंबर 663/केजीएम, कांस्टेबल सैफुल्लाह मजीद नंबर 890/केजीएम, कांस्टेबल बिलाल अहमद नंबर 476/केजीएम, कांस्टेबल शाबिर अहमद 752/केजीएम, एसपीओ मोहम्मद हुसैन नंबर 29/केजीएम, एसपीओ हसन दीदार नंबर 81/के, एसपीओ बशीर अहमद 89/के, एसपीओ फारूक अहमद नंबर 112/के, एसपीओ मंज़ूर अहमद नंबर 118/के, एसपीओ मोहम्मद याकूब नंबर 123/के, एसपीओ भूषण लाल नंबर 128/के, एसपीओ जहाँगीर अहमद नंबर 134/के, एसपीओ झंगीर नंबर 374/के, एसपीओ अब्दुल हामिद नंबर 240/के, एसपीओ मोहम्मद रफीक नंबर 316/के, एसपीओ मेहराज-उद-दीन नंबर 330/के, एसपीओ महफिल अहमद नंबर 333/के, एसपीओ जबीना अख्तर नंबर 335/के, एसपीओ मोहम्मद अफ़ज़ल नंबर 363/के, एसपीओ सफ़दर अहमद नंबर 381/के और एसपीओ मोहम्मद शफ़ी इट्टो नंबर 75/ए द्वारा किये गए प्रयासों से सभी छुपे हुए आतंकवादियों को बिना किसी समानांतर क्षति के पेशेवर तरीके से बन्दूक से मार दिया गया। मारे गए आतंकवादियों को, बाद में गुलज़ार अहमद पद्वार पुत्र श्री बशीर अहमद पद्वार, निवासी- ताकिया गोपालपोरा एडजेन (एचएम आउटफिट की श्रेणी "ए"), फ़ासिल रशीद राथर पुत्र श्री अब्दुल राशिद राथर, निवासी- यमनाच (एचएम आउटफिट की श्रेणी "सी"), ज़हूर अहमद लोन पुत्र श्री अब्दुल गनई लोन निवासी- नागनद डीके मार्ग डी.एच.पोरा ("लश्कर-ए- तैयबा संगठन की श्रेणी "सी"), जाहिद बशीर पुत्र श्री बशीर अहमद निवासी- ओके कुलगाम (एचएम आउटफिट का श्रेणी "सी") और मसरूर अहमदीयाट पुत्र श्री बशीर अहमद भट निवासी- फतेहपोरा, लर्कीपोरा अनंतनाग (एचएम आउटफिट का श्रेणी "सी") के रूप में पहचाना गया। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बरामद किये गये हथियार/गोला-बारूद में 04 एके-47 राइफल (क्षतिग्रस्त हालत में) 04 एके मैगज़ीन (क्षतिग्रस्त हालत में), 01 यूबीजीएल श्रोअर (क्षतिग्रस्त हालत में), 05 यूबीजीएल ग्रेनेड (क्षतिग्रस्त हालत में) और 01 जैकेट थैली शामिल है। आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और यूएलए (पी) अधिनियम की धारा 13, 16, 19, 20, 38, 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 213/2018 पी/एस काजीगुंड में पंजीकृत है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अजाज़ अहमद ज़रगर, अपर पुलिस अधीक्षक, दर्विंदर सिंह, निरीक्षक और परविज अहमद वानी, एसजी कांस्टेबल ने अदम्य/ वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/09/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/131/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 18-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	जावेद इकबाल	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	गुलाम हसन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12/13.09.2018 की देर रात आरामपुरा क्षेत्र के गनी मोहल्ला तकियाबल मोहल्ला तेलियान में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने पर कार्रवाई करते हुए, सेना 22-आरआर और सीआरपीएफ के साथ सोपोर पुलिस ने उस क्षेत्र की घेराबंदी की और सर्व ऑपरेशन शुरू किया। आतंकवादियों से संपर्क स्थापित होने के बाद, सुरक्षाबल आक्रामक हमला नहीं कर सके क्योंकि लक्षित मकान और अन्य मकानों के भीतर बहुत सारे आम नागरिक फंसे हुए थे। इसलिए आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के उद्देश्य से,

सेना और सीआरपीएफ के अन्य समकक्ष सहयोगियों के साथ सर्वसम्मति से निर्णय लेकर ऑपरेशन को रोक दिया गया तथा श्री जावेद इकबाल, जेकेपीएस-013516, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर की समग्र कमान के तहत आम नागरिकों को रेस्क्यू करने का ऑपरेशन शुरू किया गया। इस प्रक्रिया के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों ने इस दल के ऊपर एक बार फिर गोलियों की बौछार कर दी ताकि उन्हें विशिष्ट क्षेत्र की ओर आगे बढ़ने से रोका जा सके और कुछ गोलियां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के आसपास भी आकर लगीं, लेकिन उन्होंने अपना हौसला नहीं खोया। लक्षित मकान के पास पहुंचने के बाद, अधिकारी ने विवेकपूर्ण तरीके से अपने दिमाग का इस्तेमाल करते हुए मकान के पिछले भाग में एक सीढ़ी लगा दी और उस सीढ़ी के जरिए भीतर फंसे हुए सभी आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला। फंसे हुए सभी आम नागरिकों का बचाव कार्य पूरा होने के बाद, सभी प्रवेश और निकास द्वारों को बंद करके घेराबंदी को और मजबूत किया गया तथा रोशनी की व्यवस्था की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी अंधेरे और घनी आबादी का लाभ उठाकर घेराबंदी से भाग न सकें। अगली सुबह होते ही पुलिस, सेना और सीआरपीएफ के दो संयुक्त दलों द्वारा सर्च ऑपरेशन फिर से शुरू किया गया/तेज किया गया, जिसमें पहले दल में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व में एचओ गुलाम मोहम्मद 581/एसपीआर, एसजीसीटी इनायतउल्लाह 731/एसपीआर, एसजीसीटी अब्दुल राशिद 704/एडब्ल्यूपी, कांस्टेबल गुलाम हसन 783/एसपीआर, कांस्टेबल वसीम रजा 424/एसपीआर, कांस्टेबल मंजूर अहमद 822/एसपीआर, कांस्टेबल शौकत अहमद 386/एसपीआर, एसपीओ शाहनाज अहमद 137/एसपीओ, एसपीओ नजीर अहमद 395/एसपीओ, एसपीओ फारूक अहमद 40/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल राशिद 483/एसपीओ, एसपीओ हिलाल अहमद 472/एसपीओ, एसपीओ तौसीफ अहमद 209/एसपीओ तथा एसपीओ अब्दुल मजीद 380/एसपीओ (एडवांस पार्टी के रूप में) शामिल थे तथा दूसरे दल में श्री मशकूर अहमद जरगर-जेकेपीएस, एसडीपीओ सोपोर के नेतृत्व में सब इंस्पेक्टर इम्तियाज अहमद एआरपी/115601, एचओ मोहम्मद कासिम 02/एसपीआर, एसजीसीटी मोहम्मद सादिक 235/एसपीआर, कांस्टेबल नजीर अहमद 825/एसपीआर, कांस्टेबल मेहराज मुश्ताक 427/एसपीआर, एसपीओ सजाद अहमद 332/एसपीओ, एसपीओ सजाद हुसैन 171/एसपीओ, एसपीओ गुलाम कादिर 408/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल वहीद 22/एसपीओ, एसपीओ रियाज अहमद 450/एसपीओ तथा एसपीओ अब्दुल राशिद 125/एसपीओ (बैकअप पार्टी के रूप में) शामिल थे। इस ऑपरेशन के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ, जिन्हें शुरू में आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने (छिपे हुए आतंकवादी) इस चेतावनी को तुरंत नकार दिया और एडवांस पार्टी पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, एडवांस पार्टी ने भी इस गोलीबारी का जवाब दिया, लेकिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर ने सावधानीपूर्वक विचार करके तथा ऑपरेशन के सभी आयामों को ध्यान में रखते हुए अंतिम और निर्णायक हमला करने के लिए पुलिस/सेना/सीआरपीएफ के पहले संयुक्त दल का एक बार फिर नेतृत्व किया और अपनी सुनियोजित रणनीति के अनुसार एडवांस पार्टी लक्षित मकान की ओर आगे बढ़ने लगी, आतंकवादियों ने संयुक्त दल को अपनी ओर आते देखकर उन पर गोलियों की बौछार कर दी, लेकिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व में संयुक्त दल ने अपना हौसला नहीं खोया और बाहरी घेराबंदी की कवर फायरिंग के बीच रेंगते हुए आगे बढ़ते रहे। संयुक्त दल ज्यों ही लक्षित मकान के करीब पहुंचा, छिपे हुए आतंकवादी एडवांस पार्टी के ऊपर गोलियों की बौछार करते हुए खिड़की के माध्यम से घर से बाहर कूद पड़े, लेकिन एडवांस पार्टी, विशेषकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर और कांस्टेबल गुलाम हसन सं.783/एसपीआर ने उच्च कोटि के साहस, प्रतिरोध क्षमता और पेशेवरता का प्रदर्शन करते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना चट्टान की तरह अडिग रहते हुए उनकी गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया और वहां पर हुई गोलीबारी में ए+ श्रेणी के दो खूंखार विदेशी आतंकवादियों को घटना स्थल पर ही मार गिराया गया। इन मारे गए आतंकवादियों की पहचान अली उर्फ अथर निवासी पाकिस्तान और उमर उर्फ जिया-उर-रहमान निवासी पाकिस्तान के रूप में की गई और ये दोनों आतंकवादी प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से संबंधित थे। इन मारे गए आतंकवादियों के पास से बरामद किए गए हथियारों/गोलाबारूद में 01 यूबीजीएल श्रोअर, 02 चाइनीज पिस्टल, पिस्टल की 06 मैगजीनें और पिस्टल के 30 राउंड गोलाबारूद शामिल हैं। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन सोपोर में आरपीसी की धारा 307 तथा आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के अंतर्गत एफआईआर सं. 254/2018 के तहत एक मामला दर्ज किया गया था।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री जावेद इकबाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और गुलाम हसन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12.09.2018 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/135/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 19-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अतुल कुमार गोयल, आईपीएस	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	मोहम्मद यूसिफ	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3.	तनवीर अहमद भट	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	सैयद सजाद हुसैन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

22/23 जनवरी, 2019 की रात्रि को, बारामूला पुलिस को तहसील बारामूला के बिन्नार नाला के सामान्य क्षेत्र में एक आतंकवादी समूह की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त हुआ। डीआईजी अतुल कुमार गोयल, आईपीएस की गहन देखरेख में अपर पुलिस अधीक्षक बारामूला श्री मोहम्मद यूसिफ, कमांडेंट 53वीं बटालियन सीआरपीएफ और कमांडिंग ऑफिसर, 46 आरआर ने लक्ष्य क्षेत्र को पत्थरबाजों और उपद्रवियों के बाहरी हस्तक्षेप से पृथक करने के उद्देश्य से कानून-व्यवस्था की समस्या का प्रबंधन करते हुए तथा मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, इनपुट का बारीकी से विश्लेषण करके एक कार्ययोजना बनाई। बेहतर ऑपरेशनल समन्वय एवं सम्प्रेषण के लिए, विविध ऑपरेशनल घटकों ने संयुक्त ऑपरेशनल कम्पोनेंट तैयार करने के अतिरिक्त, अपने वायरलेस उपकरणों और गाइडों का परस्पर आदान-प्रदान किया।

तैयार की गई रणनीति के अनुसार, दिनांक 23.01.2019 की देर रात में आतंकवादियों के संदिग्ध ठिकानों की घेराबंदी कर ली गई। सीओ 46 आरआर के नेतृत्व वाली सेना की 46 आरआर, मोहम्मद यूसिफ, अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाली बारामूला पुलिस और कमांडेंट विनय कुमार तिवारी के नेतृत्व वाली सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन के संयुक्त दल अटूट घेराबंदी करते हुए और उच्च स्तर की गोपनीयता बरकरार रखते हुए नए रास्तों के जरिये संदिग्ध नाला (आतंकवादियों के छिपने की जगह) तक पहुंच गए। भाग निकलने के सभी संभावित रास्तों को कुशलतापूर्वक और गुप्त तरीके से बंद कर दिया, ताकि आतंकवादी घेराबंदी तोड़कर भाग न सकें। घनी झाड़ियों और पहाड़ी इलाकों के साथ-साथ भारी हिमपात और अत्यधिक बर्फीली परिस्थितियों के कारण स्थिति काफी विपरीत और बदतर हो गई थी। सटीक प्लानिंग, दूरदर्शिता और बेजोड़ दृढ़ संकल्प के कारण, इन तीन अधिकारियों की कमान में ऑपरेशनल घटकों ने इन विपरीत परिस्थितियों को भी हंस-हंस कर अनुकूल बना दिया।

सफलतापूर्वक घेराबंदी करने के बाद, अगला कदम आतंकवादियों के छिपने की जगह का पता लगाना और उन्हें निस्तोनाबूत करना था। सुबह होने पर, घने कोहरे की वजह से सर्च ऑपरेशन को 10.00 बजे तक रोक दिया गया। जैसे ही कोहरा छंट गया, पहले से तैयार योजना के अनुसार, गठित किये गए संयुक्त तलाशी दलों ने क्वाडकॉप्टर से निरंतर हवाई निगरानी की सहायता से संदिग्ध नाले की तलाशी शुरू कर दी। 4 पैरा (एसएफ) की सहायता वाली सेना की 46 आरआर, एसओजी बारामूला तथा 53वीं बटालियन, सीआरपीएफ के संयुक्त खोज दल तीन बार संदिग्ध नाले की तलाश करने के बावजूद आतंकवादियों के ठिकाने का पता लगाने में विफल रहे।

बाद में, लगभग 13.00 बजे, मोहम्मद यूसिफ, अपर पुलिस अधीक्षक बारामूला और कमांडेंट, विनय कुमार तिवारी (53वीं बटालियन सीआरपीएफ) अपनी-अपनी छोटी टुकड़ियों को लेकर एक बार फिर छिपने के संदिग्ध ठिकाने की ओर बढ़ गए। अपने इस मूवमेंट के दौरान उन्हें पैरों के पुराने निशान मिले। दोनों दलों ने असाधारण सूझबूझ का परिचय देते हुए, उन संकेतों का चतुराई पूर्वक पीछा करते हुए संदिग्ध ठिकानों का पता लगा लिया। जैसे ही ठिकाने का पता चल गया, डीआईजी अतुल कुमार, आईपीएस के नेतृत्व वाले ऑपरेशनल दल के एक संयुक्त घटक ने छिपने वाली जगह के पूर्वी छोर में भीतरी भाग की घेराबंदी को मजबूत कर दिया, जबकि मोहम्मद यूसिफ, अपर पुलिस अधीक्षक बारामूला के नेतृत्व वाले दूसरे ऑपरेशनल दल ने सेना/सीआरपीएफ दल के साथ मिलकर छिपने वाली जगह के पश्चिमी छोर पर आंतरिक घेराबंदी कर दी। पूरी तरह से बेनकाब हो जाने पर, छिपे हुए आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उन्होंने बड़ी संख्या में सैनिकों को हताहत करने तथा घेरा तोड़कर भागने के उद्देश्य से खोजी दल पर हथगोले फेंके, परंतु सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के सदैव दृढ़ प्रतिज्ञा संयुक्त दलों ने आतंकवादियों के भागने की हर संभावना को समाप्त करते हुए उनके द्वारा किए गए हमले का प्रभावी तरीके से जबाब दिया। अलग-अलग ऑपरेशनल दलों के साथ अद्भुत तालमेल प्रदर्शित करते हुए, डीआईजी अतुल कुमार गोयल, आईपीएस डीआईजी एनकेआर बारामूला और मोहम्मद यूसिफ अपर पुलिस अधीक्षक बारामूला जेकेपीएस-07324 एवं उनके साथी कांस्टेबल सैयद सजाद हुसैन संख्या 671/बीपीआर और कांस्टेबल तनवीर अहमद भट संख्या 706/बीपीआर की सहायता वाले संयुक्त हमलावर दल ने पुनः चतुराई पूर्वक अपना-अपना सुविधाजनक मोर्चा संभाला और बन्दूक की लड़ाई लड़ते हुए ऑपरेशनल दल को एक भी खरोंच आए बगैर सभी तीन आतंकवादियों का खात्मा कर दिया।

इस बीच, सेव के बागानों में काम करने वाले कुछ आम नागरिक, जो हाल ही में हुई बर्फबारी से खराब हुई टहनियों को तोड़ रहे थे, इस गोलीबारी की चपेट में आ गए। डीआईजी अतुल कुमार गोयल के समग्र समन्वय के तहत मोहम्मद यूसुफ, अपर पुलिस अधीक्षक, बारामूला और सीओ 53वीं बटालियन सीआरपीएफ के नेतृत्व वाले एक पुलिस दल ने कर्तव्य के प्रति उल्लेखनीय निःस्वार्थ भावना का प्रदर्शन करते हुए और भारी गोलीबारी की परवाह किए बिना उन आम नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान, सुहैब अहमद अब्दुल उर्फ हुरार पुत्र फारूख अहमद अब्दुल, निवासी- खानपोरा, बारामूला (श्रेणी-ख), मोहसिन मुश्ताक भट उर्फ शेरा भाई पुत्र मुश्ताक अहमद भट, निवासी- काजीहमाम बारामूला (श्रेणी-ख) और नासिर अहमद दर्जी पुत्र स्व. मोहम्मद अमीन दर्जी उर्फ हमजा, निवासी- संग्रामपोरा, भाटपोरा ए/पी जामिया कादिम बारामूला (श्रेणी-ख) के रूप में की गई तथा वे लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी गुट से संबद्ध थे। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया और इस संबंध में, पुलिस थाना बारामूला में आरपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुद्ध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 14/2019 दर्ज की गई है।

यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि मारे गए ये आतंकवादी जिला बारामूला और सोपोर में लंबे समय से सक्रिय थे, जिन्होंने सोपोर शहर में एक हत्या समेत बारामूला शहर में तीन निर्दोष युवकों की हत्या के जरिए लोगों/राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच आतंक की दहशत फैला रखी थी और वे सुरक्षा बलों पर हुई कई आतंकी कार्रवाइयों में भी शामिल थे, जिनमें बाटरगाम सेना शिविर पर यूबीजीएल हमला, संगरामा में सीआरपीएफ शिविर पर ग्रेनेड हमला और बारामूला पुलिस थाने पर दो बार ग्रेनेड हमला शामिल है। इसके अलावा, वे स्थानीय युवाओं को आतंकवाद से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहे थे। मारा गया आतंकवादी सुहैब अब्दुल उर्फ हुरार पाक अधिकृत कश्मीर का एक प्रशिक्षित आतंकवादी और उत्तरी कश्मीर के लिए लश्कर-ए-तैयबा का स्वयंभू ऑपरेशनल चीफ था। इसने हाल ही में हुए नगरपालिका और पंचायत चुनावों के दौरान सोशल मीडिया पर एक डरावना वीडियो प्रसारित किया था, जिसमें लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का बहिष्कार करने की धमकी दी गई थी। तीनों आतंकवादियों के खात्मे से उत्तरी कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा की रीढ़ की हड्डी टूट गई और आम नागरिकों पर अत्याचार और निर्दोष युवाओं को भर्ती के लिए जुटना बंद हो गया।

अन्य पुलिस कार्मिक और अधिकारी, जो ऑपरेशनल पुलिस दल का हिस्सा बने रहे और जिन्होंने आतंकवादियों का सफाया करने में अनुकरणीय प्रदर्शन किया, उन्हें उपयुक्त पुरस्कार दिया गया नामतः एएसआई एजाज अहमद सं. 79/बी, एसजी कांस्टेबल हिलाल अहमद सं. 1520/बी, एसजी कांस्टेबल गणेश दास सं. 725/13वीं आईआर, एसजी कांस्टेबल गुलाम हसन सं. 865/एडब्ल्यूपी, कांस्टेबल शोएब मोहम्मद सं. 1389/बी, कांस्टेबल रफीक अहमद सं. 1711/बी, कांस्टेबल अल्ताफ अहमद सं. 1708/बी, कांस्टेबल अब्दुल फारूक सं. 1052/बी, कांस्टेबल अनायत हुसैन सं. 1050/बी (ओटीपी के लिए संस्तुत), एसपीओ तौकीर अहमद सं. 597/एसपीओ, एसपीओ इरशाद अहमद सं. 144/एसपीओ, एसपीओ मंजूर अहमद सं. 1092/एसपीओ, एसपीओ एजाज अहमद सं. 221/एसपीओ, एसपीओ अशफाक अहमद सं. 309/एसपीओ, एसपीओ जावेद अहमद सं. 184/एसपीओ, एसपीओ शब्बीर अहमद सं. 1305/एसपीओ, एसपीओ जहूर अहमद सं. 543/एसपीओ, एसपीओ निसार हुसैन सं. 2089/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद इमरान सं. 248/एसपीओ, एसपीओ इरशाद अहमद सं. 1795/एसपीओ, एसपीओ गुलाम अहमद सं. 459/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद अमीन सं. 13/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद मकबूल सं. 128/एसपीओ, एसपीओ गुलाम मोहम्मद सं. 50/एसपीओ, एसपीओ सलमान बिलाल सं. 1916/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद अशरफ सं. 1808/एसपीओ, एसपीओ मुश्ताक-उल-इस्लाम सं. 638/एसपीओ (कंवर्जन के लिए संस्तुत)।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अतुल कुमार गोयल, आईपीएस, उप महानिरीक्षक, मोहम्मद यूसुफ, अपर पुलिस अधीक्षक, तनवीर अहमद भट, सिपाही और सैयद सजाद हुसैन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23.01.2019 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/137/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 20-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं: —
सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	ताहिर अशरफ	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	शरद	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	शौकत अहमद शाह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस घटक श्रीनगर द्वारा हिजबुल मुजाहिदीन गुट के आतंकवादियों नामतः सब्जार अहमद सोफी उर्फ डॉ. सब्जार उर्फ ताजम-उल-इस्लाम और आसिफ अहमद शेरगुजरी (वागे) उर्फ खुबैन की श्रीनगर जिला के सुथसू, कुथैर बाग, नोंगाम रिहायिशी इलाके में मौजूदगी होने के बारे में दी गई एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, पुलिस घटक श्रीनगर की ऑपरेशनल पार्टी, पश्चिम जोन श्रीनगर की पुलिस पार्टी, सीआईडी, सीआईके श्रीनगर की एक विशेष टीम और तकनीकी इंटेलिजेंस की सहायता से क्षेत्र में दिनांक 23/24.10.2018 की मध्यरात्रि के दौरान एक घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन चलाया गया था। ये पार्टियां उक्त इलाके में छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने में सफल रहीं। यह पुष्ट हो गया था, कि हिजबुल मुजाहिदीन के ये दोनों कुख्यात आतंकवादी सुथसू, कुथैर बाग, नोंगाम, श्रीनगर में मोहम्मद जब्बार डार पुत्र श्री मोहम्मद रमजान डार और गुलाम मोहि-उद्-बिन वानी पुत्र श्री अब्दुल रहमान वानी के संयुक्त घर में छिपे हैं और श्रीनगर में आतंकवादी हमला करने की फिराक में हैं।

तदनुसार, श्री विधि कुमार बिर्दी, आईपीएस, डीआईजी, सीकेआर श्रीनगर तथा श्री इम्तियाज इस्माइल-आईपीसी, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्रीनगर की कमान में एक टीम गठित की गई थी, जिसमें श्री गुरिन्दरपाल सिंह-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक (सिटी), पश्चिम श्रीनगर तथा श्री ताहिर अशरफ-जेकेपीएस, पुलिस अधीक्षक पीसी श्रीनगर और साथ ही श्रीनगर पुलिस घटक के पर्याप्त पुलिसकर्मी शामिल किये गए, ताकि छिपे हुए आतंकवादियों की पहचान करके उनका खात्मा किया जा सके। ऑपरेशन शुरू करने से पहले, पुलिस सिटी पश्चिम जोन, श्रीनगर, 50 राष्ट्रीय राइफल्स और 29वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ मिलकर कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया था, ताकि समानांतर किसी क्षति से बचा जा सके और आतंकवादियों का खात्मा करने का सफल ऑपरेशन पूरा हो सके।

सम्पूर्ण नफरी को दो पार्टियों में बांटा गया था। पहली पार्टी में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (सिटी), पश्चिम श्रीनगर, श्री गुरिन्दरपाल सिंह के नेतृत्व वाली पुलिस पार्टी, उप पुलिस अधीक्षक गौहर अहमद खान-जेकेपीएस, तत्कालीन एसडीपीओ पंथा चौक श्रीनगर, एसआई शौकत अहमद (अब निरीक्षक) सं.7844/एनजीओ (ईएक्सके-क्यू 22645), एसएचओ पुलिस स्टेशन नोंगाम, एसजी कांस्टेबल मिर्जा अफाक बेग सं.3509/एस ईएक्सके- 972368, कांस्टेबल अब्दुल मजीद सं. 1253/सेक., पुलिस केएमआर, पश्चिम जोन श्रीनगर और साथ ही 50 आरआर, 29वीं बटालियन सीआरपीएफ और सीआरपीएफ की वैली क्यूआरटी की नफरी शामिल थी। इस पार्टी को टारगेट एरिया के बाहर घेरा डालने का कार्य सौंपा गया था। दूसरी पार्टी में ताहिर अशरफ जेकेपीएस- 045839, पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर के नेतृत्व वाला पुलिस घटक श्रीनगर, उप पुलिस अधीक्षक सचिit शर्मा- जीकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक शरद जेकेपीएस-155774, निरीक्षक साहिल सिंह चरक एआरपी-046130, एसआई विनोद कुमार सं. 2889/एस (ईएक्सके-022227), हेड कांस्टेबल बाबू राम सं.280/एपी 6वीं बटालियन (एआरपी-993551), हेड कांस्टेबल कुलपंत सिंह सं. 730/आईआर 9वीं बटालियन (एआरपी-007104), एसजी कांस्टेबल सुदेश सिंह सं. 832/आईआर 9वीं बटालियन (एआरपी-045617), एसजी कांस्टेबल सुरेश कुमार सं.502/एपी 9वीं बटालियन (एआरपी-036610), एसजी कांस्टेबल मोहम्मद फारूख गुज्जर सं.472/आईआर 14वीं बटालियन (एआरपी-078673), कांस्टेबल मुश्ताक अहमद नाइक सं.1568/एस (ईएक्सके-115543) और कांस्टेबल अब्दुल हामिद शल्बफ सं. 4607/एस (ईएक्सके-119959) शामिल थे। इस दूसरी पार्टी को टारगेट हाउस, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे, में भीतरी घेरा डालने का कार्य सौंपा गया था और आवश्यकता पड़ने पर अन्य सुरक्षा बलों के साथ सम्पूर्ण समन्वय स्थापित करके डीआईजी, सीकेआर श्रीनगर की कमान में घर में प्रवेश करने का काम सौंपा गया।

सभी पार्टियों ने तैयार की गई पूर्व योजना के अनुसार खुद को तैनात कर लिया। डीआईजी, सीकेआर श्रीनगर, जो आंतरिक घेराबंदी पार्टी के प्रभारी थे, और पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर ने आसपास के रिहायशी घरों के निवासियों को बाहर निकालने के लिए पुलिस घटक श्रीनगर की एक छोटी सी टीम बनाई। टीम ने आसपास के घरों के निवासियों को बड़ी चतुराई और बहादुरी से बाहर निकाला और उन्हें पास के सुरक्षित स्थान पर भेजा, ताकि कोई समानान्तर क्षति न हो सके। सबसे पहले, छिपे हुए दोनों आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया था, जिसे मानने से उन्होंने साफ मना कर दिया और घेरा तोड़ने की दृष्टि से छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टियों पर गोलीबारी करनी शुरू कर दी। इसी वक्त घर में घुसने की योजना बनाई गई और ऑपरेशनल पार्टी ने सभी प्रकार से सावधानियां बरतते हुए, घर में घुसना शुरू किया। तथापि, जैसे ही इंटरवेंशन पार्टी टारगेट हाउस के करीब पहुंची, वह टारगेट हाउस में मोर्चा लिए आतंकवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई। छिपे हुए आतंकवादियों ने आगे बढ़ रही पार्टी पर हथगोले फेंके और उन पर गोलीबारी कर दी।

इसी बीच, डीआईजी, सीकेआर श्रीनगर, जो आंतरिक घेराबंदी पार्टी के प्रभारी थे, ने दो छोटी पार्टियां बनाई, एक पार्टी में श्री ताहिर अशरफ जेकेपीएस-045839, एसपीपीसी और उनकी टीम शामिल थी, जिसकी अगुवाई श्री इम्तियाज इस्माइल-आईपीएस, तत्कालीन एसएसपीएस, श्रीनगर कर रहे थे, जबकि दूसरी पार्टी में श्री गुरिन्दरपाल सिंह-आईपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (सिटी) पश्चिम श्रीनगर और उनकी पुलिस पश्चिम जोन श्रीनगर की अपनी टीम तथा पश्चिम जोन, श्रीनगर के पुलिस प्रतिनिधि की सहायता वाली 50 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर, कुमाऊं) और सीआरपीएफ की 29वीं बटालियन की पर्याप्त नफरी शामिल थी। दोनों पार्टियों ने आगे और पीछे तरफ से घर में घुसने का निर्णय लिया। जैसे ही दूसरी पार्टी ने पीछे की तरफ से घर में घुसने की कोशिश की, छिपे हुए आतंकवादियों ने एक खिड़की से हथगोला फेंक दिया, परन्तु इसमें कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि पार्टी चतुराई से आगे बढ़ रही थी। तब पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर अपनी टीम के साथ खिड़की की ओर रेंगते हुए बढ़े, जहां से आतंकवादियों ने हथगोला फेंका और गोलियां चलाई। आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़ने और भाग निकलने के प्रयास में घर की पहली मंजिल का मुख्य दरवाजा खोल दिया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उसी क्षण, पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर अपनी पीसी श्रीनगर टीम के साथ रेंगते हुए टारगेट हाउस के करीब पहुंच गए और उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना

प्रभावी ठंग से गोलीबारी का जबाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी मारा गया और दूसरा आतंकवादी जो बच निकलने की फिराक में था, ने खुद को टारगेट हाउस के ऊपरी तल में छिपाते हुए घेराबंदी तोड़ने के लिए पिछली तरफ की खिड़की से अंधाधुंध गोलियां चलाई, परन्तु श्री गुरिन्दरपाल सिंह-आईपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (सिटी), पश्चिम श्रीनगर के साथ उनकी टीम और 50 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) (कुमाऊं) तथा सीआरपीएफ की 29वीं बटालियन की पर्याप्त नफरी वाली दूसरी पार्टी, जो घर के पिछले हिस्से की तरफ पहले ही तैनात थी, ने बहादुरी से गोलीबारी का मुकाबला किया और आपसी गोलीबारी के बीच, दूसरा आतंकवादी भी गोलीबारी में मारा गया और घर की पूर्ण तलाशी के बाद दोनों आतंकवादियों के शव बरामद कर लिए गए।

बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान हिजबुल मुजाहिदीन गुट के सब्ज़ार अहमद सोफी उर्फ डॉ. सब्ज़ार ताजमुल इस्लाम पुत्र श्री बशीर अहमद सोफी, निवासी- उमर कॉलोनी, नैना संगम, जिला अनंतनाग और हिजबुल मुजाहिदीन गुट के आसिफ अहमद शेरगुजरी (वागे) उर्फ खुबैब पुत्र श्री अल मोहम्मद शेरगुजरी, निवासी- दुरपोरा खीरम, जिला अनंतनाग के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किए गए हैं। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन नोंगाम में आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 103/2018 दर्ज की गई है।

खूंखार आतंकी दक्षिण/मध्य कश्मीर के इलाकों में सक्रिय थे और इन इलाकों में कई विध्वंसक गतिविधियों, पुलिस कर्मियों/अन्य सुरक्षा बल के कर्मियों की हत्या करने और आम जनता को धमकाने के लिए जिम्मेदार थे। इसके अलावा, वे दक्षिण कश्मीर रेंज में हथियार लूटने की घटनाओं/बैंक डकैतियों में शामिल थे। यहां यह उल्लेखनीय है कि उपर्युक्त आतंकवादी स्थानीय युवाओं को आतंकवादी रैंकों में भर्ती करने के लिए मुख्य योजनाकार/प्रेरक थे। उन्हें पुलिस/सुरक्षा बलों पर सनसनीखेज हमला करने के लिए श्रीनगर शहर में बेस स्थापित करने के लिए सीमा पार स्थित हिजबुल मुजाहिदीन के अपने आकाओं से भी निर्देश प्राप्त थे और और वे दोनों पुलिस प्रशंसक जनता/राजनीतिक कार्यकर्ताओं को धमकाने, समानांतर क्षति के लिए हथगोले फेंकने और विशेषतौर पर जम्मू-कश्मीर राज्य में यूएलबी/पंचायत चुनाव के दौरान अमन पसंद लोगों के बीच दहशत और डर पैदा करने में भी शामिल थे।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक, शरद, उप पुलिस अधीक्षक और शौकत अहमद शाह, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.10.2018 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/145/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 21-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	परवेज अहमद डार	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	आदिल अशरफ भट	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	शबीर अहमद नरवरू	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30.10.2018 को, एसआई अब्दुल रहमान खान नंबर 448/पीएयू को एक विदेशी आतंकवादी नामशः अबू उस्मान उर्फ हैदर, निवासी पाकिस्तान (प्रतिबंधित जेईएम संगठन के प्रमुख मसूद अजहर के भतीजे) और उसके साथ एक स्थानीय आतंकवादी नामशः शौकत अहमद पुत्र श्री गुलाम नबी, निवासी-हंडूरा की मौजूदगी अब्दुल रशीद मीर पुत्र श्री सोनाउल्ला मीर, निवासी- चनकितर त्राल के घर में होने के बारे में एक जानकारी (मानव स्रोत से प्राप्त जानकारी के रूप में) प्राप्त हुई। 42 आरआर और 180वीं बटालियन, सीआरपीएफ की सहायता से ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी तथा उक्त घर के चारों ओर घेराबंदी की गई। तुरंत ही, एक रणनीति बनाई गई और श्री मोहम्मद ज़ैद-जेकेपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की कड़ी निगरानी में एक संयुक्त पार्टी बनाई गई, जिसमें सेना के साथ साथ उप पुलिस अधीक्षक परवेज अहमद डार, एसडीपीओ अवंतीपोरा ईएक्सके-931888), उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) त्राल, श्री अजाज अहमद जेकेपीएस-125830, एसआई अब्दुल रहमान खान 448/पीएयू, एसआई आदिल अशरफ भट 388/पीएयू, हेड कांस्टेबल अरफत अहमद राथर 488/एस, हेड कांस्टेबल शबीर

अहमद नरवरू 535/आईआरपी 11वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल राकेश कुमार 344/आईआर 11वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद 263/एडब्ल्यूटी, राजिंदर सिंह 128/आईआर 9वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल जावेद अहमद शेख 815/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल गुलाम जीलानी कटारिया 743/एडब्ल्यूटी, एसपीओ अक्लाक अहमद 785/एसपीओ, एसपीओ हिलाल अहमद 257/एसपीओ, एसपीओ रेयाज अहमद 673/एसपीओ, एसपीओ शोएब अहमद 950/एसपीओ, एसपीओ मुदासिर अहमद 253/एसपीओ और एसपीओ ताहिर अहमद 273/एसपीओ शामिल किये गए थे।

आतंकवादियों को भागने से रोकने तथा घर के मालिक और उनके परिवार के सदस्यों को बाहर निकालने के लिए सर्च पार्टी द्वारा टारगेट हाउस की करीब से घेराबंदी कर दी गई थी। घर के अंदर छिपे आतंकवादियों ने संयुक्त खोज दल पर अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दीं और इसलिए आत्मरक्षा में उनकी गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया गया। आतंकवादियों को सार्वजनिक घोषणा प्रणाली के माध्यम से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया था। संयुक्त खोज दल अपने जीवन की परवाह किए बिना उक्त घर की ओर सावधानीपूर्वक आगे बढ़ा, लेकिन घर में प्रवेश करते समय वे भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए। यह ऑपरेशन का एक अत्यंत कठिन चरण था। कॉर्डन पार्टी ने आतंकवादी को गोलीबारी में उलझाये रखा, जबकि उसी दौरान संयुक्त खोज दल ने कमरे का दरवाजा सफलतापूर्वक खोल दिया। यह देखते हुए कि संयुक्त खोज दल घर में प्रवेश कर रहा है, घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने सीढ़ियों के पीछे पोजीशन लेकर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और एक ग्रेनेड फेंका, ताकि वे वहाँ से भलीभांति भाग सके। एसआई अब्दुल रहमान नंबर 448/पीएयू के नेतृत्व में संयुक्त खोज दल ने एक आतंकवादी के किसी स्थान में होने को भापतें हुए उस पर गोलीबारी की और उस आतंकवादी को मार दिया। एक अन्य आतंकवादी ने यह भापतें हुए कि फ़ोर्स उसके नजदीक आ रही है, उसने खिड़की से बाहर कूदने की कोशिश की, लेकिन उप पुलिस अधीक्षक परवेज अहमद डार, एसडीपीओ अवंतीपोरा के नेतृत्व वाली एक अन्य संयुक्त दल ने उसे घेरा और उस पर फायर करके उसे मार दिया। मारे गए

आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी, इसलिए उनका मारा जाना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता थी।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री परवेज अहमद डार, उप पुलिस अधीक्षक, आदिल अशरफ भट, उप निरीक्षक और शबीर अहमद नरवरू, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30/10/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/149/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 22-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मजद अली	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अब्दुल लतीफ शबनम	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	जावेद अहमद रेशी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	अनिल कुमार	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	जफ्फर राशिद पैरे	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	मोहम्मद अल्ताफ बजार्द	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06.05.2018 को लगभग 0430 बजे, बादिगाम (ईमामसाहिब) शोपियां में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में विश्वस्त सूचना के आधार पर, शोपियां पुलिस द्वारा सेना की 44 आरआर/14वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ समन्वय से एक संयुक्त कार्रवाई

एवं सर्व ऑपरेशन शुरू किया गया था और इस प्रक्रिया में टारगेट हाउस की स्थिति का पता लगा लिया गया था। छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए पीए प्रणाली के माध्यम से अनेकों अवसर दिए गए थे, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था और जवाब में उन्होंने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करना शुरू कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप, लांस नायक राजेन्द्र नामक सेना की 44 आरआर का एक जवान और पीसी ईमामसाहिब के कांस्टेबल अनिल कुमार सं.477/आईआरपी 18वीं बटालियन को फायरआर्म चोटें आईं। आत्मरक्षा में गोलीबारी का जवाब दिया गया। घायल सुरक्षा कार्मिकों को उपचार के लिए मुठभेड़ स्थल से निकाला गया। तथापि, ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए समस्त नफरी को दो समूहों में बांट दिया गया। पहली पार्टी में श्री शैलेन्द्र राजेश मिश्रा-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां, श्री माजद अली जेकेपीएस-155776, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) केल्लर, एसआई अटल शर्मा एआरपी-115593, एसआई जावेद अहमद ईएक्सके-109550, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद रेशी 25/एसपीएन, एसजी कांस्टेबल मोहम्मद अब्तर 468/एपी 14वीं, कांस्टेबल जतिन्दर सिंह 343/आईआरपी 14वीं, एसजी कांस्टेबल रईस अहमद 438/आईआरपी2, एसजी कांस्टेबल रियाज अहमद 541/आईआरपी 13वीं, कांस्टेबल मुर्जता मुगल 753/आईआर 20वीं, कांस्टेबल खुर्शीद अहमद 479/आईआरपी 2, कांस्टेबल कैलाश चन्द्र 754/आईआर 6वीं, कांस्टेबल लोकेश पदम 345/आईआर 18वीं, कांस्टेबल रियाज अहमद लोन 453/एसपीएन, फॉलोवर शाबिर अहमद सोहिल फॉलोवर-89/आईआरपी प्रथम, एसपीओ अर्शद हुसैन भट 65/एसपीएन, एसपीओ सब्जार अहमद 39/एसपीएन, एसपीओ इरशाद अहमद 153/एसपीएन, एसपीओ मोहम्मद यूसुफ 63/एसपीएन, 44 आरआर और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी शामिल थी, जिन्हें टारगेट हाउस की आंतरिक घेरेबंदी का काम सौंपा गया था। दूसरी पार्टी में, श्री निसार अहमद खान, उप पुलिस अधीक्षक डार शोपियां, एसआई अब्दुल लतीफ शबनम ईएक्सके-115708, हेड कांस्टेबल बलबीर सिंह 204/एसपीएन, एसजी कांस्टेबल अनिल कुमार 477/आईआर 18वीं, एसजी कांस्टेबल बाग हुसैन 174/एपी 7वीं, एसजी कांस्टेबल अयाज अहमद 615/आईआरपी 11वीं, एसजी कांस्टेबल मुस्तफा अली 395/आईआरपी, एसजी कांस्टेबल अली मोहम्मद 527/एसपीएन, एसजी कांस्टेबल विरेन्द्र पंडिता 387/आईआरपी 18वीं, कांस्टेबल शहनवाज अहमद 3495/एस, कांस्टेबल जाफर राशिद पारें 458/एसपीएन, कांस्टेबल मोहम्मद अल्ताफ बजर्द 618/एसपीएन, एसपीओ शौकत अहमद 138/एसपीएन, एसपीओ मोहम्मद सादिक 83/एसपीएन, एसपीओ मोहम्मद अकबर 84/एसपीएन, एसपीओ मोहम्मद अशरफ 179/एसपीएन, एसपीओ मोहम्मद अयूब 341/एसपीओ-केजीएम, एसपीओ नजीब अहमद 117/एसपीओ, 44 आरआर और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ की क्यूआरटी शामिल थी, जिन्हें बाहरी घेराबंदी से लेकर टारगेट हाउस के चारों ओर के इलाके को घेरने का काम सौंपा गया था। तलाशी दलों ने योजना के मुताबिक खुद को तैनात कर लिया।

इस बीच, आसपास के गांवों/अन्य जिलों की हिंसक भीड़ मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गई और भीड़ ने घेराबंदी को निष्फल करने के लिए धटना स्थल से आतंकवादियों को भागने का मौका देते हुए सभी दिशाओं से सुरक्षाबलों पर पथराव कर दिया। आतंकवादियों को पुनः आत्मसमर्पण करने को कहा गया, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। सैन्य दस्ते ने कवर लिया और साहस एवं समर्पण भावना के साथ सामने से मुकाबला कर जवाबी कार्रवाई की। घंटों तक चली इस मुठभेड़ के फलस्वरूप 05 आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया, जिनकी पहचान बाद में आदिल अहमद मलिक उर्फ सलाहुद्दीन पुत्र श्री नाजिर अहमद मलिक, निवासी- मलिकगुंड शोपियां, लश्कर-ए-तैयबा ए++, सद्दाम अहमद पद्म उर्फ जैद पुत्र श्री गुलाम मोहि-थु-द्दीन पद्म, निवासी- हैफ शोपियां, तौसीफ अहमद शेख पुत्र श्री अब्दुल सलाम शेख, निवासी- रामपोरा कुलगाम, बिलाल मोहान्द उर्फ बलीद पुत्र श्री मोहम्मद यूसुफ मोहान्द, निवासी- हैफ शीरमल और मोहम्मद रफिक भट पुत्र श्री अब्दुल रहीम भट, निवासी- चुंदिना गांधरबल के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोलाबारूद और अन्य वस्तुएं बरामद हुईं, जिनमें 03 एके47 राइफल (क्षतिग्रस्त), 01 एके56 राइफल (क्षतिग्रस्त), 01 पिस्तौल (क्षतिग्रस्त), 07 एके मैगजीन (क्षतिग्रस्त), 01 पिस्तौल मैगजीन, 108 एके राउंड, पिस्तौल के 06 राउंड, 04 पुल श्रू, 04 पाउच (क्षतिग्रस्त), 02 बेल्ट (नवारा), 02 कैप, 04 धार्मिक पुस्तकें, 02 काले बटुए, 01 चशमा, 01 काला बैग (क्षतिग्रस्त), जम्मू और कश्मीर बैंक का 01 एटीएम कार्ड, केनरा बैंक का 01 एटीएम कार्ड, 01 धार्मिक निर्देश पत्र, बिलाल यूसुफ का 01 पहचान पत्र, हिजबुल मुजाहिदीन के 05 कार्ड, 02 चुनाव कार्ड, 01 विश्वविद्यालय कार्ड, मोहम्मद रफी भट का 01 आधार कार्ड, इश्फाक मजीद का 01 स्टूडेंट कार्ड शामिल है। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन जैनपोरा में आरपीसी की धारा 307, 148, 149, 353, 336, 332, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और यूएलए (पी) अधिनियम की धारा 16 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 20/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री माजद अली, उप पुलिस अधीक्षक, अब्दुल लतीफ शबनम, उप निरीक्षक, जावेद अहमद रेशी, हेड कांस्टेबल, अनिल कुमार, एसजी कांस्टेबल, जफर राशिद पैरे, सिपाही और मोहम्मद अल्ताफ बजार्द, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06.05.2018 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/150/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 23-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	विधि कुमार बिरदी, आईपीएस	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	गुरिन्दरपाल सिंह, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	शाहजहां चौधरी	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	महबूब हुसैन बांडे	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15.03.2018 को, आतंकवादियों ने बिलाल अहमद सं.931/बी नामक कांस्टेबल, जो श्री मोहम्मद अनवर (एक राजनीतिक कार्यकर्ता) के साथ खाममोह में पीएसओ झूटी कर रहा था, पर उसके सर्विस हथियार को छीनने के इरादे से हमला कर दिया। आतंकवादियों ने उसे घायल कर दिया, लेकिन हथियार छीनने की कोशिश को अलर्ट पीएसओ ने नाकाम कर दिया और आतंकवादी मौके से फरार हो गए। इस भीषण हमले के तुरंत बाद, श्रीनगर जिले से पर्याप्त पुलिस कार्मिकों के साथ श्री विधि कुमार बिरदी, आईपीएस-डीआईजी, सीकेआर श्रीनगर के सम्पूर्ण देखरेख में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन इन हमलावरों की पहचान करने और उन्हें मार गिराने के लिए किया गया।

टीम आसपास के इलाके बलहामा, जहां ये आतंकवादी छिपे हुए थे, के रिहायशी घरों का पता लगाने में सफल रही। योजना के चरण के दौरान 50 आरआर और सीआरपीएफ की यूनिट को भी साथ लिया गया था। सम्पूर्ण नफरी को दो पार्टियों में बांट दिया गया। पहली पार्टी में श्रीनगर पुलिस घटक, 50 आरआर कार्मिक और 29वीं बटालियन सीआरपीएफ शामिल थी, जिन्हें उस मोहल्ले की बाहरी घेरेबंदी का काम सौंपा गया था, जिसमें टारगेट हाउस स्थित था। दूसरी पार्टी में पुलिस घटक श्रीनगर और 50 आरआर के प्रतिनिधि शामिल थे, जिन्हें रिहायशी घरों, जिनमें आतंकवादी छिपे हुए थे, में आंतरिक घेरेबंदी करने और आवश्यकता पड़ने पर अन्य सुरक्षा बलों के पूर्ण समन्वय के साथ श्री विधि कुमार बिरदी-आईपीएस, डीआईजी सीकेआर श्रीनगर की कमान में घर में प्रवेश करने का कार्य सौंपा गया। सभी पार्टियों ने योजना के अनुसार खुद को तैनात कर लिया। चूंकि इलाका काफी घना था, इसलिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्रीनगर ने आंतरिक घेरेबंदी का प्रभारी होने के नाते उस इलाके से सटे घरों के निवासियों को बाहर निकालने के लिए पुलिस श्रीनगर की एक छोटी टीम बनाई। इस टीम में श्री गुरिन्दरपाल सिंह-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक (सिटी), वेस्ट जोन श्रीनगर, श्री जावेद इकबाल-जेकेपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर, श्री खलिल अहमद पोसवाल-जेकेपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, उप पुलिस अधीक्षक शाहजहां चौधरी-जेकेपीएस, निरीक्षक महबूब हुसैन सं.7176/एनजीओ, एसएचओ पुलिस थाना पंथा चौक, एसआई अमित रैना सं. ईएक्सके 022280 पीसी श्रीनगर, एसआई शाबिर अहमद सं.143/एस पीसी श्रीनगर, हेड कांस्टेबल पवन कुमार 166/आईआर दूसरी बटालियन, पीसी श्रीनगर, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अजीम सं.541/एपी 9वीं बटालियन पीसी श्रीनगर, एसजी कांस्टेबल मन मोहन गंजू सं.3583/एस पीसी श्रीनगर, एसजी कांस्टेबल गुलाम मोहि-उद-दीन सं.516/एपी 14वीं बटालियन पीसी श्रीनगर, एसजी कांस्टेबल कुलबीर सिंह सं.2736/एस, एसजी कांस्टेबल करमजीत सिंह सं.356/एस, एसजी कांस्टेबल निसार अहमद सं.1434/एस पी/एस पंथा चौक, एसजी कांस्टेबल अजाज अहमद सं.2067/एस पी/एस पंथा चौक, एसजी कांस्टेबल हबीबुल्लाह सं.3332/एस पी/एस पंथा चौक, एसजी कांस्टेबल इरशाद अहमद सं.4389/एस शामिल थे। उन्होंने बड़ी चतुराई और बहादुरी से टारगेट हाउस से सटे घरों के निवासियों को बाहर निकाला और उन्हें निकटवर्ती सुरक्षित स्थान पर भेज दिया, ताकि कोई जनहानि न हो पाए। सबसे पहले, छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने को कहा गया, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। आत्मसमर्पण करने की बजाय इन आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टी पर गोलीबारी कर दी। फिर घरों में घुसने की योजना बनाई गई। इंटरवेंशन पार्टी ने सभी सावधानियां बरतते हुए घरों में घुसना शुरू किया। तथापि, जैसे ही इंटरवेंशन पार्टी टारगेट हाउस के करीब पहुंची, उन पर रिहायशी घरों के अंदर मोर्चा लिए हुए आतंकवादियों की ओर से भारी गोलीबारी कर दी गई।

छिपे हुए आतंकवादियों ने आगे बढ़ रही पार्टी पर हथगोले फेंके और उन पर गोलियां चलाई। तथापि, इंटरवेंशन पार्टी चमत्कारिक रूप से बच निकली। इंटरवेंशन पार्टी ने एक रणनीतिक चाल के मुताबिक पीछे हटी और फिर रिहायशी घरों में पिछली ओर से प्रवेश करने का फैसला ले लिया। इस चरण में श्री विधि कुमार बिरदी-आईपीएस, डीआईजी सीकेआर ने दो छोटी पार्टियां बनाई; पहली पार्टी में श्री जावेद इकबाल-जेकेपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक पी/सी श्रीनगर, उप पुलिस अधीक्षक शाहजहां चौधरी-जेकेपीएस, एसआई अमित रैना और उनके साथ पुलिस श्रीनगर और 29वीं बटालियन सीआरपीएफ के प्रतिनिधियों की पर्याप्त नफरी शामिल थीं और दूसरी पार्टी में श्री इम्तियाज इस्माईल पार्रे-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, श्री गुरिन्दरपाल सिंह-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक (सिटी) वेस्ट जोन श्रीनगर, श्री खलिल अहमद पोसवाल-जेकेपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीनगर, एसआई शाबिर अहमद सं.143/एस और 50 आरआर की क्यूआरटी शामिल थीं। उन्होंने आगे और पीछे दोनों तरफ से घरों में प्रवेश करने का निर्णय लिया। जैसे ही दूसरी पार्टी ने पीछे की तरफ से घरों

में घुसना शुरू किया, छिपे हुए आतंकवादियों ने घर की एक खिड़की से उनपर हथगोला फेंका, परन्तु इससे कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि आगे बढ़ रही पार्टी चतुराई से बढ़ती जा रही थी। तब श्री विधि कुमार बिरदी-आईपीएस, डीआईजी सीकेआर, श्री जावेद इकबाल जेकेपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर, उप पुलिस अधीक्षक शाहजहां चौधरी-जेकेपीएस, एएसआई अमित रैना श्रीनगर पुलिस और 29वीं बटालियन, सीआरपीएफ की पर्याप्त नफरी लेकर सामने की तरफ से रेंगते हुए समानांतर क्षति से बचने के लिए रेंगकर घर के नजदीक पहुंच गए। आतंकवादियों ने एक घर की पहली मंजिल का मुख्य द्वार खोल दिया तथा घेरा तोड़ने और भाग निकलने की मंशा से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उसी क्षण, श्री विधि कुमार बिरदी-आईपीएस, डीआईजी सीकेआर ने अपनी टीम के साथ मिलकर रेंगते हुए टारगेट हाउस के नजदीक पहुंचकर अपनी जान की परवाह किए बिना गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जबाब दिया। इसके परिणामस्वरूप, एक आतंकवादी को मारा गया और अन्य 02 आतंकवादी, जो भागने की फिराक में थे, ने खुद को रिहायशी घर के ऊपरी तल में छिपा दिया और घेरा तोड़ने के प्रयास में पिछली खिड़की की तरफ से अंधाधुंध गोलियां चलानी शुरू कर दी, परन्तु श्री इम्तियाज इस्माईल पारें-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, श्री गुरिन्दरपाल सिंह-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक (सिटी), वेस्ट जोन श्रीनगर, श्री खलिल अहमद पोसवाल-जेकेपीएस श्रीनगर, एएसआई शाबिर अहमद सं.143/एस और पुलिस श्रीनगर की नफरी + 50 आरआर की क्यूआरटी वाली दूसरी पार्टी, जो पिछली तरफ से घरों के समीप पहले से तैनात थी, ने बहादुरी से गोलीबारी का जबाब दिया और दोनों तरफ की गोलीबारी में दोनों ही आतंकवादी मारे गए। बाद में, इन आतंकवादियों की पहचान (1) हिजबुल मुजाहिदीन गुट के रासिक अहमद भट उर्फ ओवल्स पुत्र श्री गुलाम नबी भट, निवासी-नोउदल ताल (2) लश्कर-ए-तैयबा गुट के शाबिर अहमद डार पुत्र श्री मोहम्मद शब्बन डार, निवासी- आगाजपुरा, पडगामपुरा अवन्तीपुरा, ये दोनों स्थानीय आतंकवादी थे और (3) लश्कर-ए-तैयबा गुट के विदेशी आतंकवादी अबू हमस, निवासी- पाकिस्तान के रूप में की गई। मुठभेड़ स्थल से हथियार/गोलाबारूद बरामद हुए, जिनमें 02 एके47 (क्षतिग्रस्त/जली हुई) शामिल हैं। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन, पंथा चौक में आरपीसी की धारा 307, 120-बी और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं.17/2018 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री विधि कुमार बिरदी, आईपीएस, उप महानिरीक्षक, गुरिन्दरपाल सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, शाहजहां चौधरी, उप पुलिस अधीक्षक और महबूब हुसैन बांडे, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15.03.2018 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/154/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

(जगन्नाथ श्रीनिवासन)

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 24-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद इदरीस वानी	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	आकास मोहम्मद डार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.08.2018 को लगभग 11.30 बजे, रफियाबाद क्षेत्र के दोनिवाडी फ्रॉन्ट में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के एक समूह की आवाजाही/मौजूदगी होने के बारे में एक विशेष सूचना प्राप्त हुई। इस पर सोपोर पुलिस, 32 आरआर और 92वीं बटालियन, सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। सर्च ऑपरेशन की प्रक्रिया के दौरान, भारी मात्रा में हथियारों से युक्त आतंकवादियों के समूह को एक स्थान पर रोक लिया गया और उन्हें रुकने/आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी गई, लेकिन उन्होंने बदले में पुलिस/सेना की संयुक्त पार्टियों पर अपने अत्याधुनिक हथियारों से भारी मात्रा में गोलीबारी कर दी, जिससे दोनों तरफ से गोलाबारी शुरू हो गई। चूंकि, यह पूरा इलाका पहाड़ी/दुर्गम इलाका था और घने जंगल से ढका हुआ था, इसलिए ठीक तरह से जवाबी कार्रवाई करना बहुत मुश्किल था। इस तरह की स्थलाकृति/घने जंगल और दुर्गम इलाके का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने सुरक्षित पोजीशन ले ली और वे संयुक्त दलों पर लगातार गोलीबारी करते रहे और ऐसी कठिन परिस्थिति में संयुक्त दल आतंकवादियों की ओर आगे नहीं बढ़ सके। इसके बाद, 32-आरआर के कमांडिंग ऑफिसर और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सोपोर द्वारा एक अच्छी योजना

बनाई गई, जिसके तहत दो संयुक्त पार्टियाँ बनाई गई। डॉ. मोहम्मद इदरीस वानी जेकेपीएस-135819, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) रफियाबाद के नेतृत्व वाली पार्टी में एसआई सैयद मुदासिर जाविद जिलानी 7843/एनजीक्यू, एसआई परवीन कुमार एआरपी-085501, हेड कांस्टेबल इरशाद अहमद 563/एडवल्स्यूपी, एसजी कांस्टेबल एजाज अहमद 599/आईआरपी 13वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल शाहनवाज अहमद 526/आईआरपी 13वीं बटालियन, कांस्टेबल आकाश मोहम्मद डार 685/एसपीआर, कांस्टेबल कृपाल सिंह नंबर 558/आईआरपी 13वीं बटालियन, कांस्टेबल मोहम्मद रफीक 580/एसपीआर, एसपीओ ताज मोहम्मद 103/एसपीओ, एसपीओ मेहराज-उद-दिन 276/एसपीओ, एसपीओ गुलाम रसूल 399/एसपीओ, एसपीओ सजाद अहमद 309/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद रफीक 153/एसपीओ, एसपीओ, रमीज अकबर 139/एसपीओ, एसपीओ तनवीर अहमद 256/एसपीओ, एसपीओ मुदासिर अब्बास 347/एसपीओ, एसपीओ फारूक अहमद 138/एसपीओ शामिल किये गए, जबकि श्री विक्रम सिंह उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) सोपौर के नेतृत्व वाली दूसरी पार्टी में एसआई इरशाद अहमद एआरपी-115599, हेड कांस्टेबल खुर्शीद अहमद 496/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल मोहम्मद फारूक 681/जेकेपी 7वीं बटालियन, कांस्टेबल नरिन्दर सिंह 818/एसपीआर, कांस्टेबल एजाज अहमद 660/एसपीआर, कांस्टेबल मेहराज-उद-दिन 769/एसपीआर, एसपीओ बशीर अहमद 342/एसपीओ, एसपीओ रेयाज अहमद 305/एसपीओ, एसपीओ जाविद अहमद 371/एसपीओ, एसपीओ इश्फाक रमजान 284/एसपीओ, एल/एसपीओ गुलशन अख्तर 199/एसपीओ, एसपीओ शहजाद अहमद 366/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद शाबान 165/एसपीओ, एसपीओ हिलाल अहमद 03/एसपीओ शामिल किये गए और इन पार्टियों को दो अलग-अलग दिशाओं में रेंगने की स्थिति में आतंकवादियों की ओर आगे बढ़ने के लिए कहा गया। जबकि पुलिस/सीआरपीएफ की दो अन्य संयुक्त पार्टियाँ बैकअप फायरिंग/सुरक्षा के लिए पीछे रखा गया था। उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) रफियाबाद और उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) सोपौर के नेतृत्व में संयुक्त पार्टियाँ आतंकवादी पर अंतिम हमले के लिए अपनी इच्छा से आगे आये और अपनी अच्छी रणनीति के अनुसार वे दूसरी अन्य संयुक्त पार्टियों की कवर सहायता या बैकअप गोलीबारी की सहायता से छिपे हुए आतंकवादियों की ओर बढ़ने लगे। जैसे ही पार्टियाँ वहाँ पहुंचने वाली थी, आतंकवादी संयुक्त दलों की गतिविधियों को भांप कर अपने-अपने पोजीशन से उठे और उन्होंने अग्रिम पार्टियों पर गोलियां बरसाईं और विपरीत दिशाओं की ओर भागने लगे, लेकिन सेना/पुलिस की संयुक्त पार्टियों विशेषकर उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) रफियाबाद और कांस्टेबल आकाश मोहम्मद डार 685/एसपीआर ने अपनी जान की परवाह किए बिना गोलीबारी का प्रभावी और बहादुरी से जवाब दिया। इस गोलाबारी में पांच (05) आतंकवादी मारे गये, जिनकी पहचान बाद में हाशिम, निवासी- पाक, लश्कर-ए-तैयबा संगठन के ए++ श्रेणी, मुजफ्फर अहमद पुत्र श्री बशीर अहमद मीर, निवासी- लैंगेट, हंदवाड़ा (लश्कर-ए-तैयबा संगठन का आतंकवादी) के रूप में हुई और 03 अज्ञात विदेशी आतंकवादी हैं। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला बारूद और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की गई। इस संबंध में, आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलिस थाना- डांगीवाचा में एक मामलागत एफआईआर संख्या 111/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मोहम्मद इदरीस वानी, उप पुलिस अधीक्षक और आकास मोहम्मद डार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/08/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/155/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 25-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	निसार अहमद दारजी	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	इरशाद अहमद अहैगर	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3.	एजाज अहमद मलिक	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	नासिर अहमद भट	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.10.2018 को, बारामूला पुलिस को अथूरा पयिन में आतंकवादियों की आवाजाही होने के बारे में विश्वसनीय स्रोतों के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, इस इनपुट को आगे सेना के 52 आरआर, सीआरपीएफ की 53वीं बटालियन, सीआरपीएफ की 176वीं बटालियन और एसएसबी की 2 बटालियन के साथ साझा किया गया था। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, बारामूला पुलिस, सीआरपीएफ, सेना और एसएसबी ने गाँव अथूरा पयिन में मकानों के संदिग्ध क्लस्टर में घेराबंदी की और तलाशी ली। इस सर्च ऑपरेशन के दौरान, मोहम्मद यूसुफ अपर पुलिस अधीक्षक, बारामूला के नेतृत्व वाली पुलिस/सेना की यह संयुक्त पार्टी, जिसमें श्री इरशाद अहमद अहंगर जेकेपीएस-125832, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) बारामूला, श्री, निसार अहमद दारजी जेकेपीएस -125833, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) क्रेरी, एसआई मोहम्मद मुर्तजा 7601/एनजीओ, एसआई अजाज अहमद मलिक संख्या 79/बी, हेड कांस्टेबल मोहम्मद मुस्तफा वानी नंबर 132/बी, हेड कांस्टेबल नासिर अहमद भट्ट नंबर 556/बी, एसजी कांस्टेबल फिरदौस अहमद नंबर 716/एडब्ल्यूपी, कांस्टेबल दाऊद खान नंबर 1619/बी, एसपीओ इरशाद अहमद नंबर 1509/एसपीओ, एसपीओ नजीर अहमद नंबर 602/एसपीओ ने सहायता प्रदान की, जब गुलाम नबी चोपन पुत्र श्री हबीबुल्लाह चोपन, निवासी- अथूरा पयिन के घर की ओर बढ़ी, तो पार्टी उनकी गोलीबारी की चपेट में आ गई। सर्च पार्टी द्वारा गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया और लक्ष्य घर के चारों ओर घेराबंदी को कस दिया गया, ताकि छिपे हुए आतंकवादियों के लिए भागने की कोई गुंजाइश न रह सके। घेराबंदी के दौरान संयुक्त फोर्स घटक अर्थात् पुलिस और सेना ने अपने संबंधित संचार वायरलेस सेटों के पारस्परिक आदान-प्रदान के माध्यम से बेहतर समन्वय स्थापित किया है और इसलिए बहुत ही सिंक्रोनाइज़ और पेशेवर तरीके से काम किया है। जबकि, सीआरपीएफ की 176वीं बटालियन टीम, एसएसबी की 2 बटालियन और एक अन्य जेके पुलिस की टुकड़ी को कानून और व्यवस्था संभालने और लक्ष्य क्षेत्र की ओर किसी भी नागरिक को न आने देने के निर्देश के साथ बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, ताकि मुख्य लक्ष्य क्षेत्र को अनियंत्रित भीड़ द्वारा बाधित न किया जा सके और साथ ही इस क्षेत्र को ऑपरेशन के दौरान नागरिकों के हस्तक्षेप से अछूता रखा जा सके।

जैसे ही घेरा डाला गया, छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल पार्टियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। ऑपरेशनल पार्टियों के लिए यह एक मुश्किल काम था कि वे फंसे हुए नागरिकों को सुरक्षित निकाल सकें। लेकिन पार्टी लक्ष्य के घर के बहुत निकट तक आगे बढ़ गई और उसने बाहरी कॉर्डन पार्टी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए, इस घर के फंसे हुए लोगों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण चरण छिपे हुए आतंकवादियों को मार गिराना था। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए चुनौती दी गई थी, लेकिन उन्होंने इसका जवाब गोलीबारी करके और ग्रेनेड फेंक कर दिया। एक एंटी फिदायीन दस्ते का गठन किया गया, जिसमें मोहम्मद यूसुफ अपर पुलिस अधीक्षक, बारामूला और उनकी टीम तथा सेना 52-आरआर के मेजर विकास एवं उनका साथी शामिल किये गये थे। उक्त स्वैच्छिक ऑपरेशनल टीमों ने अपनी जान की परवाह किये वगैर लक्ष्य घर को ध्वस्त कर दिया और आग पर नियंत्रण के लिए कॉर्डन में बाहरी टीम के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया। आमने सामने की इस लड़ाई के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए। मारे गए ये आतंकवादी युद्ध के लिए कुशलतापूर्वक तैयार किये गए थे। उनकी पहचान अकील अहमद पुत्र श्री अब्दुल राशिद, निवासी- खानपोरा बारामूला और मिन्हाज-उल-मोह-उद-दीन उर्फ नाज़ा, निवासी- ब्रैथ, कलाँ सोपोर (बी श्रेणी का आतंकवादी) के रूप में की गई। यह ऑपरेशन किसी नागरिक अथवा पुलिस/सीआरपीएफ/सेना के जवान के हताहत के बिना पूरा किया गया। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बरामद हथियार/गोला-बारूद में 01 एके राइफल, 03 एके मैगज़ीन, 31 एके राउंड, 01 इंसास राइफल, 05 इंसास मैगज़ीन, 72 इंसास राउंड और 02 पाउच शामिल हैं। इस संबंध में, पी/एस क्रेरी में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और यूएलए अधिनियम की धारा 18 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 74/2018 पंजीकृत है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री निसार अहमद दारजी, उप पुलिस अधीक्षक, इरशाद अहमद अहंगर, उप पुलिस अधीक्षक, ऐजाज़ अहमद मलिक, सहायक उप निरीक्षक और नासिर अहमद भट्ट, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/10/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/156/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 26-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं: —

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	ऐजाज रसूल मीर	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	मुनीब-उल-इस्लाम भट	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	मंजूर अहमद मीर	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
4	सुनील राजदान	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	रशीद अली वानी	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	पिटू कुमार वैद	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30.08.2018 को विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई, कि घातक हथियारों से लैस कुछ विदेशी आतंकवादी पी/एस हाजिन के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पार मोहल्ला हाजिन में छिपे हुए हैं। सूचना को सेना की 13 आरआर और सीआरपीएफ की 45वीं बटालियन के साथ साझा किया गया था। तदनुसार, एक कुशल योजना के बाद, शेख जुल्फकार आजाद-जेकेपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बांदीपोरा की समग्र निगरानी में एसओजी हाजिन/बांदीपोरा, पुलिस स्टेशन हाजिन और पीएस- सुंबल से पुलिस टीमों तथा डीपीएल, सेना की 13 आरआर और सीआरपीएफ की 45 बटालियन की नफरी द्वारा लगभग प्रातः 0500 बजे एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन चलाया गया। एक कुशल योजना और रणनीति के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बांदीपोर की समग्र कमांड और देखरेख में दो छोटी समर्पित टीमें बनाई गईं, जिसमें श्री ऐजाज रसूल मीर-जेकेपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक की अगुवाई वाली एक ऑपरेशनल टीम में श्री मुबाशीर रसूल- जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) हाजिन, एसजी कांस्टेबल रशीद अली वानी नंबर 1299/बी, एसजी कांस्टेबल सुनील राजदान नंबर 450/आईआरपी 8वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल इरशाद अहमद नंबर 422/बीपीआर और 13 आरआर के एक मेजर को शामिल किया गया तथा श्री ओमेर इकबाल- जेकेपीएस के कमान वाली दूसरी ऑपरेशनल टीम में श्री मुनीब-उल-इस्लाम भट, एसएचओ पी/एस हाजिन, हेड कांस्टेबल मंजूर अहमद मीर नंबर 137/बीपीआर, बशारत अहमद भट नंबर 658/बीपीआर, कांस्टेबल इम्तियाज अहमद नंबर 993/बीपीआर और कांस्टेबल पिटू कुमार वैद, नंबर 471/आईआरपी 14वीं बटालियन और सेना की 13 आरआर का एक घटक शामिल किये गए। इन टीमों को लक्षित क्षेत्र में घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया था। जैसे ही सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, आतंकवादियों की गतिविधियों को देख लिया गया और उन्हें अपने हथियार डालने तथा सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन आत्मसमर्पण के बजाय उन्होंने सुरक्षा बलों को मारने के उद्देश्य से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की। संयुक्त टीमों द्वारा गोलीबारी का तुरन्त जवाब दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप 03 विदेशी आतंकवादियों को मार दिया गया, जिनकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा के रिजवान जिंदल, फहदुल्लाह उर्फ अब्दुल्ला और अली उर्फ माज, निवासी- पाकिस्तान के रूप में की गई। यह उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन के दौरान पुलिस/एसएफ अथवा आम नागरिक की कोई समानांतर क्षति नहीं हुई। मारे गए आतंकवादी राज्य प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बरामद हथियार/गोला-बारूद में 02 एके राइफल, 08 एके मैगजीन, 01 पिस्टल, 01 आई. कॉम सेट, 153 एके राउंड और 8000/-रुपये मूल्य की भारतीय मुद्रा शामिल हैं। इस संबंध में, पी/एस हाजिन में आरपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर नंबर 46/2018 पंजीकृत है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री ऐजाज रसूल मीर, अपर पुलिस अधीक्षक, मुनीब-उल-इस्लाम भट, निरीक्षक, मंजूर अहमद मीर, हेड कांस्टेबल, सुनील राजदान, एसजी कांस्टेबल, रशीद अली वानी, एसजी कांस्टेबल और पिटू कुमार वैद, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30/08/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/158/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 27-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं: —

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	अरुण जामवाल	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	रविंदर सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	जहूर अहमद खान	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01-11-2018 को, बडगाम पुलिस को विश्वसनीय स्रोतों से गांव जागू खानसाहिब में एक वन क्षेत्र के ऊपरी हिस्सों में सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। इस जानकारी के आधार पर, बडगाम पुलिस और 53वीं बटालियन आरआर की संयुक्त ऑपरेशन टीम का गठन किया गया। चूंकि, लक्षित क्षेत्र ऊंचाई पर स्थित एक वन क्षेत्र था, जहां से सुरक्षा बलों की आवाजाही आसानी से देखी जा सकती थी, इसलिए एक संयुक्त ऑपरेशन पार्टी को अंधेरे और घने जंगल का कवर लेकर और खड़ी चट्टान पर पैदल लगभग 6 किलोमीटर की चढ़ाई चढ़कर देर रात में भीषण ठंडे मौसम में ऑपरेशन शुरू करने का कार्य सौंपा गया। एक खड़ी पहाड़ी पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करने के बाद, लक्षित क्षेत्र को घेरने के लिए चार घेराबंदी पार्टियों का गठन किया गया।

पहली टीम का नेतृत्व श्री अरुण जामवाल ईएक्सजे-935525, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) बडगाम और 53 आरआर के मेजर अभिनव नं. आईसी-77623 के कर रहे थे, जिसमें हेड कांस्टेबल अजय कुमार 307/एपी13वीं, कांस्टेबल मनमीत सिंह 1065/बीडी, कांस्टेबल दिलीप कुमार भट्ट 1097/बीडी, एसपीओ मंजूर अहमद 454/एसपीओ, एसपीओ सैयद अमजद हुसैन 152/एसपीओ, एसपीओ महमूद हुसैन 71/एसपीओ शामिल थे। इस टीम को लक्षित क्षेत्र के उत्तरी हिस्से की जिम्मेदारी दी गई। 53 आरआर के मेजर जसविंदर सिंह नं. आईसी-69616वाई के नेतृत्व वाली दूसरी टीम, जिसमें सब इंस्पेक्टर राकेश पंडिता 252/पीएल, एचओ दिवेंद्र पाल सिंह 970/बीडी, हेड कांस्टेबल राकेश बाली 04/एडब्ल्यूपी, कांस्टेबल एजाज अहमद 1425/बीडी, एसपीओ रेयाज अहमद 70/एसपीओ, एसपीओ एजाज हुसैन 196/एसपीओ और एसपीओ गुलाम रसूल 371/एसपीओ शामिल थे, को लक्षित क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से को कवर करने की जिम्मेदारी दी गई। सब इंस्पेक्टर जहूर अहमद खान 7835/एनजीओ के नेतृत्व वाली तीसरी टीम, जिसमें एसजी कांस्टेबल फारूक अहमद 777/एपी13वीं, कांस्टेबल बिलाल अहमद 610/बीडी, एसपीओ निसार अहमद 75/एसपीओ, एसपीओ सजाद अहमद 413/एसपीओ, एसपीओ बशीर अहमद 257/एसपीओ और एसपीओ अल्ताफ अहमद वानी 681/एसपीओ शामिल थे, को लक्षित क्षेत्र के पूर्वी हिस्से को कवर करने की जिम्मेदारी दी गई। सब इंस्पेक्टर रविंदर सिंह 142/पीएयू (ईएक्सके-109158) के नेतृत्व वाली चौथी टीम, जिसमें हेड कांस्टेबल सुरजीत सिंह 68/एपी13वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल नजीर अहमद 250/बीडी, कांस्टेबल जावेद अहमद खान 1424/बीडी, फोलोअर अर्शाद अहमद 52/एफ, एसपीओ सजाद अहमद 105/एसपीओ और एसपीओ मोहम्मद शफी 831/एसपीओ शामिल थे, को लक्षित क्षेत्र के पश्चिमी हिस्से को कवर करने की जिम्मेदारी दी गई।

ऑपरेशन का समन्वय और निगरानी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री तेजिंदर सिंह आईपीएस, सीओ 53आरआर बटालियन आरआर, कर्नल अनूप नायर और श्री मोहम्मद माजिद मलिक (जेकेपीएस) अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम द्वारा किया गया। सभी चार पार्टियों ने घेरा डाला और चारों पार्टियों के बीच सम्प्रेषण और समन्वय स्थापित करने के बाद, लक्षित स्थान की ओर धावा बोलने का निर्णय लिया गया, जो एक लैवेंडर एक्सट्रैक्शन वाली जगह थी और घने लैवेंडर प्लांटेशन से ढके हुए टिन शेड में स्थित थी। जैसे ही पार्टियां लक्ष्य की ओर बढ़ीं, अंदर छिपे आतंकवादियों ने भागने और घेरा तोड़ने की कोशिश में गोलियों की बौछार कर दी। किसी ठोस कवर के अभाव में संयुक्त ऑपरेशन पार्टियां किसी तरह आतंकवादियों द्वारा अंधाधुंध गोलाबारी से खुद को बचाने में सफल नहीं। संयम खोए बिना ऑपरेशनल पार्टियों ने चतुराई से जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादियों को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद आतंकवादियों ने खुद को एक वर्चस्व की स्थिति वाले टिन शेड में पोजीशन कर लिया और घेराबंदी में तैनात सुरक्षा बल कार्मिकों को निशाना बनाना शुरू कर दिया, जो उनके हथियारों की गोलीबारी की चमक से आसानी से पहचाने जा सकते थे। किसी भी प्रकार के नुकसान से बचने के लिए, ऑपरेशनल पार्टियों को गोलीबारी रोकने और सुबह की पहली रोशनी होने तक का इंतजार करने का निदेश दिया गया। छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए लक्षित स्थान के जितना संभव हो, उतना पास पहुंचने के लिए, एक सर्च पार्टी का गठन किया गया, जिसमें मेजर जसविंदर सिंह, नं. आईओ -69616वाई, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) बडगाम, सब इंस्पेक्टर जहूर अहमद खान ईएक्सके-022626, सब इंस्पेक्टर रविंदर सिंह ईएक्सके-109158, सब इंस्पेक्टर राकेश पंडिता ईएक्सके-971287, हेड कांस्टेबल अजय कुमार 307/एपी 13वीं बटालियन, एचओ दिवेंद्र पाल सिंह 970/बीडी, कांस्टेबल दिलीप कुमार भट्ट 1097/बीडी और कांस्टेबल जावेद अहमद खान 1424/बीडी शामिल थे। सर्च पार्टी ने चतुराई और कुशलता से लक्षित स्थान को घेर लिया और सुबह होने का इंतजार किया। सुबह की पहली रोशनी होते ही, छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने हथगोले फेंके और सर्च/घेराबंदी करने वाली पार्टियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। बंदूक की इस लड़ाई के दौरान, मेजर जसविंदर सिंह घायल हो गए, जबकि अन्य बाल-बाल बचे, लेकिन दो आतंकवादियों को मार गिराया

गया, जिनकी पहचान बाद में मुख्तार अहमद खान पुत्र अब्दुल अहद खान, निवासी- ब्रास अरिजाल, तहसील- खानसाहिब, जिला बडगाम, लश्कर-ए-तैयबा संगठन, श्रेणी-(ग) और मोहम्मद अमीन मीर उर्फ अबू इस्माइल पुत्र गुलाम रसूल मीर, निवासी- द्रांगबल पंपोर, जिला पुलवामा, लश्कर-ए-तैयबा संगठन, श्रेणी-(ग) के रूप में हुई। मुठभेड़ के दौरान टिन के शेड में आग लग गई और वह जल गया। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना एक छोटी सी सर्च पार्टी ने कर्तव्य के पालन में असाधारण बहादुरी और वीरता का प्रदर्शन किया और सौंपे गए कार्य को सावधानीपूर्वक पूरा किया, जिसके परिणामस्वरूप दो खूंखार आतंकवादी मारे गए।

उस समय तक बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए थे और उन्होंने ऑपरेशनल पार्टी पर पथराव शुरू कर दिया और मारे गए आतंकवादियों के शवों को छीनने का प्रयास किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए, पुलिस की रिइनफोर्समेंट यूनिट और सीआरपीएफ की 79वीं बटालियन, 'डी' कंपनी ने आंसू गैस के गोले दागे, जिसके कारण सुरक्षा बल मारे गए आतंकवादियों के शवों के साथ मौके से हटने में सफल रहे। मारे गए आतंकियों के पास से बरामद किए गए हथियारों/गोला-बारूद में 02 एके राइफल, 05 एके मैगजीन, 01 पिस्तौल, 01 पिस्तौल मैगजीन और 01 कटर शामिल हैं। इस संबंध में, खानसाहिब पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 201/2018 दर्ज है।

यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि उपर्युक्त आतंकवादियों का खात्मा लश्कर-ए-तैयबा संगठन के लिए एक बड़ा झटका है। पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शित त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई ने एक बड़ी/विनाशकारी त्रासदी को टाल दिया, जो कि उक्त आतंकवादियों के कारण हो सकती थी। यह ऑपरेशन पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, क्योंकि आतंकवादियों को भागने में मदद करने के लिए लोग बड़े समूहों में पुलिस/सुरक्षा बलों पर सभी दिशाओं से भारी पथराव कर रहे थे। पेशेवर तरीके से कार्य करते हुए, पुलिस/सुरक्षा बलों ने यह सुनिश्चित किया कि सभी दिशाओं से भड़काने वाले कृत्यों/भारी पथराव के बावजूद कोई भी नागरिक हताहत न हो सके।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अरुण जामवाल, उप पुलिस अधीक्षक, रविंदर सिंह, उप निरीक्षक और जहूर अहमद खान, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/11/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/185/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 28-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	राम सिंह	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अब्दुल मजीद अहंगर	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	परवेज अहमद भट्ट	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	पवन सिंह	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15-07-2017 को वांतीवान सातूरा में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक विश्वसनीय इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, अवंतिपोरा पुलिस ने 42-आरआर/सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन की सहायता से एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। स्थिति का आकलन करने और क्षेत्र की घेराबंदी करने के बाद, पहाड़ी के शीर्ष पर एक प्राकृतिक गुफा देखी गई और इसको भी निचली ओर से खड़ी चढ़ाई पर घेराबंदी में ले लिया गया। श्री मोहम्मद जैद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतिपोरा की कड़ी निगरानी में एक संयुक्त सर्च पार्टी का गठन किया गया, जिसमें इंस्पेक्टर गुलाम मोहम्मद नं. 7150/एनजीओ, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर राम सिंह नं. एआरपी 952259, हेड कांस्टेबल अब्दुल मजीद नं. 261/आईआर 11वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल पवन सिंह नं. 189/आईआर 9वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल परवेज अहमद नं. 166/एडब्ल्यूटी, एसजी कांस्टेबल शमीम अहमद नं. 455/एडब्ल्यूटी, एसजी कांस्टेबल बिलाल अहमद नं. 469/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल, विजय कुमार नं. एआरपी-041243, कांस्टेबल औरिफ हुसैन नं. 747/एपी 12वीं बटालियन, कांस्टेबल मुदासिर अहमद नं. 453/जीआरपी, कांस्टेबल

एजाज अहमद नं. 735/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल उमर नाजिर नं. 673/एएम, कांस्टेबल अली मोहम्मद नं. 591/एडब्ल्यूटी, फोलोअर मोहम्मद मकबूल नं. 47/एफ, एसपीओ फैयाज अहमद नं. 22/एसपीओ, एसपीओ फैयाज अहमद नं. 117/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद जहीर-उद-दीन नं. 02/एसपीओ, एसपीओ तारिक अहमद नं. 204/एसपीओ, एसपीओ इशाक अहमद नं. 144/एसपीओ, एसपीओ उमर फारूक नं. 64/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद अयूब नं. 01/एसपीओ, एसपीओ मुजफ्फर अहमद नं. 11/एसपीओ, एसपीओ इरफान अहमद नं. 132/एसपीओ, एसपीओ जावेद अहमद नं. 06/एसपीओ और एसपीओ गुल मोहम्मद नं. 600 एसपीओ शामिल थे। सर्च ऑपरेशन के दौरान, संयुक्त सर्च पार्टी ने देखा कि दो युवा व्यक्ति गुफा से बाहर निकले और सुरक्षा बलों की उपस्थिति से अनजान बहुत ही आराम के मूड में गुफा के मुहाने पर खड़े हो गए। चूंकि, दोनों व्यक्ति निहत्थे थे, इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए कि क्या वे आतंकवादी हैं, बंदूक से हवा में दो-तीन गोलियां चलाई गईं। इस पर दोनों व्यक्ति गुफा के अंदर भाग गए और फिर से हथियारों के साथ वापस दिखाई दिए और उन्होंने नीचे की ओर घेराबंदी का अंदाजा लगाते हुए उस दिशा में अंधाधुंध गोलीबारी की, जिससे गुफा में आतंकवादियों की मौजूदगी साबित हो गई। आतंकवादियों को सार्वजनिक सूचना प्रणाली के माध्यम से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया था, जिसे मानने से उन्होंने इंकार कर दिया और इस तरह मुठभेड़ शुरू हो गई। घेराबंदी पार्टी की गोलीबारी का कवर पाकर सर्च पार्टी सावधानीपूर्वक गुफा की ओर आगे बढ़ी। अचानक से गुफा में मौजूद एक आतंकवादी ने गैस के एक सिलेंडर को गुफा से बाहर फेंक दिया और उसका विस्फोट करने के इरादे से उस पर गोलीबारी की, ताकि सर्च पार्टी को मारकर उनके भागने का रास्ता बनाया जा सके। लेकिन सौभाग्य से सिलेंडर में विस्फोट नहीं हुआ। इस बीच, एक आतंकवादी छिपने के ठिकाने से बाहर आया और उसने संयुक्त सर्च पार्टी की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन संयुक्त सर्च पार्टी ने कुछ ही पलों में आतंकवादी की गतिविधि को देख लिया और उसे मार गिराया। अन्य आतंकवादी, जो गुफा में बेहतर पोजीशन लिए हुए थे, भी गोलीबारी कर रहे थे और ग्रेनेड फेंक रहे थे। जवाबी कार्रवाई में संयुक्त सर्च पार्टी ने भी आतंकवादियों की ओर कुछ ग्रेनेड फेंके। लंबी खतरनाक लड़ाई के बाद भी, आतंकवादी अपनी पोजीशन से नहीं हटे। संयुक्त सर्च पार्टी सावधानीपूर्वक लक्ष्य की ओर बढ़ी। संयुक्त सर्च टीम रस्सियों की मदद से क्लिफ/वाल राँक से गुजरते हुए ऊपर की ओर बढ़ गई, और पूरे अचरज के साथ आतंकवादियों के करीब पहुंच गई। गुफा के मुहाने के पास पहुंचने के बाद, संयुक्त सर्च पार्टी ने गुफा में कुछ ग्रेनेड/आंसू गैस के गोले फेंके और कुछ ही मिनटों के भीतर एक और आतंकवादी सर्च पार्टी की ओर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए गुफा से बाहर आ गया और गुफा के बाहर चट्टान के पीछे कवर लेने में सफल हो गया। इंस्पेक्टर गुलाम मोहम्मद, जिन्होंने फायदेबंद/वर्चस्व वाली पोजीशन ली हुई थी, ने आतंकवादी को देखा और उस पर गोलीबारी की, लेकिन आतंकवादी मारा नहीं जा सका। चट्टान के ऊपर रंगते हुए और अपनी पोजीशन को बदलते हुए इंस्पेक्टर गुलाम मोहम्मद ने फिर से आतंकवादी पर गोलीबारी की और उसे उसकी कवर वॉल के पीछे मार गिराया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि गुफा में कोई और आतंकवादी तो नहीं हैं, फिर से गुफा के अंदर कुछ आंसू गैस के गोले/ग्रेनेड फेंके गए। बाद में, कुछ ही पलों में एक आतंकवादी धीरे-धीरे दीवार का कवर लेते हुए गुफा के मुहाने की ओर बढ़ा, लेकिन संयुक्त सर्च पार्टी ने उसकी गतिविधि को देख लिया और अपनी अपनी पोजीशन से प्रभावी गोलीबारी करके गुफा से लगभग 05 मीटर की दूरी पर आतंकवादी को मार गिराया। आतंकवादी के मारे जाने के बाद गुफा से कोई गोलीबारी नहीं हुई थी, लेकिन अभी भी कुछ और आतंकवादियों के भीतर छिपे होने की संभावना थी, इसलिए कुछ और यूबीजीएल दागे गए, लेकिन वहां कोई गतिविधि दिखाई नहीं पड़ी/सामने नहीं आई। समुचित योजना के बाद, संयुक्त सर्च पार्टी ने गुफा के अंदर किसी और आतंकवादी के छिपे होने की संभावना का पता लगाने के लिए छिपने के ठिकाने की तलाशी लेने का फैसला किया। यह ऑपरेशन का एक अत्यंत कठिन चरण था। इंस्पेक्टर गुलाम मोहम्मद, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर राम सिंह, हेड कांस्टेबल अब्दुल मजीद, 11वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल पवन सिंह, 9वीं बटालियन और एसजी कांस्टेबल परवेज अहमद अपनी जान की परवाह किए बिना एसजी कांस्टेबल शमीम अहमद, एसजी कांस्टेबल बिलाल अहमद, कांस्टेबल विजय कुमार, कांस्टेबल औरिफ हुसैन, कांस्टेबल मुदासिर अहमद, कांस्टेबल एजाज अहमद, कांस्टेबल उमर नाजिर, कांस्टेबल अली मोहम्मद न.591/एडब्ल्यूटी, फोलोअर मोहम्मद मकबूल और 11 एसपीओ की कवर गोलीबारी में सावधानी से गुफा में दाखिल हुए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छिपने के ठिकाने में कोई आतंकवादी अभी जीवित नहीं है। पूरी गुफा की अच्छी तरह से तलाशी ली गई और उस इलाके से 03 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए थे, जिनकी पहचान मुख्तेर अहमद लोन उर्फ बिटा पुत्र मोहम्मद अकरम, निवासी- अमीराबाद त्राल, परवेज अहमद मीर पुत्र गुलाम कादिर मीर, निवासी- पाहू, हारून उर्फ हसन बाई, निवासी- पाकिस्तान के रूप में हुई। ऑपरेशन के दौरान, बरामद हथियारों/गोला बारूद में 2 एके 47 राइफल (क्षतिग्रस्त), 14 एके मैगजीन (9 क्षतिग्रस्त), 80 एके राउंड, 1 यूबीजीएल थ्रोअर, 5 यूबीजीएल ग्रेनेड और 2 गोला बारूद थैली शामिल हैं। इस संबंध में, त्राल पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20 और 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 53/2017 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री राम सिंह, सहायक उप निरीक्षक, अब्दुल मजीद अहंगर, हेड कांस्टेबल, परवेज अहमद भट्ट, एसजी कांस्टेबल और पवन सिंह, एसजी कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15/07/2017 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/145/2018-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 29-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	तेजिंदर सिंह, आईपीएस	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	अल्ताफ अहमद खान	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	रईस अहमद बानी	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	आशिक हुसैन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03-10-2017 को 0410 बजे एसओजी कैप बडगाम को विश्वसनीय सूचना मिली, कि कुछ अज्ञात आतंकवादियों ने गोगोलैंड हुमहम्मा स्थित 182/बटालियन बीएसएफ कैप पर हमला कर दिया है। ये आतंकवादी बीएसएफ के जवानों को भारी नुकसान पहुंचाने के इरादे से बीएसएफ कैप में घुसे थे। गोलीबारी की लड़ाई पहले ही शुरू हो चुकी थी और बीएसएफ के सतर्क संतरी द्वारा एक विदेशी आतंकवादी को पहले ही मारा जा चुका था। उसी क्षण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री तेजिंदर सिंह (आईपीएस) की निगरानी में अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री मोहम्मद माजिद मलिक (केपीएस), उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) चडूरा श्री गुलाम हसन (केपीएस), उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बडगाम श्री परुपकार सिंह (केपीएस) के नेतृत्व में एसओजी पार्टी उक्त स्थल पर पहुंचने के लिए शीघ्र ही निकल पड़ी। घटनास्थल पर पहुंचने पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम ने ऑपरेशनल पार्टियों, जिनमें इंस्पेक्टर मोहम्मद इलियास एआरपी-981679, सब इंस्पेक्टर रविंदर सिंह ईएक्सके-109158, सब इंस्पेक्टर मंजूर अहमद ईएक्सके-055775, सब इंस्पेक्टर राकेश पंडित 252/पीआई, हेड कांस्टेबल मोती सिंह 159/जेकेएपी 13वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल रंजीत सिंह 398/एवीवीपी, हेड कांस्टेबल अल्ताफ अहमद ईएक्सके-002031, एसजी कांस्टेबल अली मोहम्मद 433/बीडी, एसजी कांस्टेबल रईस अहमद ईएक्सके-021536, कांस्टेबल गुलजार अहमद 9161/बीडी, कांस्टेबल तौसीफ अहमद 779/बीडी, कांस्टेबल अशाक हुसैन एआरपी-096104, एसजी कांस्टेबल इमदाद हुसैन 1103/बीडी, कांस्टेबल जहांगीर अहमद 783/जेकेएपी 13वीं, कांस्टेबल आसिफ हुसैन 1352/बीडी, कांस्टेबल अब्दुल मजीद 850/केपी, कांस्टेबल हिलाल अहमद 9751/बीडी, कांस्टेबल गुलजार अहमद 1225/बीडी, एसपीओ ताहिर अली 712/एसपीओ, एसपीओ बशीर अहमद 254/एसपीओ, एसपीओ मुश्ताक अहमद 352/एसपीओ, एसपीओ गुरनाम सिंह 680/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद सिकंदर 647/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल राशिद 228/एसपीओ, एसपीओ जहूर अहमद 164/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद यूसुफ 375/एसपीओ, एसपीओ जाहिद अहमद 362/एसपीओ, एसपीओ मंजूर अहमद 535/एसपीओ, एसपीओ मनप्रीत सिंह 358/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद मकबूल 499/एसपीओ, एसपीओ रईस अहमद 860/एसपीओ, एसपीओ तारिक कयूम 75/एसपीओ (एसजीआर), एसपीओ मोहम्मद शफी 301/एसपीओ, एसपीओ शाबिर अहमद 185/एसपीओ, एसपीओ गुलाम कादिर 529/एसपीओ, एसपीओ नियाज अहमद 497/एसपीओ शामिल थे, को यह सुनिश्चित करने के लिए बाहरी घेराबंदी डालने का निदेश दिया, कि कोई आतंकवादी मुठभेड़ स्थल से भाग न सके। श्री रविदीप साही (आईजीपी सीआरपीएफ) के साथ शिविर के अंदर पहुंचने के बाद, डीआईजी (ऑपरेशन) बीएसएफ, श्री हरि लाल ने 182 बटालियन बीएसएफ परिसर के लेआउट और आंतरिक सेटअप के बारे में विस्तृत जानकारी दी, ताकि एक फूलप्रूफ कार्रवाई योजना तैयार की जा सके। यह पता चला कि बीएसएफ के कुछ अधिकारी/पदधारी बीएसएफ 182 बटालियन मुख्यालय के एसओएस आवास वाले भवन और प्रशासनिक ब्लॉक भवन में फंस गए हैं। बडगाम पुलिस, 182 बटालियन बीएसएफ, एफटीआर, बीएसएफ केएमआर. क्यूआरटी और वैली ओएटी सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों गठित की गईं और फंसे अधिकारियों/पदधारियों को सुरक्षित बाहर निकालने और आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए एक रणनीति तैयार कर ली गई। पहले, बीएसएफ, सीआरपीएफ और एसओजी बडगाम की संयुक्त टीमों द्वारा पूरे परिसर की घेराबंदी कर दी गई, ताकि आतंकवादियों को इमारत के अंदर रोक कर रखा जा सके। फंसे हुए बीएसएफ कार्मिकों को एसओएस आवास से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए, 182 बटालियन बीएसएफ, एफटीआर, बीएसएफ केएमआर. क्यूआरटी, वैली ओएटी सीआरपीएफ और एसओजी बडगाम से रूम इंटरवेंशन और परिधि घेराबंदी करने की एक टीम का गठन किया गया और उसे आतंकवादियों को खत्म करने का काम सौंपा गया। फंसे हुए बीएसएफ कार्मिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद, रूम इंटरवेंशन टीम (एसओजी बडगाम), जिसमें उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) बडगाम श्री परुपकार सिंह (केपीएस), इंस्पेक्टर मोहम्मद इलियास एआरपी-981679, सब इंस्पेक्टर मंजूर अहमद ईएक्सके 055775, हेड कांस्टेबल मोती सिंह 159/जेकेएपी 13वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल रंजीत सिंह 398/एवीवीपी, हेड कांस्टेबल अल्ताफ अहमद ईएक्सके-002031, एसजी कांस्टेबल अल मोहम्मद 433/बीडी, एसजी कांस्टेबल रईस अहमद ईएक्सके - 021536, कांस्टेबल गुलजार अहमद 916/बीडी, एसपीओ मनप्रीत सिंह 358/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद मकबूल 499/एसपीओ, एसपीओ रईस अहमद 860/एसपीओ, एसपीओ तारिक कयूम 75/एसपीओ (एसजीआर), एसपीओ मोहम्मद शफी 301/एसपीओ, एसपीओ शबीर अहमद 185/एसपीओ, एसपीओ गुलाम कादिर 529/एसपीओ, एसपीओ नियाज अहमद 497/एसपीओ शामिल थे, ने श्री हरि लाल, डीआईजी (ऑपरेशन) बीएसएफ और श्री तेजिंदर सिंह-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम के मार्गदर्शन के तहत भवन को खाली कराने के लिए एसओएस आवास वाले भवन में अंतिम हमला किया। हमले के दौरान, रूम इंटरवेंशन टीम ने आतंकवादियों में से एक के शव को बरामद किया, जिसकी पहचान बाद में एक विदेशी के रूप हुई। एसओएस आवास वाले भवन को खाली करने के बाद, एसओजी

बडगाम, वैली क्यूएटी सीआरपीएफ और बीएसएफ क्यूआरटी की संयुक्त पार्टियां फंसे हुए बीएसएफ अधिकारियों को बाहर निकालने और प्रशासनिक ब्लॉक में पोजीशन लिए हुए आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए प्रशासनिक ब्लॉक भवन की ओर बढ़ीं। वहां बीएसएफ का एक अधिकारी अंदर फंसा हुआ था, जिसे चतुराईपूर्वक बाहर निकाल लिया गया। एसओजी की संयुक्त टीम, जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री मोहम्मद माजिद मलिक (केपीएस), उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) चडूरा श्री गुलाम हसन (केपीएस), सब इंस्पेक्टर रविंदर सिंह ईएक्सके-109158, सब इंस्पेक्टर राकेश पंडित 252/पीआई, कांस्टेबल तौसीफ अहमद 779/बीडी, कांस्टेबल अशाक हुसैन एआरपी-096104, एसजी कांस्टेबल इमदाद हुसैन 1103/बीडी, कांस्टेबल जहांगीर अहमद 783/जेकेएपी 13वीं, कांस्टेबल आसिफ हुसैन 1352/बीडी, कांस्टेबल अब्दुल मजीद 8501/केपी, कांस्टेबल हिलाल अहमद 975/बीडी, कांस्टेबल गुलजार अहमद 12251/बीडी, एसपीओ ताहिर अली 712/एसपीओ, एसपीओ बशीर अहमद 254/एसपीओ, एसपीओ मुश्ताक अहमद 352/एसपीओ, एसपीओ गुरनाम सिंह 680/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद सिकंदर 647/एसपीओ, एसपीओ अब्दुल राशिद 228/एसपीओ, एसपीओ जहूर अहमद 164/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद यूसुफ 375/एसपीओ, एसपीओ जाहिद अहमद 362/एसपीओ, एसपीओ मंजूर अहमद 535/एसपीओ, सीआरपीएफ और बीएसएफ शामिल थे, ने आतंकवादी का खात्मा करने के लिए हमला शुरू कर दिया। आरएल/एमजीएल गोलीबारी का उपयोग करके प्रशासनिक ब्लॉक की दीवार में एक सुराख बनाया गया। बाद में, जब टूटी हुई दीवार के माध्यम से आंसू गैस का गोला बारूद दागा गया, तो आतंकवादी के पास इमारत से बाहर आने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। जैसे ही आतंकवादी इमारत से बाहर आया, ऑपरेशनल पार्टी द्वारा उसे मार गिराया गया और इस तरह बंदूक की लड़ाई समाप्त हो गई। तलाशी के दौरान तीन आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। बंदूक की इस लड़ाई में एक बीएसएफ अधिकारी ने शहादत प्राप्त की और (03) अन्य बीएसएफ कार्मिकों को चोटें आईं। घटनास्थल पर मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से की गई बरामदगी में टूटी हुई रिटर्निंग स्प्रिंग/बॉडी कवर के साथ 01 एके राइफल (न. यूएम-1797), यूबीजीएल के साथ 01 एके-47 राइफल, यूबीजीएल के साथ 01 एके-47 (टूटी हुई पिस्टल ग्रिप), 09 एके-47 मैगजीन (01 क्षतिग्रस्त), 64 एके-47 राउंड, मैगजीन सहित 01 चीनी पिस्तौल, 07 चीनी पिस्तौल राउंड, अमेरिका में निर्मित 01 चाकू, 01 वायर कटर, 03 पाउच, 01 मध्यम आकार का बैक पैक, 01 किट बैग (बोरी) और 01 प्राथमिक उपचार किट शामिल है। दिनांक 03-10-2017 को बडगाम पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर नं. 229/2017 दर्ज की गई है और जांच शुरू की गई है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री तेजिंदर सिंह, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अल्ताफ अहमद खान, हेड कांस्टेबल, रईस अहमद वानी, एसजी कांस्टेबल और आशिक हुसैन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03/10/2017 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/155/2018-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 30-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का दूसरा बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	युगल कुमार मन्हास	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का दूसरा बार
2	सुख देव सिंह	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	तिलक राज	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	किशोर कुमार	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.03.2018 को, राजौरी पुलिस को विश्वसनीय स्रोतों के माध्यम से सुंदरबनी इलाके में संभावित फिदायीन संदिग्ध आतंकवादियों की गतिविधि के बारे में जानकारी मिली। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजौरी की कमान में उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) राजौरी, पुलिस स्टेशन सुंदरबनी के पुलिस कार्मिकों और एसओजी राजौरी सहित, सेना के साथ उस स्थान की ओर रवाना को गए। पुलिस और सेना ने सुंदरबनी के कई गांवों में तलाशी ली तथा घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी। सभी सुरक्षा

प्रतिष्ठानों को हाई अलर्ट पर रखा गया और शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया गया। सेना और जिला पुलिस राजौरी के कुछ पुलिस कार्मिकों/एसपीओ की टीमों गठित की गई। उनमें से एक टीम को सर्च ऑपरेशन का काम सौंपा गया था, जबकि दूसरी टीम को सर्च टीम को कवर सुरक्षा देने का काम सौंपा गया और एक अन्य टीम को निगरानी रखने और क्षेत्र में आतंकवादियों के कथित आवाजाही के बारे में अतिरिक्त जानकारी जुटाने के लिए इलाके में भेजा गया। मल्ला ब्रोर (जिला जम्मू) में स्थलाकृति और घुसपैठ के संभावित मार्गों के बारे में सेना के साथ संयुक्त रणनीति बनाए जाने के बाद, पुलिस दलों को आतंकवादियों की तलाश में भेजा गया। एसजी कांस्टेबल किशोर कुमार नं. ईएक्सजे-965792, एसजी कांस्टेबल अली मोहम्मद नं. 2825/जे, एसपीओ मंजीत सिंह नं. 535/एसपीओ और एसपीओ मनोज कुमार नं. 168/एसपीओ वाले पुलिस दल को नजर रखने और क्षेत्र में आतंकवादियों के कथित आवाजाही के बारे में अतिरिक्त जानकारी जुटाने के लिए इलाके में भेजा गया। श्री सुखदेव सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), राजौरी ने आतंकवादियों की तलाश में सेना और जिला पुलिस राजौरी की टीमों के साथ सुंदरबनी में डेरा डाल दिया। भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद कर दिया गया था तथा आम जनता को सतर्क एवं चौकस रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि के बारे में पुलिस को जानकारी देने के लिए सूचित किया गया। आतंकवादियों की गतिविधि पर नजर रखने के लिए पुलिस दल दिनांक 24.3.2018 से लगातार क्षेत्र में घूम रहा था।

दिनांक 27/28.3.2018 की रात में सुंदरबनी से सटे इलाके के कुछ स्थानीय लोगों ने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को इलाके में घूमते हुए देखा। इस सूचना के मिलने पर, पुलिस, सेना और बीएसएफ ने तुरंत पूरे इलाके की घेराबंदी कर पूरी रात भर तलाशी ली। सुखदेव सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), राजौरी, इंस्पेक्टर तिलक राज, एसएचओ पी/एस सुंदरबनी, हेड कांस्टेबल मोहम्मद लतीफ नं. 195/आईआरपी, एसजी कांस्टेबल सुखदेव सिंह नं. 652/आर, एसजी कांस्टेबल किशोर कुमार नं. 2261/जे, एसजी कांस्टेबल मलकीत सिंह नं. 338/आर, एसजी कांस्टेबल तिलक राज नं. 690/आर, एसजी कांस्टेबल कुलदीप सिंह, नं. 1061/आर, एसपीओ अब्दुल कयूम नं. 1109, एसपीओ तालिब हुसैन नं. 423, एसपीओ मोहम्मद असलम नं. 662, एसपीओ ओम प्रकाश नं. 452, एसपीओ मनोज कुमार नं. 168, एसपीओ मंजीत सिंह नं. 431, एसपीओ मोहम्मद रूफ नं. 599, एसपीओ मुख्तियार अहमद नं. 70, एसपीओ मोहम्मद फरीद नं. 976, एसपीओ अभिषेक शर्मा नं. 1191, एसपीओ मुश्ताक अहमद नं. 606, एसपीओ मोहम्मद खालिक नं. 304, एसपीओ प्रदीप कुमार नं. 1386, एसपीओ तनवीर हुसैन नं. 1187, एसपीओ गुरचरण कुमार नं. 45, एसपीओ संजय कुमार नं. 08, एसपीओ दलीप कुमार नं. 1061, एसपीओ विनय कुमार नं. 28, एसपीओ इफ्तिकार अहमद नं. 622, एसपीओ सतीश कुमार नं. 376, एसपीओ अशोक कुमार नं. 476, एसपीओ संजीव कुमार नं. 1138, एसपीओ सरदारी लाल नं. 735, एसपीओ अशोक कुमार नं. 721 और एसपीओ मोहम्मद वाहिद नं. 559 सर्च और कवर टीमों में शामिल होने के लिए स्वेच्छा से आगे आए। एसएसपी राजौरी के नेतृत्व में ऑपरेशनल अधिकारियों की कड़ी निगरानी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। दिनांक 28.03.2018 को पुलिस पार्टी, जिसमें एसजी कांस्टेबल किशोर कुमार, एसपीओ मंजीत सिंह नं. 535/एसपीओ और एसपीओ मनोज कुमार नं. 168/एसपीओ शामिल थे और जिन्हें पहले से ही आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तैनात किया गया था, ने बीएसएफ स्टेशन मुख्यालय के समीप सुंदरबनी नगर के रावारियन ताल (सोडारा) क्षेत्र में एक छोटी सी नदी के निकट झाड़ीयुक्त नाले में छिपे हुए आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी होने की सूचना दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजौरी ने तुरंत ही सभी उपलब्ध संसाधनों को जुटाया और पीएसओएस, श्री सुखदेव सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), राजौरी, इंस्पेक्टर तिलक राज, एसएचओ सुंदरबनी पुलिस स्टेशन तथा सेना और बीएसएफ के साथ घटनास्थल की तरफ चल पड़े। इस बीच, श्री दीपक कुमार सलाथिया, आईपीएस, डीआईजी आरपी रेंज के नेतृत्व में पुलिस रिइंफोर्समेंट भी श्री मोहम्मद यूसिफ, जेकेपीएस अपर पुलिस अधीक्षक राजौरी, श्री मास्टर पोप्सी, जेकेपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक नौशेरा के साथ पहुंच गया और ऑपरेशन में शामिल हो गया। डीआईजी आर-पी रेंज द्वारा पुलिस पार्टी को छोटे समूहों में विभाजित कर दिया गया था, और इन अलग-अलग समूह का नेतृत्व श्री मोहम्मद यूसिफ, जेकेपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक राजौरी, श्री मास्टर पोप्सी, जेकेपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक नौशेरा, श्री सुखदेव सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) राजौरी और इंस्पेक्टर तिलक राज, एसएचओ सुंदरबनी पुलिस स्टेशन कर रहे थे। पुलिस, सेना और बीएसएफ की संयुक्त पार्टियां घेराबंदी करने के लिए अलग-अलग तरफ इस तरह से फैल गई, जिससे पूरे क्षेत्र को कवर कर लिया गया। श्री सुखदेव सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) राजौरी ने खुद को पश्चिमी तरफ अपनी टुकड़ी के साथ तैनात कर लिया, जबकि इंस्पेक्टर तिलक राज, एसएचओ, सुंदरबनी पुलिस स्टेशन उत्तरी दिशा में तैनात हो गए और बाकी तरफ अवरोध लगाने के बाद, क्षेत्र की तलाशी का कार्य शुरू किया गया। तलाशी के दौरान, आतंकवादियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजौरी के नेतृत्व वाली पार्टियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजौरी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर अनुकरणीय साहस, उत्कृष्ट सूझ-बूझ और नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन करते हुए तेजी से कार्रवाई की। अब तक आतंकवादी के ठिकाने की पहचान हो चुकी थी, जो कि घनी झाड़ीयुक्त नाले में स्थित था तथा सर्च पार्टी रेंगते हुए काफी करीब आ गई थी। ऑपरेशनल पार्टियों ने लक्षित स्थान तक पहुंचने के लिए अपने सामरिक कौशल का उपयोग किया। सर्च टीम काफी सतर्क थी और हमले के दौरान उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा। तत्पश्चात, सावधानीपूर्वक एक रणनीति तैयार की गई और आतंकवादियों के स्थान को चिह्नित कर लिया गया। सर्च पार्टी ने पूर्ण पेशेवरता अपनाते हुए रेंगना तथा छिपे हुए आतंकवादियों की दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर दिया। हालांकि, आतंकवादियों ने उनकी गतिविधि को देख लिया तथा उन्होंने हत्या करने और घेरा तोड़ने के इरादे से सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलियां चलाई। सर्च पार्टी ने गोलीबारी का जवाब दिया तथा अन्य ऑपरेशनल टीमों के कवर सपोर्ट से हमला करने वाली पार्टी और आतंकवादियों के बीच एक भयंकर मुठभेड़ शुरू हो गई, जो कि घंटों तक जारी रही। हमला करने वाली पार्टियां डटी रहीं और सभी 04 खूंखार आतंकवादियों को तुरंत मार गिराया गया। इलाके में आगे और तलाशी करने के बाद, आतंकवादियों की कोई और आवाजाही/उपस्थिति नजर नहीं आई और अंततः ऑपरेशन को बंद कर दिया गया। ऑपरेशन के दौरान, बरामद हथियारों/गोला-बारूद में 4 एके-47 राइफल, एके 47 की 18 मैगजीन, एके 47 के 324 राउंड, 02 आईईडी और 08 ग्रेनेड शामिल हैं। हालांकि, इस क्षेत्र की जानकारी लेने के लिए ऑपरेशन 30 मार्च, 2018 तक जारी रहा। स्पष्ट दिखाई दे रहे क्रमिक खतरे के बीच यह पेशेवरता और साहस की पराकाष्ठा ही थी

कि पूरे दिन चले इस ऑपरेशन में किसी समानांतर क्षति के बिना पुलिस, सेना और बीएसएफ की संयुक्त टीमों भारी सशस्त्र सभी चार विदेशी फिदायीन आतंकवादियों का खात्मा करने में सफल रहीं। इस मामले में, सुंदरबनी पुलिस स्टेशन में आयुध अधिनियम की धारा 7/25/26, 120-बी/आरपीसी, 3-ए एवं 2/3 आईएसमसीओ के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 34/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री युगल कुमार मन्हास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सुख देव सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, तिलक राज, निरीक्षक और किशोर कुमार, एसजी कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28/03/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/161/2018-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 31-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का दूसरा बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तीसरा बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का चौथा बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	शेख जुल्फकार आजाद	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का चौथा बार
2	मीर मुर्तजा हुसैन सोहिल	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तीसरा बार
3	साकिब गनी	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	गजंफर सैयद	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का दूसरा बार
5	शाहनवाज तीली	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	गुलाम नबी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	गुलजार अहमद लोन	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	इरशाद अहमद डार	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	लियाकत अली वार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.09.2018 को, शोकबाबा सुमलेर बांदीपोरा में अज्ञात आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक पुख्ता सूचना प्राप्त हुई जो कि, मोहम्मद लतीफ खान पुत्र मोहम्मद शफी खान, निवासी- शोकबाबा सुमलेर बांदीपोरा की गौशाला में छिपे हुए थे और जिनका इरादा नजदीकी पुलिस/सेना प्रतिष्ठानों पर सनसनीखेज हमला करने का था। यह जानकारी सेना की 14 आरआर और सीआरपीएफ, 3 बटालियन के साथ साक्षा की गई। तदनुसार, सावधानीपूर्वक एक योजना बनाने के बाद, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा शेख जुल्फकार आजाद जेकेपीएस-013524 की समग्र निगरानी में एसओजी बांदीपोरा, बांदीपोरा पुलिस स्टेशन से पुलिस टीम, डीपीएल की नफरी, सेना की 14 आरआर और सीआरपीएफ की 3 बटालियन द्वारा लगभग 1300 बजे एक संयुक्त घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। लक्षित गौशाला की घेराबंदी के बाद, पुलिस सर्च पार्टियों ने सटे हुए घरों में फंसे नागरिकों को बाहर निकाला और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पुलिस टीमों का नेतृत्व श्री मीर मुर्तजा हुसैन सोहिल जेकेपीएस-116043, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय बांदीपोरा कर रहे थे और उनकी सहायता श्री साकिब गनी जेकेपीएस-155784, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) बांदीपोरा, इंस्पेक्टर गजंफर सैयद ईएक्सके-906032, एसएचओ बांदीपोरा पुलिस स्टेशन, सब इंस्पेक्टर शाहनवाज तीली ईएक्सके-109342, आईसी पीपी अलूसा कर रहे थे। संदिग्ध घर की करीब से और मजबूत घेराबंदी करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बांदीपोरा की समग्र कमान में सेना/पुलिस के दो संयुक्त दस्तों का गठन किया गया। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय बांदीपोरा की कमान एक ऑपरेशनल टीम, जिसमें इंस्पेक्टर गजंफर सैयद ईएक्सके-906032, एसएचओ बांदीपोरा पुलिस स्टेशन के साथ सब इंस्पेक्टर शाहनवाज तीली आईसी पीपी अलूसा, हेड कांस्टेबल मोहम्मद इब्राहिम नं. 77/बीपीआर, कांस्टेबल (अब एसजी कांस्टेबल) गुलजार अहमद लोन नं. 598/आईआरपी 8 वीं बटालियन, कांस्टेबल लियाकत अली वार नं. 533/बीपीआर, कांस्टेबल नासिर अहमद नं. 539/आईआरपी 8वीं बटालियन और आर्मी मेजर 14आरआर भी सहयोग कर रहे थे, को लक्षित घर के पश्चिमी

हिस्से को कवर करते हुए उत्तर से दक्षिण की तरफ घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, जबकि श्री साकिब गनी जेकेपीएस-155784, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) बांदीपोरा की कमान में दूसरी ऑपरेशनल टीम जिसमें असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर अख्तर हुसैन नं. 38/बीपीआर, हेड कांस्टेबल गुलाम नबी 218/बीपीआर, एसजी कांस्टेबल इरशाद अहमद डार नं. 133/बीपीआर, एसजी कांस्टेबल, मोहम्मद जब्बार नं. 593/आईआरपी 8वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल तारिक अहमद नं. 733/बीपीआर, कांस्टेबल इश्फाक फारूक नं. 659/बीपीआर और कांस्टेबल फारूक अहमद चोपन नं. 684/बीपीआर और सेना की 14आरआर के मेजर सहयोग कर रहे थे, को संदिग्ध घर के पूर्वी हिस्से को कवर करते हुए उत्तर से दक्षिण की तरफ घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया। ऑपरेशनल पार्टियां कार्य के प्रति फौलादी हिम्मत और प्रतिबद्धता दिखाते हुए, उक्त कार्य के लिए स्वेच्छा से खुद आगे आईं। इस बचाव टीम ने अपने जीवन को भारी जोखिम में डाला और सभी नागरिकों को लक्षित क्षेत्र से बाहर निकाल लिया। इस कार्रवाई के दौरान, टीम पर उन आतंकवादियों द्वारा हमला किया गया, जो लक्षित क्षेत्र में छिपे हुए थे। हालांकि, आतंकवादियों के आसपास कड़ी घेराबंदी सुनिश्चित करने के लिए इस तरह से तैनात की गई टीम ने, तुरंत जवाबी कार्रवाई की और मौके से भागने के उनके प्रयास को रोक दिया। ऑपरेशनल पार्टी ने सूझ-बूझ का प्रदर्शन किया और वे लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ गईं। पार्टी ने उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए चुनौती दी, लेकिन उन्होंने पुलिस/सेना की सर्च पार्टी पर हत्या करने के इरादे से गोलियों की बौछार कर दी। छिपे हुए आतंकवादियों को सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण करने के कई अवसर दिए गए, लेकिन आत्मसमर्पण करने के बजाय, छिपे हुए इन आतंकवादियों ने पुलिस/सेना की सर्च पार्टी पर उनकी हत्या करने के इरादे से गोलियों की बौछार कर दी। संयुक्त टीमों द्वारा गोलीबारी का त्वरित जवाब दिया और इसके परिणामस्वरूप मौके पर ही 05 अज्ञात आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बरामद हथियारों/गोला बारूद में 05 एके राइफल (04 क्षतिग्रस्त), 15 एके मैगजीन, 15 एके राउंड, 01 पिस्तौल (क्षतिग्रस्त) और 04 पाउच शामिल हैं। इस संबंध में, बांदीपोरा पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर नं. 130/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शेख जुल्फकार आजाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मीर मुर्तजा हुसैन सोहिल, उप पुलिस अधीक्षक, साकिब गनी, उप पुलिस अधीक्षक, गजंफर सैयद, निरीक्षक, शाहनवाज तीली, उप निरीक्षक, गुलाम नबी, हेड कांस्टेबल, गुलजार अहमद लोन, एसजी कांस्टेबल, इरशाद अहमद डार, एसजी कांस्टेबल और लियाकत अली वार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/09/2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/141/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 32-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	सुरेन्द्र कुमार झा, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	दीपक कुमार	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	बिभाष तिकी	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	हेमंत कुमार चौधरी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	अजीत कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	संजीव कुमार सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पारसनाथ क्षेत्र झारखंड में माओवाद का जन्म स्थल और एक केंद्रीय प्रशिक्षण शिविर रहा है। यह इस बात के लिए कुख्यात है कि सबसे ज्यादा माओवादी कमांडर यहीं से निकले हैं, जिसमें सीसीएम मिसिर बेसरा उर्फ सुनिरमल और सीसीएम विवेक उर्फ करम (दोनों ही 01 करोड़ के इनामी) शामिल हैं, जो इस समय झारखंड और पड़ोसी राज्य में सक्रिय हैं। भू-भाग की जानकारी और अपार जनसमर्थन ने माओवादियों के बीच अजेय होने की भावना पैदा कर दी है, लेकिन गिरिडीह पुलिस ने आसूचना पर बहुत मेहनत की है और इसकी अनुकरणीय योजना के साथ

ईमानदारी से किए गए प्रयासों का फल उस समय मिला, जब गिरिडीह पुलिस ने दिनांक 05.03.2018 से 06.03.2018 तक अकबाकितनर, पुलिस स्टेशन डुमरी में चलाए गए ऑपरेशन में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

दिनांक 05.03.2018 को एक खुफिया जानकारी प्राप्त हुई कि बिहार झारखंड विशेष क्षेत्र समिति (बीजेएसएसी) के सदस्य सुनील सोरेन उर्फ सुनील मांझी के नेतृत्व में दिनेश उर्फ चार्लिस (उप जोनल समिति सदस्य) और सोहन भुइयां (उप जोनल समिति सदस्य) सहित माओवादी दस्ता (50-60) पुलिस स्टेशन डुमरी में अकबाकितनर और इससे सटे हुए वन क्षेत्र में मौजूद है। पुलिस अधीक्षक गिरिडीह और अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह द्वारा कमांडेंट 154 बटॉलियन सीआरपीएफ और कोबरा 203 बटॉलियन के अधिकारियों के साथ परामर्श करके तुरंत एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। योजना तैयार करने के बाद गिरिडीह पुलिस के सैन्य दस्ते के साथ क्रमशः लोकेश कुमार, डिप्टी कमांडेंट और इंस्पेक्टर सत्य भूषण के नेतृत्व में कोबरा की 02 टीमों, क्रमशः बिभाष तिकी, असिस्टेंट कमांडेंट और सब इंस्पेक्टर रमेश भगत के नेतृत्व में झारखंड जगुआर के 02 असॉल्ट ग्रुप एजी 06 और एजी 17, अनिल कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट और घनश्याम गुर्जर, असिस्टेंट कमांडेंट के नेतृत्व में सीआरपीएफ की 02 कंपनियों को शामिल करने का निर्णय लिया गया। इन टीमों को लक्ष्य क्षेत्र में अलग-अलग दिशा से शामिल किया गया। दिनांक 05.03.2018 को अकबाकितनर और कनाडीह गांव से सटे वन क्षेत्र में तलाशी शुरू की गई। तलाशी के बीच में, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह, सुरेन्द्र कुमार झा, दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह तथा आलोक वीर यादव, सीओ 154 बटॉलियन सीआरपीएफ की तैनाती वाली कमांड पोस्ट पर बिहार झारखंड विशेष क्षेत्र समिति (बीजेएसएसी) के सदस्य सुनील मांझी, सोहन भुइयां और चार्लिस, दोनों ही उप जोनल समिति सदस्य (एसजेडसीएम) के अकबाकितनर गांव में मौजूद होने के बारे में रियल टाइम की जानकारी प्राप्त हुई। तुरंत ही सैन्य-दस्ते की तैनाती की जगह में परिवर्तन किया गया और गांव अकबाकितनर, पुलिस स्टेशन डुमरी की घेराबंदी करने का निदेश दिया गया। चूंकि गांव 800 मीटर के दायरे में फैला हुआ था, इसलिए अधिकांश सैनिक घेराबंदी में लगे हुए थे और तलाशी के लिए कोबरा ही बची थी। इस बात की गंभीरता पर विचार करते हुए कि ऐसे गांव की तलाशी ली जानी है, जहां पर नक्सली छिपे हुए हैं और जीवन के लिए गंभीर खतरे वाली स्थिति उत्पन्न कर रहे हैं, सुरेन्द्र कुमार झा, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह की निगरानी में दो अतिरिक्त सर्च टीमों, जिसमें आलोक वीर यादव, कमांडेंट, 154 बटॉलियन, सीआरपीएफ की कमान के तहत सीआरपीएफ की एक टीम और दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह की कमान के तहत जिला पुलिस की एक टीम शामिल थी, को लगभग 1400 बजे लक्ष्य क्षेत्र में शामिल किया गया। एक बार लक्ष्य क्षेत्र में शामिल हो जाने के बाद, तलाशी के क्षेत्र को तलाशी के क्षेत्र, खतरे की संभावना और समय की कमी को ध्यान में रखते हुए तीन भागों में विभाजित कर दिया गया। खतरे की संभावना सर्वोच्च स्तर की थी और किसी को नहीं पता था कि अगले पल क्या होने वाला है। सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह की निगरानी में दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह के नेतृत्व में जिला पुलिस की टीम को गांव के दक्षिणी भाग का दायित्व दिया गया, लोकेश कुमार, डिप्टी कमांडेंट के नेतृत्व में 203 कोबरा की टीम को उत्तर पश्चिमी भाग का दायित्व दिया गया, जबकि आलोक वीर यादव, कमांडेंट 154 बटॉलियन सीआरपीएफ की निगरानी में संजय कुमार के नेतृत्व में 154 बटॉलियन सीआरपीएफ की टीम द्वारा दक्षिण पश्चिमी भाग की तलाशी ली जा रही थी। इसी बीच में, महिला माओवादी कांडरों की भी जानकारी मिलने के चलते तलाशी में सहायता प्रदान करने के लिए महिला पुलिस को भी बुला लिया गया।

सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह की निगरानी में दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह की कमान में गिरिडीह पुलिस की टीम, जिसमें बिभाष तिकी, असिस्टेंट कमांडेंट एजी-06, अरविन्द बिन्हा, एसडीपीओ डुमरी, पुलिस नं. 130 हेमंत कुमार चौधरी, पुलिस नं. 1349 अजीत कुमार, पुलिस नं. 169 संजीव कुमार सिंह, पुलिस नं. 1361 लालमोहन कुमार और पुलिस नं. 712 जैना उरांव शामिल थे, ने घर-घर की तलाशी शुरू की। हर बार जब टीम ने घर की घेराबंदी की और घर में प्रवेश किया, तो यह सीधे मौत का सामना करने जैसा था, लेकिन सर्च टीम के चेहरों पर डर का कोई निशान नहीं था। चूंकि माओवादी सुनील मांझी को पारसनाथ की पहाड़ियों का सबसे खूंखार कमांडर माना जाता था, इसलिए खतरे की संभावना कई गुना बढ़ गई और सभी तरह के एहतियाती कदम उठाए गए। तलाशी के दौरान कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। चूंकि अंधेरा हो रहा था, इसलिए तलाशी रोक दी गई और पूरे गांव को घेराबंदी में रख दिया। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ के दौरान, उनमें से एक की पहचान माओवादी मुकेश सोरेन के रूप में हुई। दिनांक 06.03.2018 को सुबह वह उस घर में ले गया, जहां वह छिपा हुआ था और सर्च टीम ने उस घर से एक .303 राइफल बरामद की। उसने आगे यह भी खुलासा किया कि बीजेएसएसी का सदस्य सुनील मांझी एक घर में छिपा हुआ है।

दिनांक 06.03.2018 को लगभग 0640 बजे गिरिडीह पुलिस की सर्च टीम उस घर के पास पहुंची, जिसका दरवाजा तो बंद था, लेकिन अंदर से बंद नहीं था। यह बहुत खतरनाक स्थिति थी, क्योंकि बीजेएसएसी के सदस्य सुनील मांझी के एके-47 के साथ अंदर होने की संभावना थी। कमांडर होने के नाते, सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह और दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह तथा बिभाष तिकी, असिस्टेंट कमांडेंट ने घर में सबसे पहले प्रवेश करने का निर्णय लिया, जिसके बाद टीम के अन्य सदस्य प्रवेश करेंगे। कुछ सदस्यों को घर के बाहर रखा गया। दरवाजे पर जोर से लात मारी गई और सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह तथा दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह बिभाष तिकी के साथ अपने जीवन की परवाह किए बिना पलक झपकते ही घर में घुस गए और पोजीशन ले ली। कांस्टेबल/130 हेमंत कुमार चौधरी, कांस्टेबल/1349 अजीत कुमार और कांस्टेबल/169 संजीव कुमार भी घर में घुस गए। घर के आंगन में दो कमरे थे। सुरेन्द्र कुमार झा, दीपक कुमार और बिभाष तिकी सावधानी के साथ कमरे की ओर बढ़े। कमरे के अंदर राइफल की कॉकिंग की आवाज बिलकुल साफ सुनाई दे रही थी। उसे कमरे से बाहर आने के लिए चेतावनी दी गई। उम्मीद की गई थी कि अंदर से गोलियों की बौछार होगी, लेकिन अंदर मौजूद व्यक्ति ने छत और दीवार के बीच की जगह का उपयोग करके घर से भागना ज्यादा बेहतर समझा।

टीम के सदस्य अरविन्द कुमार बिन्हा, एसडीपीओ डुमरी, कांस्टेबल लालमोहन और कांस्टेबल जैना उरांव, जो घर के बाहर रखवाली कर रहे थे, जोर से चिल्लाए कि नक्सली भागने की कोशिश कर रहा है। पुलिस अधीक्षक गिरिडीह अपने अंगरक्षक कांस्टेबल/1349 अजीत कुमार तथा कांस्टेबल/169 संजीव कुमार सिंह के साथ और अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह अपने अंगरक्षक कांस्टेबल/130 हेमंत कुमार चौधरी तथा बिभाष तिकी, असिस्टेंट कमांडेंट के साथ पलक झपकते ही घर से बाहर निकले और नक्सली की दिशा में भागे और उसका पीछा करने लगे। स्थिति गंभीर थी, क्योंकि माओवादी ने अपने हाथ में एके-47 पकड़ी हुई थी और उसकी पीठ पर एक बैग भी था, लेकिन अपनी जान दांव पर लगाते हुए पुलिस अधीक्षक गिरिडीह सुरेन्द्र कुमार झा ने अपने अंगरक्षक कांस्टेबल/1349 अजीत कुमार तथा कांस्टेबल/169 संजीव कुमार सिंह के साथ बाईं ओर से पीछा किया, जबकि दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह ने कांस्टेबल/130 हेमंत कुमार चौधरी और बिभाष तिकी, असिस्टेंट कमांडेंट के साथ दाईं तरफ से पीछा किया। टीम ने लगभग 40 मीटर तक पीछा किया। माओवादी को रूकने की चुनौती दी गई, लेकिन वह भागता रहा। माओवादी का मन गोली चलाने का हुआ, लेकिन पीछा करने वाली टीम उसके नजदीक पहुंच रही थी और माओवादी को गोलीबारी के परिणाम का अंदाजा था, इसलिए उसने बच निकलना ज्यादा बेहतर समझा। जब वे उसको दूर सक्ने की दूरी तक पहुंच गए, तो सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह तथा दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह उस पर झपट पड़े और लोड की हुई एके-47 के साथ माओवादी को पकड़ लिया। यह अत्यंत जोखिम वाला कार्य था और यह कर्तव्य के प्रति समर्पण तथा निष्ठा ही थी, जिसने सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह, दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह, बिभाष तिकी, असिस्टेंट कमांडेंट, कांस्टेबल/130 हेमंत कुमार चौधरी, कांस्टेबल/169 संजीव कुमार सिंह और कांस्टेबल/1349 अजीत कुमार को किसी भी कवर के बिना हाथ में लोड की हुई एके-47 लिए हुए खूंखार नक्सली का पीछा करने के लिए प्रेरित किया। यह बेहद जोखिम भरा ऑपरेशन था और यह सीधे मौत का सामना करने जैसा था, लेकिन सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह तथा दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) गिरिडीह के नेतृत्व में टीम ने कर्तव्य को पूरा करने के लिए अपने जीवन को दांव पर लगा दिया। सर्च टीम ने अत्यंत संयम बनाए रखा, क्योंकि किसी भी प्रकार की गोलीबारी से वहां कार्रवाई कर रहे कई सुरक्षा बलों के बीच गंभीर अव्यवस्था और भ्रम पैदा हो सकता था और इससे नागरिक भी हताहत हो सकते थे। इसके अलावा, बीजेएसएसी के सदस्य सुनील मांझी के स्तर वाले एक माओवादी को जिंदा पकड़ने से माओवादी रणनीति और संगठनात्मक ब्यौरे तथा वित्तीय संबंधों के बारे में ढेर सारी जानकारी प्राप्त हो सकती थी, जो पारसनाथ की पहाड़ी से माओवाद को उखाड़ फेंकने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता था। पूछताछ करने पर पकड़े गए माओवादी की पहचान बीजेएसएसी के सदस्य सुनील मांझी के रूप में हुई, जिसके खिलाफ गिरिडीह के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 18 मामले लंबित थे और उसके सिर पर 25 लाख रुपये का इनाम था। उसके कब्जे से चैम्बर में राउंड और लोडेड मैगजीन (26 लाइव राउंड) के साथ एक एके सीरीज राइफल नं.-के0447665, 27 राउंड के साथ अतिरिक्त मैगजीन, एक खाली मैगजीन, वॉकी टॉकी सेट, ब्लैक रकसैक, नक्सली साहित्य, 2,48,000 रुपये (दो लाख अड़तालीस हजार रुपये) नकद तथा अन्य सामान बरामद हुए।

मौके पर पूछताछ करने पर, उसने दो अन्य माओवादियों के ठिकाने का खुलासा किया। सर्च टीम तुरंत उस घर की ओर बढ़ी, जहाँ दोनों माओवादी छिपे हुए थे। कमांडर सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह तथा दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), गिरिडीह को फॉल्स सीलिंग, जहां लकड़ी का ढेर रखा गया था, से कुछ आवाज सुनाई दी। उन्हें बाहर आने के लिए चुनौती दी गई और दो व्यक्ति लकड़ी के ढेर के पीछे से निकले। पूछताछ करने पर, उनकी पहचान माओवादी बाला हंसदा और सविता के रूप में हुई। उनसे और पूछताछ करने पर, उनके व्यक्तिगत हथियारों 01 इंसास और 01 यूएसए निर्मित राइफल की बरामदगी हुई। हर बार जब भी सर्च पार्टी माओवादियों को पकड़ने के लिए कमरे में प्रवेश करती, तब यह एक बेहद जोखिम भरा कार्य था, लेकिन चतुराई, सतर्कता और साहस ने किसी समानांतर क्षति के बिना इसे संभव बना दिया।

पूरे ऑपरेशन के दौरान, बीजेएसएसी के सदस्य सुनील मांझी (25 लाख का इनामी), सोहन भुइयां (05 लाख का इनामी) तथा चार्लिस (05 लाख का इनामी) सहित कुल 15 खूंखार माओवादियों के साथ 12 नियमित हथियारों (01 एके-47, 02 इंसास राइफल, 05 एसएलआर, तीन .303, 01 यूएस निर्मित स्प्रिंगफील्ड राइफल, 01 सी/एम पिस्तौल) सहित 13 हथियारों समेत 639 लाइव राउंड, 04 वॉकी टॉकी सेट, 01 लैपटॉप, नक्सली वर्दी, 2,48,000 रूपए नकद, ग्रेनेड, कॉर्डेक्स तार और अन्य लॉजिस्टिक सामान बरामद किए गए।

बीजेएसएसी के सदस्य सुनील मांझी (25 लाख का इनामी), चार्लिस उर्फ दिनेश उर्फ शेखर (एसजेडसीएम, 05 लाख का इनामी) और सोहन भुइयां (एसजेडसीएम, 05 लाख का इनामी) सहित 15 खूंखार माओवादियों की गिरफ्तारी और 12 नियमित हथियारों सहित 13 हथियारों की बरामदगी से पारसनाथ क्षेत्र में माओवादियों को घातक आघात पहुंचा है और एक ऐसा खालीपन उत्पन्न हो गया है, जो कभी नहीं भर पाएगा। गिरफ्तार किए गए माओवादियों से आगे पूछताछ के परिणामस्वरूप पारसनाथ हिल्स और झुमरा-तुगू एक्सिस दोनों जगहों से भारी मात्रा में एलएलडी, कॉर्डेक्स, गोला बारूद, आदि जन्त किए गए।

पूरे ऑपरेशन को अनुकरणीय तरीके से अंजाम दिया गया, जो सफल ऑपरेशनों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है। इस सफल ऑपरेशन से पुलिस के साथ-साथ सीआरपीएफ, कोबरा और झारखंड जगुआर का मनोबल बढ़ा है। बेहतर योजना और जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट निष्पादन ने सफलता की एक और गाथा लिखी है।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री श्री सुरेन्द्र कुमार झा, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, दीपक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, बिभाष तिकी, सहायक कमांडेंट, हेमंत कुमार चौधरी, सिपाही, अजीत कुमार, सिपाही और संजीव कुमार सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06.03.2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/208/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 33-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—
सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	शंभू कुमार सिंह	एसडीपीओ	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	विमलेश कुमार त्रिपाठी	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	जुरेंद्र सोय	हवलदार	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	शशिरंजन कुमार पांडे	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	राजेश कुमार साहू	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	तसदुक अंसारी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28/05/2018 को सुबह 0945 बजे पुलिस अधीक्षक, पलामू को खुफिया जानकारी मिली कि प्रतिबंधित गैरकानूनी टीपीसी (टीएसपीसी) संगठन का खूंखार नक्सली उप जोनल कमांडर गिरेंद्र गंडू, 30-35 सशस्त्र सदस्यों के साथ पुलिस स्टेशन छतरपुर के अंतर्गत डुंडूर-हेसाग वन और आसपास के ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र में किसी गुप्त इरादे के साथ घूम रहा है। संबंधित अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद, खुफिया जानकारी को सत्यापित करके आगे की कार्रवाई करने के लिए श्री विमलेश कुमार त्रिपाठी, उप पुलिस अधीक्षक (प्रोबेशनर) के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसमें असिस्टेंट कमांडेंट श्री राजेंद्र हरिजन ए/134 बटालियन सीआरपीएफ, एसआई नागेंद्र कुमार, कांस्टेबल/254 शशि रंजन कुमार पांडे, कांस्टेबल/889 राजेश कुमार साहू और 134 बटालियन सीआरपीएफ के कार्मिक शामिल थे। जब टीम डुंडूर गांव में पहुंची, तो स्थानीय ग्रामीणों से एक विश्वसनीय और पुष्टा जानकारी मिली कि कुछ ही समय पहले टीपीसी नक्सलियों का लगभग 40 सदस्यीय सशस्त्र दस्ता इस जगह से गया है, फिर इस सूचना को आगे उप-प्रभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) छतरपुर तक पहुंचाया गया और इस जानकारी के अनुसार एसडीपीओ छतरपुर श्री शंभू कुमार सिंह तुरंत डुंडूर गांव पहुंच गए। कमांडरों के साथ चर्चा करने के बाद, श्री शंभू कुमार सिंह ने एसडीपीओ छतरपुर, उप पुलिस अधीक्षक (प्रोबेशनर) और असिस्टेंट कमांडेंट 134 सीआरपीएफ की कमान के तहत ऑपरेशन टीम को तीन हिस्सों में विभाजित कर दिया और पुलिस टीम सावधानीपूर्वक हेसाग पहाड़ी क्षेत्र की दिशा में आगे बढ़ी, जहां प्राप्त सटीक जानकारी के अनुसार टीपीसी गुट के लोग गए थे। जब टीम हेसाग वन और पहाड़ी क्षेत्र के 500 मीटर दक्षिण में पहुंची, तो उस स्थान पर चारों तरफ घनी वनस्पतियां, ऊबड़-खाबड़ जमीन और झाड़ियां थीं। अचानक, पुलिस टीम ने सेना की बर्दी पहने हुए कुछ लोगों की मौजूदगी का आभास किया, जो प्रतिबंधित और परिष्कृत राइफलों से लैस थे तथा यह पाया गया कि विभिन्न स्थानों पर लगभग 30-35 सशस्त्र नक्सली मौजूद हैं। पलक झपकते ही, छापेमारी दल ने पोजीशन ले ली और उनकी घेराबंदी करने के लिए तीन दिशाओं से आगे बढ़ना शुरू कर दिया, लेकिन जब टीम चतुराईपूर्वक लगभग 200 मीटर आगे बढ़ी, तो अचानक टीपीसी गुट के लोगों ने पुलिस पार्टी पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी। पुलिस टीम ने चिल्लाकर पुलिस के रूप में अपनी पहचान बताई और सशस्त्र गुट को आत्मसमर्पण करने का सुझाव दिया, लेकिन पुलिस टीम को मारने के इरादे से टीपीसी गुट के लोगों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और वे तेज आवाज में गालियां दे रहे थे तथा पुलिस कर्मियों को मारने के लिए उकसा रहे थे। उक्त समूह गोली चलाने के साथ "टीपीसी जिन्दाबाद, पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद" के नारे भी लगा रहा था। मुठभेड़ होनी निश्चित थी, जो लगातार और अंधाधुंध गोलीबारी के साथ शुरू हो गई। तब भी पुलिस टीम ने अपना धैर्य बनाए रखा और पुनः तेज आवाज में चेतावनी देते हुए उन्हें आत्मसमर्पण करने का सुझाव दिया, लेकिन टीपीसी के उग्रवादियों ने अन्य दिशाओं से गोलीबारी जारी रखी। चूंकि उनकी सुरक्षा के लिए कोई विकल्प नहीं बचा था, इसलिए सभी कमांडरों अर्थात् एसडीपीओ छतरपुर शंभू कुमार सिंह, उप पुलिस अधीक्षक (प्रोबेशनर) विमलेश कुमार त्रिपाठी, सहायक कमांडेंट सीआरपीएफ 134 ए कंपनी राजेंद्र हरिजन अपनी पुलिस टीमों के साथ रेंगते हुए आगे बढ़े और सामरिक पोजीशन सुनिश्चित की तथा जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। 14:00 बजे तक, सशस्त्र उग्रवादियों ने अपनी गोलीबारी की मात्रा कम कर दी। तत्पश्चात, एसडीपीओ छतरपुर अपनी टीम और उप पुलिस अधीक्षक तथा सहायक कमांडेंट सीआरपीएफ 134 बटालियन के नेतृत्व वाली टीम के साथ आत्मसमर्पण के लिए दबाव बनाने के इरादे से उन सशस्त्र टीपीसी उग्रवादियों को घेरने के लिए आगे बढ़े। उस समय पुलिस टीम मौत के मुंह में थी और उनकी जान को भी खतरा था। यद्यपि शत्रुओं की गोलीबारी के दौरान नेतृत्व करना एक जोखिम भरा कदम था, लेकिन टीम के कमांडरों ने इसका आकलन किया और अपने सर्वोच्च साहस का प्रदर्शन किया। जब वे आगे बढ़े, तो उन्होंने देखा कि दो-तीन

उग्रवादी पुलिस पार्टी पर गोलियां बरसाते हुए पीछे हट रहे थे, जिसमें से एक उग्रवादी घायल लग रहा था। टीम ने पुनः अपने साहस का प्रदर्शन किया और चतुराई से उन्हें घेर लिया तथा हथियारों और गोला-बारूद के साथ सभी तीन टीपीसी उग्रवादियों को हिरासत में ले लिया और बाकी टीपीसी के उग्रवादी पीछे हट गए तथा घने जंगल और पहाड़ी इलाके में गायब हो गए। टीपीसी उग्रवादियों के दो शव देखे गए, जो जमीन पर रखे हुए थे और उन शवों के बगल में हथियार और गोला-बारूद भी रखा हुआ था। इस मामले को तुरंत विस्तृत रूप से पुलिस अधीक्षक पलामू की जानकारी में लाया गया और उनसे अतिरिक्त बलों के साथ मेडिकल टीम तथा मजिस्ट्रेट को भेजने का अनुरोध किया गया।

पकड़े गए उग्रवादियों से पूछताछ के दौरान, उन्होंने अपना नाम लल्लू सिंह (घायल) पुत्र बलकेश सिंह निवासी लाठ पुलिस स्टेशन हरिहरगंज, सोनो यादव पुत्र सत्यनारायण यादव निवासी रावरी पुलिस स्टेशन पांडु और विकास पासवान पुत्र अर्जुन पासवान निवासी डेरापात्र पुलिस स्टेशन हुसैनाबाद बताया और ये सभी पलामू जिले से थे। घायल लल्लू सिंह को प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। लगभग 14:40 बजे पुलिस अधीक्षक पलामू, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) पलामू और सेकंड इन कमांड सीआरपीएफ 134 बटालियन घटना स्थल पर पहुंचे। उसके बाद ओ/सी छतरपुर पुलिस स्टेशन सब इंस्पेक्टर बासुदेव मुंडा और सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट, छतरपुर, श्री राजेश प्रजापति, कार्यकारी मजिस्ट्रेट श्री गिरवर मिंज, खंड विकास अधिकारी छतरपुर श्री राम रतन बर्नवाल और मेडिकल टीम घटनास्थल पर पहुंची और तत्पश्चात घायल उग्रवादी लल्लू सिंह से एक .303 राइफल तथा गोली जब्त की गई और उसके बाद उसे आगे के इलाज के लिए सब-डिवीजनल अस्पताल छतरपुर ले जाया गया। तत्पश्चात अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट छतरपुर द्वारा घटना का बारीकी से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हेसाग पहाड़ी के ऊपरी हिस्से में एक अन्य टीपीसी उग्रवादी का शव मिला, जिसकी पहचान पकड़े गए टीपीसी उग्रवादी विकास पासवान द्वारा राजेश मांझी उर्फ अमरजीत पुत्र स्वर्गीय यमुना मांझी निवासी लकबंघवा पुलिस स्टेशन नवजयपुर जिला पलामू जेकेडी के रूप में की गई और बाकी दो शवों की पहचान चंदन यादव उर्फ अमन जी पुत्र संत कुमार यादव निवासी बुलका पुलिस स्टेशन रमना जिला गढ़वा जेकेडी और पवन गंडू उर्फ पवन शर्मा पुत्र फैजाती गंडू निवासी लोहरितारी नवाडीह पुलिस स्टेशन लवालोंग जिला चतरा जेकेडी के रूप में हुई। सभी मृतकों को प्रतिबंधित टीपीसी नक्सली संगठन का एरिया कमांडर कहा जाता था।

टीम को आत्मरक्षा में नियंत्रित गोलीबारी जारी रखने का निर्देश देते हुए, सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी छतरपुर शंभू कुमार सिंह ने अपने साथी हवलदार जुरेन्द्र सोय, कांस्टेबल 904 तसादुक अंसारी के साथ और उप पुलिस अधीक्षक (प्रोबेशनर) विमलेश कुमार त्रिपाठी ने अपने साथी कांस्टेबल 254 शशि रंजन कुमार पांडे और कांस्टेबल 889 राजेश कुमार साहू और टीम के अन्य सक्रिय सदस्यों के साथ संघर्ष के क्षेत्र में खोज शुरू की। तीन टीपीसी उग्रवादियों के शव बरामद किए गए, एक सशस्त्र टीपीसी उग्रवादी घायल हालत में पाया गया तथा पूछताछ के दौरान उसने अन्य उन्तीस सशस्त्र टीपीसी उग्रवादियों के नामों का खुलासा किया। भारी मात्रा में हथियार, सामान और प्रचार सामग्री भी बरामद की गई। छतरपुर के एसडीएम, बीडीओ और कार्यकारी मजिस्ट्रेट के अतिरिक्त बल के साथ पहुंचने के बाद, मृत सशस्त्र उग्रवादियों की राजेश मांझी उर्फ अमरजीत पुत्र स्वर्गीय यमुना मांझी निवासी लकबंघवा पुलिस स्टेशन नवजयपुर जिला पलामू ईडी, चंदन यादव उर्फ अमन जी पुत्र संत कुमार यादव निवासी बुलका पुलिस स्टेशन रमना जिला गढ़वा ईडी और पवन गंडू उर्फ पवन शर्मा पुत्र फैजाती गंडू निवासी लोहरितारी नवाडीह पुलिस स्टेशन लवालोंग जिला चतरा ईडी के रूप में जांच रिपोर्ट तैयार की गई और शव की तलाशी करने पर, एक एके 47 राइफल, दो एसएलआर राइफल, दो .303 राइफल, मैगजीन के साथ एक 315 राइफल, जिसमें जिंदा कारतूस थे, बरामद हुई। विभिन्न हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामग्रियां बरामद की गईं, जिनका ब्यौरा जब्ती सूची में दिया गया है।

ऑपरेशन के दौरान श्री शंभू कुमार सिंह, सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी छतरपुर और उप पुलिस अधीक्षक (प्रोबेशनर) श्री विमलेश कुमार त्रिपाठी ने एक घायल सशस्त्र पुरुष टीपीसी उग्रवादी को बचाने के लिए मानवता का प्रदर्शन किया तथा अपने साथी पुलिस कर्मियों को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुंचाने से पहले ही तीन खूंखार टीपीसी उग्रवादियों को मार गिराने में अपने जीवन को खतरे में डालते हुए अनुकरणीय साहस के साथ असाधारण नेतृत्व गुण का प्रदर्शन किया।

श्री शंभू कुमार सिंह, सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी छतरपुर और उप पुलिस अधीक्षक (प्रोबेशनर) श्री विमलेश कुमार त्रिपाठी ने किसी भी पुलिस बल की उच्चतम परंपराओं का पालन करते हुए वफादारी, अदम्य वीरता और एक लीडर के वास्तविक गुणों का ठोस उदाहरण प्रदर्शित किया। ऊपर अनुशंसित अधिकारियों द्वारा शुरू से अंत तक प्रदर्शित अनुशासन, परम वीरता, सर्वोच्च स्तर के नेतृत्व और अनुकरणीय साहस ने पूरी पुलिस टीम का मनोबल बढ़ाया और अन्य व्यक्तियों में आत्मविश्वास भरा तथा वे अत्यधिक सम्मान और प्रशंसा के हकदार हैं।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री शंभू कुमार सिंह, एसडीपीओ, विमलेश कुमार त्रिपाठी, उप पुलिस अधीक्षक, जुरेन्द्र सोय, हवलदार, शशिरंजन कुमार पांडे, सिपाही, राजेश कुमार साहू, सिपाही और तसादुक अंसारी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28.05.2018 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/211/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 34-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	राजेश दयानोबा खांडवे	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	मनीष पुंडलिक गोरले	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	गोवर्धन जनार्दन वधाई	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	कैलास काशीराम उसेडी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	कुमारशाहा वासुदेव किरंगे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	शिवलाल रूपसिंग हिडको	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.07.2017 की रात को स्पेशल ऑपरेशन स्क्वाड के पुलिस सब इंस्पेक्टर राजेश खांडवे को वरिष्ठ अधिकारियों से पुख्ता और गोपनीय जानकारी मिली, कि यंगांव-मुंगेर जंगल में 20-25 सशस्त्र नक्सली मौजूद हैं। कार्रवाई योजना के भाग के रूप में, इस खतरे से निपटने के लिए 2 टीमों का गठन किया गया। पहली टीम पार्टी कमांडर पी.एन. सुरपत वाडे की कमान के तहत थी और इसमें उनके 16 कार्मिक थे तथा दूसरी टीम पार्टी कमांडर पी.एन. रामचंद्र धुर्वे की कमान के तहत थी और इसमें उनके 15 कार्मिक थे।

रात भर सिविल वाहनों में यात्रा करने के बाद उक्त पार्टियां सुबह 7.30 बजे यंगांव पहुंचीं, जहां से उन्होंने अपना सर्व ऑपरेशन शुरू किया। दोनों टीमों ने समानांतर गठन (पैरलल फॉर्मेशन) में गश्त शुरू की, पीएसआई राजेश खांडवे ऑपरेशन के प्रभारी थे और समन्वय के लिए दोनों टीमों का नियंत्रण उनके पास था। चावेला जंगल में सुबह लगभग 8.30 बजे पुलिस पार्टियों का आमना-सामना एक नागाई पायलट के साथ हुआ, जो खास ऑलिव ग्रीन वर्दी पहने भारी हथियारों से लैस 20-25 नक्सलियों के दलम की अगुवाई कर रहा था। इसमें कोई संदेह नहीं रहा कि ये प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन के सदस्य थे। इसके बाद, बिना उक्सावे के नक्सलियों की ओर से भारी गोलाबारी की गई। बचावी कार्रवाई करते हुए टीमों के कवर के लिए कूद पड़ीं। नक्सलियों को गोलीबारी रोकने, अपने हथियार डालने और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के उनके आदेशों का नक्सलियों पर कोई असर नहीं हुआ। इस करीब की लड़ाई में टीमों ने फौलादी जज्बे का प्रदर्शन किया, जबकि वे भारी और अंधाधुंध नक्सली गोलीबारी की सीमा में आ गई थीं। टीमों ने नियंत्रित और अत्यधिक प्रभावी गोलीबारी के साथ जवाब दिया, जिसने नक्सलियों को घने जंगल में भागने को मजबूर कर दिया।

बाद के कॉम्बिंग ऑपरेशन में, पुलिस पार्टी को 2 महिला नक्सलियों के शव मिले। नक्सली दलम से संबंधित अन्य सामान भी जब्त किया गया, जो इस प्रकार है :—

1. 12 बोर की एक राइफल
2. देसी निर्मित एक 303 राइफल
3. 303 राइफल के 7 लाइव राउंड
4. 2 इस्तेमाल किए गए 12 बोर की राइफल के बुलेट केस
5. 1 इस्तेमाल किया गया 303 राइफल के बुलेट केस
6. सिविल कपड़े
7. दवाइयां
8. नक्सल विचारधारा का साहित्य।

यह ध्यान देने योग्य है कि इस मुठभेड़ में अनुशंसितों ने सौंपे गए कार्य के प्रति समर्पण भावना का प्रदर्शन किया। उनका यह समर्पण समुचित रूप से इस बात से ही परिलक्षित होता है कि अनुशंसित पुलिस अधिकारी पीएसआई राजेश खांडवे और 2 कार्मिक अर्थात् पुलिस कांस्टेबल शिवलाल हिडको और पीएन मनीष गोरले इस मुठभेड़ के प्रारंभिक चरण में ही घायल हो गए थे। फिर भी उनकी चोटों ने न तो उनके शरीर को और न ही उनके फौलादी मानसिक संकल्प को कमजोर किया। वे नक्सली दलम की ओर आगे बढ़ते रहे और उन्होंने गोलाबारी का जवाब गालीबारी से दिया। इससे न केवल बाकी पुलिस पार्टी की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सका, बल्कि नक्सलियों को जल्दबाजी में पीछे हटने को भी मजबूर किया गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री राजेश दयानोबा खांडवे, पुलिस उप निरीक्षक, मनीष पुंडलिक गोरले, एनपीसी, गोवर्धन जनार्दन वधाई, पुलिस कांस्टेबल, कैलास काशीराम उसेंडी, पुलिस कांस्टेबल, कुमारशाहा वासुदेव किरंगे, पुलिस कांस्टेबल और शिवलाल रूपसिंग हिडको, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11/07/2017 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/167/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 35-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	सुरेश दुर्गुजी कोवासे	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	रतिराम रघुराम पोरेटी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	प्रदीपकुमार रायभान गेडाम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	राकेश महादेव नरोटे	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

ग्राम पंचायत के चुनाव भारतीय लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी हैं। नक्सली अपनी विचारधारा के स्वभाव से भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रिया और लोकतंत्र के खिलाफ रहते हैं। भारत को कम्युनिस्ट राष्ट्र में बदलने और बंदूक की नोक पर सत्ता हासिल करने की प्रतिबद्धता उनका एकमात्र एजेंडा है। गढ़चिरौली जिले में ग्राम पंचायत चुनावों में वोट डालना दिनांक 16/10/2017 को निर्धारित था। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पटरी से उतारने के लिए नक्सलियों द्वारा भारी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने का पहले से ही अनुमान और संभावना थी। 14 अक्टूबर, 2017 को ए.एस.आई. 233 सुरेश कोवासे को आसूचना सेल, गढ़चिरौली के माध्यम से पुख्ता जानकारी प्राप्त हुई, कि अपनी ऑलिव ग्रीन वर्दी पहने हुए प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) समूह के लगभग 50-60 सशस्त्र नक्सलियों ने तावे के जंगलों (झारापट्टी पुलिस केंद्र के अधिकार क्षेत्र में) में प्रवेश किया है। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री महेश्वर रेड्डी के आदेश और सक्षम मार्गदर्शन के तहत इस स्थिति का मुकाबला करने के लिए एक कार्रवाई योजना बनाई गई। तदनुसार, दो टीमों का गठन किया गया। पहली टीम में आसूचना सेल से एपीआई संदीप मांडलिक और हेड कांस्टेबल, रतिराम पोरेटी, एएसआई सुरेश कोवासे तथा सी-60 कमांडो के रूप में जाने जाने वाले द स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के 21 कार्मिक शामिल थे। दूसरी टीम में दि नागेश टेकम पार्टी और सी-60 कमांडो के 23 कार्मिक शामिल थे।

दोनों टीमों दिनांक 14/10/2017 को, 0940 बजे, सिविल वाहनों में रवाना हुई और उन्होंने लगभग 12.30 बजे मोथझलिया के जंगलों में प्रवेश किया। इसके बाद, उन्होंने तावे-तलवारगढ़ के जंगल में पैदल चलकर नक्सल सर्च ऑपरेशन की शुरुआत की। लगभग 15.15 बजे, टीमों पर एक पहाड़ी की चोटी से अचानक भारी गोलाबारी होने लगी। वे कवर के लिए कूद पड़े और उन्होंने देखा कि ऑलिव ग्रीन वर्दी पहने हुए लगभग 50-60 नक्सली उन पर गोलीबारी कर रहे थे और एक-दूसरे को आदेश और निर्देश दे रहे थे कि वे पुलिस पार्टी के सदस्यों को मार डालें और उनके हथियार और गोला-बारूद छीन लें। पुलिस पार्टी ने नक्सलियों से गोलीबारी बंद करने और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। अतः, पुलिस टीमों ने नक्सलियों की गोलीबारी का जवाब गोलीबारी से दिया। बंदूक की इस लड़ाई के दौरान हेड कांस्टेबल पोरेटी और उनकी टीम के कर्मी चारों तरफ से नक्सलियों से घिर गए थे और नक्सली लगातार उनकी ओर आगे बढ़ रहे थे। यह हेड कांस्टेबल पोरेटी और उनकी टीम के लिए एक गंभीर और जानलेवा स्थिति थी। स्थिति तब और बिगड़ गई, जब पुलिस टीम के अन्य सदस्यों ने वांकी-टॉकी पर सुना कि हेड कांस्टेबल पोरेटी कवर लेते समय घायल हो गए। अपनी जान की सुरक्षा के लिए दूसरी बार फिर सोचे बिना एएसआई सुरेश कोवासे और पीएन प्रदीप गेडाम, अपनी टीम के साथ तेजी से उस पहाड़ी की ओर दौड़ पड़े, जहां हेड कांस्टेबल पोरेटी और उनकी टीम नक्सलियों से घिरी हुई थी। उनका एकमात्र मकसद फंसी हुई पुलिस पार्टी को बचाना था। इस दुस्साहसिक और लगभग असंभव बचाव अभियान को अंजाम देते समय एएसआई सुरेश कोवासे घायल हो गए। इसी समय, एएसआई नागेश टेकम और उनकी टीम ने नियंत्रित रूप से सटीक और प्रभावी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप नक्सली अफरा-तफरी में जंगल में भाग गए। बंदूक की उक्त लड़ाई 40-50 मिनट तक चली।

बाद में कांविंग ऑपरेशन में पुलिस टीम को बेहोश हालत में 1 घायल महिला नक्सली मिली। नक्सली दलम से संबंधित अन्य वस्तुएं जब्त की गईं, जो इस प्रकार हैं :—

1. एक 8 एमएम राइफल।
2. 18-8 एमएम के कारतूस।
3. एक इस्तेमाल की हुई 8 एमएम बुलैट शेल।
4. 1-स्विच
5. 4-विस्फोटक
6. 1-रेडियो
7. 1-ऑलिव ग्रीन बर्दी
8. 3-रिमोट
9. माओवादी/नक्सल विचारधारा का साहित्य
10. मेडिकल किट
11. दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएं।

इस विशेष घटना में, यह बात नोट करने योग्य है कि, नक्सलियों के पास दोहरा फायदा उपलब्ध था। सबसे पहले, उनके पास अचानक से कार्रवाई करने का मौका था, क्योंकि ऐसा उनके द्वारा लगाई गई घात से ही स्पष्ट हो जाता है। दूसरा, नक्सली अधिक ऊंचाई से गोलीबारी कर रहे थे, जो कि किसी भी लड़ाई में एक निर्णायक कारक और लाभ की स्थिति होती है। लेकिन इन बाधाओं को काबू में करते हुए और अपने साहस के दम पर, हेड कांस्टेबल रतिराम पोरेटी, एएसआई सुरेश कोवासे, एनपीसी प्रदीप गेडाम और पुलिस कांस्टेबल 3066 राकेश नरोटे ने न केवल एक फंसी हुई पुलिस टीम और उनकी जान को बचाया, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पटरी से उतारने की नक्सली योजना को भी नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री सुरेश दुर्गुजी कोवासे, हेड कांस्टेबल, रतिराम रघुराम पोरेटी, नायक पुलिस कांस्टेबल, प्रदीपकुमार रायभान गेडाम, नायक पुलिस कांस्टेबल और राकेश महादेव नरोटे, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/10/2017 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/168/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 36-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	राकेश रामसू हिचामी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	वसंत ननका तडवी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सुभाष पांडुरंग उसेंडी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	रमेश वेंकन्ना कोमिरे	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.09.2017 को अनुशंसित हेड कांस्टेबल राकेश हिचामी को खुफिया और पुख्ता जानकारी मिली कि प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन से जुड़े नक्सली 13 सितंबर के दिन 'विजय दिवस' के अवसर पर शोक दिवस मनाने के लिए भेंडीकानर इलाके में राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। नक्सली खतरे से निपटने के लिए योजना के एक भाग के रूप में 1 एपीआई और 34 कर्मियों वाली एक टीम बनाई गई।

उन्हें दिनांक 15.09.2017 को 16.00 बजे सिविल वाहनों द्वारा पहुंचा दिया गया। वे 12 घंटे पैदल चले और भेंडीकानर गाँव के पास रुक गए। दिनांक 15.09.2017 को, फिर से जानकारी प्राप्त हुई, कि नक्सली अभी भी भेंडीकानर गाँव के आसपास के क्षेत्र में हैं, लेकिन सटीक स्थान ज्ञात नहीं था। इसलिए, प्रत्येक 5 की संख्या वाली छोटी-छोटी टीमों में तैयार की गई और छानबीन शुरू की गई। छोटी-छोटी टीमों में उजागर हुए बिना अधिक क्षेत्रों में छानबीन कर सकती थी।

दिनांक 15.09.2017 को लगभग 5.30 - 6.00 बजे, राकेश हिचामी, रमेश कोमिरे, सुभाष उसेंडी और वसंत तडवी के छोटे समूह पर नक्सली संतरी द्वारा गोलीबारी की गई। जल्द ही अन्य नक्सलियों को पुलिस के बारे में पता चल गया और उन्होंने पुलिस टीमों पर गोलीबारी शुरू कर दी। हेड कांस्टेबल राकेश हिचामी ने अन्य टीमों से मदद के लिए डब्ल्यूटी पर सूचना हेतु कॉल किया और नक्सलियों पर प्रभावकारी गोलीबारी जारी रखी।

10-15 मिनट बाद अन्य टीमों ने गोलीबारी की दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर दिया और उस दिशा में गोलीबारी की। इससे नक्सली मौके से भागने को मजबूर हो गए।

बाद के कांफ्रिंग ऑपरेशन में पुलिस पार्टी को 1 महिला नक्सली का शव मिला। नक्सली दलम से संबंधित अन्य वस्तुएं भी जब्त की गईं, जो इस प्रकार हैं-

- (1) 1 देसी निर्मित सिंगल बैरल वाली 12 बोर की राइफल।
- (2) 12 बोर की राइफल के 8 कारतूस।
- (3) 1 बैकपैक (पिटू)
- (4) कपड़े और दैनिक उपयोग की वस्तुएं।

उक्त घटना में अनुशंसित पुलिस कर्मियों ने अनुकरणीय सूझ-बूझ, साहस और धैर्य का प्रदर्शन किया, जबकि वे नक्सलियों से घिरे हुए थे। इस स्थिति में भी, उन्होंने अपने संयम को बनाए रखा और एक सटीक एवं समन्वित तरीके से जवाबी कार्रवाई की।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री राकेश रामसू हिचामी, नायक पुलिस कांस्टेबल, वसंत ननका तडवी, सिपाही, सुभाष पांडुरंग उसेंडी, सिपाही और रमेश वेंकन्ना कोमिरे, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15/09/2017 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/198/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 37-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, तेलंगाना पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

सर्वश्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोगुल्ला वेंकटेश्वर	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मोहम्मद मेहराज्जुद्दीन	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कई आतंकी हमलों में शामिल खूंखार आतंकवादियों नामशः आतिफ मुजफ्फर, मोहम्मद दानिश, सैयद मीर हुसैन और उनके 5 अन्य साथियों को पकड़ने में अपनी जान को जोखिम में डालने वाले अनुशंसित I से VIII ने अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया और इस्लामिक स्टेट (आईएस) से प्रेरित इस आतंकवादी समूह द्वारा नियोजित आतंकवादी हमलों को रोक लिया। समूह ने दिनांक 07.03.2017 को भोपाल-उज्जैन यात्री ट्रेन में विस्फोट को अंजाम दिया; दशहरा [2016] की पूर्व संध्या पर रामलीला मैदान, लखनऊ में उस समय विस्फोट करने का प्रयास किया, जब माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक सभा [रैली] को संबोधित कर रहे थे और अक्टूबर, 2016 में रमेश शुक्ला नाम के एक निर्दोष हिंदू सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य की हत्या भी की। उन्होंने उत्तर प्रदेश की देवा शरीफ दरगाह और बड़ा इमाम बाड़ा में विस्फोटों की भी योजना बनाई थी तथा उनकी योजना निकट भविष्य में भाजपा हिंदू नेताओं, मुस्लिम [शिया] विद्वानों जैसे व्यक्तियों को निशाना बनाने, ट्रेन विस्फोट करने आदि की भी थी।

अनुशंसित I से VIII को उपरोक्त आतंकवादी समूह के बारे में पुख्ता खुफिया जानकारी मिली, कि वे आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले हैं। सूचना मिलते ही अनुशंसित I से VIII ने 3 समूह गठित कर लिए। अनुशंसित II, IV और VII वाले पहले समूह द्वारा एटीएस भोपाल के साथ मिलकर मध्य प्रदेश में इन आतंकवादियों की गतिविधियों को ट्रैक कर लिया गया, जहाँ से 3 आतंकियों यथा, आतिफ मुजफ्फर, दानिश अख्तर और हुसैन को पिपारिया टोलगेट के पास एक प्राइवेट बस से पकड़ लिया गया।

इस बीच, अनुशंसित I और VIII वाले दूसरे समूह को खुफिया जानकारी मिली, कि उपरोक्त 3 आतंकवादियों का एक सहयोगी नामशः सैफुल्लाह, हाजी कॉलोनी, लखनऊ में अपने ठिकाने में छिपा हुआ है। अनुशंसित I और VIII ने एटीएस लखनऊ के साथ उपरोक्त आतंकवादियों के ठिकाने को घेर लिया, लेकिन उसे पकड़ने की कोशिश करते समय, सैफुल्लाह ने एटीएस के जासूसों पर गोलियां चला दीं और आपसी गोलीबारी में सैफुल्लाह की मौत हो गई। आतंकवादियों ने भारी मात्रा/संख्या में पाइप बम, विस्फोटक, 8 हथियार, 650 जिंदा गोला-बारूद, जिहादी साहित्य, मोबाइल फोन और सिम कार्ड, नकदी, पासपोर्ट और अन्य आपराधिक सामग्री जमा की हुई थी, जिन्हें एटीएस पुलिस ने उसके ठिकाने से बरामद/जब्त कर लिया।

इसके साथ ही, अनुशंसित III, V और VI वाले तीसरे समूह को कानपुर में 5 अतिरिक्त आतंकी संदिग्धों के मौजूद होने के बारे में खुफिया जानकारी मिली, जिन्होंने उपरोक्त आतंकी समूह को आतंकी गतिविधियों के लिए लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराई थी तथा हथियार और विस्फोटक एकत्र किए थे तथा अब भागने की कोशिश कर रहे थे। अनुशंसित III, V & VI ने एटीएस लखनऊ के साथ मिलकर तुरंत उन्हें पकड़ लिया।

अनुशंसित I से VIII ने अपने जीवन के लिए गंभीर और सर पर मंडराते खतरे के सामने अपने कर्तव्य के प्रति असाधारण प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया और आठ आतंकवादियों को दबोच लिया; 8 पिस्तौल, 650 जिंदा गोला बारूद, पाइप बम, विस्फोटक और 4 खंजर आदि बरामद किए और बड़ी आतंकी घटनाओं को रोक लिया, जिससे बड़े पैमाने पर विनाश तथा सार्वजनिक और निजी संपत्तियों की क्षति को रोका जा सका।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मोगुल्ला वेंकटेश्वर, उप निरीक्षक और मोहम्मद मेहराज्जुद्दीन, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/03/2017 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/53/2017-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 38-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	लोकेश भाटी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	स्वर्गीय एकांत यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री लोकेश भाटी कांस्टेबल सीपी और श्री एकांत यादव कांस्टेबल सीपी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, जो उस समय पुलिस स्टेशन लिसारी गेट मेरठ में तैनात थे, दिनांक 01/02.12.2014 की मध्यरात्रि को राइफल के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर, गांव लिसारी, चमन कॉलोनी और मदीना कॉलोनी, फतेहुल्लाहपुर के इलाके में गश्त कर रहे थे।

कांस्टेबल एकांत यादव, मोटर साइकिल चला रहे थे और कांस्टेबल लोकेश भाटी, पिछली सीट पर बैठे थे। जब वे रिलायंस टावर के पास पहुँचे, तो उन्हें मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति दिखाई दिया, जो नूर नगर की तरफ से तेजी से आ रहा था। इन कांस्टेबलों ने अपनी मोटरसाइकिल रोक दी और जैसे ही, मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति पास पहुँचा, उन्होंने उसे जांच के लिए रुकने का इशारा किया, लेकिन इसके बजाय वह मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति पुलिस को देखकर बेखौफ तेजी से आगे बढ़ गया, लेकिन उसके अपराधी होने के संदेह से, सतर्क कांस्टेबलों लोकेश भाटी और एकांत यादव ने तुरंत उसका पीछा करना शुरू कर दिया। चालाक अपराधी अपनी मोटरसाइकिल को तेजी से चला रहा था और इन कांस्टेबलों द्वारा उसका पीछा किया जा रहा था। जब वह टाइल फैक्ट्री फतेहुल्लाहपुर के पास पहुँचा, तो उसकी मोटरसाइकिल फिसल गई और भयभीत अपराधी नीचे गिर गया। यह देखकर सतर्क कांस्टेबल एकांत यादव ने अपनी मोटरसाइकिल रोक दी और पलक झपकते ही, वे साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए निर्भीकतापूर्वक कांस्टेबल लोकेश भाटी के साथ उसके समीप पहुँच गए, ताकि वे उसे काबू में करके गिरफ्तार कर सकें। क्रोधित अपराधी ने अचानक पिस्तौल निकाल ली और पुलिस कार्मिक की हत्या करने के पक्के इरादे से तुरंत गोलियां चला दीं, जो कि कांस्टेबल एकांत यादव के सीने में लगी और वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े।

'करो या मरो' की इस स्थिति में, जब कांस्टेबल एकांत यादव गंभीर रूप से घायल होकर नीचे गिर पड़े, और कांस्टेबल लोकेश भाटी सामने खड़े बर्बर अपराधी की गोलीबारी में घायल होने से बच गए, तब भी कांस्टेबल लोकेश भाटी ने उसकी गोलीबारी की परवाह नहीं की और अपराधी को ज़िंदा गिरफ्तार करने के लिए वे साहसपूर्वक आत्मरक्षा में गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ गए, लेकिन क्रूर अपराधी को हत्या की दृष्टि से पिस्तौल साधते हुए देखकर, कांस्टेबल लोकेश भाटी अत्यंत सूझ-बूझ के साथ, विशेष साहस, वीरता और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण की भावना का प्रदर्शन करते हुए, अपनी जान और अंगों की परवाह किए बिना, चतुराई से खुद ही कूद पड़े और पुलिस कौशल के साथ जोर से अपनी राइफल के बट से उसे मारा, जिससे उसकी पिस्तौल गिर कर छितर गई, लेकिन उसी क्षण चालाक, लेकिन भयभीत अपराधी ने अपने बेल्ट से एक और आग्नेय अस्त्र (फायर-आर्म्स) निकालने की कोशिश की और कांस्टेबल लोकेश भाटी की राइफल छीनने का प्रयास किया। तभी, वे अदम्य साहस के साथ उसके साथ भिड़ गए और फिर से अपराधी को बट से मारा, जिससे वह घायल हो गया और गिर पड़ा, उस समय सुबह के लगभग 01:15 बजे रहे थे। अपराधी ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया और उसकी पहचान कुख्यात खूंखार और बर्बर अपराधी नूर अली उर्फ नूरा के रूप में हुई, जो बड़े आपराधिक इतिहास वाला एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी था तथा उसके पास से अवैध हथियार और गोला-बारूद सफलतापूर्वक बरामद किया गया।

खुले में आमने-सामने की इस खतरनाक पुलिस मुठभेड़ में, श्री लोकेश भाटी और श्री एकांत यादव ने असाधारण साहस, विशेष वीरता और कर्तव्य के प्रति समर्पण भावना का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री लोकेश भाटी, सिपाही और स्वर्गीय एकांत यादव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/12/2014 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/02/2020-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 39-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री अमित कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

कुख्यात, खूंखार लुटेरे और अंतर-राज्यीय फरार अपराधी श्री कृष्णा, जो कि पुलिस स्टेशन साईयां का हिस्ट्री शीटर था और पुलिस स्टेशन साईयां के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत गांव सिकंदरपुर का निवासी था तथा जिस पर डीआईजी आगरा रेंज, उत्तर प्रदेश और

आईजीपी, चंबल जोन, मध्य प्रदेश ने ईनाम घोषित किया हुआ था, द्वारा हाल ही में दिनांक 13/14.03.2016 की रात में की गई बेखौफ डकैती की जांच श्री अमित कुमार एसआईसीपी पुलिस स्टेशन- साईयां, जिला आगरा, उत्तर प्रदेश, स्टेशन अधिकारी के साथ कर रहे थे। सूचना मिलते ही उन्होंने कार्रवाई शुरू कर दी और लुटेरों का पता लगाने, उन्हें गिरफ्तार करने और लूटी हुई संपत्ति को बरामद करने के लिए पुलिस टीम के साथ पुलिस जीप में सवार होकर गांव सिकंदरपुर के लिए निकल पड़े।

श्री अमित कुमार एसआईसीपी और स्टेशन अधिकारी क्रमशः एसओ द्वारा गठित अपनी-अपनी पुलिस पार्टियों का नेतृत्व करते हुए, वहां पहुंचे और उन्होंने रणनीतिक तरीके से, गांव सिकंदरपुर में प्रवेश किया तथा स्कूल लेन से गुजरते हुए पुलिस टीम उस गली में मुड़ गई, जिसमें अपराधी श्री कृष्णा का घर था। बिजली की रोशनी में उन्होंने देखा कि वह अपने साथियों के साथ खड़ा हुआ था। खूंखार अपराधियों को सामने देखकर, श्री अमित कुमार सब इंस्पेक्टर ने, अपनी पुलिस टीम का नेतृत्व करते हुए, स्टेशन ऑफिसर के साथ उन्हें चुनौती दी और वे खुद, निडर होकर, उसे गिरफ्तार करने के लिए कुछ कदम आगे बढ़े, लेकिन शातिर क्रूर अपराधी श्री कृष्णा और उसके साथियों ने अचानक से पुलिस की उपस्थिति को देखकर, हत्या करने के इरादे से इस सब-इंस्पेक्टर और उनकी टीम की ओर, ताबड़तोड़ गोलियां चलाना शुरू कर दिया, जिसमें श्री अमित कुमार सब इंस्पेक्टर को गोली लगी और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। सामने से अपराधियों की गोलीबारी में घायल होने के बावजूद श्री अमित कुमार सब इंस्पेक्टर ने बिना विचलित हुए और अपने जीवन एवं शरीर की परवाह किए बिना उनका मुकाबला किया और उन्हें ज़िंदा गिरफ्तार करने के दृढ़ निश्चय के साथ, वे साहसपूर्वक और रणनीतिक तरीके से उनकी फायरिंग रेंज में आगे बढ़े, तथा उन्होंने आत्मरक्षा में गोलीबारी का सहारा लिया और वे पल भर में, सच्चे साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए पुलिस-कौशल के साथ छलांग लगाकर अपराधी-जोड़ी पर झपट पड़े और उन्होंने उपर्युक्त दोनों खूंखार अपराधियों श्री कृष्णा और संजय को काबू में करके उन्हें हथियारों और गोला बारूद तथा हाल ही में दिनांक 13/14.03.2016 की मध्य रात्रि में 02.40 बजे लूटी गई संपत्ति के साथ सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

श्री अमित कुमार, सब इंस्पेक्टर ने इस मुठभेड़ में असाधारण साहस, अदम्य वीरता और कर्तव्य के प्रति समर्पण भावना का प्रदर्शन किया है।

इस ऑपरेशन में श्री अमित कुमार, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/03/2016 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/07/2020-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 40-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	प्रशांत कुमार, आईपीएस	अपर महानिदेशक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अभिषेक यादव, आईपीएस	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सतपाल, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	प्रवेश कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
5	अजय कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	विनीत कुमार कपासिया	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.07.2019 को जिला मिर्जापुर जेल में बंद एक कुख्यात अपराधी रोहित उर्फ संधु पुलिस हिरासत से उस समय भाग गया, जब उसे जिला मुजफ्फरनगर में न्यायिक पूछताछ के लिए ले जाया जा रहा था। उसके अपने गैंग के साथ भागते समय वहां गोलीबारी हो गई, जिसमें एक पुलिस सब इंस्पेक्टर घायल हो गया, जिन्होंने बाद में दम तोड़ दिया।

श्री प्रशांत कुमार, आईपीएस, अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ जोन जिले की सामान्य कानून और व्यवस्था तथा उक्त अपराधियों को गिरफ्तार करने हेतु जिला पुलिस के प्रयासों की निगरानी करने के लिए दिनांक 15/16.07.2019 की रात को जिला मुजफ्फरनगर में रुके हुए थे। फील्ड गश्ती टीमों की निगरानी के दौरान श्री अभिषेक यादव, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और श्री सतपाल, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक-सिटी भी उनके साथ थे।

उसी रात, स्पेशल वेपन्स एंड टैक्टिक्स (स्वाट) टीम, मुजफ्फरनगर के प्रभारी श्री प्रवेश कुमार, सब इंस्पेक्टर को एक विश्वसनीय स्रोत से पुख्ता जानकारी मिली कि, भगौड़ा अपराधी रोहित उर्फ संधु हथियारों और अपने साथियों के साथ जिले में एक सनसनीखेज अपराध करने के इरादे से भोपा से संसूरपुर जाने वाला है।

अपनी स्वाट टीम के साथ सब इंस्पेक्टर श्री प्रवेश कुमार ने तुरंत ही माकियाली सीमा चौकी के प्रभारी श्री अजय कुमार, सब इंस्पेक्टर के साथ सूचना साझा की, जो अपनी टीम के साथ उनसे आ मिले। उन्होंने तुरंत अपराधियों को रोकने और पकड़ने के लिए वाहनों की जांच करनी शुरू कर दी।

सुबह लगभग 4:45 बजे, जांच के दौरान, भोपा की दिशा से दो मोटरसाइकिलों पर चार व्यक्ति तेज गति से आते हुए दिखाई दिए और श्री प्रवेश कुमार, सब इंस्पेक्टर निडर होकर उन्हें रोकने के लिए आगे बढ़े। सवार धीमा हुए, लेकिन पुलिस को देखकर, पीछे बैठे सवार ने अचानक पुलिस पर गोलियां चला दीं।

इस बीच, जब नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) को सूचना दी गई, तो अलर्ट जारी कर दिया गया और पुलिस की टीमों ने अपराधियों का पीछा करना शुरू कर दिया। अपराधियों का पीछा करने पर, वे बिलासपुर मोड़ से अचानक गांव बिलासपुर की ओर बढ़ गए। फिसलन भरी सड़क के कारण मोटरसाइकिलों में से एक फिसल गई और अपराधियों ने तुरंत उसे छोड़ दिया और हत्या करने के इरादे से पुलिस टीम पर लगातार जोरदार गोलीबारी शुरू कर दी। एक-दूसरे पर गोलीबारी में सब-इंस्पेक्टर श्री प्रवेश कुमार की बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोलियां लगी, जबकि सब-इंस्पेक्टर श्री अजय कुमार और कांस्टेबल विनीत कुमार कपासिया को गोलियों की चोटें आईं। गोलियां लगने के बावजूद, पुलिस दलों ने असाधारण साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए खुद को चतुराई से तैनात किया और अपराधियों को आत्मसमर्पण करने के लिए चेतावनी दी, लेकिन अपराधियों ने हत्या करने की नीयत से गोली चलाना जारी रखा।

इस बीच, जब पुलिस नियंत्रण कक्ष से सूचना मिलने के बाद श्री प्रशांत कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ जोन श्री अभिषेक यादव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और श्री सतपाल, पुलिस अधीक्षक सिटी के साथ तुरंत मुठभेड़ स्थल के लिए रवाना हो गए। उन्होंने रणनीतिक रूप से चतुराईपूर्वक पुलिस टीमों को कवर प्रदान किया और मुठभेड़ में लगी पुलिस पार्टी का मनोबल बढ़ाते हुए अपराधियों पर गोलीबारी की। श्री प्रशांत कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ जोन के कुशल नेतृत्व में श्री अभिषेक यादव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और श्री सतपाल, पुलिस अधीक्षक-सिटी और साथ ही श्री प्रवेश कुमार, सब इंस्पेक्टर, श्री अजय कुमार सब-इंस्पेक्टर और विनीत कपासिया कांस्टेबल अपराधियों को जिंदा पकड़ने के लिए रणनीतिक तरीके से रेंगते हुए उनके निकट पहुँच गए और अपराधियों को चुनौती दी। उन्होंने आत्मरक्षा में गोलीबारी का सहारा लिया और दो अपराधियों को घायल कर दिया, जिन्हें हथियारों की चोटें आईं, लेकिन बाद में उन्होंने चोटों के कारण दम तोड़ दिया। इनकी पहचान कुख्यात फरार अपराधियों रोहित उर्फ संधु और राकेश यादव के रूप में हुई, जिनके ऊपर क्रमशः 1,00,000/- रुपये और 50,000/- रुपये का इनाम था। इस कार्रवाई में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री प्रशांत कुमार, आईपीएस, अपर महानिदेशक, अभिषेक यादव, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सतपाल, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, प्रवेश कुमार, उप निरीक्षक, अजय कुमार, उप निरीक्षक और विनीत कुमार कपासिया, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4 (i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/07/2019 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/81/2020-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 41-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/ वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अजय कुमार साहनी, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

2.	नरेन्द्र प्रताप सिंह	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3.	अवधेश सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.08.2017 को 15:45 से 16:00 बजे के बीच जिला आजमगढ़ में वाहनों की जांच की जा रही थी। जांच की निगरानी करने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक श्री नरेन्द्र प्रताप सिंह सरायमीर की ओर रवाना हुए। कोतवाली पुलिस द्वारा शारदा तिराहे पर जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो अपराधियों ने पुलिस पर गोली चलाई और एक कांस्टेबल को घायल करने के बाद मऊ की तरफ भाग गए।

अपर पुलिस अधीक्षक निकटवर्ती पुलिस स्टेशनों को भाग रहे अपराधियों की घेराबंदी करने का निदेश देते हुए आगे बढ़े। डीसीआर ने पुनः यह सूचित किया कि वे अपराधी पुलिस स्टेशन मुबारकपुर के गांव गजाहदा में स्थित काशी राम आवास कॉलोनी की ओर भाग रहे हैं। श्री नरेन्द्र प्रताप सिंह तत्काल काशी राम आवास कॉलोनी की ओर चल पड़े। इसी बीच एसओ मुबारकपुर और स्वाट टीम के प्रभारी भी सैन्य बल के साथ वहां पहुंच गए। कुछ समय के बाद सैन्य बल के साथ इंस्पेक्टर कोतवाली और अपने पीआरओ के साथ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ श्री अजय साहनी भी वहां पहुंच गए, जहां उन्हें यह पता चला कि अपराधी खाली पड़ी काशी राम कॉलोनी में छिपे हुए हैं।

पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ श्री अजय कुमार साहनी ने दो टीमों गठित कीं, जिसमें से पहली टीम का नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया, जिसमें स्वाट टीम भी शामिल थी, जबकि दूसरी टीम का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक श्री नरेन्द्र प्रताप सिंह ने किया, जिसमें सैन्य बल के साथ एसओ मुबारकपुर और इंस्पेक्टर कोतवाली शामिल थे। पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे श्री अजय साहनी ने पूर्वी छोर से कॉलोनी में प्रवेश किया और पूर्वी दिशा में स्थित एक घर की सीढ़ियों की आड़ में पोजीशन ले ली तथा अपराधियों को चुनौती दी कि उन्हें पुलिस द्वारा घेर लिया गया है और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। अपराधियों ने पुलिस दल को मारने के इरादे से उनके ऊपर गोलीबारी करके प्रतिक्रिया दी। स्थिति को देखते हुए और अपराधियों की लोकेशन का अनुमान लगाते हुए, अपर पुलिस अधीक्षक ने अपनी टीम के साथ पश्चिमी छोर से कॉलोनी में प्रवेश किया तथा दक्षिण की तरफ वाले घरों के बीच में स्थित एक घर की सीढ़ियों की आड़ में पोजीशन ले ली और अपराधियों को चुनौती दी। अपराधियों ने पुनः अंधाधुंध गोलीबारी की। अपराधियों द्वारा चलाई गई एक गोली एसओ मुबारकपुर के पैर में लगी। पुलिस अधीक्षक अपनी जान को खतरे में डालते हुए टीम के साथ कवर से बाहर आए और असाधारण साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए आत्म-रक्षा में गोली चलाई। अपराधियों द्वारा की जा रही भयंकर और अंधाधुंध गोलीबारी के दौरान एक गोली कांस्टेबल अवधेश के पैर में लगी और वे गोली लगने से घायल हो गए तथा एक अन्य गोली पुलिस अधीक्षक की बुलेट प्रूफ (बीपी) जैकेट में लगी और अंदर घुस गई। यदि उन्होंने बीपी जैकेट न पहनी होती, तो गोली उनकी छाती में लग जाती, जो घातक हो सकता था। अपराधियों को काबू में करने का कोई और विकल्प न होने पर, पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक और कांस्टेबल कवर से बाहर आकर, अपराधियों की फायरिंग रेंज में घुस गए और आत्म-रक्षा में गोलीबारी की। अपराधियों द्वारा चलाई गई एक गोली नरेन्द्र प्रताप सिंह के बालों को छूती हुई तेजी से निकल गई। जब अपराधियों की तरफ से गोलीबारी रुक गई, तब पुलिस अपराधियों के निकट गई। एक अपराधी अर्ध-चेतन अवस्था में घायल पड़ा हुआ मिला, जिसने अपना नाम सुजीत सिंह उर्फ बुढ़वा बताया, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। यह मुठभेड़ 17:05 बजे से 17:20 बजे तक चली। मृतक सुजीत सिंह दिनांक 11.08.2017 को उस समय पुलिस हिरासत से भाग गया था, जब मऊ कोर्ट में पेश किए जाने के बाद उसे वापस जिला रामपुर ले जाया जा रहा था, जिस पर 15,000/- रुपये के इनाम की घोषणा की हुई थी।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अजय कुमार साहनी, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, नरेन्द्र प्रताप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक और अवधेश सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.08.2017 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/111/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 42-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/ वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	असीम अरूण, आईपीएस	महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

2	स्व. राजेश साहनी	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3	अतहर अहमद	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	अविनाश कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	विकास यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	महेन्द्र पाल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	फहीम मियां	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री असीम अरूण, महानिरीक्षक एटीएस यूपी को काउंटर इंटेलीजेंस सेल तेलंगाना से यह सूचना प्राप्त हुई कि आईएसआईएस प्रेरित आतंकवादी सैफुल्लाह, जिसके सहयोगियों ने भोपाल के नजदीक एक ट्रेन में विस्फोट किया था, काकोरी, लखनऊ में एक घर में मौजूद है। उसके पास अनेक आग्नेयास्त्र और विस्फोटक हो सकते हैं और वह गिरफ्तारी से बचने के लिए गोली भी चला सकता है। श्री असीम, श्री राजेश साहनी अपर पुलिस अधीक्षक और अन्य एटीएस कार्मिक शीघ्र उक्त स्थान की ओर चल पड़े। 15:30 बजे उक्त स्थान पर पहुंचने के बाद, श्री असीम ने स्थिति का जायजा लिया और उस भवन में प्रवेश किया। संदिग्ध व्यक्ति भवन के भीतर एक कमरे में था और उसी क्षण एक बंदूक का घोड़ा चढ़ाने की आवाज सुनाई दी। गंभीरता को भांपते हुए, श्री असीम ने श्री राजेश साहनी को वार्ताकार के रूप में नियुक्त किया, जिन्होंने बातचीत की और उसे आत्मसमर्पण करने के लिए समझाने का प्रयास किया। एक पड़ोसी, जो कि एक पादरी था, ने भी उसे समझाने का प्रयास किया। सैफुल्लाह से उसके भाई के साथ फोन पर बात कराई गई, जिसे दरवाजे के नीचे खुली जगह में से कमरे के भीतर फेंका गया था। उसने भी उसे समझाने-बुझाने का प्रयास किया, परंतु सैफुल्लाह भीतर से यही कहता रहा कि वह शहादत के रास्ते पर है।

जब सैफुल्लाह को बाहर लाने के प्रयास विफल हो गए, तो श्री असीम ने 'स्मोकिंग आउट टैक्टिक' का प्रयोग करने का निर्णय लिया। श्री राजेश साहनी ने स्वयं को जोखिम में डालते हुए मिर्ची बम फेंका। सैफुल्लाह के खांसने की आवाज सुनाई दी, परंतु वह बाहर नहीं आया, इसकी बजाय उसने खिड़की से बार-बार अपना हाथ बाहर निकालकर भीतर से गोलीबारी शुरू कर दी। धैर्य और सावधानी बरतते हुए, कमांडो ने छत और दीवार में छिद्र बनाए तथा स्वयं को खतरे में डालते हुए और अधिक मिर्ची बम तथा आंसू गैस के ग्रेनेड फेंके, परंतु सैफुल्लाह अंदर ही छिपा रहा। आधी रात के बाद, पुलिस की निगरानी टीम ने भीतर हलचल और गोलीबारी की तीव्रता देखी। ऐसा लगा कि सैफुल्लाह कमरे से बाहर आ सकता है। यदि उसने ऐसा किया, तो बाहर एकत्र विभिन्न पुलिस कर्मी और आम नागरिक घायल हो सकते हैं और वह भाग भी सकता है। स्थिति को जल्दी और स्थानीय रूप से नियंत्रित करना आवश्यक हो गया था।

श्री असीम अरूण, जो स्वयं एनएसजी और एसपीजी द्वारा प्रशिक्षित कमांडो थे, ने अत्यधिक जोखिम वाले कमरे में एक साथ दो दरवाजों से प्रवेश करने का निर्णय लिया। श्री असीम के नेतृत्व में कमांडो कांस्टेबल विकास यादव, महेन्द्र पाल और फहीम मियां सहित एक समूह ने तेजी से उस कमरे में प्रवेश किया। आमने-सामने वाली स्थिति में, श्री असीम ने सैफुल्लाह को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया, परंतु उसने सीधे उन पर गोली चला दी। व्यक्तिगत खतरे को नजरअंदाज करते हुए और बहादुरी से जवाबी गोलीबारी करते हुए, उन्होंने सैफुल्लाह को गोली मारकर नीचे गिरा दिया। कमांडो कांस्टेबल अतहर अहमद और अविनाश कुमार समेत दूसरी टीम ने उसी समय दूसरे दरवाजे से प्रवेश किया और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए कवर फायर किया। उसके गुप्त स्थान में छिपे रहने, अत्यधिक सीमित स्थान में संचालन की बाधाओं और टीवी पर सीधे प्रसारण ने ऑपरेशन को विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बना दिया। लेकिन, बेहतर योजना और असाधारण तथा अदम्य वीरता के कारण, इसे नियंत्रित ढंग से अंजाम दिया गया, जिसमें पुलिस कर्मियों और आम नागरिकों को कोई क्षति नहीं पहुंची।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री असीम अरूण, आईपीएस, महानिरीक्षक, स्व. राजेश साहनी, अपर पुलिस अधीक्षक, अतहर अहमद, सिपाही, अविनाश कुमार, सिपाही, विकास यादव, सिपाही, महेन्द्र पाल, सिपाही और फहीम मियां, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08.03.2017 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/112/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 43-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/ वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	सुवेन्द्र कुमार भगत, आईपीएस	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	विजय भूषण, आईपीएस	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार
3	अरविन्द चतुर्वेदी	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	धनंजय मिश्रा	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

संगठित अपराध और आतंकवादी गतिविधियों का व्यवस्थित रूप से पता लगाने और उसे रोकने में शामिल उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल को सनसनीखेज “बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के मामले” को अंजाम देने वाले फिरदौस हनीफ खान (एक लम्बे आपराधिक इतिहास वाला खूंखार अपराधी), जिस पर 50,000/- रुपये का इनाम था, की मुम्बई में गतिविधि के बारे में सूचना प्राप्त हुई। बीजेपी नेता की इस सनसनीखेज हत्या की वजह से उत्तर प्रदेश में व्यवस्था का मजाक उड़ते हुए काफी राजनीतिक हंगामा और प्रदर्शन हुए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, श्री एस. के. भगत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ एक छोटी टीम के साथ तत्काल मुम्बई के लिए निकल पड़े, जिन्होंने उक्त सूचना का सत्यापन किया तथा महानिरीक्षक एसटीएफ श्री जगमोहन यादव को सूचित किया और वे भी अगली उपलब्ध फ्लाइट से मुम्बई पहुंच गए। अपराधी को पकड़ने के लिए एक पुख्ता रणनीति तैयार की गई, क्योंकि अपराधी खतरनाक था, अत्याधुनिक हथियार और गोला-बारूद के बगैर कभी आता-जाता नहीं था तथा गिरफ्तारी भी भीड़-भाड़ वाले बाजार में होने की प्रत्याशा थी। संदिग्ध की पहचान करने के बाद, गिरफ्तारी करने के लिए श्री यादव और श्री भगत के नेतृत्व में दो अलग-अलग टीमों फिरदौस के पास पहुंचीं, जिसने पुलिस के सिविल ड्रेस में होने के बावजूद पुलिस की घेराबंदी को भांप लिया और श्री जगमोहन यादव के नेतृत्व वाले पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जो जमीन पर लेटकर बाल-बाल बच गए। अपराधी को महानिरीक्षक एसटीएफ पर गोलीबारी करते हुए देखकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ श्री भगत अपराधी को काबू में करने के लिए धैर्यपूर्वक आगे बढ़े, परंतु उन पर गोलीबारी की गई, जिसमें वे गोली से बाल-बाल बच गए। श्री यादव और श्री भगत दोनों के बाल-बाल बच जाने के बावजूद अडिग फिरदौस की अंधाधुंध गोलीबारी से भीड़-भाड़ वाले बाजार में राहगीरों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया। श्री यादव और श्री भगत दोनों ने अपनी निजी सुरक्षा और सलामती को नजरअंदाज करते हुए, उसे गिरफ्तार करने के उद्देश्य से अनुकरणीय साहस और उच्च कोटि की वीरता का प्रदर्शन किया। सब इंस्पेक्टर धनंजय मिश्रा, जो फिरदौस के बिल्कुल नजदीक थे, अपराधी की ओर रेंगकर चलने के बावजूद भी बाल-बाल बच गए। इस ऑपरेशन में श्री विजय भूषण, अपर पुलिस अधीक्षक और श्री अरविन्द चतुर्वेदी, उप पुलिस अधीक्षक एसटीएफ ने भी अपनी जान की परवाह किए बिना अपराधी पर गोली चलाई। अपनी जान और शरीर की परवाह किए बिना अत्यधिक संतुलित कार्रवाई में पुलिस और जनता दोनों के लिए खतरे की बहुत सावधानीपूर्ण जांच-पड़ताल के बाद, श्री यादव, श्री भगत, श्री भूषण, श्री चतुर्वेदी और श्री धनंजय मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम के पास जवाबी गोलीबारी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, जिसके कारण फिरदौस की अस्पताल ले जाने के दौरान मृत्यु हो गई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री सुवेन्द्र कुमार भगत, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, विजय भूषण, आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, अरविन्द चतुर्वेदी, उप पुलिस अधीक्षक और धनंजय मिश्रा, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19.04.2006 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/21/2007-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 44-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. श्री विनय प्रसाद	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

15 जनवरी, 2019 को 19वीं बटालियन बीएसएफ के श्री संजय शेरकर, डिप्टी कमांडेंट (आईआरएलए नं. 11112457), 'डी' कंपनी (सीमा चौकी पंसार) के कंपनी कमांडर और श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट (आईआरएलए नं. 11112938), 'एफ' कंपनी (सीमा चौकी पहाड़पुर) के कंपनी कमांडर, दोनों बीएसडब्ल्यू क्वालीफाइड, ने 81 एमएम मोर्टार फायर प्लान की समीक्षा और पुनरीक्षण करने तथा सीमा चौकी टेंट गार्ड के नजदीक स्थित मोर्टार की पोजीशन सेट करने की योजना बनाई, क्योंकि विंटर ऑपरेशन अलर्ट (13 जनवरी, 2019 से 09 फरवरी, 2019 तक) चल रहा था और जम्मू फ्रंटियर के निर्देश पर प्रत्येक बटालियन के फायर प्लान की समीक्षा और पुनरीक्षण सहित अनेक ऑपरेशनल गतिविधियां किए जाने का निदेश दिया गया था। तदनुसार, योजना के अनुसार, श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट और श्री संजय शेरकर, डिप्टी कमांडेंट पूर्व-निर्धारित मिलन-स्थल अर्थात् शाप नाला पर पहुंच गए।

उसके बाद, दोनों अधिकारी बुलेट प्रूफ जिप्सी लेकर सीमा चौकी टेंट गार्ड के लिए चल पड़े। अपने मार्ग में, वे फारवर्ड झूटी प्वाइंट सं. 1074 के निकट (सीमा चौकी पंसार के एओआर में) रुके, जहां बीएसएफ के सैन्य दस्तों द्वारा मरम्मत और रख-रखाव का कार्य किया जाता था। झूटी प्वाइंट पर, दोनों अधिकारी कार्य दल के साथ उक्त झूटी प्वाइंट के भीतर चले गए, ताकि वे भीतर से अवलोकन कर सकें और मौजूदा खतरे की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आगे और सुधार के लिए आवश्यक निर्देश भी दे सकें। लगभग 151045 बजे, फारवर्ड झूटी प्वाइंट का भीतर से निरीक्षण करने के बाद, वे बाहर से स्थिति का जायजा लेने के लिए उक्त झूटी प्वाइंट से बाहर आ गए। बाहर से कमियों का अवलोकन करने के बाद, जब श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट मरम्मत और रख-रखाव दल को आवश्यक निर्देश देने के लिए उनकी ओर मुड़े, तो पाकिस्तानी क्षेत्र के भीतर से (उस क्षेत्र से, जो सीमा पिलर सं. 14 और 15 के समान दरों, ऊबड़-खाबड़ भूमि और घनी झाड़ियों से आच्छादित है) एक सिंगल स्नाइपर शॉट फायर किया गया और उसके बाद गोलियों की बौछार की गई। गोलियां श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट के पेट के बायीं ओर लगीं, तथापि, गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने स्थिति का आकलन किया और श्री संजय शेरकर, डिप्टी कमांडेंट तथा अन्य लोगों को कवर लेने के लिए तत्काल सावधान किया, जो उनके पीछे-पीछे फारवर्ड झूटी प्वाइंट के सामने की ओर आ रहे थे। साथ ही साथ, अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना और निडर साहस का प्रदर्शन करते हुए, श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट ने पोजीशन ले ली तथा तत्काल जवाबी कार्रवाई की और अपने निजी हथियार अर्थात् एके-47 (बट सं. 02, बॉडी सं. 88314544) से संदिग्ध क्षेत्र की दिशा में प्रभावशाली गोलीबारी की तथा निकटवर्ती फारवर्ड झूटी प्वाइंट अर्थात् सं. 1073 और 1075 को शत्रु की गोलीबारी का जवाब देने का निर्देश भी दिया। इसके अतिरिक्त, श्री संजय शेरकर, डिप्टी कमांडेंट और सब इंस्पेक्टर देवेन्द्र सिंह रेंगकर श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट की ओर गए और उन्हें रास्ते की सुरक्षित दिशा में ले आए। इस प्रक्रिया के दौरान, पाकिस्तानी सीमा चौकी अभ्याल डोगरा की ओर से भी सैन्य दस्तों की गोलीबारी का जवाब दिया गया और लगभग 10 मिनट तक गोलीबारी होती रही। इसी बीच, फारवर्ड झूटी प्वाइंट सं. 1073 के नजदीक खड़ी की गई बुलेट प्रूफ जिप्सी को फारवर्ड झूटी प्वाइंट सं. 1074 के नजदीक लाया गया और श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट को एक पूर्णरूपेण सुसज्जित बीएसएफ एम्बुलेंस में हीरानगर ले जाया गया। जैसे-जैसे समय बीतता गया, श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट बेहोश होने लगे और बुलाने पर केवल धीमे स्वर में उत्तर दे रहे थे। मार्ग में, घायल अधिकारी को एक्सिओस्टेट लगाई गई और उन्हें ऑक्सीजन भी दी गई। हीरानगर अस्पताल में, घायल अधिकारी को जीवन रक्षक दवाइयां देने, पुनः होश में लाने सहित सभी संभव जीवन रक्षक उपचार दिए गए और आगे 166 सेना अस्पताल सतवारी रेफर कर दिया गया। 166 सेना अस्पताल सतवारी पहुंचने पर, विशेषज्ञों की टीम ने भरसक प्रयास किया, परंतु श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट की जान नहीं बचा सके और लगभग 151310 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

यदि स्व. श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट ने स्नाइपर/गोलीबारी दल पर तत्काल जवाबी कार्रवाई और पलटकर गोलीबारी नहीं की होती, तो पाकिस्तान की ओर से गोलीबारी करने वाले लोग सैन्य दस्तों को भी और अधिक नुकसान पहुंचा सकते थे। बुरी तरह से घायल होने के बावजूद, स्व. श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट ने पूरे साहस और दृढ़ निश्चय के साथ प्रभावशाली गोलीबारी की और पाकिस्तान के गोलीबारी दल को गोलीबारी रोकने और पीछे हटने के लिए विवश कर दिया। इसलिए, अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना, स्व. श्री विनय प्रसाद, असिस्टेंट कमांडेंट बहादुरी से लड़े, पाकिस्तानी स्नाइपर्स को उचित जवाब दिया और इस प्रक्रिया में, कर्तव्य का पालन करते हुए राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस ऑपरेशन में स्व. विनय प्रसाद, सहायक कमांडेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15.01.2019 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/57/2020-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 45-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. प्रांजल पचानी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2.	अम्बुज कुमार श्रीवास्तव	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गांव ऐतराजपड़ के जंगल क्षेत्र में हिदमा के नेतृत्व में पीएलजीए की प्रथम बटालियन की मौजूदगी और “शहीद सप्ताह” के दौरान सुरक्षा बलों पर हमला करने की उनकी घृणित योजना के संबंध में एक विश्वसनीय खुफिया सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना की आगे एसआईबी, सीजी से पुष्टि की गई और सत्यापित सूचना के आधार पर, 208 कोबरा के सैन्य दस्तों द्वारा माओवादियों को पकड़ने के लिए एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। योजना के अनुसार, पुलिस स्टेशन भेजी, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत अत्यधिक माओवादी प्रभावित गांवों नामतः ऐतराजपड़, गच्छनपल्ली और बोधराजपादर पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए दिनांक 30.07.2016 को 0400 बजे सैन्य दस्ते ने प्रस्थान किया। श्री प्रणव शेखर, डिप्टी कमांडेंट ‘ए’ और ‘एफ’ 208 कोबरा, प्रत्येक की तीन टीमों का नेतृत्व कर रहे थे।

सैन्य दस्तों ने युक्तिपूर्वक और चोरी-छिपे भेजी कैम्प से लक्षित क्षेत्र की ओर प्रस्थान किया। जब सैन्य दस्ते गांव गच्छनपल्ली के नजदीक पहुंचे, तो स्काउट्स ने हथियारों के साथ काली डांगरी में 2-3 माओवादियों को देखा। इसकी सूचना तत्काल पार्टी कमांडर श्री प्रणव शेखर, डिप्टी कमांडेंट को दी गई। चूंकि माओवादियों ने सैन्य दस्तों को नहीं देखा था, इसलिए श्री प्रणव शेखर, डिप्टी कमांडेंट ने अपने सहयोगी टीम कमांडरों को संक्षेप में अवगत कराया और माओवादियों को घेरने तथा गिरफ्तार करने के लिए एक योजना तैयार की। तदनुसार, पार्टी कमांडर ने टीम संख्या 16, 17 और 18 को गोपनीयता बनाए रखते हुए तथा अत्यधिक सावधानी बरतते हुए आस-पास ‘कट-ऑफ’ लगाने का आदेश दिया। जब टीम संख्या 16 ‘कट-ऑफ’ लगा रही थी, तो टीम कमांडर श्री अम्बुज श्रीवास्तव, असिस्टेंट कमांडेंट ने देखा कि न जाने कहां से उनके पीछे की ओर से 30-40 माओवादी आ गए और उनकी टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

चूंकि सैन्य दस्ते सतर्क थे और किसी भी संभाव्य घटना से निपटने के लिए तैयार थे, इसलिए उन्होंने तुरंत पोजीशन ले ली और गोलीबारी का जवाब दिया। सैन्य दस्तों द्वारा किए गए शक्तिशाली जवाबी हमले का नेतृत्व टीम कमांडर, श्री अम्बुज कुमार श्रीवास्तव, असिस्टेंट कमांडेंट ने स्वयं आगे रहकर किया। उनके साथी जोड़ीदार कांस्टेबल प्रांजल पचानी ने उनका सक्रिय रूप से साथ दिया। उन दोनों ने माओवादियों पर जोरदार गोलीबारी करते हुए धावा बोल दिया, जिससे उनके बीच हड़बड़ी मच गई। दोनों शेरदिल जवानों की प्रभावकारी और सटीक गोलीबारी से बहुत से माओवादियों को चोटें आईं, जिन्होंने कवर के लिए भागना शुरू कर दिया। यद्यपि सैन्य दस्तों ने भाग रहे माओवादियों का पीछा किया, तथापि उनको एक भी माओवादी नहीं मिला, क्योंकि वे ऊबड़-खाबड़ जमीन का लाभ उठाकर भागने में सफल हो गए। यह सुनिश्चित हो गया था कि वहां से भागने वाले माओवादी अपने एक अन्य गुट में शामिल हो गए थे, जो ए/208 कोबरा के अन्य सैन्य दस्तों को घेरने का प्रयास कर रहा था।

इसी बीच, टीम कमांडर श्री अम्बुज कुमार श्रीवास्तव, असिस्टेंट कमांडेंट को पार्टी कमांडर द्वारा उन माओवादियों पर किनारे से हमला करने का निर्देश दिया गया, जो ए/208 कोबरा की टीम को घेरने का प्रयास कर रहे थे। समय गंवाए बिना प्रतिक्रिया करते हुए, वे अपनी टीम (सं. 16) के साथ माओवादियों पर किनारे से हमला करने के लिए तुरंत आगे बढ़े। श्री अम्बुज कुमार श्रीवास्तव सामने थे और उनके पीछे उनके साथी जोड़ीदार कांस्टेबल प्रांजल पचानी थे। जब टीम सं. 16 आगे बढ़ रही थी, तो लगभग 100-150 माओवादियों ने टीम पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। श्री अम्बुज कुमार श्रीवास्तव और कांस्टेबल प्रांजल पचानी सतर्क थे और उन्होंने गोलीबारी का प्रभावशाली ढंग से जवाब दिया। श्री अम्बुज कुमार श्रीवास्तव के अनुकरणीय नेतृत्व और कांस्टेबल प्रांजल पचानी द्वारा प्रदर्शित निडर दृष्टिकोण ने उनकी टीम के साथियों को प्रेरित किया और माओवादियों की अधिक संख्या की परवाह न करते हुए पूरी टीम ने माओवादियों पर धावा बोल दिया। ऐसे भयंकर जवाबी हमले के लिए तैयार और मुस्तैद न होने के कारण, माओवादियों ने पीछे हटना शुरू कर दिया। इसी समय, कांस्टेबल प्रांजल पचानी ने 4-6 माओवादियों को दायीं ओर से कोबरा दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए देखा। आसन्न खतरे को भांपते हुए, उन्होंने तुरंत उस दिशा में गोलीबारी की। सधी हुई गोली उनमें से दो लोगों को लगी। माओवादियों ने अपने बचाव में अपनी सारी गोलीबारी की ताकत कवर की ओर झोंककर अपने घायल काइरों और उनके हथियारों को वहां से हटाने की कोशिश की। तथापि, कांस्टेबल प्रांजल पचानी ऐसा होने देने के मूढ़ में नहीं थे। उन्होंने अदम्य साहस और निडरता का प्रदर्शन करते हुए अपने साथी सैन्य कर्मियों की कवर फायरिंग में आगे बढ़ना जारी रखा। इसी बीच, माओवादियों का एक अन्य गुट अचानक माओवादियों के उस हमले में शामिल हो गया और सुरक्षा बलों के विरुद्ध अपने हमले को तेज कर दिया। उनकी बढ़ी हुई संख्या और भारी गोलीबारी से विचलित हुए बिना कांस्टेबल प्रांजल पचानी माओवादियों की ओर बढ़ते रहे, तभी एक गोली उनके सिर में आकर लगी और वे तत्काल शहीद हो गए। उन्होंने मातृभूमि की सेवा करते हुए कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। टीम कमांडर ने अपना बहादुर सैनिक गंवा दिया, फिर भी अपना धैर्य बनाए रखते हुए, उन्होंने माओवादियों के विरुद्ध जवाबी हमला जारी रखा। प्रबल दृढ़निश्चय और अदम्य वीरता का प्रदर्शन करते हुए, श्री अम्बुज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम सं. 16 के कोबरा सैन्य दस्तों ने माओवादियों के घातक हमले का जवाब दिया, जिससे वे वहां से भागने के लिए विवश हो गए।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री स्व. प्रांजल पचानी, सिपाही और अम्बुज कुमार श्रीवास्तव, सहायक कमांडेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30.07.2016 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/49/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 46-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. लाजू एन. एस.	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2.	स्व. फतेह सिंह कुडप्पा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3.	स्व. लक्ष्मण पुर्ती	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
4.	अमित कुमार कौशिक	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	योगेन्द्र सैन	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	कुलदीप	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
7.	संजय चहल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
8.	मनोज बारिक	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

208 कोबरा के आसूचना सेल से एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि राबुला श्रीनिवास उर्फ रमन्ना, सचिव, डीकेएसजेडसी और हिंदमा कमांडर पीएलजीए प्रथम बटालियन सहित प्रमुख माओवादी नेता 2 मार्च, 2016 से सुकमा जिला, छत्तीसगढ़ के गांव टोंडामार्का और डुब्बामार्का के नजदीक कैम्प लगाएंगे। इन सूचनाओं को आगे आईबी, सीजी एसआईबी और एपी एसआईबी से सत्यापित किया गया। यह क्षेत्र माओवादियों का गढ़ माना जाता है और उन्होंने इसे स्वतंत्र क्षेत्र घोषित कर रखा है।

यह सुरक्षा बलों के लिए शीर्ष माओवादी नेताओं को एक बार में ही पकड़ने का एक अवसर था। तदनुसार, एक तलाशी और विनष्टीकरण ऑपरेशन (एसएडीओ) की योजना बनाई गई और इसे 01 मार्च, 2016 को 1730 बजे टीएसी/208 खम्मम से शुरू किया गया, जिसमें श्री पी.एस. यादव, कमांडेंट-208 कोबरा की समग्र कमान में डीआरजी (जिला रिजर्व गार्ड) और सिविल पुलिस के 02 प्रतिनिधियों के साथ-साथ 208 कोबरा की छह टीमें शामिल थीं। सैन्य दस्तों ने खम्मम से देवरापल्ली (टीएस) तक सिविल ट्रक से यात्रा की और उसके बाद लक्षित क्षेत्र तक पैदल (लगभग 35 किमी.) चलकर गए। सैन्य दस्ते 03 मार्च, 2016 को 0730 बजे गांव डुब्बामार्का पहुंचे और गांव के पूर्व में ऊंचाई पर एक अस्थाई बेस बनाया।

लगभग 1030 बजे, संतरियों ने निकटवर्ती क्षेत्र में 07 वर्दीधारी माओवादियों को देखा। इस पर, ऑपरेशन कमांडर ने श्री योगेन्द्र सैन, असिस्टेंट कमांडेंट को अपनी टीम (सं. 09) के साथ माओवादियों का पीछा करने का निदेश दिया। सैन्य दस्तों ने चोरी-छिपे माओवादियों का पीछा करना शुरू किया। जब सैन्य दस्ते माओवादियों के नजदीक पहुंचे, तो उन्होंने सैन्य दस्तों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। श्री योगेन्द्र सैन, असिस्टेंट कमांडेंट की टीम ने माओवादियों की गोलीबारी का प्रभावकारी जबाब दिया और उन्हें भागने पर विवश कर दिया। जब सैन्य दस्ते बेस की ओर वापस चले, तो भारी संख्या में माओवादियों ने बेस को घेरना शुरू कर दिया। 208 कोबरा के सैन्य दस्तों और माओवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ के दौरान, सब इंस्पेक्टर/जीडी राजवीर सिंह, जो श्री योगेन्द्र सैन के निकट लड़ रहे थे, के सीने में गोली के छरों से चोट लग गई। यह देखकर श्री योगेन्द्र सैन, असिस्टेंट कमांडेंट ने अपना कवर छोड़ दिया और अपने सहयोगी की सहायता से सब इंस्पेक्टर/जीडी राजवीर को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। उन्हें तत्काल प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की गई। उनकी हालत को ध्यान में रखते हुए, ऑपरेशन कमांडर श्री पी.एस. यादव, कमांडेंट-208 कोबरा ने उनके शीघ्र बचाव के लिए नजदीकी बेस कैप किस्ताराम लौटने का निर्णय लिया, जो घटना स्थल से 13.5 किमी. दूर था। सैन्य दस्तों ने किस्ताराम की ओर बढ़ना शुरू कर दिया।

बेस एल्यूमीनीय से 2 किमी. की दूरी तय करने के बाद, श्री अमित कुमार कौशिक, असिस्टेंट कमांडेंट ने 6-7 सशस्त्र माओवादियों की गतिविधि देखी, जो शीघ्र घात लगाने के लिए धान के खेत की मेड़ के साथ-साथ गुप्त रूप से रेंगकर चल रहे थे। श्री अमित कुमार कौशिक, असिस्टेंट कमांडेंट ने अपनी कुशाग्र ऑपरेशनल दक्षता का प्रदर्शन करते हुए, अपने सेक्शन को माओवादियों पर गोलीबारी करने का निदेश दिया, जिससे वे उस स्थान से भागने पर विवश हो गए। श्री अमित कुमार कौशिक, असिस्टेंट कमांडेंट की सूक्ष्म निगरानी ने माओवादियों को शीघ्र घात लगाने से रोक दिया। उसके बाद सैन्य दल ने आगे बढ़ना जारी रखा और गांव पोटकपल्ली के नजदीक पहुंच गया। जब सैन्य दस्तों ने गांव पोटकपल्ली को कवर करना शुरू किया, तो अचानक लगभग 1440 बजे, माओवादियों ने मानव शील्ड के रूप में ग्रामीणों का कवर लेते हुए गांव की 08-10 झोपड़ियों से अंधाधुंध गोलीबारी करना शुरू कर दिया। सैन्य दस्तों ने माओवादी हमले का जवाब दिया, परंतु वह प्रभावकारी साबित नहीं हुआ, क्योंकि माओवादी लाभकारी स्थिति में थे। गांव पोटकपल्ली में मुठभेड़ के दौरान, दायीं ओर लड़ रही टीम सं. 08 के कांस्टेबल/जीडी सोनाराम के पेट में एक गोली लग गई। माओवादियों ने उन सैनिकों पर सटीक निशाना लगाने के लिए स्नाइपर लगा रखी थी, जो घायल कांस्टेबल/जीडी सोनाराम को बचाने के लिए जा रहे थे। वे प्रभावकारी कवर फायरिंग के साथ युक्तिपूर्वक आगे बढ़े और उन्हें सुरक्षित पोजीशन पर वापस ले आए तथा तत्काल प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की।

ऑपरेशन कमांडर ने सैन्य दस्ते को योजना के अनुसार आगे बढ़ते रहने का निदेश दिया। जब सैन्य दस्ता गांव पोटकपल्ली से मुश्किल से 01 किमी ही आगे बढ़ा था, तभी अचानक माओवादियों के 7-8 छोटे गुटों ने सैन्य दस्तों पर पीछे की दिशा के साथ-साथ दायीं और बायीं ओर से दोबारा अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पेड़ की चोटी पर पोजीशन लिए हुए माओवादी स्नाइपर्स ने सैन्य दस्तों के लिए अत्यधिक खतरा पैदा कर दिया। सैन्य दस्ते माओवादियों के मारक क्षेत्र में फंस गए। तथापि, उन्होंने अपना धैर्य बनाए रखा और माओवादियों के हमले का जवाब देना शुरू कर दिया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए, श्री योगेन्द्र सैन, असिस्टेंट कमांडेंट ने एक कमांडो को माओवादियों पर यूबीजीएल से गोलीबारी करने का निदेश दिया। जब गोलीबारी चल रही थी, तब सब इंस्पेक्टर/जीडी यशवंत राउत, जो टीम सं. 09 के पीछे थे, को गोली से चोट लग गई। यह देखकर श्री योगेन्द्र सैन, असिस्टेंट कमांडेंट अपने सहयोगी के साथ सब इंस्पेक्टर यशवंत राउत को बचाने के लिए तत्काल आगे बढ़े। इस कार्रवाई के दौरान, उन्होंने 01 माओवादी को एलएमजी के साथ एक पेड़ पर पोजीशन लिए हुए और लगातार गोलीबारी करते हुए देखा। उन्होंने माओवादी पर निशाना लगाकर गोलीबारी की और उसे मार गिराया तथा उसके बाद सब इंस्पेक्टर/जीडी यशवंत राउत को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। घायल कार्मिक को बचाने के बाद, श्री योगेन्द्र सैन, असिस्टेंट कमांडेंट माओवादियों के विरुद्ध जवाबी हमले में शामिल हो गए। जब वे एक कवर से दूसरे कवर की ओर आगे बढ़ रहे थे, तो माओवादियों ने अपनी गोलीबारी की पूरी ताकत उनकी ओर झोंक दी, जिसके फलस्वरूप श्री योगेन्द्र सैन, असिस्टेंट कमांडेंट को गंभीर चोटें आईं। अपनी चोट के बावजूद, वे माओवादियों पर गोलीबारी करते रहे, जिसके परिणामस्वरूप कुछ माओवादी घायल हो गए। इसी बीच, श्री अमित कुमार कौशिक, असिस्टेंट कमांडेंट की नजर अपने साथी टीम कमांडर की चोटों पर पड़ी। उन्होंने इंस्पेक्टर/जीडी कुलदीप के साथ श्री योगेन्द्र सैन, असिस्टेंट कमांडेंट को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

जवाबी हमला प्रभावकारी साबित नहीं हो रहा था, क्योंकि माओवादी लाभपूर्ण स्थिति में थे। इस अवसर पर, कांस्टेबल/जीडी लक्ष्मण पुर्ती ने माओवादियों पर यूबीजीएल की प्रभावकारी गोलीबारी की। ग्रेनेड की सटीक लैंडिंग से माओवादियों को गंभीर चोटें आईं और उनकी काफी तबाही हो गई। गोलीबारी के दौरान, कांस्टेबल/जीडी लक्ष्मण पुर्ती ने एक वर्दीधारी माओवादी को मार गिराया और उसका शव तथा हथियार बरामद करने के लिए आगे बढ़े। इसी बीच, एक माओवादी स्नाइपर ने लक्ष्मण पुर्ती पर निशाना लगाकर गोली चलाई, जो उनके सीने में लगी। यद्यपि उनको गोली लगी थी, तथापि, उन्होंने स्नाइपर पर निशाना लगाकर गोली चलाई और उसे मार गिराया। ज्यादा खून बह जाने के कारण, वे बेहोश हो गए और उन्हें साथी सैनिकों द्वारा बचाकर निकाला गया। उनकी जान बचाई नहीं जा सकी और उन्होंने शहादत प्राप्त की।

इसी बीच, ऑपरेशन कमांडर अपने दल के साथ मोर्चे में शामिल हो गए और जवाबी हमला तेज कर दिया। कांस्टेबल/जीडी फतेह सिंह कुडप्पा सामने की ओर लड़ रहे थे। उन्होंने एक वर्दीधारी माओवादी को एक पेड़ के पीछे पोजीशन लिए हुए और एके-47 से गोलीबारी करते हुए देखा। बरसती हुई गोलियों के बीच, वे अपने कवर से बाहर निकले, रेंगकर उसके निकट गए, बिलकुल सधी हुई गोलीबारी की और माओवादी को मार गिराया। तथापि, इससे पहले कि वे कवर में जा पाते, उनके सीने में गोली लग गई। गोली से चोट लगने के बावजूद, वे बेहोश होने तक लगातार गोलीबारी करते रहे। कांस्टेबल/जीडी लाजू एन.एस. ने फतेह सिंह का हथियार छीनने के लिए 03 सशस्त्र माओवादियों को उनकी ओर आते हुए देखा। उन्होंने स्वयं एक कवर के पीछे पोजीशन ले ली और माओवादियों पर गोलीबारी की, जिससे वे हथियार छीने बिना ही पीछे हटने पर विवश हो गए। तत्पश्चात, जब वे दूसरा कवर लेने के लिए आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे थे, तब माओवादियों ने उन पर गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप उनके सीने में गोली लगने से चोटें आईं। कांस्टेबल/जीडी लाजू एन.एस. और कांस्टेबल/जीडी फतेह सिंह कुडप्पा की अपनी चोटों के कारण मृत्यु हो गई और उन्होंने शहादत प्राप्त की। लड़ाई जारी रहने के दौरान, कई माओवादी मारे गए और घायल हो गए, साथ ही कुछ कमांडो भी गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ समय के बाद जब दायीं और बायीं दोनों ओर मुठभेड़ चल रही थी, तब माओवादियों के एक गुट ने बीच वाले सैन्य दस्ते को निशाना बनाया, जिसमें घायलों को ले जाया जा रहा था। कांस्टेबल/जीडी संजय चहल ने पीछे से बहुत प्रभावकारी गोलीबारी की, जिसने माओवादियों को और आगे बढ़ने से रोक दिया, परन्तु इस प्रक्रिया में उनको भी गोली से चोट लग गई। अपनी चोटों के बावजूद, वे लगातार माओवादियों पर गोलीबारी करते रहे और उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसी बीच, सब इंस्पेक्टर/जीडी कुलदीप सिंह और कांस्टेबल/जीडी मनोज बारिक के साथ श्री अमित कुमार कौशिक, असिस्टेंट कमांडेंट अपनी जान को गंभीर खतरे में डालकर माओवादियों पर भारी गोलीबारी करते हुए घायलों की ओर आगे बढ़े। उन्होंने घायल सैनिकों को बाहर निकाला और उन्हें प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की। घायल सैनिकों को निकालने के बाद, तीनों ने एक आक्रामक हमला शुरू किया, जिससे माओवादी हतप्रभ हो गए

और उनके बीच हड़बड़ी मच गई। माओवादी भाग गए। उसके बाद, वे तीनों पीछे वाले मोर्चे में शामिल हो गए और माओवादियों के विरुद्ध जवाबी हमला तेज कर दिया। तेज जवाबी हमले के कारण, माओवादी अचंभित और आतंकित हो गए। कांस्टेबल/जीडी मनोज बारिक ने अपना कवर और पोजीशन बदलते हुए यूबीजीएल की बड़ी प्रभावकारी गोलीबारी की, जिससे माओवादियों को चोटें आईं। प्रभावकारी जवाबी हमले ने माओवादियों को पीछे हटने और अपनी जान बचाने के लिए भागने पर विवश कर दिया।

बंदूक की भयंकर लड़ाई में, 02 जवानों ने शहादत प्राप्त की, 14 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए और 04 जवानों को हल्की-फुल्की चोटें आईं। रुक-रुक कर यह मुठभेड़ 1900 बजे तक चलती रही। अंधेरा हो जाने के बाद, माओवादियों की ओर से गोलीबारी धीरे-धीरे कम हो गई और रुक गई। उक्त क्षेत्र माओवादियों का गढ़ होने के कारण, वे आसानी से हार मानने के लिए तैयार नहीं थे। यूएवी के विभिन्न अपडेटों के अनुसार, पूरी रात बड़ी संख्या में माओवादी सैन्य दस्तों के इर्द-गिर्द मौजूद थे। तदनुसार, सैन्य दस्तों ने अपनी सुरक्षा सुदृढ़ कर दी। 04 मार्च, 2016 को सुबह लगभग 0730 बजे, माओवादियों ने सैन्य दस्तों पर हमला करने का प्रयास किया, जिसका सैन्य दस्तों द्वारा मजबूती से जवाब दिया गया। लगभग 1130 बजे घटना स्थल पर अतिरिक्त सैन्य दस्ता पहुंच गया और पूरे सैन्य दल ने किस्ताराम लौटना शुरू कर दिया।

माओवादियों ने भारी संख्या (400 से अधिक) में हमला करके 24 घंटे से अधिक समय तक सैन्य दस्तों को अत्यधिक क्षति पहुंचाने का भरसक प्रयास किया, परन्तु अपनी रणनीतिक दक्षता, अदम्य वीरता, धैर्य और कर्तव्य के प्रति अपने समर्पण के कारण सैन्य दस्ते क्षति को न्यूनतम करने में सफल रहे। जवाबी हमले में अनेक माओवादी गिरते हुए दिखाई दिए। तथापि, प्रतिकूल स्थिति के कारण उनके शव बरामद नहीं किए जा सके। लेकिन, अपनी समीक्षा में माओवादियों ने यह स्वीकार किया कि उक्त घटना में 09 माओवादी घायल हुए हैं और वे कोबरा का कोई भी हथियार अपने कब्जे में लेने में असफल रहे हैं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री स्व. लाजू एन. एस., सिपाही, स्व. फतेह सिंह कुडप्पां, सिपाही, स्व. लक्ष्मण पुर्ती, सिपाही, अमित कुमार कौशिक, सहायक कमांडेंट, योगेन्द्र सैन, सहायक कमांडेंट, कुलदीप, उप निरीक्षक, संजय चहल, सिपाही और मनोज बारिक, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03.03.2016 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/86/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 47-प्रेज/202—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मुकेश कुमार साकेत	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	हेमंत सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	कनक रामचियारि	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	रंजन दास	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20 नवम्बर, 2018 को लगभग 0200 बजे, 23 पैरा से पुलिस स्टेशन एवं जिला शोपियां (जम्मू और कश्मीर) के अंतर्गत गांव नदिगम में 04 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक खुफिया सूचना प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होने पर, 23 पैरा, 34 आरआर, 14 बटालियन सीआरपीएफ और जम्मू तथा कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (सीएएसओ) की योजना बनाई गई और तदनंतर इसे शुरू किया गया। गांव नदिगम डीपीएल शोपियां से पूर्व दिशा में लगभग 7.5 किमी. की दूरी पर स्थित है। नदिगम घनी आबादी वाला गांव है, जिसमें लगभग 350 घर हैं और यह सेब के घने बगीचों से घिरा हुआ है। लक्षित घर एक नाले के ठीक पीछे था और यह सेब के घने बगीचों से ढंका हुआ था, जहां थोड़ी ही दूर से कुछ भी दिखाई नहीं देता था। गांव में ऑपरेशन को अंजाम देना सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि घनी झाड़ियों और ऊबड़-खाबड़ भूमि से आतंकवादियों को अच्छा कवर मिल जाता था। सूचना से यह पता चला कि आतंकवादियों ने मुख्य गांव से कुछ दूर एक दो मंजिला भवन में शरण ले रखी है। 14 बटालियन सीआरपीएफ की सीयू-ए, 23 पैरा तथा 34 आरआर द्वारा कड़ी

घेराबंदी की गई और एसओजी शोपियां ने स्वयं शोपियां-नदिगम के बीच संपर्क वाली सड़क पर लक्षित घर के चारों ओर पोजीशन ले ली। एक बार जब घेराबंदी कर दी गई, तो लक्षित घर के भीतर मौजूद सभी आम नागरिकों को एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। तत्पश्चात्, सेना, सीआरपीएफ और पुलिस की एक संयुक्त तलाशी टीम ने लक्षित घर और इसके निकटवर्ती क्षेत्रों की पूर्ण तलाशी ली, परंतु कुछ भी नहीं मिला। चूंकि आसूचना विशिष्ट और विश्वसनीय थी, इसलिए तलाशी दलों ने दूसरी बार उक्त घर की तलाशी शुरू कर दी। तलाशी के दौरान, प्रथम तल के शयन-कक्षों में से एक शयन कक्ष में ग्लास शटर वाले प्लाई के बने हुए शो-केस के साथ जुड़ी हुई असामान्य मोटाई वाली बाथरूम की दीवार दिखाई दी। यह संदेह करते हुए कि यह एक छिपने का स्थान हो सकता है, तलाशी दल ने शो-केस का शीशा हटाया और अंदाजा लगाकर दीवार पर गोलीबारी की। अचानक आतंकवादियों ने अपने छिपने के स्थान से सैन्य दस्तों पर गोलीबारी शुरू कर दी और एक ग्रेनेड फेंका। तलाशी दल गोलीबारी और विस्फोट में बाल-बाल बच गया। घर के भीतर मौजूद सैन्य दस्ते भवन के प्रथम तल से बाहर कूद गए और अपनी सुरक्षित पोजीशन पर पहुंच गए। आतंकवादियों और घेराबंदी के भीतर मौजूद सुरक्षा बलों के बीच भारी गोलीबारी शुरू हो गई तथा आतंकवादी इसमें फंस गए। संपर्क स्थापित हो जाने की सूचना प्राप्त होने पर, श्री एरिक गिलवर्ट जोस, कमांडेंट 14 बटालियन, सीआरपीएफ और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां अतिरिक्त सैन्य बल के साथ घटना स्थल की ओर चल पड़े और वहां स्थिति का जायजा लेकर उन सभी रणनीतिक स्थानों पर सैन्य दस्ते तैनात करके बाहरी घेराबंदी को सुदृढ़ कर दिया, जहां कानून और व्यवस्था की स्थिति की प्रत्याशा थी। आतंकवादियों और सैन्य दस्तों के बीच भोर होने तक गोलीबारी होती रही। आतंकवादी भवन के भीतर अपनी पोजीशन बदल कर बीच-बीच में गोलीबारी करते रहे। सं.075220725 कांस्टेबल/जीडी हेमंत सिंह और उनके साथी सं.115133626 कांस्टेबल/जीडी कनक रामचियारि ने स्थिति का मूल्यांकन करने के बाद एक एलएमजी ली और इसे सामने वाले भवन के प्रथम तल पर स्थापित किया और आतंकवादियों पर प्रभावकारी गोलीबारी के साथ जवाबी हमला किया। भारी गोलीबारी के दौरान, लक्षित भवन में आग लग गई। पूरा भवन आग की बड़ी लपटों में घिर गया, जिससे आतंकवादियों का भवन के भीतर रहना मुश्किल हो गया। एक बार लक्षित घर में आग लग जाने पर, 14 बटालियन की सीटीटी-ए आगे बढ़ी और लक्षित घर के नजदीक पोजीशन ले ली। आग की तपन से बचने की कोशिश में, एक आतंकवादी ने भीतरी घेराबंदी पर भारी गोलीबारी की और भवन से छलांग लगा दी तथा लक्षित घर के सामने एक कार के पीछे पोजीशन ले ली। अत्यधिक धैर्य और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, 14 बटालियन, सीआरपीएफ के सं.115139092 कांस्टेबल/जीडी रंजन दास और उनके साथी सं.135060365 कांस्टेबल/जीडी मुकेश कुमार साकेत, जिन्होंने लक्षित घर के बिल्कुल नजदीक पोजीशन ले रखी थी, ने रणनीतिक ढंग से अपनी पोजीशन बदल-बदल कर प्रभावकारी ढंग से जवाबी गोलीबारी की और यह सुनिश्चित किया कि आतंकवादी को काबू में कर लिया गया है तथा बाद में उक्त आतंकवादी को बिल्कुल नजदीक से मार गिराया। दो अन्य आतंकवादियों ने भी भवन से बाहर निकलने का जोरदार प्रयास किया और पीछे से बगीचे की ओर भागने की कोशिश की। 23 पैरा और 34 आरआर के सैन्य दस्ते आगे बढ़कर भवन के नजदीक पहुंच गए और उन्होंने उस स्थान की ओर पोजीशन ले ली, जहां से आतंकवादियों द्वारा अपने बच निकलने का प्रयास करने की संभावना थी। बच निकलने के प्रयास में, आतंकवादी सैन्य दलों पर भारी गोलीबारी करते हुए खिड़की से बाहर कूद गए। सैन्य दस्तों ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना और अत्यधिक साहस का प्रदर्शन करते हुए, आतंकवादियों को अपने हाथों से निकलने का कोई अवसर नहीं दिया और बिल्कुल नजदीक से गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप भाग रहे आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया गया। एक और आतंकवादी ने भी उस जलते हुए भवन से निकल कर किसी सुरक्षित स्थान पर जाने का प्रयास किया और निकटवर्ती भवन की ओर छलांग लगाने की कोशिश की। आतंकवादी की इस चालाकी को 14 बटालियन सीआरपीएफ की सीटीटी-ए टीम के कांस्टेबल/जीडी हेमंत सिंह और उनके साथी कांस्टेबल/जीडी कनक रामचियारि ने देख लिया। आतंकवादी ने उनकी ओर गोली चलाई, जिससे कांस्टेबल/जीडी हेमंत सिंह और उनके साथी कांस्टेबल/जीडी कनक रामचियारि को अपनी पोजीशन में रणनीतिक बदलाव करना पड़ा। इस अवधि के दौरान, आतंकवादी ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी और निकटवर्ती घर के सामने छलांग लगा दी तथा पैक किए गए सेब के कार्टनों के एक ढेर के पीछे पोजीशन ले ली। बिल्कुल नजदीक से गोलीबारी शुरू हो गई, कांस्टेबल/जीडी हेमंत सिंह और उनके साथी कांस्टेबल/जीडी कनक रामचियारि, जिन्होंने सुरक्षित पोजीशन ले रखी थी, रणनीतिक ढंग से अपने कवर से बाहर आ गए और अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादी पर गोलियों की बौछार शुरू कर दी और उसे मार गिराया। लगभग 0900 बजे आतंकवादियों की ओर से पूरी तरह गोलीबारी बंद हो गई। इसके बाद संयुक्त तलाशी दलों द्वारा भवन और इसके परिसरों की तलाशी के दौरान 04 एके राइफलों, 07 एके मैगजीनों और एके-47 के 129 राउंड के साथ-साथ आतंकवादियों के चार शव बरामद हुए, जिनकी पहचान आबिद निजर चोपन (गुट-हिजबुल मुजाहिदीन, श्रेणी-"ग"), पुत्र निजर अहमद चोपन, निवासी पद्मपोरा, पुलिस स्टेशन एवं जिला-शोपियां, इनामुल-हक उर्फ फहदउल्लाह (गुट-हिजबुल मुजाहिदीन, श्रेणी-"ग"), पुत्र मुबारक मलिक, निवासी मंदुजान, पुलिस स्टेशन हीरपोरा, जिला-शोपियां, मेहराज-उद-दीन नजर (गुट-हिजबुल मुजाहिदीन, श्रेणी-"ग"), पुत्र अब्दुल अहमद नजर, निवासी द्रावनी नागबल, पुलिस स्टेशन जैनापोरा, जिला-शोपियां और बशारत नेंगरू उर्फ उमरभाई (गुट-हिजबुल मुजाहिदीन, श्रेणी-"ग"), पुत्र अब्दुल रसीद नेंगरू, निवासी चोटीगाम, पुलिस स्टेशन एवं जिला-शोपियां के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में कांस्टेबल/जीडी मुकेश कुमार साकेत, कांस्टेबल/जीडी हेमंत सिंह, कांस्टेबल/जीडी कनक रामचियारि और कांस्टेबल/जीडी रंजन दास ने विषम परिस्थितियों में सफलता तथा राष्ट्र के सम्मान और अखंडता को बनाए रखने के लिए असाधारण और उत्कृष्ट बहादुरी, अदम्य साहस, झूठी के प्रति अत्यधिक समर्पण और प्रतिबद्धता तथा अदम्य संकल्प और उत्साह का प्रदर्शन किया तथा हिजबुल मुजाहिदीन गुट के चार खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता प्राप्त की।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मुकेश कुमार साकेत, सिपाही, हेमंत सिंह, सिपाही, कनक रामचियारि, सिपाही और रंजन दास, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20.11.2018 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/173/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन

विशेष कार्य अधिकारी

सं. 48-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	देवेन्द्र मोहन शर्मा	उप कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	बोरिचा हरेशभाई देसाभाई	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26 नवम्बर, 2018 को लगभग 1800 बजे पुलिस स्टेशन ताल के अंतर्गत पिंगलिश गांव के तिराहे के नजदीक संदिग्ध आतंकवादियों ने मेजर विक्रम सिंह के नेतृत्व वाले ए/42 आरआर के नाका दल पर गोलीबारी की। एक आवासीय क्षेत्र होने की वजह से, आतंकवादी अंधेरे की आड़ में बचकर निकल जाने में सफल हो गए। वे संभवतः पिंगलिश गांव के अरी मोहल्ला की ओर चले गए थे। आतंकवादियों के बच निकलने के मार्ग का पता लगाने के लिए खोजी कुत्ते का उपयोग किया गया, जो सैन्य दस्तों को उत्तरी दिशा में पिंगलिश गांव के अरी मोहल्ला की ओर ले गया, जिसमें लगभग 50 घर और पूर्व दिशा में बाहर की ओर सेब के बड़े बगीचे थे।

सूचना प्राप्त होने पर, 180 बटालियन की 'एफ' कंपनी के एक सैन्य दल के साथ श्री देवेन्द्र मोहन शर्मा, डिप्टी कमांडेंट (आईआरएलए 7470) ने तत्काल पिंगलिश गांव के दक्षिण की ओर बहने वाले नाले की बगल में नाका लगा दिया। श्री राजेश कुमार, कमांडेंट और श्री संजय कुमार, सेकंड-इन-कमांड भी यूनिट क्यूएटी के साथ तुरंत पिंगलिश की ओर चल पड़े और अरी मोहल्ला के चारों ओर घेराबंदी कर दी। 27 नवम्बर को लगभग 0300 बजे, जब अरी मोहल्ला के घर-घर में तलाशी चल रही थी, तो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तीपोरा को एक तकनीकी सूचना प्राप्त हुई कि अंसार गजावत-उल-हिंद (एजीयूएच) के आतंकवादियों ने पिंगलिश से लगभग 2.5 किमी. और 180 बटालियन मुख्यालय, ताल से 4 किमी. दूर पिंगलिश-ह्यूना रोड पर रेशीपोरा गांव के बानी मोहल्ला के एक घर में शरण ले रखी है। तदनुसार, रेशीपोरा गांव में सिविल पुलिस के साथ एक और घेराबंदी एवं तलाशी ऑपरेशन (सीएसओ) चलाने के लिए पिंगलिश से 42 आरआर और 180 बटालियन सीआरपीएफ के कुछ सैनिक बुलाए गए।

लगभग 0330 बजे, मेजर नवीन रेड्डी के साथ डी/42 आरआर और मेजर शक्ति सिंह की कमान में 42 आरआर के टैक्टिकल ऑपरेशन बेस (टीओबी) सतूरा से एक टीम, श्री देवेन्द्र मोहन शर्मा, डिप्टी कमांडेंट (आईआरएलए 7470) की कमान में सी/180 बटालियन की 02 प्लाटून और श्री अजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (एसडीपीओ ताल) की कमान में सिविल पुलिस की एक टीम रणनीतिक ढंग से आगे बढ़ी और रेशीपोरा गांव के बानी मोहल्ला को घेर लिया। लगभग 0530 बजे श्री देवेन्द्र मोहन शर्मा, डिप्टी कमांडेंट (आईआरएलए 7470) ने मेजर नवीन रेड्डी से विचार-विमर्श किया और लक्षित घर को कवर करने तथा बचकर निकलने के संभावित बचाव मार्गों को बंद करने के लिए अपनी टीम को शीघ्रतापूर्वक और रणनीतिक ढंग से भीतरी घेराबंदी में तैनात कर दिया। लक्षित घर की अन्य दो दिशाओं को 42 आरआर के सैन्य दस्तों द्वारा कवर किया गया। लक्षित घर का अहाता लगभग 50x50 मीटर का था, जो आयताकार रूप में फैला हुआ था और वह घर ईंटों की बनी हुई 15x15 वर्ग मीटर के आकार की एक मंजिला इमारत थी, जिसका मुख्य द्वार पूर्व मुखी था और अहाते के उत्तर-पूर्व में अलग-अलग शौचालय ब्लॉक बने हुए थे। लक्षित घर के पूर्व में पिंगलिश-ह्यूना रोड थी और रोड के उस पार रोड के समानांतर पर्वत श्रेणी थी। पड़ोस में लगभग 50 गज की दूरी पर उत्तर-पूर्व दिशा में एक निर्माणाधीन मकान स्थित था।

लगभग 0630 बजे, पौ फटने के बाद मेजर नवीन रेड्डी और श्री देवेन्द्र मोहन शर्मा, डिप्टी कमांडेंट (आईआरएलए 7470) के नेतृत्व में क्रमशः 42 आरआर और सी/180 की 02 संयुक्त टीमों ने सिविल पुलिस के साथ बानी मोहल्ला के घर-घर की तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान, जब अपने सहयोगी सं. 145121259 कांस्टेबल बोरिचा हरेशभाई देसाभाई के साथ देवेन्द्र मोहन शर्मा के नेतृत्व वाला तलाशी दल सोहेल, उम्र 22 वर्ष, पुत्र फारूक अहमद लोन के घर पहुंचा, तो वह अपने घर के बाहर आ गया। जब उससे पूछताछ की गई, तो वह बेचैन और भयभीत प्रतीत हुआ, परंतु धीरे-धीरे, तलाशी दल के कमांडर द्वारा विश्वास में लिए जाने के बाद उसने बताया कि अंसार गजावत-उल-हिंद का एक सशस्त्र आतंकवादी पिछली रात से उसके घर में मौजूद है। एक बार आतंकवादी की मौजूदगी की पुष्टि हो जाने पर, लक्षित घर के चारों ओर कड़ी घेराबंदी कर दी गई, जिसमें बचकर निकलने के सभी संभावित मार्गों को कवर कर दिया गया। सैन्य दस्तों द्वारा यथा निर्धारित पोजीशन ले लेने के बाद, देवेन्द्र मोहन शर्मा, डिप्टी कमांडेंट (आईआरएलए 7470) ने अपने सहयोगी कांस्टेबल बोरिचा हरेशभाई देसाभाई के साथ

लक्षित घर की उत्तर-पूर्व दिशा में उस निर्माणाधीन घर की सीढ़ियों के नजदीक पोजीशन ले ली, जो लक्षित घर से लगभग 50 गज की दूरी पर स्थित था। तत्पश्चात्, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली पर घोषणा की गई, जिसमें आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई। तथापि, यह अपील काम नहीं आई, इसकी बजाय उसने सैन्य दस्तों को निशाना बनाकर गोलियों की बौछार के साथ उत्तर दिया, जिससे आतंकवादी और सुरक्षा बलों के बीच बंदूक की लड़ाई शुरू हो गई। आतंकवादी बार-बार पोजीशन बदलकर घर के भीतर से गोलीबारी कर रहा था। चूंकि वह घर के भीतर सुरक्षित रूप से छिपा हुआ था, इसलिए सुरक्षा बलों की गोलीबारी का कोई प्रभाव नहीं हुआ।

तथापि, विशेष तौर पर यूबीजीएल के साथ की गई गोलीबारी की तीव्रता के कारण उक्त घर के लकड़ी के ढांचे में आग लग गई, जो बहुत तेजी से फैल गई। आग की गर्मी को सहन न कर पाने के कारण, आतंकवादी ने उस जलते हुए घर से बचकर निकलने का प्रयास किया और एक हैंड ग्रेनेड फेंकने के बाद खिड़की से बाहर छलांग लगा दी तथा घर के पास बने हुए बाथरूम में पोजीशन ले ली। उस दिशा से घर और बाथरूम को कवर करने के लिए श्री देवेन्द्र मोहन शर्मा, डिप्टी कमांडेंट ने पहले से ही पोजीशन ले रखी थी। आतंकवादी ने श्री देवेन्द्र मोहन शर्मा, डिप्टी कमांडेंट और कांस्टेबल बोरिचा हरेशभाई देसाभाई की दिशा में गोलीबारी की, परंतु बैलिस्टिक शील्ड ने आतंकवादी की गोलीबारी को रोकने में उन्हें मजबूत कवर प्रदान किया। आतंकवादी घेराबंदी को तोड़ने का प्रयास कर रहा था और अपने बचकर निकलने के प्रयास में उसने दोबारा हैंड ग्रेनेड फेंका तथा देवेन्द्र मोहन शर्मा, डिप्टी कमांडेंट और उनके सहयोगी की दिशा में अंधाधुंध गोलीबारी की। अपनी स्वयं की सुरक्षा की परवाह न करते हुए और वहां से डिगने अथवा पीछे हटने के अनिच्छुक, देवेन्द्र और उनके सहयोगी दोनों ही शत्रु के हमले का दृढ़ता से जवाब देते हुए अपनी पोजीशन पर डटे रहे। जब आतंकवादी उनकी दिशा में बढ़ा, तो देवेन्द्र मोहन शर्मा, डिप्टी कमांडेंट और उनके सहयोगी ने अदम्य साहस और अत्यधिक धैर्य का प्रदर्शन करते हुए आगे बढ़ रहे आतंकवादी पर प्रभावकारी ढंग से गोलीबारी की और उसे मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में शाकिर अहमद डार, निवासी रसतूना, अंसार गजावत-उल-हिंद (एजीयूएच) के डिप्टी चीफ और जाकिर मूसा, एजीयूएच गुट के चीफ के निकट सहयोगी के रूप में की गई और वह तीन वर्षों से सक्रिय था। 01 एके 56 राइफल, मैगजीन और मिलते-जुलते गोलाबारूद भी बरामद किए गए।

ऑपरेशन में श्री देवेन्द्र मोहन शर्मा, डिप्टी कमांडेंट ने कुशल नेतृत्व गुण और रणनीतिक मूल्यांकन का प्रदर्शन किया तथा आतंकवादी द्वारा अपनाए जा सकने वाले बच निकलने के मार्ग का स्पष्ट रूप से अनुमान लगाते हुए पोजीशन संभाली और मार्ग को अपने सहयोगी कांस्टेबल बोरिचा हरेशभाई देसाभाई की उतनी ही वीरतापूर्ण सहायता से अवरूद्ध कर दिया, जिन्होंने अपने कमांडर द्वारा उनमें जताए गए विश्वास और भरोसे को बनाए रखा तथा कार्य को पूर्ण करना सुनिश्चित किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री देवेन्द्र मोहन शर्मा, उप कमांडेंट और बोरिचा हरेशभाई देशाभाई, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 26.11.2018 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/174/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 49-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अनुरूद्ध प्रताप	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	इम्तियाज नसीर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	सायर अहमद डार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.11.2018 को, पुलिस स्टेशन जैनापोरा के अंतर्गत रेबान गांव में दो खूंखार आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। बताया गया था कि वे अपने निकट सहयोगी सफानगरी के मीर इदरीस सुलतान, जो सफानगरी में ही 6 नवम्बर, 2018 को हुई मुठभेड़ में मारा गया था, के मारे जाने का प्रतिशोध लेने के लिए सुरक्षा बलों के कैम्प पर प्रभावशाली हमले की योजना बना रहे हैं। सूचना की विश्वसनीयता को देखते हुए, 178वीं बटालियन सीआरपीएफ, प्रथम आरआर और एसओजी जैनापोरा के साथ मिलकर तत्काल एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई।

शोपियां का जैनापोरा सब-डिवीजन आतंकवादियों का गढ़ है और पिछले एक साल में यहां कई मुठभेड़ें हुई हैं। जैनापोरा-शोपियां की मुख्य धुरी से कुछ अलग-थलग और सुरक्षा प्रतिष्ठानों से दूर होने की वजह से रेबान आतंकवाद का संवर्धन स्थल रहा है। आतंकवादी इसे आश्रय और अपनी योजना तैयार करने के उद्देश्य से पसंद करते हैं। रेबान 178वीं बटालियन के यूनिट मुख्यालय से लगभग 7 किमी. और जैनापोरा स्थित ई/178 के साथ-साथ एसओजी जैनापोरा से लगभग 9 किमी. दूर है।

सूचना पर कार्रवाई करते हुए श्री अनुरूद्ध प्रताप, असिस्टेंट कमांडेंट ई/178 की कमान में ई/178, श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी ऑपरेशन की कमान में क्यूएटी 178 और सी/178 की एक संयुक्त टीम प्रथम आरआर और एसओजी जैनापोरा के घटकों के साथ रेबान के लिए निकली। देर रात होने के बावजूद, घेराबंदी किए जाने तक विस्मय बनाए रखना सबसे पहली प्राथमिकता थी। रेबान गांव से काफी पहले वाहन छोड़ दिए गए और संयुक्त टीमों द्वारा शीघ्र घेराबंदी की गई। तलाशी के दौरान, घेराबंदी के अंतिम घर के मालिक ने अपने घर में दो आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की। इस समय तक टीमों ने अन्य घरों की तलाशी पहले ही कर ली थी और अपने सहयोगी कांस्टेबल/जीडी सायर अहमद डार के साथ श्री अनुरूद्ध प्रताप सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट की कमान में ई/178 की सीटीटी लक्षित घर के सामने वाले घर के पास पहुंच गई। इसी बीच, सैन्य दस्तों को अपने नजदीक भांपकर, आतंकवादियों ने उस स्थान से बच निकलने के प्रयास में सैन्य दस्तों पर गोलीबारी शुरू कर दी और बाद में हैंड ग्रेनेड भी फेंके। परंतु केवल 30-35 मीटर दूर एक निर्माणाधीन घर में पोजीशन लिए हुए सीटीटी ई/178 के सतर्क सैनिकों ने अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से जवाबी हमला किया। निर्माणाधीन होने के कारण उस तल में कोई खिड़की अथवा अन्य फिटिंग नहीं थी और वह हैंड ग्रेनेड की भी बहुत ज्यादा रेंज में था तथा क्यूएटी 178 की भी वही स्थिति थी। परंतु, अपने बहादुर कमांडरों की कमान में सीटीटी ई/178 और क्यूएटी 178 की निडर टीम पोजीशन पर डटी रही और उस घर पर रणनीतिक ढंग से गोलीबारी करती रही, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे। गोलीबारी करने हेतु उपयुक्त स्थान की तलाश में, 178वीं बटालियन के कांस्टेबल/जीडी इम्तियाज नसीर ने अपनी जान की परवाह किए बिना भारी गोलीबारी के बीच अपनी पोजीशन बदल ली। इसी बीच, एक आतंकवादी सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए बाहर आ गया। उस आतंकवादी द्वारा की गई गोलियों की बौछार सीटीटी ई/178 की ओर आई, जिसमें श्री अनुरूद्ध प्रताप, असिस्टेंट कमांडेंट ई/178 के सहयोगी कांस्टेबल/जीडी सायर अहमद के बाएं पैर में गोली से चोट लग गई, जिसे उन्होंने युद्ध की भावना के आवेश में देखा तक नहीं और वे उस पर गोलीबारी करते रहे। जब लक्षित घर की चाहर दीवारी के दायरे में बने एक शौचालय के नजदीक छिपा आतंकवादी 178 बटालियन की क्यूएटी पर गोलीबारी करता हुआ मुख्य द्वार की तरफ भागा, तो कांस्टेबल/जीडी इम्तियाज नसीर ने घातक खतरों को नजरअंदाज करते हुए उस पर गोलीबारी की। इस गोलीबारी में श्री अनुरूद्ध प्रताप, असिस्टेंट कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी सायर अहमद डार की गोलीबारी द्वारा उनकी सहायता की गई। इन तीनों लोगों के संयुक्त प्रयास के फलस्वरूप आतंकवादी मारा गया।

इस आतंकवादी के मारे जाने के तुरंत बाद, कांस्टेबल/जीडी सायर अहमद डार को अपने पैर में हल्का दर्द और चिपचिपाहट महसूस हुई। जूते उतारने पर, उनको गोली से चोट लगने का पता चला। परंतु कांस्टेबल/जीडी सायर अहमद डार शांत और चुप रहे तथा सुरक्षा बलों की कवर फायरिंग के बीच, अपने पैर में गोली से चोट लगी होने के बावजूद स्वयं पैदल चलकर गाड़ी तक गए और घेराबंदी वाले क्षेत्र को छोड़ने से पहले उन्होंने लक्षित घर पर कुछ गोलियां चलाईं। इसी बीच दूसरा आतंकवादी भी अपने हथियार से गोलीबारी करते हुए घर से बाहर आ गया और उसने सुरक्षा बलों पर ग्रेनेड फेंकने की कोशिश की। सीटीटी ई/178 और क्यूएटी 178 दोनों ही पूरी तरह से हैंड ग्रेनेड की पहुंच में थे। यदि उसने यह ग्रेनेड फेंक दिया होता, तो समानांतर क्षति से बचा नहीं जा सकता था। परंतु श्री अनुरूद्ध प्रताप, असिस्टेंट कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी इम्तियाज नसीर ने शानदार साहस का प्रदर्शन किया और आतंकवादी को सुरक्षा बलों पर ग्रेनेड फेंकने का कोई अवसर दिए बिना उस पर गोलीबारी की। सशस्त्र ग्रेनेड स्वयं आतंकवादी के ही नजदीक गिरा और अपने आप वहीं फट गया, जिससे आतंकवादी की मृत्यु हो गई। लक्षित घर की तलाशी के दौरान, दो खूंखार आतंकवादियों के शव बरामद हुए, जिनकी पहचान नाज अहमद वागे उर्फ फुरकान भाई, पुत्र स्व. गुलाम कादिर वागे, निवासी- रेबान, पुलिस स्टेशन- जैनापोरा, शोपियां, श्रेणी 'ग' और यावर अहमद वानी, पुत्र अली मोहम्मद वानी, निवासी- बटनूर, पुलिस स्टेशन-लिट्टर, जिला पुलवामा, श्रेणी 'ग' के रूप में की गई, जो अल बदर तंजीम से जुड़े हुए थे। दो आतंकवादियों के मारे जाने के अतिरिक्त, 04 एके-47, 01 पिस्तौल, 02 एके-47 मैगजीन, 65 जिंदा एके-47 गोला-बारूद आदि भी बरामद किए गए।

उपर्युक्त ऑपरेशन में, श्री अनुरूद्ध प्रताप, असिस्टेंट कमांडेंट (आईआरएलए-9824), सं. 135281125 कांस्टेबल/जीडी इम्तियाज नसीर और सं. 115344021 कांस्टेबल/जीडी सायर अहमद डार ने असाधारण वीरता, अदम्य साहस और झूटी के प्रति उच्च कोटि की प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रदर्शन किया तथा अल बदर गुट के दो खूंखार आतंकवादियों को मारने और 01 एके-47, 01 पिस्तौल, 02 एके-47 मैगजीन और गोला-बारूद बरामद करने में सफल हुए।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री अनुरूद्ध प्रताप, सहायक कमांडेंट, इम्तियाज नसीर, सिपाही और सायर अहमद डार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18.11.2018 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/176/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 50-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विकास कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	रामशरण यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.12.2018 को पुलिस स्टेशन-अवंतीपोरा, जिला-पुलवामा (जम्मू और कश्मीर) के अंतर्गत रेंजीपोरा गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में सिविल पुलिस अवंतीपोरा से सूचना प्राप्त हुई थी। तदनुसार, उपयुक्त ब्रीफिंग के बाद सैन्य दस्ते को उस क्षेत्र की ओर रवाना किया गया तथा श्री राजेश कुमार, 2-आई/सी, एसओजी अवंतीपोरा की कमान में ए/130वीं बटालियन, क्यूएटी/130 की एक विशेष ऑपरेशन टीम और 55 आरआर द्वारा एक संयुक्त कार्डन एवं सर्व ऑपरेशन चलाया गया। सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र की घेराबंदी करने के पश्चात, एसएसपी अवंतीपोरा ने सीटीटी ऋषिपोरा 185वीं बटालियन, ई/130वीं बटालियन और ई/110वीं बटालियन के एलओ घटकों को भी कानून-व्यवस्था की स्थितियों को बनाए रखने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। सभी बिन्दुओं से घेराबंदी को मजबूत करने के बाद, श्री राजेश कुमार, 2-आई/सी की कमान में 130वीं बटालियन सीआरपीएफ के सैन्य दस्ते ने आतंकवादियों के छिपने के ठिकाने की ओर बढ़ना शुरू किया। क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों का उपयुक्त रूप से मुआयना कर लेने और अन्य सुरक्षा बलों के कमांडरों के साथ विचार-विमर्श के बाद, श्री राजेश कुमार, 2-आई/सी ने 130वीं बटालियन के सैन्य दस्ते को दो टीमों में विभाजित कर दिया। नं. 155110125 कांस्टेबल/जीडी विकास कुमार, नं. 155110072 कांस्टेबल/जीडी रामशरण यादव और कुछ अन्य जवानों के साथ नं. 031450399 इंस्पेक्टर/जीडी संजीव कुमार एक टीम में शामिल थे, जबकि दूसरी टीम में कांस्टेबल/जीडी संदीप, कांस्टेबल/जीडी संदीप कुमार और अन्य जवानों के साथ श्री राजेश कुमार, 2-आई/सी शामिल थे। इंस्पेक्टर/जीडी संजीव कुमार के नेतृत्व वाली पहली टीम आगे बढ़ने लगी और उन्होंने आतंकवादियों को गिरफ्तार करने अथवा उनका खात्मा करने के उद्देश्य से छिपने के स्थान की दाहिनी तरफ मोर्चा संभाला। दूसरी टीम द्वारा दिए गए कवर फायर की सहायता से पहली टीम ने छिपने के स्थान की ओर बढ़ना शुरू किया। सैन्य दस्ते को आगे बढ़ता देखकर, आतंकवादियों ने अपनी ओर आते सैन्य दस्ते को मार देने के इरादे से अपनी पोजीशन से उन पर फायरिंग कर दी। आतंकवादियों के छिपने की जगह एक छोटी पहाड़ी पर थी और वे हावी होने की स्थिति में थे, परन्तु सीआरपीएफ के सैन्य दस्ते ने उत्तम युद्ध नीति का परिचय देते हुए अपने जीवन की परवाह किए बिना भारी गोलीबारी के बीच लगातार आगे बढ़ना जारी रखा और जवाबी गोलीबारी की। शुरूआती बंदूकबाजी के दौरान, पार्टी गुप्त रूप से छिपे आतंकवादियों को प्रभावी रूप से उलझाने में सफल नहीं हो पा रही थी, क्योंकि उन्होंने खुद को छिपने वाली जगह में अच्छी तरह से किलेबंद रूप में स्थापित किया हुआ था और वे करीब आती हुई सीआरपीएफ पार्टी पर गोलियां बरसा रहे थे। इसी दौरान, इंस्पेक्टर संजीव कुमार, जो टीम की कमान कर रहे थे, ने छिपने वाली जगह के समीप एक अन्य छोटी पहाड़ी को देखा और उन्होंने सोचा कि इसका इस्तेमाल फायरिंग कर रहे आतंकवादियों को लक्ष्य बनाने के लिए एक बेहतर मोर्चा के रूप में किया जा सकता है। उन्होंने अपनी योजनाओं के अनुरूप कार्रवाई की और उस मोर्चे पर तुरंत पहुंचने और वहां से आतंकियों को उलझाकर रखने के लिए कांस्टेबल/जीडी विकास कुमार और कांस्टेबल/जीडी रामशरण यादव को आदेश दिया। कांस्टेबल/जीडी विकास कुमार और कांस्टेबल/जीडी रामशरण यादव ने तुरंत ही अपने कमांडरों द्वारा दिये गये निर्देशों पर कार्रवाई की और वे हावी होने वाली जगह पर मोर्चा संभालने के लिए आगे बढ़ने लगे। उन दोनों को देखकर, आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। भारी गोलीबारी और प्राणों को खतरे के बावजूद, दोनों जवानों ने अपनी पोजीशन संभाली और आतंकवादियों पर फायरिंग की। कुछ समय तक रूक-रूक कर गोलीबारी जारी रही। इसी बीच, एक आतंकवादी ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू की और वह घेराबंदी तोड़ने और भाग निकलने की फिराक में ढलान की ओर दौड़ने लगा। उस आतंकवादी को देखकर, कांस्टेबल/जीडी विकास कुमार और कांस्टेबल/जीडी रामशरण यादव जल्दी से अपने मोर्चों से बाहर निकले और भाग रहे आतंकवादी पर गोलियां चलाईं। दोनों ही कांस्टेबल एक खुले इलाके में आ गए थे और आतंकवादी की गोलियों का सीधे सामना कर रहे थे। कांस्टेबल/जीडी विकास कुमार और कांस्टेबल/जीडी रामशरण यादव ने असाधारण बहादुरी और साहस का प्रदर्शन किया और उन्होंने रोंगटे खड़े कर देने वाली आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में, इश्तफाक अहमद वानी पुत्र/स्वर्गीय श्री मोहम्मद यूसुफ वानी, निवासी-कोइल, जिला-पुलवामा के रूप में की गई। तथापि, अन्य आतंकवादी इलाके में घनी झाड़ियों और वनों का लाभ उठाकर बच निकले। पूरे ऑपरेशन में लगभग 30 मिनट तक गोलीबारी होती रही। तत्पश्चात, गोलीबारी रुकने के बाद चतुराई से इलाके की तलाशी की गई और इस प्रक्रिया में 01 एके47 राइफल, 02 एक मैगजीनों और एके47 के जिंदा 40 राउंड के साथ एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया। एक खुले इलाके में आतंकवादियों के साथ आमने-सामने की अत्यधिक चुनौतीपूर्ण बंदूक की लड़ाई में, 130वीं बटालियन, सीआरपीएफ के कांस्टेबल/जीडी विकास कुमार और कांस्टेबल/जीडी रामशरण यादव ने अपने जीवन की परवाह किए बिना अदम्य साहस का परिचय दिया और लश्कर-ए-तैयबा गुट के एक आतंकवादी को मार गिराया। एक समय, ये दोनों जवान आतंकवादियों के समक्ष प्रत्यक्ष रूप से घिर चुके थे और आतंकवादियों के लिए एक आसान लक्ष्य बन चुके थे। दोनों ही जवानों ने अपना मनोबल ऊंचा रखा और हर पल में उपयुक्त निर्णय लिया और लड़े।

कांस्टेबल/जीडी विकास कुमार और कांस्टेबल/जीडी रामशरण यादव, 130वीं बटालियन ने असाधारण और विशिष्ट बहादुरी, अदम्य साहस, कर्तव्य के प्रति पूर्ण समर्पण एवं प्रतिबद्धता और देश के सम्मान एवं अखंडता को बनाए रखने के प्रति अदम्य इच्छा एवं जुनून का प्रदर्शन किया और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के खूंखार आतंकवादी का सफाया करने में कामयाब रहे।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री विकास कुमार, सिपाही और रामशरण यादव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28.12.2018 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/189/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 51-प्रेज/2021-राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नीतीश कुमार दुबे	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	राणा जुल्फकार अली	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	ईरशाद अहमद हजाम	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	राजू सरकार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.10.2018 को श्रीनगर शहर के नौगाम इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एसओजी श्रीनगर से एक इनपुट प्राप्त हुआ था, जिसे एसओजी श्रीनगर द्वारा सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी के साथ साझा किया गया। श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट और श्री एल. इबोम्बा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट ने ऑपरेशनल योजना जैसे कि पहुंचने के मार्गों, इलाके की टोपोग्राफी, विभिन्न टीमों को कार्य सौंपने और आकस्मिक योजना आदि पर विचार-विमर्श किया। तदनुसार, श्री एल. इबोम्बा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट और श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट के साथ-साथ श्री अभिनव भूषण, 2-आई/सी प्रभारी वैली क्यूएटी ने पार्टियों को ब्रीफ किया और नौगाम इलाके में पहुंच गए।

तुरंत ही, 50 आरआर और एसओजी श्रीनगर समेत श्री अभिनव भूषण, 2-आई/सी की सम्पूर्ण देख-रेख में श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट और श्री एल. इबोम्बा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट के नेतृत्व वाली वैली क्यूएटी की 02 टीमों के वहां पहुंचने पर वनबल, नौगाम के सामान्य इलाके में एक कार्डन एंड सर्च ऑपरेशन की कार्रवाई शुरू की गई। दिनांक 24.10.2018 को लगभग 0220 बजे, जिस समय तलाशी कार्य चल रहा था, एक घर में छिपे आतंकवादी ने सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलियों की बौछार कर दी। परन्तु, नजदीक से गुजरने वाली गोलियों से घबराये बिना, सर्च पार्टी ने भी गोलीबारी का समान रूप से जवाब दिया। हालांकि, आतंकवादियों की गोलीबारी ने उनकी उपस्थिति और स्थान की पुष्टि कर दी। तदन्तर, वैली क्यूएटी, 50 आरआर और एसओजी श्रीनगर के सैन्य दस्तों द्वारा अंदरूनी घेराबंदी को मजबूत कर दिया था तथा इलाके और टारगेट हाउस को उजागर करने के लिए फोकस लाइटें लगा दी।

संबंधित स्थान पर, कमांडरों ने रणनीति पर विचार-विमर्श किया और ऑपरेशनल टीमों का नये स्वरूपों में नये सिरे से गठन किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों को आत्मसमर्पण कराने के सभी प्रयास किए गए, परन्तु सब व्यर्थ साबित हुए। आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण नहीं किया और वे लगातार सैन्य दस्ते पर अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। इसलिए, टीमों ने टारगेट हाउस के आसपास के इलाके में आम नागरिकों, जिसमें महिलाएं, बच्चे और वृद्ध व्यक्ति शामिल थे, को बाहर निकलाने का असंभव लगने वाला कार्य शुरू किया।

कोई अन्य विकल्प नहीं बचने की स्थिति में, रणनीति के एक भाग के रूप में आतंकवादियों से मुठभेड़ करने और उनके आतंक से इलाके को मुक्त कराने के लिए यह निर्णय लिया गया, कि इमारत के भीतर बम और गोलियां दागी जाएं और आतंकवादियों को अपने सुरक्षित कवर से बाहर निकालने के लिए मजबूर किया जाए। फायरिंग की प्रभावशीलता के बारे में पूरी तरह से आश्वस्त होने के लिए एसआई/जीडी नीतीश कुमार दुबे, उनके साथी कांस्टेबल/जीडी इरशाद अहमद हजाम तथा कांस्टेबल/जीडी राणा जुल्फिकार अली एवं उनके साथी राजू सरकार के साथ श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट, श्री एल. इबोम्बा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट द्वारा टारगेट हाउस की नजदीकी से टोह ली गई। इन

अधिकारी और जवानों ने हावी होने की स्थिति में बैठे हुए आतंकवादियों की नाक के नीचे किसी भौतिक कवर के बिना और नजर बचाकर अंधेरे में ही घर के चारों ओर घेरा डाल दिया। जैसे ही घर की टोह लेने का कार्य पूरा हुआ, एसआई/जीडी नीतीश कुमार दुबे और उनके साथी कांस्टेबल/जीडी ईरशाद अहमद हजाम तथा कांस्टेबल/जीडी राणा जुल्फकार अली एवं उनके साथी राजू सरकार के साथ श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट और श्री एल. इबोम्बा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट ने इमारत के भीतर एमजीएल के राउंड और गोलियां बरसाईं। इस बीच, आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच आपसी गोलीबारी के कारण टारगेट हाउस में आग लग गई। 50 आरआर की टीम टारगेट हाउस के नजदीक आ रही थी, तथापि, आतंकवादी जो चतुराई से लाभकारी मोर्चे पर तैनात थे, ने एक हथगोला दाग दिया, जिसके परिणामस्वरूप 50 आरआर के जवान घायल हो गए। उसी समय, एक पल की देरी किए बिना, श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट, श्री एल. इबोम्बा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट, सब इंस्पेक्टर/जीडी नीतीश कुमार दुबे, उनके साथी कांस्टेबल/जीडी ईरशाद अहमद हजाम तथा कांस्टेबल/जीडी राणा जुल्फकार अली एवं उनके साथी राजू सरकार ने दुश्मन पर गोलीबारी तेज कर दी, जिसके कारण 50 आरआर के घायल जवानों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका और फिर उन्हें उपचार के लिए 92 बेस अस्पताल ले जाया जा सका।

वैली क्यूएटी और एसओजी कार्मिक प्रभावी फायरिंग द्वारा आतंकवादियों को उलझाए हुए थे, जबकि 50 आरआर के सैन्य दस्ते ने आतंकवादियों पर नजदीकी से गोलीबारी जारी रखी हुई थी। इस बीच, आग ने पूरा टारगेट हाउस को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी घर के भीतर तेजी से इधर-उधर भागने लगे, और वे वैली क्यूएटी के सामने आ गए। इसे एक अच्छा अवसर देखते हुए, कांस्टेबल/जीडी राणा जुल्फकार अली और कांस्टेबल/जीडी राजू सरकार स्पष्ट प्रक्षेप पथ के लिए अपने मोर्चों से बाहर निकल आए और उन्होंने आतंकवादियों के ठिकाने पर एमजीएल के अनगिनत राउंड फायर किए। चूंकि, एमजीएल राउंड आतंकवादियों के बेहद करीब गिर रहे थे, इसलिए वे अपने कवर से बाहर निकलने के लिए मजबूर हो गए। उक्त घटनाक्रम पर अपनी पैनी नजर रखते हुए, सब इंस्पेक्टर/जीडी नीतीश कुमार दुबे ने ऑपरेशनल कुशलता का परिचय देते हुए न केवल अपनी एके47 से फायर किया, अपितु कांस्टेबल/जीडी ईरशाद अहमद हजाम को आतंकवादियों पर एलएमजी से सटीक फायर करने के लिए निर्देशित भी किया।

अब तक पूरा घर आग की चपेट में आ चुका था और आतंकवादी किसी भी तरह इमारत से कूदकर भागने की कोशिश कर सकते थे। जैसाकि अनुमान था, सैन्य दस्तों को अधिकतम संख्या में हताहत करने और मुठभेड़ स्थल से बच निकलने के इरादे से आतंकवादी इमारत से बाहर कूद पड़े।

अडिग, एसआई/जीडी नीतीश कुमार दुबे तथा कांस्टेबल/जीडी राणा जुल्फकार अली ने कांस्टेबल/जीडी ईरशाद अहमद हजाम और कांस्टेबल/जीडी राजू सरकार के साथ मिलकर अंतिम बार करते हुए अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किये बगैर अपने मोर्चों से बाहर निकलकर आतंकवादियों पर सटीक गोलीबारी की। नजदीक से खतरनाक गोलीबारी हुई और इससे पहले कि वे कोई और नुकसान कर पाते,

02 आतंकवादियों को मार दिया गया। तत्पश्चात्, इलाके की तलाशी शुरू की गई, जिसमें 02 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। आतंकवादियों की पहचान बाद में सब्जार अहमद (हिजबुल मुजाहिदीन 'ख' श्रेणी) और आसिफ शेरगुजरी (हिजबुल मुजाहिदीन 'ग' श्रेणी) के रूप में की गई।

विशिष्ट वीरतापूर्ण कार्यवाई, बुद्धि तत्परता, अदम्य साहस, निस्वार्थ बलिदान और विशिष्ट वीरता के मद्देनजर उन्होंने असाधारण शौर्य, असीम निष्ठा एवं समर्पण भावना तथा साथ ही विपरीत परिस्थिति में भी कार्य के प्रति वचनबद्धता का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, सर्व/श्री नीतीश कुमार दुबे, उप निरीक्षक, राणा जुल्फकार अली, सिपाही, ईरशाद अहमद हजाम, सिपाही और राजू सरकार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24.10.2018 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/190/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 52-प्रेज/2021-राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राजेन्द्र सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	अंकित मान	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

3.	विकास भगत	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	सुजीत ओरांव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

माओवादियों की मौजूदगी होने के बारे में स्वयं के खुफिया इनपुट के आधार पर 201 कोबरा के सैन्य दस्ते, एसएटी और छत्तीसगढ़ की सिविल पुलिस के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी। दिनांक 27.01.2018 को 0410 बजे चिंतलनार से 201 कोबरा की 06 टीमों (बी और एफ कंपनी) और पुलिस प्रतिनिधियों के साथ नरसापुरम से सी/201 कोबरा की 03 टीमों ने 201 कोबरा के कमांडेंट श्री राकेश राव की समग्र कमान में चिंतलनार पुलिस स्टेशन के अंतर्गत चिन्नाबोरकेल, रायगुडेम, जबागट्टा, गोमगुडा, करकनगुडा और इसके चारों तरफ के इलाकों के सामान्य क्षेत्र में एक ऑपरेशन शुरू किया। इसके लिए संयुक्त सैन्य दस्तों को 04 समूहों में बांटा गया।

सभी समूहों को एक-दूसरे के साथ पर्याप्त दूरी बनाते हुए इलाके में भेजा गया। सीओ-201 के साथ टीम न. 05, 16 और एसएटी वाला समूह न. 02 सिंगल लाइन में आगे बढ़ रहा था। करीब 0900 बजे, जब पार्टी गांव बड़ी मोरपल्ली के पूर्वी दिशा में करीब 02 किमी. जंगली इलाके में पहुंची, तभी एसएटी के स्काउट्स को कुछ संदिग्ध गतिविधि नजर आई। स्थिति का आकलन करने के बाद, सीओ-201 ने श्री राजेन्द्र सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट को एक टुकड़ी के साथ बायीं तरफ से आगे बढ़ने और एसआई/जीडी अंकित मान, एसएटी कमांडर को अपनी एसएटी के साथ संदिग्ध गतिविधि के स्थान की ओर दायीं तरफ से आगे बढ़ने का निर्देश दिया, जो लगभग 200 मीटर आगे था। मौके पर ब्रीफिंग के पश्चात, दोनों ही कमांडर संदिग्ध गतिविधि वाले स्थान की ओर छोटी पार्टियां बनाकर किनारों से आगे बढ़ने लगे। आगे बढ़ने से पहले, दोनों पार्टियों ने अपने पिटू उतार दिए। श्री राजेन्द्र सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट बायीं ओर से अपने 06 आदमियों के साथ और एसआई/जीडी अंकित मान अपने 07 कार्मिकों के साथ दायीं ओर से चतुराई से आगे बढ़े। दोनों ही पार्टियां पेड़ों और झाड़ियों की आड़ लेते हुए माओवादियों की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए चतुराई से आगे बढ़ गए। जब श्री राजेन्द्र सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट अपने स्काउट ग्रुप के साथ एक लंबे खुले हिस्से को पार करते हुए संदिग्ध गतिविधि वाले स्थान की तरफ पहुंच ही रहे थे, तभी लगभग 150-200 मीटर में फैले हुए लगभग 15-20 पुरुष एवं महिलाओं वाली माओवादी पार्टी ने उन पर ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी।

श्री राजेन्द्र सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट ने स्थिति का जायजा लिया और अपने सैन्य दस्तों में से 04 को बायीं ओर से कवर फायर देने का आदेश दिया और वे स्वयं कांस्टेबल/जीडी विकास भगत और कांस्टेबल/जीडी सुजीत ओरांव के साथ अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना माओवादियों पर भारी मात्रा में गोलीबारी करते हुए लगातार आगे बढ़ते रहे। इसी बीच, एसएटी के 07 कार्मिकों के साथ एसआई/जीडी अंकित मान वहाँ पर उपलब्ध सीमित कवर सहायता और "गोली चलाओ एवं आगे बढ़ो" की रणनीति अपनाकर भारी गोलीबारी के बीच माओवादियों की ओर दाहिनी तरफ से आगे बढ़ गए। मुठभेड़ के दौरान, माओवादियों ने घटनास्थल से बच निकलने के लिए भारी मात्रा में धुंए का कवर फायर किया। जंगल और धुंए का लाभ उठाते हुए, माओवादी घटनास्थल से बच निकलने में कामयाब हो गए। इलाके की तलाशी की गई और 02 सीएम बंदूकें, आईईडी से जुड़ी वस्तुएं और दैनिक उपयोग की अन्य मदों के जखीरे के साथ 02 माओवादियों के शव बरामद किए गए। इलाके की पुनः तलाशी करने के दौरान, घटनास्थल में पहुंचने के रास्ते के समीप 03 आईईडी भी बरामद की गई।

भीषण गोलीबारी के दौरान जीवन को जोखिम में डालने वाली परिस्थितियां होने के बावजूद, श्री राजेन्द्र सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट, कांस्टेबल/जीडी विकास भगत, कांस्टेबल/जीडी सुजीत ओरांव और एसआई/जीडी अंकित मान ने उच्चकोटि की वचनबद्धता, छोटी टीम के बीच समन्वय और अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना वीरतापूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया। उन्होंने स्वयं को बड़े खतरे में डाला तथा हथियारों एवं अन्य मदों की बरामदगी के अतिरिक्त, वे दो माओवादियों को मार गिराने में सफल रहे। उनकी अद्वितीय समर्पण भावना और बहादुरी की विशिष्ट कार्रवाई ने माओवादियों को भारी नुकसान पहुंचाया।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री राजेन्द्र सिंह, सहायक कमांडेंट, अंकित मान, उप निरीक्षक, विकास भगत, सिपाही और सुजीत ओरांव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27.01.2018 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/191/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 53-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शंशि कांत राय	उप कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	राम किशन	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	सूरज कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	संदीप कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस स्टेशन राजपोरा, जिला-पुलवामा के अंतर्गत दुबगाम गांव में 2-3 उग्रवादियों की मौजूदगी होने के बारे में 44 आरआर और एसपी पुलवामा से दिनांक 31.01.2019 को लगभग 1730 बजे एक संक्षिप्त सूचना प्राप्त हुई। उपर्युक्त सूचना पाकर, एसपी पुलवामा, सीओ-44 आरआर, कमांडेंट 183वीं बटालियन और कमांडेंट 182वीं बटालियन, सीआरपीएफ, नोडल अधिकारी (पुलवामा) के साथ परामर्श करके तदनुसार एक विशेष संयुक्त कार्डन एंड सर्च ऑपरेशन (कासो) की योजना बनाई गई। एक संक्षिप्त ब्रीफिंग के बाद, श्री शशि कांत राय, डिप्टी कमांडेंट (2-आई/सी ऑपरेशन), 183वीं बटालियन सीआरपीएफ, श्री राम किशन, असिस्टेंट कमांडेंट 182वीं बटालियन सीआरपीएफ और श्री जहीर अब्बास जाफरी, डिप्टी एसपी (ऑपरेशन), जेकेपी, पुलवामा की समग्र कमान में संयुक्त सैन्य दस्ता (एसओजी- 182, एसओजी-183 बटालियन सीआरपीएफ, एसओजी जेकेपी, पुलवामा) डीपीएल, जिला मुख्यालय- पुलवामा से निकलकर 1840 बजे दुबगाम गांव पहुंच गया। इसी दौरान, मेजर रोहित शुक्ला की कमान में 44 आरआर (सेना) का सैन्य दस्ता और आरआर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी वहां पहुंच गए। श्री शशि कांत राय, डिप्टी कमांडेंट 183वीं बटालियन ने श्री राम किशन, असिस्टेंट कमांडेंट 182वीं बटालियन, 44 आरआर के अधिकारियों और जेकेपी, पुलवामा के अधिकारियों के साथ परामर्श किया तथा संदिग्ध घरों की चारों तरफ से चतुराईपूर्वक घेराबंदी की। इसी बीच, एसएचओ राजपोरा के साथ श्री डी.के. चौधरी, ओसी-सी/183वीं बटालियन की कमान में क्यूएटी, सी/183 कार्डन एंड सर्च ऑपरेशन वाली जगह पहुंच गई और उसने चतुराईपूर्वक पोजीशन ले ली। करीब 1910 बजे घेरा डारा गया और सरकारी माध्यमिक विद्यालय के पीछे दुबगाम गांव में लगभग 17-18 संदिग्ध घरों की घेराबंदी का कार्य पूरा कर लिया गया। इस प्रक्रिया में, आसपास के घरों के आम नागरिकों को अपना घर खाली कर देने और सुरक्षित स्थान पर शरण लेने की सलाह दी गई। श्री शशि कांत राय, डिप्टी कमांडेंट 183वीं बटालियन की समग्र देखरेख में एसएचओ पीएस राजपोरा और क्यूएटी, सी/183वीं बटालियन की मदद से सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के सैन्य दस्तों ने आसपास के घरों के अंदर से सभी आम नागरिकों को स्थानांतरित/बाहर निकाल लिया। उसके पश्चात, 44 आरआर, 182वीं/183वीं बटालियन सीआरपीएफ (श्री राम किशन, असिस्टेंट कमांडेंट, 182वीं बटालियन के साथ श्री शशि कांत राय, डिप्टी कमांडेंट, 183वीं बटालियन के नेतृत्व वाली सीआरपीएफ सर्च पार्टी) के संयुक्त सैन्य दस्ते और श्री जहीर अब्बास जाफरी, डिप्टी एसपी (ऑपरेशन) के नेतृत्व में एसओजी, जेकेपी पुलवामा और मेजर रोहित शुक्ला के नेतृत्व में 44 आरआर की सर्च पार्टी ने संदिग्ध घरों की तलाशी शुरू कर दी। उपर्युक्त अधिकारियों की देखरेख में अत्यधिक दूरदर्शिता और चौकसी के साथ सभी संदिग्ध घरों की सघन तलाशी शुरू की गई। करीब 2130 बजे, जब 5-7 घरों की तलाशी शेष रह गई थी, तभी कमांडेंट 183वीं बटालियन ने श्री शशि कांत राय, डिप्टी कमांडेंट को एक अति विश्वसनीय इनपुट उपलब्ध कराया कि सुरक्षा बलों को तितर-बितर करने और घेराबंदी के बीच फंस सकने वाले उग्रवादियों को भगाने में सहायता करने के उद्देश्य से बाहर से कुछ अज्ञात उग्रवादी सुरक्षा बलों पर हमला करने की योजना बना रहे हैं। श्री शशि कांत राय, डिप्टी कमांडेंट 183वीं बटालियन ने तुरंत इस इनपुट को ऑपरेशन स्थल पर तैनात सभी ऑपरेशन कमांडरों तक पहुंचा दिया। इसके बाद, सुरक्षा बलों को और भी अधिक सुनिश्चित हो गया, कि तलाशी हेतु शेष बचे घरों में से ही किसी एक में उग्रवादी छिपे हुए होंगे। जैसे ही रात के समय ऑपरेशन शुरू हुआ, किसी असफलता/समानांतर नुकसान से बचने के सभी उपाय किए गए और टारगेट एरिया को उजागर करने के लिए सर्च लाइटें लगा दी गई। इस प्रकार, सभी ऑपरेशन पार्टियां चौकस और एकजुट हो गई तथा घेराबंदी को मजबूत कर दिया गया। तत्पश्चात, एक-एक करके घरों की सघन तलाशी पुनः शुरू की गई।

इस बीच, श्री देवेन्द्र सिंह नेगी, कमांडेंट 183वीं बटालियन की कमान में क्यूएटी/183वीं बटालियन, श्री नदीम अहमद समदानी कमांडेंट 182वीं बटालियन, नोडल अधिकारी, पुलवामा की कमान के अंतर्गत 2-आईसी (ऑपरेशन) 182वीं बटालियन तथा एसपी, पुलवामा कार्डन एंड सर्च ऑपरेशन वाले स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने मौके का जायजा लेकर भीतरी और बाहरी घेराबंदी को मजबूत कर दिया तथा पुलिस के उच्चाधिकारियों, एसपी पुलवामा और सीओ-44 आरआर सेना के साथ परामर्श करके तदनुसार सभी टीम कमांडरों से वातलाप किया।

जैसे-जैसे तेजी से तलाशी ली जा रही थी और केवल दो घरों की तलाशी शेष रह गई थी, तभी लगभग 2325 बजे उग्रवादियों को यह एहसास हुआ कि अब वे फंस चुके हैं, इसलिए उन्होंने सुरक्षाबलों पर खुलकर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी गोलीबारी का जवाब

गोलीबारी से दिया। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु इसके बावजूद किशन अपने आपको उजागर करते हुए आगे बढ़ते गए और उन्होंने गोली चलाकर उस आतंकवादी का खात्मा कर दिया, जिसकी पहचान बाद में अनायत अहमद जर्गर पुत्र/श्री मोहम्मद अब्दुल्ला जर्गर, निवासी अरिहल, पुलवामा, जम्मू-कश्मीर के रूप में की गई।

दोनों तरफ से गोलीबारी बंद होने के तुरंत बाद, दमकल बुलाई गई और तदुपरांत वह आग बुझाने के लिए उस स्थल पर पहुंच गई। सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने जले हुए घर/मलबे की सघन तलाशी की और दो आतंकियों के शव बरामद किए, जिनकी पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद के शाहिद अहमद बाबा (श्रेणी-ख) पुत्र/श्री मुश्ताक अहमद बाबा, निवासी-दुबगाम, पुलिस स्टेशन- राजपोरा, जिला कमांडर, पुलवामा तथा जैश-ए-मोहम्मद के कैडर में नए-नए जुड़े अनायत अहमद जर्गर (श्रेणी-ग) पुत्र श्री मोहम्मद अब्दुल्ला जर्गर, निवासी-अरिहल, पुलवामा के रूप में की गई और इसके अलावा, 01 एसएलआर राइफल, 01 पिस्तौल, 01 एसएलआर मैगजीन, 01 पिस्तौल मैगजीन, 46 एसएलआर राउंड, 04 पिस्तौल राउंड तथा अन्य अंधाधुंध आपराधिक सामग्री बरामद हुई। 0245 बजे ऑपरेशन समाप्त हो गया। दोनों शव और अन्य बरामद गोला-बारूद डीपीएल पुलवामा लाया गया और इसे आगे की चिकित्सकीय और विधिक औपचारिकताओं के लिए सिविल पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। सभी पार्टियां अपने संबंधित स्थानों पर 0320 बजे पहुंच गई।

श्री शशि कांत राय, डिप्टी कमांडेंट (आईआरएलए- 8345), 183वीं बटालियन, श्री राम किशन, असिस्टेंट कमांडेंट (आईआरएलए- 1142), 182वीं बटालियन, नं.145261666 कांस्टेबल/जीडी सूरज कुमार, 183वीं बटालियन और नं. 115081038 कांस्टेबल/जीडी संदीप कुमार, 182वीं बटालियन ने असाधारण और विशिष्ट बहादुरी, अदम्य साहस, कर्तव्य के प्रति परम समर्पण भावना एवं प्रतिबद्धता और सफलता की अदम्य इच्छा एवं जुनून का प्रदर्शन किया तथा विपरीत परिस्थितियों के बीच राष्ट्र के सम्मान और अखण्डता को बनाए रखा तथा जैश-ए-मोहम्मद के दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता हासिल की।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शंशि कांत राय, उप कमांडेंट, राम किशन, सहायक कमांडेंट, सूरज कुमार, सिपाही और संदीप कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 31.01.2019 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/202/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 54-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संजीव कुमार सिंह	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	जहांगीर मुनावर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	संजय कुमार कामत	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

वर्ष 2018 में नवम्बर और दिसम्बर का महीना शोपियां में आतंकवादियों के लिए काफी सख्त रहा था कि जब वहां अलग-अलग ऑपरेशनों में 30 से अधिक आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया था। 12 जनवरी, 2019 को आतंकवादी कैडरों को सबसे बड़ा झटका लगा, क्योंकि इस दिन कुलगाम में एक ऑपरेशन में शोपियां से जीनत-उल-इस्लाम के टॉप कमांडर को मार गिराया गया था। उसके चौहराम के दौरान, आतंकवादियों ने उसके गांव का दौरा करते हुए जीनत-उल-इस्लाम की हत्या का बदला लेने की कसम खाई थी। इसी बीच, गणतंत्र दिवस नजदीक आ रहा था, जो कि हमेशा से ही सुरक्षा बलों के लिए घाटी में किसी अन्य राष्ट्रीय दिवस के आयोजन की तरह चुनौतीपूर्ण रहा है। तथापि, सुरक्षा बल आतंकवादियों के इस प्रकार के किसी भी दुस्साहसिक कृत्य को विफल के लिए पूरी तरह से चौकस थे। दिनांक 22 जनवरी, 2019 को, जैनपोरा पुलिस स्टेशन के शेरमल गांव में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एसएसपी शोपियां द्वारा एक इनपुट साझा किया गया था। इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, 178वीं बटालियन सीआरपीएफ, एसओजी जैनपोरा और 44 आरआर द्वारा एक संयुक्त कार्डन एंड सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। पूरी रात कार्डन एंड सर्च ऑपरेशन चलाया गया, परन्तु किसी भी आतंकवादी का कुछ पता नहीं चल

सका। जब ऑपरेशन खत्म होने ही वाला था और घेराबंदी हटा ली गई थी, तभी एसएसपी शोपियां ने एक दूसरा इनपुट दिया कि आतंकवादी शेरमल के नजदीक सेब के बगीचे में बनाए गए गुप्त स्थान में छिपे देखे गए हैं। चूंकि, यह ऑपरेशन एक खुले क्षेत्र में किया जाना था और दिन के समय कानून और व्यवस्था बिगड़ने की गंभीर आशंका थी, इसलिए श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी (ऑपरेशन), घिरे हुए सैन्य दस्तों की सहायता के लिए पहुंचे। एक चाल के रूप में पार्टी को शेरमल गांव में छोड़ते हुए, शेष पार्टियों ने संदिग्ध क्षेत्र के चारों ओर घेराबंदी की और बच कर निकल भागने के सभी रास्तों को बन्द कर दिया। तब श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी (ऑपरेशन), 178वीं बटालियन सीआरपीएफ ने यूनिट क्यूएटी के एक भाग के साथ, श्री अनुरुद्ध प्रताप, ओसी ई/178वीं बटालियन ने सीटीटी, ई/178वीं बटालियन के एक भाग के साथ और मेजर धीरज जाधव, बी/44 आरआर ने एचआईटी के साथ इलाके की तलाशी करते हुए नीचे उतरना शुरू किया। बीती रात से बर्फ गिर रही थी और अभी भी हिमपात हो रहा था, इसलिए टखनों तक ऊंची बर्फ वाले इलाके में आगे बढ़ना बहुत मुश्किल था। महज 150 मीटर चलने के बाद यह टीम गोलियों की बौछार के बीच आ गई, जिसका उन्होंने बहादुरी से जवाब दिया। परन्तु एक वांछित जगह की तलाश में, जहां से छिपे हुए आतंकवादियों पर गोलीबारी की जा सके, श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी (ऑपरेशन) 178वीं बटालियन और उनके साथी ने पहले सी 17ई/178वीं बटालियन को कवर फायर प्रदान किया और उसके बाद गोलियों की बौछार के बीच एक टीले के पीछे अपनी पोजीशन बदल ली। इसी बीच, एक आतंकवादी अपने छिपने के अड्डे से बाहर निकला और उसने अंधाधुंध गोलियां चला दीं। क्यूएटी 178वीं बटालियन, सीटीटी ई/178वीं बटालियन ने उस पर गोली चलाई, लेकिन घायल होने के बावजूद वह भागता ही रहा, परन्तु दूसरी तरफ की घेराबंदी कर रही टीमों द्वारा उसे मार दिया गया।

पूरी घेरेबंदी एक बगीचे और ऊंची-नीची जमीन पर होने के कारण घेरेबंदी में तैनात सुरक्षा बलों की तैनाती करना मुश्किल था। इसलिए, तैनाती की जगह बदलने और घेरे को मजबूत करने का निर्णय लिया गया। इस कार्रवाई के दौरान, श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी (ऑपरेशन) 178वीं बटालियन ने अपनी क्यूएटी और सीटीटी ई/178वीं बटालियन के साथ भारी बर्फबारी के बीच बर्फ के ऊपर ही अपनी तैनाती बरकरार रखी, परन्तु उनके और आतंकवादियों के बीच की गोलीबारी के जोश ने बर्फ का अहसास नहीं होने दिया। अचानक दूसरा आतंकवादी सुरक्षा बलों पर गोलियां बरसाता हुआ बाहर निकला, परन्तु सुरक्षा बल की ओर से भारी प्रतिशोध के कारण उसने अपने आप को एक टीले के पीछे छिपा लिया, जो श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी और उनके साथी कांस्टेबल/जीडी जहांगीर मुनावर से महज कुछ ही मीटर की दूरी पर था। आतंकवादी द्वारा दोनों पर गोलीबारी की जा रही थी। इस परिस्थिति में, श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी ने अपने साथी कांस्टेबल/जीडी जहांगीर मुनावर तथा कांस्टेबल/जीडी संजय कुमार कामथ को छिपे हुए आतंकवादी पर गोली चलाने का निर्देश दिया, ताकि आतंकवादी अपने ठिकाने से बाहर निकलने को मजबूर हो जाए। तदनुसार, कांस्टेबल/जीडी जहांगीर मुनावर और कांस्टेबल/जीडी संजय कामथ ने छिपे हुए आतंकवादी पर चतुराई से फायरिंग की और उसे अपने ठिकाने से बाहर निकलने के लिए मजबूर कर दिया। इसी बीच, श्री संजीव कुमार सिंह, 2 आई/सी, अपनी जान की परवाह किए बिना रेंगते हुए अपने मोर्चे से बाहर निकले और आतंकवादी की हरकत का इंतजार करने लगे। जैसे ही आतंकवादी सामने आया, तभी श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी ने गोलियों की बौछार कर दी और आतंकवादी को मार गिराया।

सुरक्षा बलों पर अभी भी छिपने वाली जगह से रूक-रूक कर गोलीबारी हो रही थी। अंत में, छिपने की जगह के अंदर हथगोला फेंकने का निर्णय लिया गया। परन्तु, यह काम काफी जोखिम भरा होने के कारण छिपने की जगह को आईईडी से उड़ा दिया गया। छिपने की जगह में शेष बचा हुआ एक मात्र आतंकवादी भी उस जगह के प्रवेश द्वार के समीप हुए विस्फोट में मारा गया। किसी अन्य आतंकवादी अथवा उनके किसी सामान की मौजूदगी होने की जांच करने के लिए छिपने की जगह को खोदा गया। इस दौरान, श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी (ऑपरेशन) 178वीं बटालियन, कांस्टेबल/जीडी जहांगीर मुनावर और कांस्टेबल/जीडी संजय कुमार कामथ तथा आंतरिक घेराबंदी में मौजूद 178 बटालियन की अन्य पार्टियां उस इलाके में पहुंच गईं, जहां हजारों पत्थरबाज सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंक रहे थे और उन्हें तब तक बाड़ा बनाकर घेरे रखा गया, जब तक कि छिपने की जगह को पूरी तरह खोद कर उसकी तलाशी नहीं कर ली गई।

तलाशी के दौरान, हिजबुल मुजाहिदीन के 03 कुख्यात आतंकवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में भट अमीर उर्फ अबु हुजैफा (श्रेणी-ग) पुत्र/श्री अब्दुल अजीज भट, निवासी- चिड़ीपोरा चित्रगाम, पुलिस स्टेशन-जैनपोरा, शोपियां, शोएब शाह पुत्र/श्री गुलाम रसूल शाह (श्रेणी-ग), निवासी- हैफ-शेरमल, पुलिस स्टेशन जैनपोरा, जिला, शोपियां और डॉ. शम्स-उल-हक उर्फ बुरहान सानी मंगू (श्रेणी-ग) पुत्र/श्री रफीक अहमद मंगू, निवासी- दर्गद, पुलिस स्टेशन जैनपोरा, जिला-शोपियां के रूप में की गई। इसके अतिरिक्त एके47 राइफल- 01, 09 एमएम एके राइफल- 01, 01 चाइनीज पिस्तौल, जिंदा गोला-बारूद और अन्य आपराधिक सामग्री बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, सैन्य दस्तों ने प्रतिकूल मौसम (भारी हिमपात) में मिशन को पूरा करने की अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी (आईआरएलए-6694) 178वीं बटालियन ने स्वयं की परवाह किए बिना, पूरे धैर्य, कुटिल सामरिक कौशल, प्रेरणादायक नेतृत्व और निःस्वार्थ समर्पण भावना के साथ अपनी टीम का नेतृत्व सामने से आगे बढ़कर किया। श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी (आईआरएलए-6694) के साथी नं. 135380832 कांस्टेबल/जीडी जहांगीर मुनावर ने अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना असाधारण शौर्य, प्रतिबद्धता और गंभीर व्यक्तिगत खतरे के समक्ष हिम्मत एवं लड़ाई की अदम्य भावना का प्रदर्शन किया। वे अपने कमांडर का साथ बना रहे और योजनाओं एवं रणनीति के क्रियान्वयन में उनकी अत्यधिक प्रशंसा की गई। श्री अनुरुद्ध प्रताप, असिस्टेंट कमांडेंट, ई/178 के साथी नं. 145044479 कांस्टेबल/जीडी संजय कुमार कामथ ने अपने जीवन और सुरक्षा की परवाह किए बिना असाधारण शौर्य, प्रतिबद्धता और गंभीर व्यक्तिगत खतरे के समक्ष हिम्मत एवं लड़ाई की अदम्य भावना का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री संजीव कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, जहांगीर मुनावर, सिपाही और संजय कुमार कामत, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22.01.2019 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/203/2019-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 55-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्रम सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अतुल करवाल, आईपीएस	महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	सुमन कांत तिग्गा	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	राकेश रमन	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	विशांत	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	संदीप कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	जावेद अहमद डार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
7.	इमरान खान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20 फरवरी 2016 को, आतंकवादियों ने जम्मू एण्ड कश्मीर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट बिल्डिंग के नजदीक पंपोर (पुलवामा जिला) में सीआरपीएफ के काफिले पर हमला कर दिया। जब काफिला वहां से गुजर रहा था, तब दो आतंकवादी सड़क के पास आए और दो बसों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप सीआरपीएफ के 12 कार्मिक गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल होने के कारण, इनमें से दो कार्मिकों की मृत्यु हो गई और उन्होंने शहादत प्राप्त की।

त्वरित कार्रवाई करते हुए, काफिले को सुरक्षा प्रदान करने वाले सीआरपीएफ के जवानों ने जवाबी गोलीबारी शुरू की तथा काफिले को और अधिक क्षति पहुंचने से रोका। सैन्य दस्ते द्वारा जोरदार जवाबी कार्रवाई किए जाने पर, आतंकवादी नजदीकी जेकेईडीआई बिल्डिंग में शरण लेने के लिए भाग खड़े हुए। इस बिल्डिंग के अंदर सामान्य कार्य दिवसों में सामान्यतया कर्मचारियों और विद्यार्थियों सहित कुल 100-125 आम नागरिक होते हैं।

इस हमले की सूचना सीआरपीएफ के सेक्टर मुख्यालय श्रीनगर में 1640 बजे प्राप्त हुई। महानिरीक्षक श्रीनगर सेक्टर श्री अतुल करवाल, आईपीएस और श्री एस. के. तिग्गा उप महानिरीक्षक तत्काल घटना स्थल की ओर चल पड़े। बहुत कम समय में, वे मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गए और उस बिल्डिंग के चारों ओर घेराबंदी को मजबूत कर दिया।

स्थिति बहुत भयावह थी। आतंकवादी उस बिल्डिंग के भीतर से सुरक्षा बलों के ऊपर लगातार गोलीबारी कर रहे थे और उस बिल्डिंग के अंदर फंसे लोग अपनी जान बचाने के लिए घबराहट में बिल्डिंग से बाहर इधर-उधर भाग रहे थे। इस दौरान, आतंकवादियों की गोली अब्दुल डार नामक एक नागरिक की पीठ में लगी और बाद में, घायल होने के कारण उसकी मृत्यु हो गई।

श्री अतुल करवाल, आईपीएस और श्री एस. के. तिग्गा ने उभरती हुई स्थिति पर त्वरित चर्चा की। उन्होंने क्रॉस फायरिंग अथवा नागरिकों के बंधक बनाए जाने से उत्पन्न होने वाली जटिल परिस्थिति में नागरिकों के जीवन को होने वाली भारी समानांतर क्षति की संभावना पर विचार-विमर्श किया। चूंकि अतिरिक्त सैन्य बल अभी आ ही रहा था और उन्होंने अपनी पोजीशन पूरी तरह नहीं संभाली थी, इसलिए ऊपर वर्णित परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए त्वरित कार्रवाई करना अनिवार्य था।

उन्होंने सर्वप्रथम नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्णय लिया और इसके लिए एक योजना बनाई। इस उद्देश्य से, एक सैन्य दस्ते का गठन किया गया, जो उस बिल्डिंग में प्रवेश करेगा और इस कार्य को पूर्ण करेगा। इस समय, उस बिल्डिंग से बहुत सारे नागरिक दहशत में आकर बाहर निकल रहे थे, जबकि सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भारी गोलाबारी चल रही थी। यदि त्वरित कार्रवाई न की

गई होती, तो बहुत सारे नागरिक हताहत हो जाते। स्थिति की गंभीरता और अत्यावश्यकता को भांपते हुए, श्री अतुल करवाल ने इस दल का नेतृत्व स्वयं करने का निर्णय लिया। इस दल में श्री एस. के. तिग्गा, उप महानिरीक्षक, श्री राकेश रमन, असिस्टेंट कमांडेंट, श्री विशांत, असिस्टेंट कमांडेंट, सब इंस्पेक्टर/जीडी संदीप कुमार, कांस्टेबल/जीडी जाविद अहमद डार और कांस्टेबल/जीडी इमरान खान शामिल थे।

निर्भीक सैनिकों की इस छोटी सी टुकड़ी ने लक्षित बिल्डिंग के मोर्च से रणनीतिपूर्वक उस बिल्डिंग में प्रवेश किया। वहां हो रही भीषण गोलीबारी के बीच, सैन्य दल ने कुछ नागरिकों को देखा, जो स्वागत क्षेत्र में फंसे हुए थे। इस सैन्य दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्वागत क्षेत्र को सुरक्षित किया और वहां फंसे हुए नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला।

इसके पश्चात, सैन्य दल ने शेष नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए भू-तल की त्वरित टोह ली। इस बीच, ऊपरी मंजिल में मोर्चा संभाले हुए आतंकवादियों ने स्वागत क्षेत्र में एक ग्रेनेड फेंका, जो सीआरपीएफ दल के काफी नजदीक फटा। अचानक किए गए इस ग्रेनेड हमले में स्प्लिंटर लगने से श्री अतुल करवाल, श्री एस. के. तिग्गा, श्री राकेश रमन, सब इंस्पेक्टर/जीडी संदीप कुमार और कांस्टेबल/जीडी जाविद अहमद डार जखमी हो गए। सीआरपीएफ दल असुरक्षित स्थिति में फंस गया था तथा आतंकवादी रणनीतिक रूप से लाभप्रद स्थिति में थे। आतंकवादी ऊपरी मंजिल पर थे और वे सीआरपीएफ के सैन्य दस्ते की ओर नीचे देख रहे थे, जो स्वागत क्षेत्र में फंसे हुए थे, जहां कोई कवर नहीं था। यदि सीआरपीएफ का सैन्य दस्ता तुरंत पीछे नहीं हटता, तो यह एक आत्मघाती कदम हो सकता था। अभी भी, बहुत सारे नागरिकों की जिंदगी खतरे में होने के कारण, सीआरपीएफ के सैन्य दस्ते ने अपनी चोटों से विचलित हुए बिना और आसन्न खतरे को नजरअंदाज करते हुए, रणनीतिक पोजीशन संभाल ली और आतंकवादियों पर जवाबी गोलीबारी की। सैन्य दस्ते ने अपनी नियंत्रित और सटीक गोलीबारी से आतंकवादियों को उलझाए रखा तथा उन्हें और अधिक ग्रेनेड फेंकने से तब तक रोक कर रखा, जब तक सभी नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर नहीं पहुंचा दिया गया। इसके बाद हुई गोलीबारी में, उन्होंने एक या उससे अधिक आतंकवादियों को घायल कर दिया।

जब दोनों ओर से भारी गोलीबारी जारी थी, तब स्प्लिंटर लगने से घायल हुए सैन्य दस्ते के सदस्यों का बहुत सारा खून बह रहा था और उनके लिए तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी। नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का कार्य समाप्त होने के बाद, घायल सैनिकों की बिगड़ती हुई स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सैन्य दल रणनीतिक रूप से बिल्डिंग से बाहर निकल आया। बाद में, अतिरिक्त सैन्य दल ने आतंकवादियों को मार गिराया।

स्वयं महानिरीक्षक सीआरपीएफ, श्री अतुल करवाल के नेतृत्व में बहादुर सैनिकों के इस छोटे से सैन्य दल ने आतंकवादियों के हमले का जवाब देने और नागरिकों की बहुमूल्य जिंदगियों को बचाने में अनुकरणीय वीरता का प्रदर्शन किया। इस ऑपरेशन के दौरान, उन सैनिकों में से कुछ सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे, लेकिन वे अपनी जगह पर डटे रहे। घायल होने और असुरक्षित क्षेत्र में फंसे होने के बावजूद, वे बिल्डिंग के भीतर फंसे हुए सभी नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तक आतंकवादियों के हमले का जवाब देते रहे। उन्होंने नागरिकों की जिंदगी बचाने के लिए अपने जीवन को खतरे में डाला और किसी भी प्रकार की जटिल स्थिति उत्पन्न होने की संभावना को रोकते हुए बल का नाम रोशन किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अतुल करवाल, आईपीएस, महानिरीक्षक, सुमन कांत तिग्गा, उप महानिरीक्षक, राकेश रमन, सहायक कमांडेंट, विशांत, सहायक कमांडेंट, संदीप कुमार, उप निरीक्षक, जावेद अहमद डार, सिपाही और इमरान खान, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/02/2016 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/16/2020-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 56-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अताउर रहमान	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	नसीर अहमद गनई	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	नसीर अहमद शेख	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

7 मार्च 2019 को, कश्मीर ऑपरेशंस सेक्टर (सीआरपीएफ) को यरवान जंगल, पुलिस स्टेशन केल्लेर, जिला शोपियां में पांच आतंकवादियों की आवाजाही के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 14 सीआरपीएफ, 23 पैरा और जम्मू एवं कश्मीर पुलिस का एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया।

दो कांस्टेबलों, नसीर अहमद गनई और नसीर अहमद शेख के साथ-साथ सेक्टर क्यूएटी (कश्मीर ऑपरेशंस सेक्टर सीआरपीएफ) के इंस्पेक्टर/जीडी अताउर रहमान 23 पैरा की टीम के साथ हमला दल में शामिल थे। आतंकवादियों को बचकर निकलने से रोकने के लिए विभिन्न जगहों पर अनेक कट-ऑफ लगा दिए गए।

28 मार्च, 2019 को लगभग 01:25 बजे, उन्होंने पांच आतंकवादियों को अपनी ओर आते हुए देखा। अपना धैर्य बनाए रखते हुए, सैन्य दस्ते ने आतंकवादियों के आगे बढ़ने का इंतजार किया। जब दो आतंकवादी बहुत करीब आ गए, तब कांस्टेबल नसीर अहमद शेख ने उन्हें आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी। लेकिन इसके बजाय, उन्होंने सैन्य दस्ते पर गोलीबारी की। कांस्टेबल नसीर अहमद शेख और नसीर अहमद गनई अडिग रहे और जवाबी हमला किया।

इसी बीच, तीसरा और चौथा आतंकवादी किनारे से आगे बढ़ा और गोलीबारी की। इंस्पेक्टर अताउर रहमान ने 23 पैरा के सैन्य दल के साथ मोर्चा संभाल लिया और भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। पांचवां आतंकवादी घने जंगल और अंधेरे का लाभ उठाकर भाग गया।

सैनिकों ने घातक खतरे को नजरअंदाज करते हुए दुश्मनों को प्रभावी रूप से उलझाए रखा। गोलीबारी थमने के बाद, सैन्य दस्ते ने लगभग 05:45 बजे उस क्षेत्र की तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान, मुठभेड़ स्थल से हथियारों के साथ आतंकवादियों के दो शव बरामद किए गए।

जब सैनिक जांच करने के लिए एक नाले की ओर बढ़ रहे थे, तब वे भारी गोलाबारी के बीच फंस गए। इंस्पेक्टर अताउर रहमान चमत्कारिक रूप से बच गए, क्योंकि गोलियां उनको छूकर निकल गईं। सैनिकों ने अपना मोर्चा संभाल लिया और आतंकवादियों की पोजीशन का पता लगाया। युक्तिपूर्वक आगे बढ़ते हुए, इंस्पेक्टर अताउर रहमान और आर्मी का एक जवान बिना किसी कवर के आतंकवादी की ओर आगे बढ़े और उसे मार गिराने में सफलता प्राप्त की। शेष दो आतंकवादियों का पता नहीं चला।

बाद में, कुख्यात आतंकवादियों की पहचान सज्जाद अहमद खांडे (लश्कर-ए-तैयबा, कैटेगरी बी), अकीब अहमद डार (एचएम, कैटेगरी बी) और बशारत अहमद मीर (एचएम, कैटेगरी सी) के रूप में हुई तथा ये सभी पुलवामा के निवासी थे। मारे गए आतंकवादियों से 3 एके राइफलों, 5 एके मैगजीनों, 156 एके राउंड और 3 पाउच बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री अताउर रहमान, निरीक्षक, नसीर अहमद गनई, सिपाही और नसीर अहमद शेख, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28.03.2019 से दिया जाएगा।

(सं.11020/42/2020-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 57-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री रवि शंकर	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 6 फरवरी 2019 को, गांव चकूरा, पुलवामा में आतंकवादियों के मौजूद होने की सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, एसओजी और 55 आरआर के साथ 182 तथा 183 सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया।

योजनानुसार, एसओजी और 55 आरआर के साथ 182 सीआरपीएफ की 'ई' कंपनी की क्यूएटी लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ी और संदिग्ध मकानों के चारों ओर घेराबंदी कर दी। प्रवेश मार्गों पर कट-ऑफ लगा दिए गए और बीपी वाहनों को रणनीतिपूर्वक घेराबंदी के चारों ओर लगा दिया गया। तत्पश्चात, मकानों की तलाशी करने के लिए तीन दल गठित किए गए।

संयुक्त तलाशी दल कुशलतापूर्वक आगे बढ़ा और मकान के अंदर फंसे हुए नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला तथा इसके बाद संदिग्ध मकानों की तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान, अचानक एक संदिग्ध घर से, आतंकवादियों ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दस्ते ने बड़ी फुर्ती से कवर लेते हुए जवाबी कार्रवाई की। सब इंस्पेक्टर/जीडी रवि शंकर ने लक्षित मकान के दायीं ओर पेड़ों के पीछे मोर्चा संभाला और मुंहतोड़ जवाब दिया।

इन आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इसका जवाब और अधिक गोलीबारी से दिया। इसी बीच, एक अनियंत्रित भीड़ मुठभेड़ स्थल के चारों ओर इकट्ठा हो गई और मुठभेड़ में अवरोध पैदा करने तथा आतंकवादियों के सुरक्षित बच निकल जाने के कार्य को आसान बनाने के उद्देश्य से सैन्य दस्ते पर भारी पत्थरबाजी शुरू कर दी। अत्यंत संयम का परिचय देते हुए, सैन्य दस्ते ने अनियंत्रित भीड़ को मुठभेड़ स्थल से तितर-बितर किया और आतंकवादियों के विरुद्ध जवाबी हमला जारी रखा।

वहां पर हुई बंदूक की लड़ाई के बीच, सब इंस्पेक्टर/जीडी रवि शंकर ने एक आतंकवादी को लक्षित मकान के भीतर देखा। तथापि, वे अपनी वर्तमान पोजीशन से उसे उलझाने में सक्षम नहीं थे। उन्होंने अनुमान लगाया कि उन्हें लक्ष्य के करीब जाने के लिए अपने जीवन को दांव पर लगाना पड़ेगा और तदनुसार, वे अपने साथी की सुरक्षा प्रदान करने वाली गोलीबारी के बीच लक्षित मकान के करीब पहुंच गए। सब इंस्पेक्टर/जीडी रवि शंकर को लक्षित मकान के करीब पहुंचते देखकर, आतंकवादी ने गोलियों की बौछार कर दी और पास के मकानों की ओर भागा। सब इंस्पेक्टर/जीडी रविशंकर ने इस अवसर लाभ उठाया और खुले में आ गए तथा खुद को गंभीर खतरे में डालते हुए, आतंकवादी पर गोलीबारी करके उसे वहीं पर ढेर कर दिया।

बाद में, मारे गए आतंकवादी की पहचान इरफान अहमद शेख, लश्कर-ए-तैयबा, निवासी चकूरा, पुलवामा के रूप में की गई। उससे 01 एके राइफल, 3 एके मैगजीन और 64 राउंड बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन के दौरान, 183 सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर/जीडी रवि शंकर ने गंभीर व्यक्तिगत जोखिम के बावजूद, उन्हें सौंपे गए कार्य को पूर्ण करने के लिए असाधारण वीरता और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में श्री रवि शंकर, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06.02.2019 से दिया जाएगा।

(सं.11020/43/2020-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 58-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राजेश कुमार बरनेला	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2.	नजीर अहमद	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 9 नवंबर, 2018 को 07:00 बजे, गांव डार गनी गुंड, त्राल, पुलवामा में आतंकवादियों के मौजूद होने के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 42आरआर और एसओजी के साथ 180 सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया।

उसी समय, 180 सीआरपीएफ की 'सी' और 'एफ' कंपनी के साथ श्री राजेश कुमार बरनेला, असिस्टेंट कमांडेंट की कमान में क्यूएटी और 180 सीआरपीएफ के सीओ भी पहुंच गए। लगभग 10:30 बजे, मकानों की संयुक्त तलाशी शुरू की गई। जब श्री राजेश कुमार बरनेला, असिस्टेंट कमांडेंट के नेतृत्व वाला तलाशी दल गुलाम नबी गनई के घर में पहुंचा, तब गहन पूछताछ के बाद उसने अपने घर में एक आतंकवादी के मौजूद होने की बात स्वीकार की। तुरंत, घेराबंदी को और ज्यादा मजबूत कर दिया गया। उसके बाद, श्री राजेश कुमार बरनेला, असिस्टेंट कमांडेंट ने अपने सहयोगी कांस्टेबल/जीडी नजीर अहमद के साथ लक्षित मकान के सामने एक स्कूल बिल्डिंग के पश्चिमी कोने में मोर्चा संभाल लिया।

तत्पश्चात्, आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने का अनुरोध करते हुए एक घोषणा की गई, लेकिन उसने इसका जवाब गोलियों की बौछार से दिया। आंतरिक घेराबंदी वाले सैन्य दल ने भी जवाबी कार्रवाई की और दोनों ओर से गोलीबारी जारी रही। इसी बीच, आतंकवादी अपनी जगह बदलता रहा और उसने तलाशी दल की ओर ग्रेनेड फेंके। इसके पश्चात्, वह अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए खिड़की से बाहर कूद गया और काँउ शेड तथा लक्षित मकान के बीच एक 'वी' आकार वाले संकुचित मार्ग पर मोर्चा संभाल लिया।

आतंकवादी के नजदीक जाने और उसे गोलीबारी में उलझाने के लिए, एक एमपीवी वाहन को उसकी ओर ले जाया गया, लेकिन उसने एक हैंड ग्रेनेड फेंका, जो एमपीवी वाहन के नीचे फटा, जिसकी वजह से वह वाहन उसी जगह पर फंस गया। लगभग 17:15 बजे, सूर्यास्त की वजह से आतंकवादी के बच निकलने की संभावना बहुत ज्यादा हो गई थी और उसे उसके छिपने के सुरक्षित स्थान से बाहर निकालने तथा संध्या काल के पहले ऑपरेशन को समाप्त करने के लिए एक छोटे दल का गठन करने का निर्णय लिया गया। इसके पश्चात्, अपने सहयोगी कांस्टेबल नजीर अहमद और 42 आरआर के सैनिकों के साथ श्री राजेश कुमार बरनेला का एक छोटा संयुक्त दल दो तरफ से चतुराईपूर्वक आगे बढ़ा। वे अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को नजरअंदाज करते हुए धीरे-धीरे आतंकवादी की ओर बढ़ने लगे, जो काँउ शेड के नजदीक गैलरी में छिपा हुआ था। श्री राजेश कुमार बरनेला ने जोखिम होने के बावजूद, गोलीबारी के बीच उच्च कोटि के व्यक्तिगत साहस का परिचय देते हुए एक कठिन निर्णय लिया। इसी बीच, आतंकवादी ने भी उन्हें देख लिया और उसने एक ग्रेनेड उनकी ओर फेंका तथा श्री राजेश कुमार बरनेला और उनके सहयोगी कांस्टेबल/जीडी नजीर अहमद की ओर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन उन्होंने बीपी कवच की सहायता से खुद को बचा लिया। भारी गोलीबारी और अपने जीवन को गंभीर खतरे के बावजूद, श्री राजेश कुमार बरनेला और उनके सहयोगी कांस्टेबल/जीडी नजीर अहमद ने आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की और उसे मार गिराया। बाद में, इस आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद संगठन के अनवर भाई, स्लाइपर शूटर, निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई और उसके पास से 03 मैगजीनों और उससे मिलते जुलते गोलाबारूद के साथ 01 एके-56 राइफल बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री राजेश कुमार बरनेला, सहायक कमांडेंट और नजीर अहमद, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/11/2018 से दिया जाएगा।

(सं.11020/44/2020-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

सं. 59-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का छठवां बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	रविदीप सिंह साही	महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	नरेश कुमार	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का छठवां बार
3	लौकरकपम इबोमचा सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	देवसंत कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
5	विजय कुमार सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	गोरले जगनमोहन राव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए संयुक्त ऑपरेशनों ने घाटी में आतंकवादी संगठनों की कमर लगभग तोड़ दी थी। इस नुकसान की भरपाई लिए जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) सैन्य दस्तों को हताहत करने के मुख्य उद्देश्य से सुरक्षा बलों के कैम्पों पर फिदायीन हमले करने का कार्य सौंपे गए विदेशी आतंकवादियों (एफटी) की भारी घुसपैठ के साथ वर्ष की अंतिम तिमाही आते-आते मुख्य भूमिका में आ गया।

श्रीनगर के हुमहमा क्षेत्र में संवेदनशील अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के अलावा सुरक्षा बलों के अनेक महत्वपूर्ण कैम्प स्थित हैं। ये सभी कैम्प अति संवेदनशील कैम्प हैं तथा भोर में इन कैम्पों पर फिदायीन हमले की संभावना के संबंध में सिविल पुलिस से बहुत सारी खुफिया सूचनाएं लगातार प्राप्त हो रही थीं। तदनुसार, सीआरपीएफ द्वारा सुरक्षा प्रदान किए जा रहे कैम्पों (श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और आरटीसी) के चारों ओर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और इस प्रकार के किसी खतरे का जवाब देने के लिए एयरपोर्ट गेट के बाहर घाटी क्यूएटी, सीआरपीएफ (विशिष्ट ऑपरेशनल यूनिट) की एचआईटी टीम को भी तैनात कर दिया गया।

दिनांक 03.10.2017 को लगभग 0400 बजे, जैश-ए-मोहम्मद संगठन के 03 भारी हथियारबंद आतंकवादी सिविल आबादी वाले क्षेत्र से बाहरी दीवार को तोड़कर 182वीं बटालियन, बीएसएफ, गोगोलैंड क्षेत्र के कैम्प में घुस गए, जो श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट स्थित है। आतंकवादी ने कंसर्टिना वायर को काटने के बाद, अंधेरे का फायदा उठाते हुए सुरक्षा दीवार को पार किया और बीएसएफ के क्वार्टर गार्ड संतरियों पर गोलियों की बौछार करने के साथ-साथ यूबीजीएल से भी फायर किया, जिसका जवाब तुरंत दिया गया। तथापि, पेरीमीटर फेंसिंग के भीतर कम रोशनी और ऊबड़-खाबड़ भू-भाग का फायदा उठाते हुए 02 आतंकवादी और अधिक अंदर आने में सफल हो गए तथा वे प्रशासनिक भवन एवं एसओ मेस की दो मंजिला बिल्डिंग के भीतर पहुंचने में सफल हो गए। तीसरे आतंकवादी को, सैन्य दस्ते को कोई और क्षति पहुंचाने से पहले ही, बीएसएफ के बहादुर जवानों ने मार गिराया।

182वीं बटालियन, बीएसएफ, कैम्प पर फिदायीन हमले के संबंध में सूचना मिलने के तुरंत बाद, सीआरपीएफ की मुख्य ऑपरेशनल यूनिट, घाटी क्यूएटी की मांग की गई और तदनुसार उन्होंने लगभग 0430 बजे रिपोर्ट किया। श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट द्वारा टीम को त्वरित ब्रीफिंग और जमीनी स्थिति के त्वरित आकलन के बाद, सैन्य दस्ते को कैम्प के बाहर तैनात कर दिया गया, जहां से कैम्प साफ-साफ दिखाई दे रहा था। श्री रविदीप सिंह साही, महानिरीक्षक, सीआरपीएफ, श्रीनगर सेक्टर भी उस स्थान पर पहुंच गए और उन्होंने घाटी क्यूएटी कमांडर श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम, आईजी बीएसएफ, डीआईजी (ऑपरेशन) बीएसएफ के साथ मौजूदा स्थिति के बारे में संक्षिप्त चर्चा की। सबसे पहले एसओजी बडगाम का एक छोटा दल कैम्प के भीतर गया और उन्होंने एसओ मेस बिल्डिंग की टोह ली, जहां दूसरे आतंकवादी ने पोजीशन ले रखी थी। बीएसएफ के कुछ जवान भी कमरे में फंसे हुए थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की आवश्यकता थी। इस समय श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट के नेतृत्व में इस कार्य में निपुण घाटी क्यूएटी का सैन्य दस्ता महानिरीक्षक श्रीनगर सेक्टर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम, एसओजी बडगाम की टीम और डीआईजी (ऑपरेशन) बीएसएफ के साथ अंदर गया। एसओ मेस की एम्पीवी और रक्षक वाहनों से बड़ी बारीकी से टोह ली गई। इन वाहनों को इस प्रकार पार्क किया गया, जहां से आतंकवादियों की गतिविधि को देखा जा सके।

कांस्टेबल/जीडी देवसंत कुमार, 82वीं बटालियन, कांस्टेबल/जीडी बुधी सिंह, 44वीं बटालियन के साथ श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट के नेतृत्व में घाटी क्यूएटी और एसओजी बडगाम का संयुक्त दल एसओ मेस लॉन के खुले क्षेत्र में गया, जिसे आतंकवादी आसानी से निशाना बना सकते थे। अनवरत प्रयास के बाद बीएसएफ के फंसे हुए जवानों को भूतल से सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया। इस कठिन बचाव कार्य के बाद, अपने निडर सैनिकों कांस्टेबल/जीडी देवसंत कुमार और कांस्टेबल/जीडी बुधी सिंह के साथ श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट गोली लगने से घायल हुए सैनिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए आगे बढ़े और आतंकवादी के सामरिक दृष्टि से लाभप्रद स्थिति में होने के बावजूद उनकी टीम सीढ़ियों की ओर गई। अंधाधुंध गोलीबारी करके आतंकवादी ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया, लेकिन इस समय श्री रविदीप सिंह साही, महानिरीक्षक, श्रीनगर सेक्टर ने अपने सैन्य दस्ते के जीवन पर मंडराते गंभीर खतरे के बावजूद अपना निजी हथियार लिया, बीपी पटका पहना और अपने सहयोगी के साथ उन युद्धरत जवानों की मदद करने के लिए तेजी से एसओ मेस की ऊपरी मंजिल पर गए, जो बीएसएफ जवानों का जीवन बचाने के लिए दृढ़संकल्प थे। घाटी क्यूएटी के कमांडर के साथ श्री रविदीप सिंह साही, महानिरीक्षक आगे बढ़ते रहे और प्रथम तल पर पहुंच गए, जहां उनके लिए कोई भौतिक सुरक्षा कवर उपलब्ध नहीं था। श्री रविदीप सिंह साही, महानिरीक्षक द्वारा स्थिति के त्वरित आकलन के पश्चात, श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट ने घायल बीएसएफ जवान को घाटी क्यूएटी के सैन्य दस्ते के साथ आईजी श्रीनगर सेक्टर द्वारा प्रदान किए गए कवर फायर के घेरे में रेंगते हुए उनकी ओर आने के लिए कहा। अनवरत प्रयास और अचूक कवर फायर के पश्चात, श्री रविदीप सिंह साही, महानिरीक्षक के नेतृत्व वाला दल गोली लगने से घायल हुए बीएसएफ जवान को सुरक्षित बाहर निकालने में सफल रहा। यह एक जोखिम भरा कार्य था, क्योंकि आतंकवादी ग्रेनेड फेंक सकते थे या यूबीजीएल फायर कर सकते थे। उनके साहसिक हस्तक्षेप के कारण वहां फंसे हुए बीएसएफ जवान को समय से सुरक्षित बाहर निकालने में मदद मिली और इस प्रकार उसके बहुमूल्य जीवन को बचाया जा सका।

एसओ मेस में छिपे हुए आतंकवादी का तुरंत मारा जाना अत्यंत आवश्यक था, क्योंकि मेस में बीएसएफ के और जवान फंसे हुए थे। इस स्थिति से निपटने के लिए, श्री रविदीप सिंह साही, महानिरीक्षक, नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट, कांस्टेबल/जीडी देवसंत कुमार और कांस्टेबल/जीडी बुधी सिंह वाले दल ने कमरे में प्रवेश करने और भूतल से सबसे ऊपरी मंजिल तक निकासी करने का कठिन कार्य करने की जिम्मेदारी ली। इसके पश्चात, उन्होंने निडरतापूर्वक एसओ मेस में प्रवेश किया और पहली मंजिल की ओर बढ़ना शुरू किया। वहां पर छिपे हुए आतंकवादी ने अपनी अचूक एके-47 से गोलियों की बौछार की।

दोनों ओर से गोलीबारी होती रही। इस समय नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी देवसंत कुमार ने अपने जीवन को गंभीर खतरे के बावजूद गोलियों की बौछार की और तेजी से उस कमरे के बगल वाले कमरे में पहुंच गए, जहां आतंकवादी छिपा हुआ था। इसकी वजह से क्षण भर के लिए आतंकवादी का ध्यान भंग हुआ और अपने सहयोगी कांस्टेबल/जीडी देवसंत कुमार के साथ घाटी क्यूएटी कमांडर, श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट ने श्री रविदीप सिंह साही, महानिरीक्षक के नेतृत्व में साहस और निडरता का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी को उस समय निशाना बनाने के अवसर का लाभ उठाया, जब वह अपनी जगह बदल रहा था। इस संयुक्त कार्रवाई में, उसे क्षण भर में ही मार गिराया गया। यह एक असाधारण वीरता का कार्य था, जो ऐसी तनावपूर्ण स्थिति में बहुत कम देखने को मिलता है, क्योंकि इससे तनावपूर्ण स्थिति का माहौल बदल गया और आतंकवादी के मारे जाने से जवान बहुत प्रसन्न थे। इसके परिणामस्वरूप आगे की जवाबी कार्रवाई के लिए भी मार्ग प्रशस्त हुआ। इसके पश्चात श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट के नेतृत्व वाले घाटी क्यूएटी दल ने अंदर प्रवेश किया और बीएसएफ के शहीद असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/जीडी बी.के. यादव के शव को युक्तिपूर्वक बाहर निकाला।

इस कठिन घड़ी के समाप्त होते ही, श्री रविदीप सिंह साही, महानिरीक्षक श्रीनगर सेक्टर ने तीसरे आतंकवादी को मारने की योजना बनाई। घाटी क्यूएटी और एसओजी बडगाम के सैन्य दस्ते ने उस बिल्डिंग की ओर ध्यान केंद्रित किया, जहां आतंकवादी को बचकर निकलने से रोकने के लिए बीएसएफ के सैन्य दस्ते द्वारा बाहरी घेराबंदी की गई थी। श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट के दल में श्री लौकरकपम इबोमचा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट, 29वीं बटालियन, सब इंस्पेक्टर/जीडी विजय कुमार सिंह, 73वीं बटालियन, कांस्टेबल/जीडी जी. जगनमोहन राव, 29वीं बटालियन भी शामिल हो गए। इसी बीच, इस दल को बीएसएफ के एसआई ऑपरेटर के बारे में पता चला, जो अभी भी प्रशासनिक खंड में फंसे हुए थे। तदनुसार, एक योजना बनाई गई, जिसमें महानिरीक्षक श्रीनगर सेक्टर स्वयं सर्वोच्च कमांडर के रूप में नेतृत्व करते हुए कांस्टेबल/जीडी देवसंत कुमार के साथ श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट के नेतृत्व वाले दल में शामिल हो गए और वे एमपीवी में प्रशासनिक बिल्डिंग के प्रवेश द्वार पर पहुंचे। एक एमपीवी को तत्परता से प्रशासनिक बिल्डिंग के पोर्च में पार्क किया गया था। बीएसएफ के फंसे हुए एसआई (आरओ) को इस योजना के बारे में सूचित किया गया और वे दौड़कर एमपीवी की ओर भागे। वे ज्योंही दौड़े, उन्हें घाटी क्यूएटी के सैन्य दस्ते ने अपने जीवन को गंभीर खतरे और आतंकवादियों की बेहतर रणनीतिक स्थिति के बावजूद, दिशा दिखाने के लिए कवर फायर प्रदान किया। सैन्य दल ने ज्योंही एसआई (आरओ) को निकालने में सफलता प्राप्त की, आतंकवादी ने घाटी क्यूएटी के दल को निशाना बनाया और प्रथम तल की गैलरी से सीढ़ी के नीचे एक ग्रेनेड फेंका, लेकिन सैन्य दल की फुर्ती और त्वरित कार्रवाई के कारण उन्हें एमपीवी में खींच लिया गया तथा उनकी जान बचा ली गई।

इसके पश्चात, श्री लौकरकपम इबोमचा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट ने एमजीएल फायर के साथ दाईं ओर से बिल्डिंग को निशाना बनाया। घाटी क्यूएटी के सहायक हथियार दल के साथ श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट के दूसरे दल ने प्रथम तल के बाईं तरफ के क्षेत्र से प्रवेश करने का रास्ता बनाने के लिए सर्वप्रथम 84 एमएम आरएल से बिल्डिंग को निशाना बनाया, जहां आतंकवादी के छिपे होने की आशंका थी। आतंकवादी स्वयं को ढूंढ लिए जाने और गोली से निशाना बनाए जाने से बचने के लिए अपनी जगह को बार-बार बदलता रहा। कुछ समय के बाद, यह दल सीजीआरएल की फायरिंग द्वारा बायीं ओर की दीवार को तोड़ने में सफल रहा, लेकिन दुश्मन बिल्डिंग के पिछले भाग में चला गया और अपनी स्थिति को सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से शांत रहा। इस क्षेत्र की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, श्री रविदीप सिंह साही ने श्री नरेश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट के नेतृत्व वाले सैन्य दस्ते को बिल्डिंग के अन्दर अश्रु गैस छोड़ने का निर्देश दिया, जिससे आतंकवादी अपने छिपने के स्थान से बाहर निकलने के लिए मजबूर हो जाएगा। अनेक ऑपरेशनल उपलब्धियों के बाद प्राप्त रणनीतिक कौशल के कारगर होते ही, आतंकवादी बाहर आया, लेकिन पूरे क्षेत्र में टीएसएम का अत्यधिक धुआं छा गया था, जिससे बिल्डिंग के चारों ओर का दृश्य दिखाई नहीं दे रहा था। इसका फायदा उठाते हुए, सीआरपीएफ की वर्दी पहने हुए आतंकवादी ने आंतरिक घेराबंदी में शामिल जवानों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा करने के लिए उनमें घुलने-मिलने की कोशिश की, लेकिन युद्धरत कमांडर श्री एल. इबोमचा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट को, जिन्होंने सभी सैनिकों को बड़ी बुद्धिमत्ता से उस ओर तैनात किया था, उस समय उसकी मौजूदगी से संदेह हुआ। जब श्री लौकरकपम इबोमचा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट रणनीतिपूर्वक और छिपकर आतंकवादी की ओर जा रहे थे, तब आतंकवादी ने उन पर एक ग्रेनेड फेंका। उनका जीवन उस समय एक बार फिर खतरे में आ गया, जब आतंकवादी भारी गोलीबारी करते हुए उनकी ओर आगे बढ़ा। दुश्मन का एक चौकाने वाला हमला सामने कोई सुरक्षा न होने पर सबसे बहादुर सैनिक का भी होश उड़ा सकता है, लेकिन श्री एल. इबोमचा सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट, सब इंस्पेक्टर/जीडी विजय कुमार सिंह और कांस्टेबल/जीडी जी. जगनमोहन राव की तिकड़ी अपने ऊपर फेंके गए ग्रेनेड और अपनी ओर की गई गोलीबारी को नजरअंदाज करते हुए हरकत में आई तथा दुश्मन पर हावी होते हुए आतंकवादी को दूसरा मौका न देने के इरादे से अगल-बगल में कूद पड़े और अभूतपूर्व, निडर तथा साहसिक तरीके से गोलीबारी करके तीसरे आतंकवादी को भी मार गिराया।

182वीं बटालियन, बीएसएफ, गोगोलेड में यह ऑपरेशन एक अत्यंत भयानक और चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन था। तथापि, इस ऑपरेशन में सतत अनिश्चितता के बावजूद वास्तविकता यह है कि सभी अधिकारी और जवान कार्रवाई में सबसे आगे और अडिग रहे, क्योंकि आस-पास के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा श्रीनगर से हवाई सेवा पुनः शुरू कराना तथा देश के महत्वपूर्ण एयरफोर्स बेस की सुरक्षा करना सर्वोच्च प्राथमिकता थी। यह कार्य एसओजी बडगाम एवं बीएसएफ के साथ सीआरपीएफ, घाटी क्यूएटी श्रीनगर सेक्टर के विशिष्ट ऑपरेशनल यूनिट द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया गया। जैश-ए-मोहम्मद के 03 खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में संयुक्त बलों की उपलब्धि का श्रेय सीआरपीएफ के जबरदस्त धैर्य, दृढ़ संकल्प, अनुकरणीय वीरता और कभी हार न मानने की भावना को दिया जा सकता है।

इस ऑपरेशन में सर्वश्री रविदीप सिंह साही, महानिरीक्षक, नरेश कुमार, सहायक कमांडेंट, लौकरकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट, देवसंत कुमार, सिपाही, विजय कुमार सिंह, उप निरीक्षक और गोरले जगनमोहन राव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03.10.2017 से दिया जाएगा।

(सं. 11020/170/2018-पीएमए)

(संख्या 18004/1/2020-सीए-II)

जगन्नाथ श्रीनिवासन
विशेष कार्य अधिकारी

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 2021

संकल्प

सं. रा.भा. 11011/1/2015-हिंदी—महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की हिंदी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया गया है। समिति की संरचना इस प्रकार होगी:—

- | | | |
|------|--|-----------|
| I. | महिला एवं बाल विकास मंत्री | अध्यक्ष |
| II. | महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री | उपाध्यक्ष |
| III. | गैर-सरकारी सदस्य
(संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा नामित) | |
| 1. | श्रीमती शारदाबेन अनिल भाई पटेल
संसद सदस्य, (लोक सभा)
401, नर्मदा अपार्टमेंट,
डॉ. बी. डी. मार्ग, नई दिल्ली-110001
स्थायी पता :
3, आदर्श सोसाइटी, हाईवे,
सिमन्धर के सामने, महेसना, गुजरात-384002 | सदस्य |
| 2. | श्रीमती क्वीन ओझा
संसद सदस्य, (लोक सभा)
सेक्टर- बी-1, फ्लैट नं.-1490,
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
स्थायी पता :
हाउस नं. - 20, जीवागिरी पथ,
आश्रम रोड, उलूबाड़ी, गुवाहाटी, असम-781007 | सदस्य |
| 3. | श्री राम चन्द्र जांगड़ा
संसद सदस्य (राज्य सभा)
स्थायी पता :
वार्ड नं. 6, कठ मण्डी, मेहम,
जिला-रोहतक, हरियाणा | सदस्य |
| 4. | श्री रेवती रमन सिंह
संसद सदस्य (राज्य सभा)
17, तीनमूर्ति मार्ग, नई दिल्ली-110011
स्थायी पता :
19 ए, न्याय मार्ग, अशोक नगर,
जिला - प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211001 | सदस्य |
| IV. | संसदीय राजभाषा समिति द्वारा नामित दो सदस्य | |
| 5. | श्री धर्मेन्द्र कश्यप
संसद सदस्य (लोक सभा)
192, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली -110001
स्थायी पता :
गांव - खंडारपुर,
पो.ओ.- उमर्सिया, बरेली,
उत्तर प्रदेश-243001 | सदस्य |

6. डॉ. सुभाष चन्द्र
संसद सदस्य (राज्य सभा)
बंगला नं. 4,
भगवान दास रोड, नई दिल्ली-110001
स्थायी पता :
मकान नं. 166,
कृष्णा मंडी, हिसार, हरियाणा-125001
- V. राजभाषा विभाग द्वारा नामित सदस्य (राजभाषा विभाग द्वारा नामित किए जाने हैं)
7. सुश्री वंदना नेताम
स्थायी पता : वसंतपुर वार्ड-46, बाज़ार चौक, राजनंदगांव, छत्तीसगढ़-491441
8. श्री रजनीश जैन
स्थायी पता :
110, नैनू शाह लेन, जैन बाज़ार, जम्मू (जम्मू और कश्मीर)-180001
9. डॉ. गोविन्द प्रसाद वर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड लैंग्वेज डिपार्टमेंट ऑफ हिंदी,
मोतिहारी, बिहार-845401
स्थायी पता: असिस्टेंट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड लैंग्वेज डिपार्टमेंट ऑफ हिंदी,
मोतिहारी, बिहार-845401
- VI. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा नामित सदस्य
10. श्रीमती सौ. मनीषा संजय भंसाळी
चेतन ट्रेड सेंटर, एसएफएस के सामने
जालना रोड, औरंगाबाद,
महाराष्ट्र-431001
स्थायी पता :
मणिक
34, विद्या निकेतन कॉलोनी,
टोटला अस्पताल के सामने
औरंगाबाद, महाराष्ट्र-431001
11. श्री चन्द्रकांत जोशी
पंचरत्न टावर नं. 59 सी/ फ्लैट नं. 2201
एकता नगर, नया एमएचएडीए, कांदिवली वेस्ट
मुंबई, महाराष्ट्र-400067
12. श्री ए.एस. शेलवा कुमार
जोठीनगर, पुद्दुचेरी
नं. 11, पहली मंजिल, एम ब्लॉक,
8वीं गली, अन्ना नगर, चैन्नई,
तमिलनाडु-600102
स्थायी पता :
नं. 47, दूसरी मंजिल आई ब्लॉक,
पहली गली, अन्नानगर, चैन्नई,
तमिलनाडु-600040
13. डॉ. इशारी के. गणेश
कांचीपुरम, तमिलनाडु

VII. स्वयं सेवी राजभाषा संगठनों के प्रतिनिधि

केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद् के प्रतिनिधि

14. सुश्री मृदुला जैन सदस्य
 सहायक निदेशक, (राजभाषा),
 एनआईसी मुख्यालय,
 ए ब्लॉक, सीजीओ कॉम्प्लेक्स,
 लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
 स्थाई पता :
 ई-3 बी, गली नं.-3, पांडव नगर,
 पटपड़गंज, दिल्ली-110091
 मो.- 9868151964
 ई-मेल jainm369@gmail.com

राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा (महाराष्ट्र) के प्रतिनिधि

15. डॉ. हेमचन्द्रह वैद्य सदस्य
 सहायक मंत्री, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति,
 हिंदीनगर, वर्धा-442003
 स्थाई पता :
 चित्रकूट, राधानगर,
 साबले प्लॉट बैचलर रोड, वर्धा 442001
 मो. 09405903278
 ई-मेल drhemchandravaidya@gmail.com

VIII. मंत्रालय से सरकारी सदस्य (पदेन)

- | | |
|--|------------|
| 16. सचिव महिला एवं बाल विकास मंत्रालय | सदस्य |
| 17. सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय | सदस्य |
| 18. विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय | सदस्य |
| 19. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग | सदस्य |
| 20. संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय | सदस्य |
| 21. संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय | सदस्य |
| 22. संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय | सदस्य |
| 23. संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय | सदस्य |
| 24. अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग | सदस्य |
| 25. अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग | सदस्य |
| 26. अध्यक्ष, केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड | सदस्य |
| 27. निदेशक, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान | सदस्य |
| 28. कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय महिला कोष | सदस्य |
| 29. अध्यक्ष, केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी | सदस्य |
| 30. संयुक्त सचिव एवं प्रभारी राजभाषा, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय | सदस्य-सचिव |

समिति के कार्य

समिति महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के कामकाज में राजभाषा के प्रभारी कार्यान्वयन और इससे संबद्ध मामलों पर परामर्श

देगी।

समिति का कार्यकाल

समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्य रूप से गठन की तारीख से निम्नलिखित बातों के अधीन 3 वर्ष तक रहेगा :

- (क) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे संसद सदस्य न रहने पर समिति के सदस्य नहीं रहेंगे।
- (ख) समिति के पदेन सदस्य अपने पद पर कार्य करते रहने तक समिति के सदस्य रहेंगे।
- (ग) यदि किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने के कारण अथवा समिति की सदस्यता से त्याग पत्र देने के कारण स्थान रिक्त होता है, तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य 3 वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य होगा।

सामान्य

समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, किंतु समिति अपनी बैठक आवश्यकता पड़ने पर दिल्ली से बाहर किसी अन्य स्थान पर भी कर सकती है।

यात्रा तथा अन्य भत्ते

समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए गैर-सरकारी सदस्यों को राजभाषा विभाग के दिनांक 03 फरवरी, 2006 के कार्यालय ज्ञापन सं. 11/20034/04/2005-रा.भा. (नीति-2) में निहित दिशानिर्देश के अनुरूप और भारत सरकार द्वारा समय-समय पर यथा संशोधित निर्धारित दरों एवं नियमों के अनुसार, यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

एल.के. मीणा
संयुक्त सचिव एवं प्रभारी राजभाषा

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2020

No. 2-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Arunachal Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Dr. Navdeep Singh Brar, IPS	Superintendent of Police	PMG
2	Tabi Bage	Inspector	PMG
3	Jiyauddin Ansari	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Tagyung Yangfo was hard core wanted criminal involved in 9 heinous crime cases of Murder, Robbery, Extortion, Arms smuggling, Kidnapping. He escaped from prison twice and had a history of attacking Police officials on duty. He joined the banned terror outfit NDFB in the year 2009 and was actively doing arms smuggling. Kidnapping/abduction for ransom, extortion for the organization. In the year 2010, he along with Other NDFB cadres twice attempted to abduct Gammon Infra Engineers. In 2016, he killed Shri Bomto Kamdak, APPS, Dy.SP of APP Government of Arunachal Pradesh declared a reward of Rs. 5 Lac in Chayangtajo PS case FIR No. 05/2016 u/s 302/333/212/216/34 IPC r/w 27 Arms Act.

On receiving a specific input about the suspected hide out of the accused Tagyung Yangfo in Dirang of West Kameng District, a 14 member SIT led by Dr. Navdeep Singh Brar IPS, SP (SIT) conducted a raid at around 0800 hrs on 18/01/2020. The accused had moved out of the suspected hide out towards the upper ridge of nearby Khamkhar Nallah. He was traced by SP Brar, Inspector T. Bage and HC J. Ansari. After positioning his team strategically at a vantage point, SP Brar asked the accused to surrender but he attacked the police party and opened indiscriminate fire on them.

One of the bullets fired by the accused hit the BP jacket of the SP Brar, while the other two members had a very narrow escape.

The accused was neutralised after face to face encounter in which total 28 rounds were fired by SIT, Shri Navdeep Singh Brar, SP himself fired 12 rounds from his service pistol. Firing was done as last resort in self-defence and to apprehend the wanted accused. In the exchange of fire accused was injured. As per guidelines of Hon'ble Supreme Court, he was shifted to hospital where doctors declared him brought dead.

The entire operation was conducted with exemplary zeal and high level of professionalism. In the prevailing challenging situation SP Navdeep Singh Brar, IPS did not care for his life and displayed resolute courage, great valour and gallant spirit. His brave efforts resulted not only in the successful neutralization of the wanted dreaded criminal, the officer's inspirational leadership and fortitude during the exchange of fire ensured that no collateral damage occurred which could have lead to several civilian casualties including the police team.

He was member of the strike team of SIT led by SP/SIT. He accompanied the SP SIT during the raid. Immediately after the criminal attacked the police party and started indiscriminate firing, he along with SP moved towards the criminal and came in direct line of fire. In self defence and in order to save his life, he fired 07 rounds from AK-47. He remained in the front without caring for his life and actively participated in the entire operation. Inspector T Bage endangered his life for the safety of his team members and displayed a gallant act of the highest order during encounter with hardcore criminal Tagyung Yangfo.

During the encounter he was part of the strike team of CB PS SIT. He blocked the criminal's movement at upper ridge of Khamker Nallah. Accused attacked him with dao but he narrowly escaped. Then accused started indiscriminate firing. Undeterred by the firing, HC J Ansari stood his ground in the direct line of Fire. In self-defence and in order to save his life, HC J Ansari fired 06 rounds from his AK47. During the operation, he endangered his life by facing front to front cross fire by accused Tagyung Yangfo. This gallant act of him needs recognition.

In this operation S/Shri Dr. Navdeep Singh Brar, IPS, Superintendent of Police, Tabi Bage, Inspector and Jiyauddin Ansari, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/01/2020.

(F. No.- 11020/78/2020-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 3-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Assam Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Anupam Gowala	Sub-Inspector	PMG
2	Kushal Das	Constable	PMG
3	Titheswar Saikia	Constable	PMG
4	Ashini Kumar Saikia	Constable	PMG
5	Cham Hum Chakhap	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On receiving specific information about the presence of ULFA(I) Cadre Rongmon Gogoi @ Mekuri of Talpathar village, a joint operation was conducted by 7th Madras, 19th JAT and Police Staff of Bordumsa P.S.. Later on, it was confirmed by a source that the ULFA(I) Cadre Rongmon Gogoi @ Mekuri was staying in the house of Sri Satyanath Dutta and on 27-04-2016 at 01.00 AM the outer cordon was placed. The inner cordon was placed at 02.00 AM and the cordon was tightened at 02.30A.M. The search commenced at 02.45 AM. When the family members came out of the house, they confirmed the presence of ULFA(I) cadre Rongmon Gogoi @ Mekuri. He tried to sneak out to the tea plantation near the house. At approximately 03:00 AM, when observed through the night vision goggle, suspicious movement was seen in the bamboo grove approximately 100 meters away from the house. On being challenged the ULFA(I) cadre indiscriminately fired from his rifle and attempted to lob a grenade. On self- defence and for saving the lives and property of the villagers, force personnel also replied by exchange firing. After 10 minutes when the fire stopped the ULFA(I) cadre was found injured and was lying on the ground with one AK-81 Rifle along with one magazine with 10 rounds live AK series ammunition. The injured cadre was immediately shifted to Pengeree mini PHC for treatment. After sometime, information was received that the injured person was declared brought dead by the Doctor at Pengeree mini PHC. During search of the P.O. and adjoining area the following Arms & Ammunitions and items were found and duly seized

- 1) One AK 81 Assault Rifle,
- 2) One Magazine with 10 rounds of live ammunitions,
- 3) 02 (two) Mobile phones,
- 4) 02 (two) blank demand letters of ULFA(I) organization signed by Brigadier J. Asom.
- 5) 01 (one) Pouch and
- 6) 01 (one) Jacket and some cosmetic items.

In this case SI(UB) Anupam Gowaka, Officer-in-Charge, Bordumsa P.S., ABC-723 Kushal Das, 10th APBM (APRG), ABC-801 Titheswar Saikia, 10th APBM(APRG), ABC-837 Ashini Kumar Saikia, 10th APBn(APRG) and ABC-889 Cham Hum Chakhap, 10th APBn (APRG) all are camp at Bordumsa P.S. demonstrated an exemplary sense of indomitable courage while attending to call for duty.

In this operation S/Shri Anupam Gowala, Sub-Inspector, Kushal Das, Constable, Titheswar Saikia, Constable, Ashini Kumar Saikia, Constable and Cham Hum Chakhap, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/04/2016.

(F. No.- 11020/89/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 4-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Malik Ram	Inspector	1st BAR TO PMG
2	Mahendra Singh Dhruw	Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Malik Ram and Mahendra Dhruw, both are brave officers of Chhattisgarh Police. Both officers were involved in many anti naxal operations and got success in killing many naxal leaders, seized arms, ammunitions and other equipments in large scale. They successfully maintain peace and co-ordination inspite of being fort of naxalites because of major Maoist affected area in Narayanpur District.

In this Anti-Naxal operation, Inspector Malik Ram was on patrolling/searching operation in MAD area with arms, ammunition, necessary equipments with force numbered 122 of DRG force on date 02/07/2018. They searched Murehapadar, Sonpur, Dondarbeda, Brehabeda, Kader village, hills, river and canal area on 03/07/2018 and after night halt, on 04/07/2018 they moved to search village Balebeda according to plan in morning time at 6:20 AM when they reached near the Balebeda the member of Coy. No. 05 of Maoist naxal organization which is banned by Indian government, lurked with illegal arms to attack and kill the police party and loot weapons of security forces, in uniform suddenly they opened heavily, fire on security force to kill the party. D.R.G. in charge Inspector Malik Ram instantly acted and informed all the party on wireless to take secure position and cordon the whole area, and asked naxals to stop firing and surrender. But nasals who were sitting in well entrenched position continued firing. Sensing grave danger to their men's lives Sub Inspector Malik Ram & Sub Inspector Mahendra Dhruw without caring for their life took the bold and courageous step. They moved forward tactically firing at naxals and successfully broke the ambush and asked their men to follow the Maoists ran away and fled from spot by taking advantage of dense jungles there. The firing between police party and Maoist lasted for half an hour.

After firing stopped, police force searched the sight they found two uniformed naxalites dead by gun shot. Party found an American made Thompson Submachine Gun with Magazine carved THOMPSON SUBMACHINE GUN CALIBER 45 AUTOMATIC CARTRIDGE MODEL OF 1928 No.-S-90719 in English. They also found 3 empty cases of. 45 caliber round fired by that gun. 12 bore gun after checking the gun there was 1 live round was in chamber so the party unload the gun to make safe for safety reason the party found 18 live round of that gun in his pouches; the empty cartridge cases of both weapons, 1 bundle of electric wire, 1 small inverter, 7 naxal literature documents, 1 small solar plate, one 12 volt battery, 1 pressure cooker bomb seized by police before witnesses.

This sterling success against the Maoist was possible only because of the rare act of exemplary courage, valour and highest devotion to duty by Inspector Malik Ram and Sub Inspector Mahendra Dhruw. They acted with conspicuous gallantry and beyond the call of normal duty, bearing a great risk to their own lives and displayed excellent leadership qualities.

In this operation S/Shri Malik Ram, Inspector and Mahendra Singh Dhruw, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 04/07/2018.

(F. No.- 11020/04/2020-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 5-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Abhishek Meena, IPS	Superintendent of Police	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Abhishek Meena, IPS then Superintendent of Police, district Narayanpur from 10.06.2015 to 05.03.2017, planned and executed numerous anti-naxal operations neutralizing many senior Maoist cadres and succeeded in recovering huge quantity of automatic and semi automatic weapons, explosives, naxal literature and other items. Narayanpur, considered as a hot bed of naxal violence and a major stronghold of Maoists, witnessed a period of peace and development during his tenure. Majority of affected area were freed of naxal influence by way of efficiently executed operations and area domination exercises imposing writ of the administration there.

In month of March, when road construction activity on Narayanpur-Orchha road was on peak, intelligence inputs were received that naxals belonging to East Bastar Division of Maoists, were planning to attack the Police force providing security to road construction activities on the stretch between Jhara and Dhaurai camps. Building of Orchha road was a major setback to naxals so they intended to disrupt the construction by killing of security personnel and damaging the machinery

involved. To counter the plan of naxals, then SP Narayanpur, Abhishek Meena, planned a joint operation of DRG, STF, ITBP & CAF, to effectively dominate the area and to apprehend naxals involved in violent and destructive activities.

In view of the scale and significance of the operation Shri Abhishek Meena, SP Narayanpur, decided to lead the operation himself. Two parties were formed with strength of 700 police personnel to be launched for operation in the night of 28th March, 2016 from camps Dhaurai, Chhote Dongar, Mardapal and Bayanar. Shri Abhishek Meena himself led the troop from camp Mardapal with seven parties of DRG and STF numbering 237. During morning of 29th March, 2016 DRG and STF parties led by the SP searched the jungles surrounding villages of Medpal, Nahkanar, Ehra, Chhote Usari and Tirkanar. At 0930 in the morning when parties were combing the jungles between Tirkanar and Maraskol villages, naxals who were hiding in ambush there, opened indiscriminate fire over the police parties using automatic, semi automatic and other fire arm weapons with intention to kill the police personnel and loot their weapons. Showing alertness of mind, SP Abhishek Meena immediately instructed nearby parties to take cover and communicated on wireless set to other parties directing them to move on right and left flanks and surround the naxals.

After taking positions, police parties told naxals to stop fire and surrender before the police but they continued to fire indiscriminately over the security forces. With no option left, Shri Abhishek Meena led his party towards naxals and instructed other parties to move forward and to open retaliatory fire in self defense. The fighting ensued lasted for about 40 minutes after which finding themselves over powered and surrounded, naxals fled the area seeking cover of dense jungles. After the firing stopped police parties cordoned the area and started searching where naxals were hiding and firing. Upon search of the area DRG and STF parties found dead bodies of two male and one female Maoist alongwith 01 INSAS Rifle, two. 315 rifle, two 12 bore rifle, 01 country made pistol, 01 wireless set, 02 INSAS magazines with 27 live rounds, 02 backpacks, 09 handbags, 02 rounds of.315 rifle, 38 rounds of 12 bore rifle, 02 detonators, huge amount of naxal literature and other daily use items. Police took possession of all the items and made proper seizure.

This encounter turned out to be a major success for Narayanpur police in efforts to control the naxal menace in East Bastar Division of Maoists. The dead naxals were identified as Ajay (Commander, Bayanar LOS), Laden (Area Committee Member) and Ranita (Member, Bayanar LOS). All three were wanted in several crimes in two districts of Narayanpur and Kondagaon. All the teams especially DRG and STF led by then SP worked as a team and in mutual coordination to achieve this success. He instilled such confidence and courage in all the troops with his actions that encouraged them to follow his command irrespective of the danger in front.

Then Superintendent of Police, District Narayanpur, Abhishek Meena showed exemplary courage, bravery and presence of mind while leading his team from the front in the face of indiscriminate fire and a life threatening situation. His contribution in this success is an example of conspicuous gallantry, excellent leadership qualities, dedication to the service, absolute professionalism, and command over the subject.

In this operation Shri Abhishek Meena, IPS, Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/03/2016.

(F.No.- 11020/100/2018-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 6-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Delhi Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Vinay Kumar	Inspector	PMG
2	Shiv Mangal	Assistant Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The officers of Special Cell, New Delhi for their dedication and devotion to duty and exemplary gallant act in which, a desperate and notorious Inter State gangster of Delhi and Haryana namely, Satyawar @ Sonu S/o Rajender Singh R/o VPO Dariyapur, Opposite Shiv Mandir, New Delhi wanted in the sensational triple murder case of Mianwali Nagar, Delhi in which Bhupender @ Monu Dariyapur @ Tempo along with his friend Arun and PSO/ASI Vijay Kumar succumbed to multiple bullet shots was arrested in an encounter with the police in the wee hours on 14.09.2017. He was previously involved in many sensational cases of murder, attempt to murder, extortion, assault on police personnel and Arms Act. On

13th September, 2017 specific information was received, that Satyawar @ Sonu would come to meet his associate in Narela Industrial area in the wee hours. Accordingly a trap was laid at the vantage points for his apprehension. At around 04:40 AM, Satyawar @ Sonu was spotted in a white color i20 car No. HR-99-ZA-9216 driven by himself and heading towards Delhi from Haryana side. The car was duly identified and was blocked by the teammates waiting in the cars near NIT road, Narela. The accused could not find any way to escape and Satyawar @ Sonu immediately took out his pistol and fired two bullets on the police party, but luckily one bullet hit the BP jacket of Insp. Vinay Kumar while another bullet hit the BP jacket of ASI Shiv Mangal. In the mean time Insp. Vinay Kumar had also fired two bullets in retaliation from his service pistol. The other team members of police party immediately caught hold Satyawar @ Sonu Dariyapur and snatched away his sophisticated pistol which was found loaded with 12 live cartridges in magazine and one in Barrel. On cursory search of the white i20 car driven by him, one more country made English pistol loaded with 4 live cartridges was recovered under the driver seat of said i20 car. 04 empty (used) cartridges (Two fired by the accused person and two fired by the Insp. Vinay Kumar, were also recovered from the spot. A case FIR No. 67 dated 14.09.17 u/s 186/353/307 IPC and 25/27 Arms Act of this effect was registered at PS Special Cell, Delhi.

On 30th April, 2017, at about 10 PM, Maruti Ciaz Car bearing No. HR 99 YJ (Temp) 0743 was driven by PP Bhupender @ Monu, Arun was sitting at the front passenger seat, ASI Vijay was sitting at the right side of the back seat, Yogesh was sitting in middle and he was sitting at the left side of back seat. When they reached at Shokeen chowk, corner of the Garg Plaza-National market, Bhupender stopped the car near a egg stall at shokeen chowk. They got omelet from the stall at about 11 PM, suddenly 5/6 boys came on two M/cycles towards outer Ring Road and started firing on the car. He, Bhupender, Arun and ASI Vijay sustained bullet injuries. The attack was so sudden and they do not have a chance to retaliate. The assailants escaped towards Bosco School doing firing in the air. On the statement of Ct. Kuldeep Case FIR No. 216/17 u/s 302/307/34 IPC & 25/27/54/59 Arms Act PS Mianwali Nagar was registered. The PP Bhupender, ASI Vijay and Arun were succumbed due to injuries.

The case was highlighted in the media due to gravity of the crime a special team headed by Insp. Vinay Kumar and Insp. Vijay Kumar was constituted to apprehend the perpetrators of the grisly crime. It was blind case with no clue about the identity of the person who attacked on Maruti Ciaz Car in which the PP Bhupender, ASI Vijay and Arun were succumbed due to injuries. During the course of investigation, CCTV footages recorded in the camera installed in the lane was scrutinized to ascertain the identity of the criminal who shot the PP Bhupender, ASI Vijay and Arun dead. Both technical and human intelligence was deployed to ascertain the identity of the criminal. The input were developed and it was revealed that Satyawar Sehrawat @ sonu Dariyapur R/o Vill. Dariyapur is main perpetrators of the grisly crime. Consequently, a massive hunt was launched to nab him. His accomplice, too, was identified Satyawar Sehrawat @ sonu Dariyapur r/o Vill. Dariyapur. Sensing the police is after him the criminal frequently shifted his hideouts in Haryana, Himachal Pradesh etc. Hence, various police teams were sent to Haryana, Himachal Pradesh and Rajasthan in search of Satyawar and his associates.

Various police teams continued to make tireless efforts to apprehend him. However, he managed to evade police dragnet. On 13-09-17, on specific information about wanted gangster Satyawar a team was formed under the close supervision of Sh. Akhileshwar Swaroop Yadav, ACP/SWR and headed by Insp. Vinay Kumar, Insp. Vijay Kumar and consisting of ASI Anil, ASI Munish Pal, HC Shiv Kumar, HC Sunil, HC Sanjay, Ct. Kuldeep, Ct. Kishor and Ct. Raj Hassan. Also the other team at Himachal Pradesh was asked to rush to Delhi. The team headed by Insp. Vinay Kumar and Insp. Vijay Kumar was briefed and geared up properly. The team immediately rushed to the information spot and was distributed and deployed at strategic locations in cars and on motorcycles to nab the accused. Meanwhile, the other team from Himachal Pradesh also reached there and joined the aforesaid team. At about 04.40 AM, staff deployed on the motorcycle at Singhu Border informed that the Satyawar @ Sonu Dariyapur is spotted in a white colour i20 car No. HR-99-ZA-9216, driven by himself and heading towards Delhi from Haryana side. All the staff was put on high alert. The said white i20 car was seen turning right from main GT Road onto the Narela Industrial Area road leading to Bhorgarh and forming T-point on GT Road. The car was duly identified and was blocked by the teammates waiting in the cars near NIT road, Narela. The accused could not find any way to escape and Sonu immediately took out his pistol and fired two bullets on the police party, but luckily one bullet hit the BP jacket of Insp. Vinay Kumar while another bullet hit the BP jacket of ASI Shiv Mangal and hence they had a narrow and lucky escape in this brief encounter. The other team members of police party immediately caught holds Satyawar @ Sonu Dariyapur and snatched away his sophisticated pistol which was found loaded with 13 live cartridges. On cursory search of the white i20 car driven by him, one more country made English pistol loaded with 4 live cartridges was recovered from underneath the driver seat. A case FIR No. 67 dated 14.09.17 u/s 186/353/307 IPC and 25/27 Arms Act of this effect was registered at PS Special Cell, Delhi.

The meticulous investigation skills and gallant act of Delhi Police personnel won applause in Media, but also from the Public at large also. They have set an example of gallantry & dedication towards their duty. During, the entire operation, all members of police team was in line of firing and had risk for their lives. They braved the bullets fired by the dreaded criminal. Undeterred and unfazed, they put their lives at risk and bravely confronted the criminal. Besides, they had played a conspicuous role and showed extra ordinary courage, dedication, presence of mind and rare gallant act in apprehending the desperate criminals in the past also and have set an example of gallant act towards their duty.

In this operation S/Shri Vinay Kumar, Inspector and Shiv Mangal, Assistant Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/09/2017.

(F.No.- 11020/07/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 7-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Delhi Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Govind Sharma	Assistant Commissioner of Police	1st BAR TO PMG
2	Sanjay Gupta	Inspector	PMG
3	Rajesh Kumar	Inspector	PMG
4	Ajaibir Singh	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

In a major operation two dreaded gangsters namely Sanjay Lakra, 48 yrs. S/o Shri Ram Kishan R/o Village Mundaka, Delhi and Vijay Sehrawat, age 38 yrs. S/o Sh Rajbir Singh R/o Village Dariyapur, Delhi were arrested. Both the accused persons were at large for more than 12 years and were the longest absconding criminals wanted by Delhi Police i.e. since 2006. Both are active members of dreaded Sonu Dariyapur Gang and were declared proclaimed offenders by different Hon'ble Courts.

Accused Sanjay Lakra was also an absent BC of PS Mundaka and is involved in more than 20 heinous cases. Whereas accused Vijay Lamba is involved in 9 heinous cases. Worthy CP, Delhi had also declared a cash reward of "Rs. 2 Lakhs each" on their arrest.

Accused Vijay Lamba is also involved in a sensational triple murder case, which includes murder of brave heart ASI Vijay Kumar who sacrificed his life while performing his duty as PSO to one Monu Dariyapur, who was given security by the order of Hon'ble Delhi High Court. In this incident another PSO namely Const. Kuldeep also received bullet injuries. One passerby also received bullet injuries. 35 empty cartridges of 9 MM were recovered from the scene of the crime, which shows the gravity of crime. A case vide FIR No. 216 dated 01.05.2017, u/s 302/307/186/353/120B/34 IPC & 25/27 Arms Act PS Mainwali Nagar, Delhi was registered in this regard.

Before the arrest of these two criminals the team of ACP Govind Sharma, Insp. Sanjay Gupta and Inspector Rajesh Kumar has also-arrested eight (8) members of this gang, who were involved in the gruesome murder of brave heart ASI. These gangsters are Satyawan Sehrawat @ Sonu Dariyapur (Absconding since 2009), Rajesh @ Raje (life convict), Sumit @ Plotra (life convict), Naveen Khatri (Absconding since 2014), Parmeet Dabas, Sonu @ Kejriwal, Sandeep @ Padu @ Pagal and Satish @ Dhilu involved in the gruesome murder of brave heart ASI. Sophisticated nine illegal Pistols and revolver (including foreign made Revolver and Pistols), one 9MM SAF Carbine (used by Police and Para Military Force) and cartridges were recovered from this gang. CFSL reports prove that recovered weapons have been used in the commission of crime.

A stringent case under MCOC Act vide FIR No. 78/2018 u/s 3/4 MCOC Act PS Special Cell was also registered against this gang.

Even after arrest of eight (8) members of this gang, the gang was still active and involved in extortion from the innocent persons and pressurizing the witnesses of the cases registered -against them. It was being done so because the top two gang leaders of this gang namely Sanjay Lakra and Vijay Sehrawat were out and absconding since 2006.

An exhausted and continuous operation was launched by the above referred Police officials especially after 01st May 2017 (when this gang committed a gruesome triple murder including the murder of ASI of Delhi Police and injuring Constable of Delhi Police). The continuous and sustained efforts of these police officials paid the results, when on 07.12.2018, they were able to collect the specific information regarding the movement of these two longest absconding accused persons of Delhi Police in the area of PS Dwarka Sector-23, Delhi.

On receiving this specific input, a trap was laid in the area of Police Station Dwarka Sector-23. Police team spotted i-10 car of the accused persons and with the help of their vehicles blocked the movements from both the sides of i-10 car and asked them to surrender. But instead of laying arms, both the accused persons opened fire on the Police team to make way for their escape. However Police team was in full gear as acquainted with the previous knowledge that the accused persons are

equipped with sophisticated illegal fire arms and are trigger happy. Both the accused persons fired 11 rounds on the Police team. Accused Vijay Lamba fired all six rounds from his revolver on the Police Party whereas accused Sanjay Lakra fired 5 rounds on the Police party from his sophisticated pistol. Out of the eleven, four bullets hit the members of Police team i.e. ACP Govind Sharma, Insp. Sanjay Gupta, Insp. Rajesh Kumar and SI Ajaibir Singh and some bullets to the official vehicles of the team. However due to the alertness and safety gear of the Police team, none of the Police Personnel got injured. Police also retaliated with fire but with cautions and apprehended both the accused persons before they could re-load their weapons or escape from the spot.

One Webley English Revolver from accused Vijay Sehrawat, one sophisticated Pistol from accused Sanjay Lakra and One more sophisticated Pistol along with huge quantity of ammunitions were recovered from their i-10 car. During investigation i-10 car was also found stolen from the area of Police Station Badarpur, Delhi. A case FIR No. 146/2018 dated 08.12.2018 u/s 186/353/307/34 IPC & 25/27 Arms Act PS Special Cell, Delhi has been registered in this regard.

Disregarding their own safety and putting their lives at risk during the arrest of above referred accused Sanjay Lakra and Vijay Sehrawat on 07.12.2018, the above referred Police officials took brave initiatives as and when the situation demanded from them to ensure the success of the operation. On the earlier occasions also the above referred Police officials came in line of fire while apprehending desperate criminals.

The brave action of Delhi Police officials not only won applause from the highest ranks of Police, but also from the public at large. They have set an example of gallantry & dedication towards their duty.

In this operation S/Shri Govind Sharma, Assistant Commissioner of Police, Sanjay Gupta, Inspector, Rajesh Kumar, Inspector and Ajaibir Singh, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 07/12/2018.

(F.No.- 11020/97/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 8-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry/3rd BAR to Police Medal for Gallantry/6th BAR to Police Medal for Gallantry(Posthumously) to the under mentioned officers of Delhi Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Late Mohan Chand Sharma	Inspector	6th BAR TO PMG (Posthu)
2	Kailash Singh Bisht	Inspector	3rd BAR TO PMG
3	Dharmender Kumar	Sub-Inspector	2nd BAR TO PMG
4	Devender Singh	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
5	Nissar Ahmed Shaik	Constable	PMG
6	Parvesh Rathi	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

In August 2005, two Jaish-e-Mohammad (JeM) militants were apprehended by the team led by Inspector Mohan Chand Sharma of Special Cell, Delhi alongwith cash Rs. Sixty three Lakh, 5 Kgms of RDX, 12 hand grenades, 10 electronic detonators, 2-Pistols & 87 cartridges etc. in FIR No.122/2005 PS Special Cell, Delhi. During interrogation, the arrested militants disclosed that they were sent by Jaish-e-Mohammad militant Asif @ Qari @ Saifullah r/o Pakistan (Divisional Commander of Jammu region) to make a base in Delhi to carry out terrorist activities. Immediately the Non-Bailable warrant of JeM militant Asif @ Qari @ Saifullah was obtained and physical/technical surveillance was mounted. In August 2007, the team of Special Cell/Delhi police tracked the movement of wanted terrorist Asif @ Qari @ Saifullah in Janipura, Jammu. On the intervening night of August 10/11, 2007, the team of Special Cell/Delhi Police cordoned the house in Jammu and warned JeM militants to surrender but the militants did not come out. The team entered into the house to effect arrest and again warned the militants to surrender but Saifullah @ Qari immediately opened firing on police party and ran outside from the house to escape. One of the bullets fired by militant hit to SI Devender Singh. Immediately the police took safer position and gave retaliatory firing in self defence to avert casualty. In the ensuing encounter of over ½ hour, JeM militant Saifullah @ Qari r/o Pakistan succumbed to bullet injuries at the spot and his another associate Zaffar Iqbal r/o Pakistan sustained bullet injuries.

The slain JeM militant Saifullah @ Qari r/o Pakistan (Divisional Commander of Jammu Region) was operating in Jammu & Kashmir valley since 2001. Earlier, he remained in Harkat-ul-Mujahideen and Harkat-ul-Jehad-e-Islami. After split of HUJI, he joined Maulaa Masood Azhar and joined Jamaat-ul-Mujahideen which later became the Jaish-e-Mohammad. He used to receive tasks from JeM chief Maulana Masood Azhar to plan and execute terrorist operations in India. He executed many terrorist attacks including fidayeen attack at Ram Janam Bhoomi-Babri Masjid, Ayodhya, UP.

The following recoveries were made :—

- (i) One Chinese Star Pistol
- (ii) 2-Magazines
- (iii) 2-live hand grenades
- (iv) 8 Mobile Phones
- (v) 1 Satellite Thuraya handset
- (vi) 4 Extra mobile SIM Cards
- (vii) Fake election identity card of J&K having photograph of slain militant with fake name Mohd Raqeeb S/o Noor Mohd. R/o Harmuda Gursai, Mendhar Punch, Jammu Cash. Rs. 30,000/-
- (viii) 3 Matrix sheets containing codes of JeM militants, telephone, number, their targets and other information about JeM Commanders.
- (ix) Other incriminating documents.

In this operation S/Shri Late Mohan Chand Sharma, Inspector, Kailash Singh Bisht, Inspector, Dharmender Kumar, Sub-Inspector, Devender Singh, Sub-Inspector, Nissar Ahmed Shaik, Constable and Parvesh Rathi, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/08/2007.

(F. No.- 11020/101/2008-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 9-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Delhi Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Manishi Chandra	Assistant Commissioner of Police	PMG
2	Ravinder Joshi	Sub-Inspector	PMG
3	Vinod Kumar	Assistant Sub-Inspector	PMG
4	Banay Singh	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The most desperate criminals of Delhi and Haryana namely Surender Malik @ Neetu Dabodha and Sandeep Chitania (since died in police encounter by Haryana Police on 17th May 2012 in Sonipat, Haryana) had escaped from Haryana Police custody on 2nd April, 2012 from Dwarka area, while they were being taken back to Bhondsi Jail after producing in Saket court.

Special Cell enhanced their efforts to arrest accused Surender Malik @ Neetu when it was revealed that they along with their associates namely Alok Gupta and one Kale killed Delhi Police Head Constable Ram Kishan posted at P.S. Kanjhawla, Delhi in the intervening night of 25/26.11.2012, who had stopped them at Jonti police picket in Kanjhawla, Delhi during picket checking. On 18.02.2013, an encounter took place between the joint teams of Special Cell and Punjab Police and accused Surinder Malik @ Neetu Dabodha @ Mohit and his associates in Sardoolgarh, Distt. Mansa, Punjab in which accused Neetu Dabodha received bullet injury but could succeed in his escape but his associate Dayanand r/o Haryana and three other local aides apprehended and accused Dayanand had also received bullet injury in the said encounter.

On 24.10.2013 specific input was received that accused Surinder Malik @ Neetu Dabodha and his associates, unknown in number, was expected to arrive in late evening hours somewhere near the petrol pump situated on the service road adjacent to Hotel Grand, Vasant Kunj, in a white Hyundai i-20 car bearing a Delhi number plate 3716. It was also informed that this visit of Neetu was to meet a contact for planning a sensational kidnapping for ransom of an unknown target. Accordingly a raid was organized to locate the suspected car of criminals and to apprehend them.

At about 10.30 PM the suspected car carrying three occupants was spotted near petrol pump. However the occupants fled away on link road going towards Hotel Grand to C-5 Block, Vasant Kunj with their car suspecting police presence. They were chased by Special Cell teams in different vehicles.

After a short follow-up the i-20 car of criminals was intercepted by ACP Manishi Chandra by his self driven Scorpio car by taking sharp left turn. The criminals, instead of applying brakes, dashed their i-20 car into Scorpio car. Immediately thereafter all the three criminals got down from their car and fled away in different directions. The criminals, sitting on the front left side fired upon the Scorpio car driven by Sh. Manishi Chandra, ACP and ran on the front, whereas its driver and the third occupant sitting on the rear seat fled on the back side towards Hotel Grand, while firing indiscriminately. In the meantime the team led by Insp. Hriday Bhushan, SI Ravinder Joshi overtook the accidental i-20 car of suspected criminals & Scorpio car of police team and took position on the front of accidental cars and team members got down taking appropriate positions.

The criminal, later on identified as accused Surender Malik @ Neetu Dabodha, who ran on the front side of accidental vehicles after firing on Scorpio car was challenged by DCP Sanjeev Kumar Yadav and Insp. Hriday Bhushan and other team members by disclosing their identities and asked him to surrender but instead, he started indiscriminate firing upon the police team members. Two of the gun shots fired by him hit SI Ravinder Joshi on his bullet proof jacket worn by him. In self defence and in order to save their lives, the police team members also fired upon the criminal, who got injured and fell down on the road side. One revolver make “Webley” was found lying beside him. After a short run, one of them crossed the road on left side and he was intercepted by the team of Inspector Lalit Mohan Negi consisting of SI Sukhbir Singh & others. Inspector Lalit Mohan Negi disclosed his identity and asked the criminal to surrender, but instead he opened indiscriminate fire on the police team members and one of his gunshot fired by him hit on the bullet proof jacket worn by SI Sukhbir Singh. In self defence and in order to save their lives, the police team members also fired upon the criminal, who got injured and fell down on the road side. He was later identified as accused Alok Gupta r/o Kannauj (U.P), a close associate of accused Neetu Dabodha. One Steel colored pistol was found lying beside him.

The third criminal, who was running on the right side of the road going towards Hotel Grand and holding weapon in his hand, was intercepted by the team of Inspector Ramesh Chander Lamba. Inspector Ramesh Chander Lamba disclosed his identity to the suspected criminal and asked him to surrender but instead he started firing indiscriminate upon the police team members and one of the gun shot fired by him hit on the bullet proof jacket of Inspector Ramesh Chander Lamba. In self defence and in order to save their lives, the police team members also fired upon the criminal, who got injured and fell down on the road side. He was later identified as accused Deepak Gupta r/o Uttam Nagar, Delhi, associate of accused Neetu Dabodha. One pistol on which “made in USA” was engraved, found lying beside him. All the three injured criminals were removed to AIIMS Trauma Center, where all the three were declared brought dead.

In this operation S/Shri Manishi Chandra, Assistant Commissioner of Police, Ravinder Joshi, Sub-Inspector, Vinod Kumar, Assistant Sub-Inspector and Banay Singh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/10/2013.

(F. No.- 11020/162/2016-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 10-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Saqib Rasool Sheikh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.12.2017, an information was generated by J&K Police regarding presence of a top terrorist commander of JeM in village Karnabal Samboora. The information was further developed b Sh. Muneer Ahmed Khan, IPS IGP Kashmir

Zone and shared with 50 RR and 130/110 Bn CRPF. The operation was planned and joint teams of Police and above mentioned RR/CRPF units headed by Sh. Muneer Ahmed Khan, IPS, IGP, Kashmir Zone, Sh. S.P Pani, IPS DIG SKR Anantnag and Sh. Mohd. Zaid, SSP Awantipora rushed to the area. In the first instance, a small component of police comprising of DySP (PC) Pampore Riaz Ahmad-JKPS, ASI Ghulam Rubani 151/S, ASI Irshad Ahmad 346/Awt, HC Sher Khan 395/Awt, Sgt. Shabir Ahmad 2692/S, Sgt. Farooq Ahmad 819/IR 11th Bn, Ct. Saqib Rasool 653/Awt, Ct. Muzaffar Ahmad 659/Awt, Ct. Khalid Masood 598/Awt, Ct. Mudasir Ahmad 541/Awt, Ct. Nisar Ahmad 749/Awt, Ct. Waseem Ahmad 658/Awt, Ct. Aarif Mohammad 506/Awt, Ct. Naseer Ahmad 737/Awt, Mukhtar Ahmad 727/Awt, SPO Sheeraz Ahmad 282/SPO, SPO Mukhtair Ahmad 75/SPO SPO Mushtaq Ahmad 173/SPO, SPO Suraj Singh 137/SPO, SPO Ab. Qayoom 793/SPO, SPO Mohammad Younis 312/SPO, SPO Mohammad Irfan 156/SPO, SPO Sajad Ahmad 155/SPO, SPO Aslam 458/SPO, SPO Mohammad Jahangir 505/SPO, SPO Younis Raza Bhat 611/SPO, SPO Fayaz Ahmad 109/SPO, SPO Haseena Bano 360/SPO, SPO Noor-ul-Amin 146/SPO, SPO Gh. Nab No. 316/SPO and SPO Manzoor Ahmad No. 123/SPO and later reinforcements from Police Awantipore also joined the operation. Acting as per the plan, the joint operation teams, soon after reaching the target site, cordoned off the area and the whole deployments were divided into three parts. One part of the deployments was exclusively given the task of law and order management and remaining two were tasked for outer/inner cordon and a part of deployments headed by Shri Muneer Ahmed Khan, IPS was took the job of search operation. The inner cordon parties were further divided into three segment headed by Sh. S.P Pani, IPS DIG Police SKR, Anantnag, CO 50 RR and Sh. Mohd Zaid, SSP Awantipora. Sh. Muneer Ahmed Khan, IPS being senior most officer on job, took over the responsibility of the whole operation and choosed to lead the searching parties from front along with Sh. S.P Pani, IPS DIG SKR, Anantnag. Since conducting the operations in broad day light is always full of challenges that too when reports of hiding of top terrorist commanders are received, IGP Kashmir acted as per the situation on ground, revisited the strategy and tasked Sh. Riaz Ahmad DySP (PC) Pampore to follow his team from two different directions for safe evacuation of civilians from the target house who all got trapped inside the house. As the searching party led by IGP Kashmir started approaching the target house owned by Ab. Aziz Dar S/O Mohammad Gh. Mohammad Dar R/O Karnabal Samboora, the terrorist opened the window of the house and lobbed a hand grenade which dropped just a few meters away from Sh. Muneer Ahmed Khan, IGP Kashmir, Sh. SP Pani, IPS DIG Police, SKR and since both the officers and their teammates were enough vigilant, they narrowly escaped from the blast. The terrorist also opened indiscriminate firing upon the joint searching team however, each team member including IGP Kashmir and DIG SKR were positioned in their respective places thus they could successfully overcome the attack of the terrorist. Since the team lead by IGP Kashmir did not retaliate at that particular moment as there was every apprehension of civilian casualties however, the officer being expertise in counter insurgency operations was able to create a feeling of nervousness among the terrorist and forced them to remain indoors till he along with his team get inside the first floor of the house. Outside the house, CO 50 RR along with his team, supervisory officers of 110/130 Bn CRPF along with their respective teams cornered the whole house till the parties led by IGP Kashmir managed to evacuate the inmates of the house. the terrorist did as many as three attempts to shift to first floor of the house so as to cause casualties. While doing so, the terrorists fired as many as 10 rounds but it was due to the structure of the house which could not provide open view to terrorists and also because of the effective positions taken by DIG SKR, Anantnag and Ct. Saqib Rasool Sheikh 653/Awt EXK126373 particular, terrorists could not manage to shift to 1st floor of the target house. After successful evacuation of civilians, terrorist lost the cool and incomplete frustration, opened volley of fire upon the joint searching parties with the intention to break the cordon so as to fled from the spot. However, Shri Muneer Ahmed Khan, IPS acted as per the plan, and further strengthened the cordon and directed SSP Awantipora to supervise the deployments around the 'target house' CO 50 RR was also present. In the meantime, the target house was also zeroed in and fire was retaliated from two directions. The process of retaliation continued for at least 11/2 hour, during which terrorist was forced to consume more and more ammunition. Sensing that the terrorist is also changing strategy and looking for long drawn operation so as to manage his escape, Sh. Muneer Ahmed Khan, IPS planned for house intervention along with the team of DIG SKR, SSP Awantipora. While doing so, the team of CO 50 RR (Army) get very close to the target house and engaged the terrorist in fierce firefight till IGP Kashmir along with D SKR, and their team mates managed to get inside the house. While getting inside the house, the terrorist shifted to first floor and attacked both the officers and their team mates had a narrow escape however, in retaliation, the terrorist was killed on the spot and identified as Noor Mohammad Tantray Late Ab. Khaliq R/o Dar Genie Gund Tral (A++ categorized). Arms/Ammunition recovered from the possession of slain terrorists includes 1 AK 47, 2 AK magazine, 49 AK rounds, 1 medicine, 250 gram explosives (dry), 1 pair shoe, 1 suicide belt and 1 blanket. Case FIR No. 219/2017 U/S 307 RPC, 7/27A. Act stands registered in police station Awantipora in this regard and investigation taken up. Elimination of above named most wanted top terrorist commander of JeM was, undoubtedly, a remarkable achievement for the Police/SFs as his elimination created dent in JeM outfit.

In this operation Shri Saqib Rasool Sheikh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/12/2017.

(F.No.-11020/139/2018-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 11-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Syed Javeed Ahmad	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Tabraiz Ahmed	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
3	Muneer Ahmad Bhat	Head Constable	1st BAR TO PMG
4	Ayaz Ahmad Katoch	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27-05-2017, Police Baramulla received an information through reliable source regarding movement of terrorists in the general area of Rakhia Behak near Loc of Uri sector. Acting on this information, DySP Ops Baramulla, SDPO Uri, along with Nafri of Police Station Uri and SOG personnel proceeded towards the location along with the 4th Gardwal Army under the supervision of DySP (Ops) Baramulla and started the process of cordon and search operation. A team of 4th Gardwal Army and some police personnel/SPOs of District Police Baramulla was constituted. Among them one team was assigned the task to carry search operation while another one was tasked to give cover protection to the search team. Shri Nissar Ahmad DySP (Ops) Baramulla, Shri Syed Javeed Ahmad SDPO Uri JKPS-116036, Inspr Tabraiz Ahmad No. ARP-046147, SI Mohd Murtaza No. 7601/NGO, SI Khalid Fayaz EXK-109446, ASI Mohd Sadeeq, HC Muneer Ahmad 295/BD, HC Amarjeet Singh 526/B, HC Mohd Taha 82/B, HC Ab. Aziz 298/B, SgCt. Amraiz Khan 890/B, SgCt. Ayaz Ahmad ARP -096446, SgCt. Tariq Ahmad 1600/B, SgCt. Shabir Ahmad 477/B, Ct. Mohd Aslam 618/AWP, Ct. Ab. Hameed 1078/B, Ct. Farooq Ahmad 1334/B, Ct. Ayaz Ahmad 1341/B, Ct. Hilal Ahmad 1580/B, Ct. Sajad Ahmad 1308/B, Ct. Hilal Ahmad 626/B, SPO Asif Hussain 479/SPO, SPO Syed Mohd 1782/SPO, SPO Ali Mohd 1870/SPO, SPO Manzoor Ahmad 833/SPO(Sgr), SPO Wazir Ahmad 1104/SPO, SPO Audil Hamid 305/SPO, SPO Ab. Gani 820/SPO, SPO Nazir Ahmad 1151/SPO, SPO Autar Singh 270/SPO, SPO Fayaz Ahmad 650/SPO, SPO Mohd Ashraf 1620/SPO, SPO Mohd Ramzan 1785/SPO, SPO Habibullah Mailk 193/SPO, SPO Mohd Ismail 1192/SPO, SPO Nissar Ahmad 1464/PSO, SPO Karnail Singh 1210/SPO, SPO Mohd Zaman 127/SPO, SPO Waseem Ahmad 523/SPO, SPO Ab.. Latief 675/SPO, SPO Bashir Ahmad 180/SPO volunteered themselves to be the part of search and cover teams. Search operation was started under the close supervision of operational officers led by Shri Syed Javeed Ahmad Dy SP SDPO Uri. While carrying search of the suspected area, all of a sudden Inspr. Tabraiz Ahmad ARP-046147, HC Muneer Ahmad 295/BD and SgCt Ayaz Ahmad ARP-096446 headed by DySP Syed Javeed Ahmad, came under heavy fire from the terrorists who had taken shelter in nearby forests. The search team was enough vigilant and remained unharmed during the attack and a meticulous strategy was chalked out by the officer and the location of the terrorist was marked. Searching party by adopting full professionalism started crawling and advanced towards hiding terrorists, however the terrorists observed their movement and fired upon the search party indiscriminately with the intention to kill them and to break the cordon. Searching party retaliated the fire and a fierce encounter between the assault party and terrorists under the covering support of joint operation teams and terrorists continued for half an hours. The assault parties remained committed and all the 06 hard core terrorists were instantly gunned down. After carrying further search of the area, no further movement/presence of terrorists was established and finally operation was called-off. Arms/ammunition recovered during the operation includes 4 AK-47 Rifles, 10 AK-47 Magazines, 305 AK-47 Rds, 2 Pistol, 1 UBGL, 3 Blanket, 4 Jacket, 4 Rucksacks, 1 Torch, 1 Lighter, 2 Medicine, 10 Injections, 02 Battery Charger and Rs. 1000/- PAK Currency. Further enquiry reveals that these terrorists were foreigners and have infiltrated into own side recently for carrying out subversive activities in the valley. For the said incident Case FIR No. 27/17, U/S 7/27 Arms Act 307 RPC, stands registered in P/S Uri.

In this operation S/Shri Syed Javeed Ahmad, Deputy Superintendent of Police, Tabraiz Ahmed, Sub-Inspector, Muneer Ahmad Bhat, Head Constable and Ayaz Ahmad Katoch, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/05/2017.

(F. No.- 11020/150/2018-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 12-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Tariq Mahmood	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Abdul Hamid Khatana	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On specific information received by Police Handwara that on 19-05-2018 a newly infiltrated group of terrorists has attacked the patrolling party of 15RR in Mooldari forests. Acting on the information a police party was rushed towards the spot and a joint operation was launched by Police Handwara and 15RR in and around the whole forest area. The presence of terrorists was established and cordon around the hiding terrorists was further tightened. During the search operation heavily armed terrorists opened indiscriminate fire on the search party that created a chaos among the civilians working in the forest area for wood cutting. In order to evacuate all the civilians to safer areas rescue operation was started and joint team of Police & Army headed by DySP Ops Handwara Shri Tariq Mahmood-JKPS augmented by SgCt Abdul Hamid Khatana No. 630/H volunteered themselves to take the responsibility of evacuating the civilians to safer areas. Despite the risk involved they showed utter disregard to their personal safety, evacuated the civilians amidst volley of fire. During the entire process of evacuation of civilians heavily armed terrorists kept on firing indiscriminately & fired several grenades upon the rescue party. The fire was effectively retaliated and terrorists were engaged in a fierce gunfight. After the safe evacuation of all the civilians, the operation was regained and on spot assault teams were constituted to eliminate the dreaded terrorists without any collateral damage. While heading the assault team DySP Ops Handwara Shri Tariq Mahmood-JKPS and SgCt Abdul Hamid Khatana No.630/H again volunteered them for the task and marched towards hiding terrorists in various directions thus tightened cordon further and swiftly retaliated the terrorist attack. The cordoned area being dense forest area and the terrorists had already taken advantageous positions to inflict maximum damage on the operation party. The recommendees taking positions behind trees and slowly advanced towards the terrorists. While seeing the assault party moving forward, terrorists started indiscriminate firing on the assault teams and lobbed several grenades. DySP Ops Handwara Shri Tariq Mahmood-JKPS and SgCt Abdul Hamid Khatana No.630/H tactfully retaliated this attack and directed assault team to provide cover fire to each other while advancing further towards terrorists. This abrupt assault of terrorists was making the task more difficult for the assault teams to move, forward. Taking the advantage of safer positions DySP Ops Handwara Shri Tariq Mahmood-JKPS and SgCt Abdul Hamid Khatana No. 630/H retaliated the terrorist attack, pushed terrorists further in defensive position while forwarding towards terrorist positions. On reaching very close to the terrorists a final assault upon the hiding terrorists was launched resulting killing of four dreaded foreign terrorists. The killed terrorists were recently infiltrated and heavily armed to resist for much time and inflict more damage to the operation party however due to meticulous planning they were eliminated without any collateral damage. Case FIR No. 187/2018 U/S 307RPC 7/27 I.A. act stands registered in Police Station Handwara.

During this joint anti terrorism operation other participants which include (01) HC Nazir Ahmad No. 278/AP 7th (02) SgCt Mohd Ashraf No. 170/H (03) SgCt Javid Ahmad No. 193/H (04) Ct Shabir Ahmad No. 500/H (05) Ct Imtiyaz Ahmad No.1101/Bla and Ct Sajad Ahmad No. 610/H (All Recommended for OTP) and (01) SPO Zakir Ahmad No. 616 (02) Reyaz Ahmad No. 148/SPO (03) SPO Irshad Ahmad No. 79/Gb1 (04) SPO Yasir Ahmad No. 121/Sgr (05) SPO Ab Rashid No. 88/SPO (06) SPO Manzoor Ahmad No. 168/SPO (07) SPO Ab Jabbar No. 897/Bla (08) SPO Gh Nabi No. 856/Bla (Recommended for conversion) of assault team also played key role during the execution of this anti-terrorism operation. They also remained at the forefront while taking strategic positions to eliminate these dreaded terrorists and provided cover fire to each other during advancing towards dreaded terrorists. On the basis of their role/active participation they were recommended for OTP and Conversion respectively. The remaining participants who were deployed for the outer cordon to prevent any escape of the terrorists were provided suitable cash reward.

In this operation S/Shri Tariq Mahmood, Deputy Superintendent of Police and Abdul Hamid Khatana, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/05/2018.

(F. No.- 11020/37/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 13-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Arif Amin Shah	Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Majad Ali	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Gh. Hassan Lone	SGCT	PMG
4	Shabir Ahmad Sohail	Follower	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10/07/2018 at about 0500 hours, Police Shopian received a credible input about the presence of terrorists in Village Kundalan Shopian. Accordingly, a CASO was planned with 34 RR, 10th PARA and 14th BN CRPF. The specific

input about the presence of JeM terrorists including one FT was confirmed. After thorough deliberation it was decided that a Police component and RR Coy will move to the target area and conduct search- so as to maintain surprise. Both the search parties reached the specific place at around 0515 hours and as per the plan, the Police/RR parties approached the suspected house in the Village for search purpose.

While search was carried out, the terrorists hiding in the village fired indiscriminately upon the search parties as a result of which three Army personnel namely (1) JCO. Rajpal Dayal No. 414383 of 10 Para. (2) HC. Mahindra Kumar No. 31933231 of 34 RR & (3) NK. Anil Chowdry No. 3200937 of 34 RR sustained firearm injuries. Soon information about the contact being established was disseminated to all concerned, Shri Sandeep Chaudhary-IPS, SSP Shopian along with Police party and Commandant 14th Bn CRPF with his Coy also rushed to the spot and joined the initial parties at the target Village at around 0545 hours. After reaching encounter site SSP Shopian took stock of the situation. In the meantime other parties of RR also reached the location. During the course of action, huge mob of stone palters started to gather from the nearby villages near the target village so as to disrupt the ongoing encounter and to provide safe passage to the trapped terrorists. However the Police and CRPF law & order components deployed in managed to keep the miscreants at safe distance. To block the entry route of miscreants, strong CRPF and Police components were placed at Kundalan junction. As per plan the nafri was divided into two parties. The First party comprised of SOG Shopian and QRTs of 34 RR and 14 Bn. CRPF headed by Sandeep Chaudhary-IPS, SSP Shopian was asked to lay the cordon of the target area in inner cordon. The Second party comprised of SOG Zainapora and QRTs of 10 PARA and 14 BN CRPF headed by Shri Arif Amin Shah, ASP Shopian was tasked to lay the cordon of the target area from outer cordon.

All the parties positioned themselves according to the plan as enumerated above. The cordoned area comprised of a very difficult terrain which included congested residential houses, dense orchards, and other dense vegetations. The area was sealed off and all the possible escape routes including path ways for orchards, interior roads & lanes / by-lanes were plugged properly. Meanwhile the terrorists hiding in the target house again resorted to indiscriminate firing upon the troops from different sides with their illegal automatic weapons with the intention to cause damage to the forcers and to break down the cordon. The hiding terrorists kept changing their locations again and again in order to avoid disclosing their specific location. The troops immediately took cover and retaliated with a strategy and precision due to which the terrorists did not find any opportunity to escape from the besieged area. In order to avoid any civilian causality the operational Commander SSP Shopian asked the parties to evacuate the people trapped in the cordoned area. While the evacuation was taking place the assault groups headed by SSP Shopian and ASP Shopian came under heavy fire, however they did not lose their concentration and continued the evacuation process without caring for their lives and completed it successfully. Soon fire from terrorist side stopped. Sensing the opportunity to persuade the terrorists to surrender, operational commander SSP Shopian went very close to the target house and offered the terrorists to surrender. However, the terrorists refused the offer in turn fired indiscriminately; fire was retaliated on the terrorists. In the meantime, a violent mob started heavy stone pelting on the troops engaged in the cordon from all sides with the intention to breakdown the cordon and to provide safe Passage to the trapped terrorists. However the deployed troops managed the situation effectively and kept the stone-palters at a distance.

The terrorists opened heavy volume of fire upon the forces as a result the target house caught fire and the terrorists tried to move out of the burning house, firing upon the troops in the inner cordon. The troops under the Command of SSP Shopian including ASP Shopian, Shri Ashiq DySP HQ Shopian, Shri Majad Ali DySP Keller, SI Javid Ahmad EXK109550, Sgt Rifaqat Hussain Lone 2847/S. Sgt Abdul Ahad 1276/S, Sgt Sameer Ahmad Mir 623/IRP 19th, Sgt Rakesh Kumar 333/IRP 18tn, Sgt Gh Hassan Lone 2812/S, Ct. Ajaz Ahmad 543/SPN, Ct. Surinder Singh 1771/J, Ct. Dayal Oand 700/L, Foll, Shabir Ahmad Sohail 89/IRP 1st BN, SPO Mohd Akram 1263/J, SPO Nitu Masih 29/J & SPO Idris Hussain 686/BD have already taken safe position and were waiting for appropriate opportunity for the terrorists to come out. Once the terrorists came out fired heavily upon the party led by SSP Shopian, retaliated the fire effectively by the above mentioned party with courage and bravery without caring for their precious lives and neutralized both the terrorist trapped in the cordon. Once the fire from both sides stopped, it was decided to search the building from where the fire had come. Joint team of Police, RR and CRPF was framed for searching purpose. During thorough search 02 bpdies of terrorists were recovered near the target house. Accordingly, the operation was closed. The slain terrorists were later on identified as Sameer Ahmad Sheikh @ Shaheen Bhai S/o Ghulam Ahmad Sheikh R/o Awind Rawalpura and, Baber Rio Pakistan. Large amount of arms/ammunition recovered from the slain terrorists. In this connection, case FIR No. 211/2018 U/S 307, 148, 336, 353, RPC, 7/27 A. Act stands registered in Police Station Shopian.

In this operation S/Shri Arif Amin Shah, Superintendent of Police, Majad Ali, Deputy Superintendent of Police, Gh. Hassan Lone, SGCT and Shabir Ahmad Sohail, Follower displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/07/2018.

(F.No.- 11020/117/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 14-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Azad Ahmad	Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29/30-06-2018, acting on a specific information, Police Pulwama in assistance with 55 RR, 182/183, Bn CRPF laid a joint cordon in village Thamuna Pulwama. After laying and strengthening the Cordon, steps for Search of terrorists in the target house were started under the supervision of SI Azad Ahmed ARP-109245 assisted by ASI Yar Mohammad Mugal ARP-984587, SgCt Amir Mohd No. 349/PL, Ct Mashkoor Ahmad 995/PL and Ct Ghalib Ahmad No. 143/PL. Meanwhile, terrorists hiding in the residential house of Bashir Ahmad Wani S/o Abdul Rehman Wani R/O Thumna Pulwama on seeing the Police parties started indiscriminate firing upon them so as to escape from the cordon. But, due to presence of mind, troops who were searching in the target house quickly took positions and retaliated in self-defence, thus foiling their attempt to escape. After the presence of terrorists got confirmed, the cordon was intensified and retaliation was firmly executed under the supervision of SI Ghulam Rasool Malik ARP-115539. Further, upon the directions of DySP OPS Pulwama, 04 teams were constituted one led by SI Azad Ahmed No. ARP-109245 along with SgCt Amir Mohd No 349/PL, Ct Ghalib Ahmad No. 143/PL and SPO Sohail Ahmad No. 442/SPO (KGM) and Party of counter parts of Army and CRP from western side, another side led by SI Ghulam Rasool No. ARP-115539 along with Ct Mashkoor Ahmad No 993/PL, SPO Javid Ahmad No. 283/SPO (SPN) and party of counterparts of Army and CRPF. Another led by ASI Yar Mohammad No, ARP-984587, VC PC Newa along with SPO Jaipal No. 372/SPO and SPO Raj Kumar No. 337/SPO and Party of counter parts of Army and CRPF from Eastern side and another led by DySP OPS Pulwama Shri Zaheer Abbas Jafari-KPS No.KPS-116057 along with his escort Personnel and party of counter parts of CRPF and Army from Northern sides respectively.

After the illumination of targeted area, civilians who were trapped in the targeted house were evacuated one by one by SI Azad Ahmed No. ARP-109245 along with SgCt Amir Mohd No. 349/PL amid the shower of fires. The evacuations of civilians were made possible with the help of covering fire provided by SI Ghulam Rasool No. ARP-115539 and ASI Yaar Mohammad No. ARP-984587 along with their teams named above. The terrorists were given an opportunity to lay down their arms through respectable of the area which they ignored and in turn fired indiscriminately upon the troops. The troops immediately took cover and fought bravely from the front without caring for their lives and killed one terrorist namely Sajad Ahmad Shah (Category "C") S/O Ali Mohammad Shah R/O Gund Handwara of LeT outfit and recover large amount of arms/ammunition. In- this connection, case FIR No. 169/2018 U/S 307, 7/27 I. A. Act stands registered in Police Station Pulwama.

In this operation Shri Azad Ahmad, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 29/06/2018.

(F.No.- 11020/119/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 15-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st BAR to Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Ajaz Ahmed	Deputy Superintnedent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Gh. Mohd Rather	Inspector	PMG
3	Fayaz Ahmad Shiekh	Head Constable	1st BAR TO PMG
4	Mohd Yaseen Dar	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19-06-2018, a credible input was received about the presence of terrorists in the house of Abdul Khaliq Bhat, R/o Hayena Tral. The operation was planned and the cordon was established around the said house with the assistance of 42-

RR and 180 Bn CRPF. Immediately two joint search parties were constituted one headed by Shri Mohammad Zaid-JKPS, SSP Awantipora and other by Shri Ajaz Ahmed-JKPS, Dy.SP (PC) Tral. To evade the escape of the hiding terrorists the target house was closely cordoned off by the search parties. The hiding terrorists were asked to surrender and also to allow the owner of the house alongwith the family members to come out from the house which they declined. It was planned to evacuate the Owner/family members who were trapped inside the target house. The 1st party comprising of Mohd Zaid-JKPS, SSP Awantipora alongwith Shahzada Kabir Mattoo, DySP DAR Awt., Inspr. Gh. Mohd Rather No. 7150/NGO (EXK-002164), HC. Sameet Pal Singh No. 530/IR 11th Bn (ARP-036385), Sg.Ct Haq Nawaz Yousuf No.538/Awt (EXK-097392), Sgct, Ravinder Singh No. 327/Awt (EXK-021623), Sg.Ct Muneer Ahmad No. 710/Awt (EXK-126199), Ct. Sajid Salam Dar No. 809/Awt (EXK-155769), SPO Raja Fida Hussain No. 36/SPO, SPO Muzaffar Ahmad Beigh No. 292/SP0, SPO Ulfat Jan No. 238/SPO and SPO Riyaz Ahmad Khan No. 357/SP0 meticulously entered the premises of the house and came under heavy volume of fire from two different directions. The 2nd party comprising of Dy.SP Ajaz Ahmed-JKPS, (PC) Tral alongwith Inspr, Mohd Yousuf Sofi No. 3611/NGO (EXK-922375), HC Mohd Yaseen Dar No. 527/Awt (EXK-098129), Ct. Mushtaq Ahmad Wani No, 746/Awt (EXK-155452), Foll. Shahnawaz Ahmad No, 54/F AP 9th Bn (ARP-127318), SPO Kulbir Singh No. 42/SPO, SPO Mohd Shafi Tantray No, 388/SPO, SPO Zahoor Ahmad Dar No. 368/SPO & SPO Iftikhar Ahmad Ganai No. 08/SPO kept the terrorists engaged in firing while as 1st joint search party comprising of above named officers/ officials proceeded meticulously towards the house and successfully opened the door of the room wherein the family members were trapped. All the family members ran out of the house under the cover of police party who on one hand engaged the terrorists in firing and on the other took the family members safely out of the gate. Immediately after evacuation of the civilians the 1st joint search party moved meticulously towards the hiding terrorists who after noticing their movement fired indiscriminately towards them. But without caring for their lives the 1st joint search party moved forward and retaliated and put effective fire on the terrorists and killed the first terrorist, Meanwhile the second terrorist lobbed a couple of grenades and started running towards back side of the house in order to make his escape good, but the 2nd joint party comprising of above named officers was already moving forward in that direction and within fraction of time gunned down the second terrorist. However the other terrorist was still firing indiscriminately towards the joint search parties from the house. This was an extreme phase of the encounter but without wasting time the 1st Joint search party comprising of Mohd Zaid-JKPS, SSP Awantipora alongwith his buddy pair lobbed some grenades towards the house where the terrorist was hiding and within a couple of minutes managed to enter the room wherefrom the terrorist was firing indiscriminately and with prompt action and accurate fire killed the third terrorist. The eliminated terrorists were lateron identified as Danish Khaliq Dar S/o Ab. Khaliq Dar R/o Pinglish Tral, Adil Akram Lone S/o Mohammad Akram Lone R/o Midoora Tral and Abu Bakar @ Qasim Bai R/O PAK of JeM outfit. Arms/ammunition recovered from the possession of the eliminated terrorists includes 01 AK-47, 02 AK Magazines (01 damaged), 12 AK Rounds, 01 Wireless Set (IC-V8ICON) (damaged), 02 Pistols, 03 Pistol Magazines, 07 Pistol Rounds and 01 Aadhar Car (Adil Akram Lone S/o Mohammad Akram Lone R/o Midoora Tral). Case FIR No, 53/2018, U/S 307 RPC, 7/27 A.Act stands registered in P/S Tral, in this regard.

In this operation S/Shri Ajaz Ahmed, Deputy Superintendent of Police, Gh. Mohd Rather, Inspector, Fayaz Ahmad Shiekh, Head Constable and Mohd Yaseen Dar, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/06/2018.

(F.No.- 11020/118/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 16-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/4th BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Sandeep, IPS	Senior Superintendent of Police	PMG
2	Ashiq Hussain Tak	Deputy Superintendent of Police	4th BAR TO PMG
3	Imtiyaz Ahmed Bhat	Sub-Inspector	PMG
4	Hilal Ahmad Ganai	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03.08.2018, following a credible input about presence of terrorists in village Kiloora Shopian, Police Shopian in assistance of Army 44 RR and 14th BN CRPF launched a joint operation in the said village under the supervision of SSP

Shopian. Initially efforts were made to evacuate the civilians and message passed to hiding terrorists through village elders to surrender. The hiding terrorists declined the offer and in turn fired indiscriminately upon the deployed joint party in order to manage their escape good from the cordoned area, as a result of which one Army personnel namely Suresh Singh of 44 RR and one civilian namely Imtiyaz Ahmad Ganie S/o Ghulam Mohi-ud-din Ganie R/o Kundalan sustained fire arm injuries. The assault parties including, Sh. Ashiq Hussain DySP, Majad Ali, Dy.SP, SI Imtiyaz Ahmad, ASI Prithvi Raj No. 196/IRP 18th, HC Surjeet Singh No. 791/IRP 18th, HC Hilal Ahmed Ganai Sgct Gulzar Ahmad 760/IRP 18th, HC Hilal Ahmad No. EXK972323, Sgct Arshad Ahmad No. 218/IRP 18th, Sgct Ravees Ahmad No. 1146/PL, Sgct Kifayat Hussain No. 405/AP 13th, Sgct Javed Iqbal No. 557/AP 14th, Sgct Ab Shakoor No. 566/IRP 11th, Sgct Mohd Mehfooz No. 612/IRP 11th, Ct. Faiz Mohd 752/IRP 14th, Ct Rakesh Kumar No. 215/AP 9th, Ct Mohd Masood No. 857/SPN, Ct. Ubaidullah No. 426/SPN, Ct. Tajamul Islam Shah No. 1367/BD, Ct. Showkat Ali Khan No. 4503/S, Ct. Amanpreet Singh No. 944/IRP 3, SPO Mohd Ashaq Dar 214/BD, SPO Ab Hamid No. 17/SPO, SPO Ab Qayoom No. 847/S, SPO Ayaz Ahmad No. 105/SPO, SPO Shabir Ahmad No. 52/SPO headed by Shri Sandeep Chaudhary-IPS, retaliated the terrorist fire effectively and successfully neutralised all the five terrorists who were later identified as Umer Nazir Malik S/o Nazir Ahmad Malik R/o Malikgund Kiloora Shopian, Sheikh Waqar Aslam S/o Sheikh R/o Malikgund Kiloora Shopian, Aijaz Ahmad Paul S/o Abdul Rashid Paul R/o Lousdanow Shopian, Arsheed Ahmad Khan S/o Abdul Rashid Khan R/o Ganowpora Shopian and Arif Ahmad Mir S/o Abdul Rehman Mir R/o Yener Pahalgam Anantnag. Large number of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists and case FIR No. 248/2018 U/S 148, 149, 307, 336, 353 RPC, 7/27 I. A. Act stands registered in P/S Shopian in this regard.

In this operation S/Shri Sandeep, IPS, Senior Superintendent of Police, Ashiq Hussain Tak, Deputy Superintendent of Police, Imtiyaz Ahmed Bhat, Sub-Inspector and Hilal Ahmad Ganai, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/08/2018.

(No. 11020/130/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 17-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Ajaz Ahmed Zargar	Additional Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Davinder Singh	Inspector	1st BAR TO PMG
3	Parviz Ahmad Wani	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

During the intervening night 14/15-09-2018, following a credible input about a group of terrorists in village Chowgam, Police Kulgam launched a joint operation in assistance with 18th, 24th, 163 Bn CRPF and 9 RR in the said village under the overall supervision of Shri Amit Kumar-IPS DIG of Police, SKR Anantnag. After laying cordon, efforts were made to evacuate the civilians and the terrorists hiding in the house of Manzoor Ahmed Ganie S/o Ab Gani Ganie R/o Chowgam Devsar were asked to surrender, which they declined and in turn resorted to indiscriminate firing upon the deployed forces in order to break the cordon and flee from the cordoned area. However, the deployed parties showed highest alertness and did not allow terrorists to flee away. The cordon was accordingly strengthened and terrorists were not given any chance to escape. The area being congested was properly sealed and all the civilians residing in adjoining areas were evacuated to safer places to avoid any civil causality.

To culminate the operation without any hindrance was very difficult task as the area was vulnerable both from law & order/terrorism point of view. But due to the strenuous efforts of Shri Amit Kumar, IPS DIG SKR Anantnag, Shri Ajaz Ahmed Zargar, Addl.SP Kulgam, Shri Mohd Muzaffar Jan JKPS, Dy.SP DAR Kulgam, Inspector Devinder Singh, ASI Salinder Singh No. ARP-931810, SgCt Sameer Ahmad No. 495/PL, SgCt Nisar Ahmad Wani No. 812/Kgm, SgCt Parviz Ahmad No.719/Kgm, SgCt Mushtaq Ahmad No. 676/Kgm, SgCt Satbeer Singh No. 2414/S, SgCt Ajaz Ahmad No. 663/Kgm, Ct Saifullah Majeed No. 890/Kgm, Ct Bilal Ahmad No. 476/Kgm, Ct Shabir Ahmad 752/Kgm, SPO Mohd Hussain No. 29/Kgm, SPO Hassan Deedar No. 81/K, SPO Bashir Ahmad 89/K, SPO Farooq Ahmad No. 112/K, SPO Manzoor Ahmad No. 118/K, SPO Mohd Yaqoob No.123/K, SPO Bhushan Lal No.128/K, SPO Jahangir Ahmad No. 134/K, SPO Jhangeer No. 374/K, SPO Ab Hamid No. 240/K, SPO Mohd Rafiq No. 316/K, SPO Mehraj ud din No.330/K, SPO

Mahafil Ahmad No.333/K, SPO Jabeena Akther No.335/K, SPO Mohd Afzal No, 363/K, SPO Safdar Ahmad No, 381/K and SPO Mohd Shafi Itto No, 75/A all the hiding terrorists were gunned down in a professional manner without any collateral damage. The eliminated terrorists were later on identified as Gulzar Ahmad Paddar S/o Bashir Ahmad Paddar R/o.Takiya Gopalpora Adigen (Category "A" of HM outfit), Fasil Rashid Rather S/O Ab Rashid Rather R/o Yamrach (Category "C" of HM outfit), Zahoor Ahmad Lone S/o Ab Gani Lone R/o Nagnad DK Marg D.H.Pora (Category "C" of LeT outfit), Zahid Bashir S/o Bashir Ahmad R/o Okey Kulgam (Category "C" of HM Outfit) and Masroor AhmadiThat S/O Bashir Ahmad Bhat R/O Fatehepora, Larkipora Anantnag (category "C" of HM outfit). Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorists includes 04 AK-47 Rifles (damaged condition), 04 AK Magazines (damaged condition), 01 UBGL Thrower (damaged condition), 05 UBGL Grenades (damaged condition) and 01 Jacket Pouch. Case FIR No. 213/2018 U/S 307 RPC, 7/27 Arms Act, 13, 16, 19, 20, 38,39 ULA (P)Act stands registered in P/S Qazigund.

In this operation S/Shri Ajaz Ahmed Zargar, Additional Superintendent of Police, Davinder Singh, Inspector and Parviz Ahmad Wani, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/09/2018.

(No. 11020/131/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 18-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Javaid Iqbal	Senior Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Gh. Hassan	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12/13.09.2018, late hours acting upon a credible intelligence input regarding presence of terrorists in Ganie Mohalla Takiyabal Mohalla Teliyan of Arampora area, Sopore Police along with Army 22-RR and CRPF cordoned off the area and launched search operation. After establishing contact with the terrorists, the security forces could not launch an offensive attack because of the fact that most of the civilians were trapped inside the target and other houses. So in order to avert the civilian's casualty, it was decided unanimously with other counter parts of army and CRPF and as such the operation was halted and the rescue operation of civilians was started under the overall command of Shri Javaid Iqbal JKPS-013516, SSP Sopore. During this process the hiding terrorists again fired volume of bullets upon this party to restrain them in making advance towards the specific areas and even some bullets hit near SSP Sopore, but he did not loose his morale. After reaching the target house the officer while applying his mind judiciously put a ladder on the backside of the house and evacuated all the trapped civilians through a ladder. After evacuation of all trapped civilians, the cordon was more tightened by plugging all entry and exist points and the lightings were installed, so as to ensure that the terrorists do not escape from the cordon by taking advantage of darkness and thick habitation. As soon as next dawn sets the search operation was restarted/ intensified by two joint teams of police/ army and CRPF including 1st party HO Ghulam Mohammad 581/Spr, Sgct Anaytullah 731/Spr, Sgct Abdul Rashid 704/AWP, Ct. Gh. Hassan Mir 783/Spr, Ct. Waseem Raja 424/Spr, Ct. Manzoor Ahmad 822/Spr, Ct. Showkat Ahmad 386/Spr, SPO Shahnaz Ahmad 137/SPO, SPO Nazir Ahmad 395/SPO, SPO Farooq Ahmad 40/SPO, SPO Abdul Rashid 483/SPO, SPO Hilal Ahmad 472/SPO, SPO Tawseef Ahmad 209/SPO, SPO Abdul Majeed 380/SPO led by SSP Sopore (as advance party) and the 2nd party SI Imtiyaz Ahmad ARP115601, HO Mohammad Qasim 02/Spr, Sgct Mohammad Sadiq 235/Spr, Ct. Nazir Ahmed 825/Spr, Ct. Mehraj Mushtaq 427/Spr, SPO Sajad Ahmad 332/SPO, SPO Sajad Hussain 171/SPO, SPO Ghulam Qadir 408/SPO, SPO Abdul Waheed 22/SPO, SPO Riyaz Ahmad 450/SPO, SPO Abdul Rashid 125/SPO led by Shri Mashkoor Ahmad Zargar-JKPS, SDPO Sopore (as backup party) and during which contact was established with the holed up terrorists who were initially asked to surrender, but they (holed up terrorists) instantly turned down the warning and opened heavy volume of firing upon the advance party, the advance party retaliated the fire, but SSP Sopore once again with thoughtful consideration and taking all dimensions of the operation into the consideration led the 1st joint team of police/Army/CRPF to carry, out last and final assault and as per their well planned strategy the advance party started approaching towards the target house, the terrorists fired volume of bullets upon the joint party, but the joint party led by SSP Sopore did not loose their morale and continued their approaching in crawling position under the coverage firing of outer cordon. As soon as the joint party reached the target house, the hiding terrorists instantly jumped out from the house through a window while showering volume of bullets on the advance party, but the advance party especially SSP Sopore and Ct. Gh. Hassan Mir No. 783/Spr remained determinant like a rock without caring their lives by exhibiting highest degree of courage, resilience, professionalism retaliated effectively and in the ensuing gunfight two foreign dreaded A+ category

terrorists were killed on spot and the slain terrorists has been identified, as All @ Athar R/o Pak and Umer @ Zia-ur-Rehman R/o Pak, both belonging to prescribed terror outfit Jaish-i-Mohamd (JeM). Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorists includes 01 UBGL Thrower, 02 Chinese Pistol, 06 Mag. Pistol and 30 Rds Amn Pistol. In this regard, case FIR No. 254/2018 U/S 307/IPC, 7/27 A. Act was registered in Police Station Sopore.

In this operation S/Shri Javaid Iqbal, Senior Superintendent of Police and Gh. Hassan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/09/2018.

(No. 11020/135/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 19-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Atul Kumar Goel, IPS	Deputy Inspector General	PMG
2	Mohd Yousif	Additional Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
3	Tanveer Ahmad Bhat	Constable	PMG
4	Syed Sajad Hussain	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

01 night 22/23 January 2019, a credible input regarding the presence of a terrorist group in general area of Binnar Nallah of Tehsil Baramulla was received by Baramulla Police. Addl.SP Baramulla Shri Mohd Yousif, Commandant 53 Bn CRPF and CO, 46 RR under the close supervision of DIG Atul Kumar Goel, IPS chalked out an actionable plan by meticulously analyzing the input keeping mind the adverse weather conditions and managing the law and order problem with an aim to sterile the target area from the extrinsic interference of stone pelters and miscreants. For better operational coordination and communication, the diverse operational components exchanged their wireless equipments and guides with each other besides composing composite operational components.

As per evolved strategy, the suspected hideout of terrorists was cordoned during the wee hours of 23.01.2019. The composite parties of Army 46 RR led by CO 46 RR, Police Baramulla led by Mohd Yousif, Addl SP Baramulla and CRPF 53 Bn led by Comdt. Vinay K Tiwari approached the suspected Nallah (hidden place of terrorists) by adopting the unconventional treacherous routes maintaining high level of surprise till complete gap free cordon. All the possible escape routes were plugged off tactically and clandestinely to negate escape of terrorist by breaking cordon. The situation became hostile and worse during the approach to hideout due to heavy snow fall, extreme chilly conditions coupled with dense bushes and hilly terrain. Due to immaculate planning, foresight and unmatched determination, the operational component under the command of these three officers smilingly overcome these hostile impediments.

After the successful laying of cordon, the next step was to detect the hidden place, of terrorist and neutralize them. After the dawn, the search operation suspended till 10 0' Clock due to dense fog. As the fog got cleared, the composite search parties constituted as per already evolved plan, commenced search of suspected Nallah assisted by continuous aerial surveillance by quadcopters. The composite search teams of Army 46 RR assisted by 4 Para (SF), SOG Baramulla and CRPF 53 despite searching the suspected NALLAH thrice failed to detect the hideout of terrorists.

Later on at around 1300 hours, Mohd Yousif Addl. SP Baramulla and Comdt. Vinay Kumar Tiwari (53 BN CRPF) with their small teams moved to the suspected hidden area again. During their movement, they found vintage foot prints. Both parties displaying extraordinary presence of mind, tactically followed the tale tail signs leading to the discovery of the hideout. As the hide get discovered, one composite component of operational party led by DIG Atul Kumar, IPS tightened the innermost eastern flank of hide while as another operational component led by Mohd Yousif, Adl SP Baramulla laid innermost cordon around the hide on its western flank along with Army/CRPF party. On being exposed completely, the hidden terrorist fired indiscriminately and lobbed hand grenades upon the search party with the aim to inflict casualties and to escape by breaking cordon. But the ever-resolute composite parties of Army, Police and CRPF effectively retaliated the assault by terrorists, letting no scope for them to escape. By exhibiting great synergy with different operational parties, the composite assault party of DIG Atul Kumar Goel, IPS DIG NKR Baramulla and assisted by Mohd Yousif ASP Baramulla JKPS-07324 with his buddy Ct. Syed Sajad Hussain No. 671/Bpr and Ct. Tanveer Ahmad Shat No. 706/Bpr repositioned

themselves in the tactically viable position and initiated a face to face close gun battle eliminating all the three terrorists without a single scratch to the composite operational team.

Meanwhile, some civilians working on their apple orchards for pruning of branches which got damaged by recent heavy snowfall also got trapped in the ensuing fire fight. A police party led by Mohd Yousif Adl SP Baramulla and CO 53 CRPF under the overall coordination of DIG Atul Kumar Goel evacuated the civilians to safer places without caring for the repercussions of moving through intense firefight depicting remarkable selfless devotion to duty.

The killed terrorists were identified as Suhaib Ahmed Akhoon @ Hurrarah S/o Farooq Ahmed Akhoon R/o Khanpora Baramulla (B-Cat.), Mohsin Mushtaq Bhat @ Shera Bhai S/o Mushtaq Ahmed Bhat R/o Qazihmam Baramulla (B-Cat.) and Nasir Ahmed Darzi S/o Lt. Mohd Amain Darzi @ Hamza R/O Sangrampora, Bhatpora A/P Jamia Qadeem Baramulla (B-Cat.) and were affiliated with Lashker-eTohiba terrorist outfit. A huge cache of arms/ammunition was recovered from the encounter site and in this regard case FIR No. 14/2019 U/S 307 RPC, 7/27 I. A. Act registered at Police station Baramulla.

Needless to mention that the killed terrorists were active in the district Baramulla and Sopore since long who had un-leased a rein of terror amongst the people/political activists by way of killing three innocent youths in Baramulla town, one in Sopore and also were involved in number of other terror actions on the SF which included UBGL attack on watergam army camp, grenade attack on CRPF Camp Sangrama and twice grenade attack on Police Station Baramulla. Besides, they were motivating local youth to join terrorism. The killed terrorist Suhaib Akhoon @ Hurrarah was a PoK trained terrorist and self styled operational chief of LeT for north Kashmir causing extreme atrocities for locals. He had also circulated a intimidating video on social media during recently held Municipal and Panchayat elections threatening people to boycott the democratic process. The killing of all the three terrorists broke the back bone of LeT in North Kashmir putting on end and to unending atrocities on civilians and recruitment of innocent youngsters.

The other police officers and officials who also remained a part of the operational police party and contributed exemplary performance in eliminating the terrorists were suitable awarded, viz. ASI Aijaz Ahmad No.79/B, Sgt Hilal Ahmad No. 1520/B, Sgt Ganesh Dass No. 725/IR 13th, Sgt Gh. Hassan No.865/AWP, Ct. Shoib Mohammad No. 1389/B, Ct. Rafiq Ahmad No.1711/B. Ct. Altaf Ahmad No. 1708/B, Ct. Abdul Farooq No. 1052/B, Ct. Anayat Hussain No. 1050/B (recommended for OTP), SPO Touqeer Ahmad No. 597/SPO, SPO Irshad Ahmad No.144/SPO, SPO Manzoor Ahmad No.1092/SPO, SPO Aijaz Ahmad No. 221/SPO, SPO Ashfaq Ahmad No. 309/SPO, SPO Javaid Ahmad No. 184/SPO, SPO Shabir Ahmad No. 1305/SPO, SPO Zahoor Ahmad No. 543/SPO, SPO Nisar Hussain No. 2089/SPO, SPO Mohd Imran No. 248/SPO, SPO Irshad Ahmad No. 1795/SPO, SPO Ghulam Ahmad No. 459/SPO, SPO Mohd Amin No. 13/SPO, SPO Mohd Maqbool No. 128/SPO, SPO Gh. Mohd No.50/SPO, SPO Salmaan Bilal No. 1916/SPO, SPO Mohd Ashraf No. 1808/SPO, SPO Mushtaq-ul-Islam No. 638/SPO (recommended for conversion).

In this operation S/Shri Atul Kumar Goel, IPS, Deputy Inspector General, Mohd Yousif, Additional Superintendent of Police, Tanveer Ahmad Bhat, Constable and Syed Sajad Hussain, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/01/2019.

(No. 11020/137/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 20-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Tahir Ashraf	Superintendent of Police	PMG
2	Sharad	Deputy Superintendent of Police	PMG
3	Showkat Ahmad Shah	Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

During the intervening night of 23/24-10-2018, on a specific information generated by Police Component Srinagar regarding presence of terrorists namely Sabzar Ahmad Sofi @ Dr. Sabzar @ Tajam-ul-Islam of HM outfit and Asif Ahmad Shergojri (Wagay) @ Khubaib of HM outfit in the residential area of Suthsoo, Kuthier Bagh, Nowgam of District Srinagar, a cordon, and search operation of the area was carried out by operational party of Police Component Srinagar, Police party of West Zone Srinagar alongwith a special team of CID, CIK Srinagar and with the help of Technical Int. The parties succeeded

in zeroing in on the hiding terrorists in the said area. It was established that both the hardcore HM terrorists were hiding in Suthsoo, Kuthier Bagh, Nowgam, Srinagar in the joint house of Mohd Jabbar Dar S/o Mohd Ramzan Dar and Gh Mohi-ud-Din Wani S/oAb. Rehman Wani and were planning to carry out terrorist attack in Srinagar City.

Accordingly, a team was constituted under the command of Shri Vidhi Kumar Birdi-IPS, DIG, CKR Srinagar and Shri Imtiaz Ismail-IPS, then SSP Srinagar comprising of Shri Gurinderpal Singh-IPS, SP City West Srinagar and Shri Tahair Ashraf-JKPS, SP PC Srinagar alongwith adequate police personnel of Police Component Srinagar, to identify and subsequently neutralize the hiding terrorists. Before the operation was conducted, it was decided to co-opt., with Police City West Zone, Srinagar, 50 Rashtriya Rifles and 29th Bn. CRPF in order to avoid collateral damage and to conduct clean operation.

All the nafri was divided into two parties. First party comprised of Police party West Zone Srinagar headed by Shri Gurinderpal Singh-IPS, then SP City West Srinagar, DySP Gowhar Ahmad Khan-JKPS, then SDPO Pantha Chowk Srinagar, SI Showkat Ahmad (now Inspector) No. 7844/NGO (EXK-Q22645), SHO P/S Nowgam, Sgct Mirza Afaq Beigh No.3509/S EXK-972368, Ct. Abdul Majeed No.1253/Sec. Kmr of Police West Zone Srinagar alongwith nafri of 50 RR, 29th Bn.CRPF and Valley QRT of CRPF. It was tasked to lay the outer cordon of the target area. The second party comprised of Police Component Srinagar headed by Shri Tahair Ashraf JKPS-045839, SP (PC) Srinagar, DySP Sachit Sharma-JKPS, DySP Sharad JKPS-155774, Inspr. Sahil Singh Charak ARP-046130, SI Vinod Kumar No. 2889/S (EXK-022227), HC Babu Ram No.280/AP 6th Bn (ARP-993551), HC Kulwant Singh No.730/IR 9th Bn (ARP-007104), Sgct Sudesh Singh No. 832/IR 9th Bn (ARP-045617), Sgct Suresh Kumar No.502/AP 9th Bn (ARP-036610), Sgct Mohd Farooq Gujjar No. 472/IR 14th Bn (ARP078673), Ct Mushtaq Ahmad Naik No.1568/S (EXK-115543) and Ct Abdul Hamid Shalbaf No. 4607/S (EXK-119959) of Police Component Srinagar. It was tasked to lay the inner cordon around the target house in which the terrorists were hiding and if required to make an intervention under the command of DIG, CKR Srinagar with full coordination of other security forces.

All the parties positioned themselves according to the prepared plan. DIG, CKR Srinagar, who was the incharge of the inner cordon party alongwith SP (PC) Srinagar constituted a small team of Police Component Srinagar for evacuation of the inmates of adjoining residential houses. The team very tactfully and bravely evacuated the inmates of the adjoining houses and shifted them to nearby safer place to ensure that there is no collateral damage. In the first instance, the two holed up terrorists were asked to surrender, which the. declined totally and in order to break the cordon the hiding terrorists opened fire on the operation parties. At this time intervention of the house was planned and the intervention party, having taken all precautions, started the process of intervention. However, as soon as the intervention party reached near the target house. It came under heavy fire terrorist, who had taken position in the target house. The holed up terrorist lobbed hand grenades and fired towards the advancing party.

In the meantime, DIG, CKR Srinagar, who was the Incharge of the inner cordon party constituted two small parties, one party comprising of Shri Tahair Ashraf JKPS-045839, SPPC Srinagar alongwith his team under the supervision of Shri Imtiaz Ismail-IPS, then SSPS, Srinagar and 2nd party consisting of Shri Gurinderpal Singh-IPS, then SP City West Srinagar alongwith-his team of Police West Zone Srinagar and adequate nafri of 50 Rashtriya Rifles (RR, (KUMAON) and CRPF 29th Bn. assisted by Police Rep. of West Zone, Srinagar and decided enter the house from rear side as well as from front side,. As soon as the second party tried to enter the house from the rear side, the holed up terrorists lobbed hand grenades from a window but it caused no damage as the approaching party was advancing tactically. Then SP (PC) Srinagar alongwith his team crawled nearer to the, window, from where the terrorists lobbed the hand grenades and fired. The terrorist opened the main door of the first floor of the house started firing indiscriminately in an attempt to break the cordon and run away. At this moment, SP (PC) Srinagar alongwith his team of PC Srinagar after crawling had reached near to the target house, retaliated the fire effectively without caring for their personal lives, with the result one terrorist was eliminated and another terrorist, who in order to escape had hidden himself in upper floor of the said target house opened indiscriminate fire from the rear side window to break the cordon but the 2nd party comprising of Shri. Gurinderpal Singh-IPS, then SP City West Srinagar alongwith his team and adequate nafri of 50 Rashtriya Rifles (RR) (KUMAON) and CRPF 29th Bn. who had already taken position near the house from rear side, retaliated the fire bravely and in the exchange of fire, the second terrorist also got killed in the gun fight and after thorough search of the house dead bodies of both the terrorists were recovered.

Later on, the killed terrorists were identified as Sabzar Ahmad Sofi @ Dr Sabzar Tajamul Islam S/o Bashir Ahmad Sofi R/O Omer Colony, Naina Sangam, District Anantnag of HM Outfit and Asif Ahmad Shergojri (Wagay) @ Khubaib S/O All Mohammad Shergojri RIO Durpora Khiram, District Anantnag of HM outfit. Large amount of arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorists are enclosed. In this regard, case FIR No. 103/2018 U/S 307 RPC, 7/27 A. Act stands registered in Police Station Nowgam.

The dreaded terrorists were active in the areas of South/Central Kashmir and were responsible for several subversive activities in these areas, killing of police men/other security force personnel and threatening of common masses. Moreover they were involved in weapon looting incidents/Bank robberies in South Kashmir Range. It is worth to mention here that the above terrorists were master planners/motivators for recruiting of local youth into terrorist ranks. They were also directed by their mentors of HM outfit from across for setting up a base in Srinagar City in order to carry out sensational attacks on Police/security forces and both were involved in threatening police friendly people/political activists, lobbying of

grenades for collateral damage and to create panic and terror among the peace loving people especially during the ULB/Panchayat Election in J&K State.

In this operation S/Shri Tahir Ashraf, Superintendent of Police, Sharad, Deputy Superintendent of Police and Showkat Ahmad Shah, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/10/2018.

(No. 11020/145/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 21-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Parvez Ahmad Dar	Deputy Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2	Adil Ashraf Bhat	Sub-Inspector	PMG
3	Shabeer Ahmad Narwaroo	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30.10.2018, SI Abdul Rahman Khan No. 448/PAU received a pinpoint information (as the mode of information received from human assets) about the presence of a foreign terrorist namely Abu Usman @ Hyder R/o PAK (Nephew of Masood Azher, Chief of Banned JeM outfit) alongwith a local terrorist namely Showket Ahmed S/o Gh. Nabi R/o Handoora in the house of one Abdul Rashid Mir S/o Sonaullah Mir R/o Chankitar Tral. The operation was planned and the cordon was established around the said house with the assistance of 42-RR and 180 Bn. CRPF. Immediately, a strategy was chalked out, and a joint search party comprising of Army and DySP Parvez Ahmad Dar, SDPO Avantipora (EXK-931888), DySP (PC) Tral, Shri Ajaz Ahmed JKPS-125830, SI Abdul Rahman Khan 448/ PAU, SI Adil Ashraf,Bhat 388/PAU, HC Arfat Ahmad Rather 488/S, HC Shabeer Ahmad Narwaroo 535/IRP 11th Bn, HC Rakesh Kumar 344/IR 11th Bn, HC Bilal Ahmad 263, Awt. Rajinder Singh 128/IR 9th Bn, SgCt Javaid Ahmad Sheikh 815/Awt, Ct. Gh. Jeelani Kataria 743/AWT, SPO Aklaq Ahmad 785/SPO, SPO Hilal Ahmad 257/SPO, SPO Reyaz Ahmed -673/SPO, SPO Showaib Ahmad 950/SPO, SPO Mudasir Ahmad 253/SPO and SPO Tahir Ahmad 273/ SPO was constituted under the close supervision of Shri Mohd Zaid-JKPS, SSP.

The target house was closely cordoned off by the search party to prevent the escape of terrorists and facilitate the owner of the house and his family members for evacuation. The terrorists hiding inside the house started firing indiscriminately upon the joint search party and the fire was retaliated in self defence. The terrorists were asked to surrender through public address system. The joint search party proceeded meticulously without caring for their lives towards the said house but while entering the house they came under heavy volume of fire. This was an extremely difficult phase of operation and cordon party kept the terrorist engaged in firing while as joint search party successfully opened the door of the room. Noticing that the joint search party entering the house the hiding terrorists began to fire indiscriminately by positioning themselves behind the stairs and lobbed a grenade towards them in order to make their escape good. On noticing the location of one of the terrorist, the joint search party led by SI Abdul Rehman No.448/PAU fired and eliminated the terrorist. The other terrorist on noticing that forces are closing on to him, he tried to jump out of the window and was intercepted by another joint party led by DySP Parvez Ahmed Dar, SDPO Awantipora fired upon and eliminated. The eliminated terrorists had created a major challenge for the Security Forces in South Kashmir and their neutralization was a big breakthrough/success for Security forces.

In this operation S/Shri Parvez Ahmad Dar, Deputy Superintendent of Police, Adil Ashraf Bhat, Sub-Inspector and Shabeer Ahmad Narwaroo, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/10/2018.

(No. 11020/149/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 22-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Majad Ali	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Abdul Latief Shabnam	Sub-Inspector	PMG
3	Javaid Ahmad Reshi	Head Constable	PMG
4	Anil Kumar	SgCT	PMG
5	Jaffer Rashid Parray	Constable	PMG
6	Mohd Altaf Bajard	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06.05.2018, at about 0430 hrs, on specific information about the presence of terrorists in Village Badigam (Imamsahib) Shopian, a joint CASO was launched by Police Shopian in collaboration with Army 44 RR/14th BN CRPF and started searches and in this process target house was located. The hiding terrorists were given plenty of opportunities through PA system to surrender, which was declined and in turn they fired indiscriminately upon the search party, as a result of which one Army Jawan of 44RR namely L/Naik Rajendra and JKP Personnel namely Sgct. Anil Kumar No 477/IRP 18th BN of PC Imamsahib sustained firearm injuries. The fire was retaliated in self-defence. The injured security personnel were evacuated from the- encounter site for treatment. However, in order to make the operation successful all the nafri were divided into two groups. The first party comprising of Shri Shailendra Rajesh Mishra-IPS, SSP Shopian, Sh. Majad Ali JKPS-155776, DySP (PC) Keller, SI :Atal Sharma ARP-115593, SI Javaid Ahmad EXK-109550, HC Javaid Ahmad Reshi 25/Spn, SgCt. Mohd Akther 468/AP 14th, SgCt. Jatinder Singh 343/IRP 14th, SgCt. Rayees Ahmad 438/IRP 2, SgCt. Riyaz Ahmad 541/IRP 13th, Ct. Murtaza Mughal 753/IR 20th, Ct. Khurshid Ahmed 479/IRP 2, Ct. Kailaash. Chander 754/IR 6th, Ct. Lokesh Padam 345/IR 18th, Ct. Riyaz Ahmad Lone 453/Spn, Foll. Shabir Ahmad Sohail Foll-89/IRP 1st, SPO Arshid Hussain Bhat 65/Spn, SPO Sabzar Ahmad 39/Spn, SPO Irshad Ahmad 153/Spn, SPO Mohd Yousuf 63/Spn, QRT from 44RR and 14th BN CRPF was assigned for inner cordon of target house. The second party comprising of Sh. Nisar Ahmed Khan, DySP DAR Shopian, SI Ab. Latief Shabnam EXK-115708, HC Balbir Singh 204/Spn, SgCt. Anil Kumar 477/IR 18th, SgCt. Bagh Hussain 174/AP 7th, SgCt. Ayaz Ahmad 615/IRP 11th, SgCt. Mustafa Ali 395/IRP SgCt. Ali Mohammad 527/Spn, SgCt. Virender Pandita 387/IRP 18th, Ct. Shahnawaz Ahmad 3495/S, Ct. Jaffer Rashid Parray 458/Spn, Ct. Mohd Altaf Bajard 618/Spn, SPO Showkat Ahmad 138/Spn, SPO Mohd Sadiq 83/Spn, SPO Mohd Akbar 84/Spn, SPO Mohd Ashraf 179/Spn, SPO Mohd Ayoub 341/SPO-Kgm, SPO Najeeb Ahmad 117/SPO, QRT from 44RR and 14th BN CRPF was tasked to Siege the area around the target house from outer cordon. The search parties positioned themselves according to the plan.

In the meantime a violent mob of adjoining villages/ other districts rushed to the encounter site and pelted stones upon the security forces from all the directions to make the cordon unsuccessful by providing opportunity to the terrorists to flee from the spot. The terrorists were again asked to surrender which they refused. The troops took cover and retaliated with courage and dedication from the front. During the ensuing encounter which lasted for hours together led the 05 terrorists neutralized which were later identified as Adil Ahmad Malik @ Salahu Din S/o Nazir Ahmad Malik R/o Malikgund Shopian, LeT A++, Sadam Ahmad Padder @ Zaid S/o Gh Mohi-thu-ddin Padder R/o Heff Shopian, Tauseef Ahmad Sheikh S/o Ab Salam Sheikh R/o Rampora Kulgam, Bilal Mohand @ Waleed S/o Mohd Yousuf Mohand R/o Heff Shirmal and Mohd Rafiq Bhat S/o Ab Rahim Bhat R/o Chundina Ganderebal. Arms/ammunition & other items were recovered from the possession of eliminated terrorists includes 03 AK-47 Rifle (damaged), 01 AK-56 Rifle (damaged), 01 Pistol (damaged), 07 AK Magazines(damaged), 01 Pistol Magazine, 108 AK rounds, 06 Pistol rounds, 04 Pull though, 04 Pouch (damaged), 02 Belt (nawara), 02 Cap, 04 Religious Books, 02 Wallet black, 01 Glasses, 01 Bag Black (damaged), 01 ATM card J&K Bank, 01 ATM card Canara, 01 Religious Instruction card, 01 I/Card of Bilal Yousuf, 05 Card of HM, 02 Election card, 01 University card, 01 Adhaar Card of Mohd Rafi Bhat, 01 Student I/Card of Ishfaq Majeed. In this regard, case FIR No. 20/2018 U/S 307, 148, 149, 353,336, 332, RPC 7/27 A Act 16 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainpora.

In this operation S/Shri Majad Ali, Deputy Superintendent of Police, Abdul Latief Shabnam, Sub-Inspector, Javaid Ahmad Reshi, Head Constable, Anil Kumar, SgCT, Jaffer Rashid Parray, Constable and Mohd Altaf Bajard, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/05/2018.

(No. 11020/150/2019-PMA)
F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 23-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st BAR to Police Medal for Gallantry/ 2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Vidhi Kumar Birdi, IPS	Deputy Inspector General	1st BAR TO PMG
2	Gurinderpal Singh, IPS	Superintendent of Police	PMG
3	Shahjhan Choudhary	Deputy Superintendent of Police	PMG
4	Mehboob Hussain Banday	Inspector	2nd BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15.03.2018, terrorists attacked upon one Constable namely Bilal Ahmad No. 931/B who was performing PSO duties with Shri Mohammad Anwar (a political worker) at Khanmoh with the intention to snatch his service weapon. The terrorists left him injured but the attempt of weapon snatching was foiled by alert PSO and terrorists fled from the spot. Immediately after this fierce attack, a special team of Police Srinagar headed by SSP Srinagar under the overall supervision of Shri Vidhi Kumar Birdi, IPS-DIG of Police CKR Srinagar along with adequate police personnel of District Srinagar was constituted to identify and subsequently neutralize these attackers.

The team succeeded in zero in the residential houses in nearby locality Balhama in which these terrorists were hiding. (During planning stage 50 RR & CRPF unit were also co-opted). All the nafri was divided into two parties. First party comprised of Component of Srinagar Police, 50 RR personnel and CRPF 29th Bn. who was tasked to lay the outer cordon of the Mohalla in which the target houses were located. The second party comprised of Police Component Srinagar and 50 RR Rep was tasked to lay the inner cordon of the residential houses in which the terrorists were hiding and if required to make an intervention under the command of Shri Vidhi Kumar Birdi -IPS, DIG CKR Srinagar with full coordination of other security forces. All the parties positioned themselves according to the plan as numerated above. SSP Srinagar being the Incharge of the inner cordon party formed a small team of Police Srinagar for evacuation of the inmates of adjoining houses as the area was very congested. The team comprising of Sh. Gurinderpal Singh-IPS, SP City West Zone Srinagar, Sh. Javaid Iqbal-JKPS, then SP PC Srinagar, Sh. Khalil Ahmed Poswal-JKPS, then SP Hqrs. DySP Shahjhan Choudhary- JKPS, Inspector Mehboob Hussain No.7176/NGO SHO P/S Pantha Chowk, ASI Amit Raina No. EXK022280 PC Srinagar, ASI Shabir Ahmad No. 143/S PC Srinagar, HC Pawan Kumar 166/IR 2nd Bn. PC Srinagar, HC Mohd Azeem No. 541/AP 9th Bn. PC Srinagar, Sgt. Man Mohan Ganjoo No. 3583/S PC Srinagar, Sgt. Gh. Mohi-ud-din No. 516/AP 14th Bn PC Srinagar, Sgt. Kulbir Singh No. 2736/S, Sgt. Karamjeet Singh No. 356/S, Sgt. Nissar Ahmad No. 1434/S P/S Pantha Chowk Sgt. Ajaz Ahmad No.2067/S P/S Pantha Chowk, Sgt. Habibullah No. 3332/S P/S Pantha Chowk, Sgt. Irshad Ahmed No.4389/S very tactfully and bravely evacuated the inmates of the ad joining houses and shifted them to a nearby safer place to ensure that there is no loss of life. In the first instance, the holed up terrorists were warned to surrender which they declined. Instead of surrendering these terrorists opened fire on the operational party. intervention of the houses was planned. The intervention party having taken all precautions started the process of intervention. However, as the intervention party reached near the target houses, it came under heavy fire from the terrorists who had taken position inside the residential houses. The holed up terrorists lobbed grenades and fired towards the advancing party. However, the intervention party had a miraculous escape. In a tactical move the intervention party withdrew only to enter the residential houses from the rear side. At this stage Shri Vidhi Kumar Birdi-IPS, DIG CKR- constituted two small parties; One party include Shri Javaid Iqbal-JKPS, then SP P/C Srinagar, DySP Shahjhan Choudhary-JKPS, ASI Amit Raina with adequate nafri of Police Srinagar and 29th Bn. CRPF Rep.and 2nd Party included Shri Imtiaz Ismail Parray-IPS, SSP Srinagar, Shri Gurinder Pal Singh-IPS, SP City West Zone Srinagar Shri, Khalil Ahmed Poswal-JKPS, then SP Hqrs. Srinagar, ASI Shabir Ahmad No. 143/S along with QRT of 50 RR decided to enter the houses from rear side as well as from front side. As soon as the second party tried to enter the houses from the rear side, the holed up terrorists lobbed grenades from a window of a house but it caused. no damage as the approaching party was advancing tactically. Then Shri Vidhi Kumar Birdi-IPS, DIG CKR alongwith Shri Javaid Iqbal-JKPS, then SP PC Srinagar, DySP Shahjhan Choudhary-JKPS, ASI Amit Raina with adequate nafri of Police Srinagar and 29th BN CRPF crawled nearer to the house from front side having taken all precautions to avoid collateral damage. The terrorist opened the main door of the first floor of one house and started firing indiscriminately in an attempt to break the cordon and run away. At this moment Shri Vidhi Kumar Birdi-IPS, DIG CKR along with the team after crawling reached near to the target houses, retaliated the fire effectively Without caring for personal lives. With the result, one terrorist was eliminated and other 02 terrorists who in order to escape hide themselves in upper floor of the said residential house opened indiscriminate fire from the rear side window to break the cordon but the 2nd party comprising of Shri Imtiaz Ismail Parray-IPS, SSP Srinagar Sh.Gurinderpal Singh-IPS,SP City West Zone Srinagar, Sh. Khalil Ahmed Poswal-JKPS Srinagar, ASI Shabir Ahmad No.143/S along with nafri of Police Srinagar+ QRT of 50 RR who has already taken position near the houses from rear side, retaliated the fire bravely and in the exchange of fire both the terrorists also got killed. Later on, the terrorists were identified as (1) Rasik Ahmad Bhat @ Owals S/O Ghulam Nabi Bhat R/O Nowdal Tral of HM outfit (2) Shabir Ahmad Dar S/O Mohammad Shaban Dar R/O Aghazpora Padgampora Awantipora of Let outfit, both were local terrorists and (3) foreign terrorist Abu Hamas R/O Pak of Let outfit. From the site of encounter, arms/ammunition recovered includes 02 AK-47 (damaged/burnt). In this regard, case FIR No. 17/2018 U/S 307,120-B RPC and 7/27 I. A Act stands registered in Police Station Pantha Chowk.

In this operation S/Shri Vidhi Kumar Birdi, IPS, Deputy Inspector General, Gurinderpal Singh, IPS, Superintendent of Police, Shahjhan Choudhary, Deputy Superintendent of Police and Mehboob Hussain Banday, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 15/03/2018.

(No. 11020/154/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 24-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Mohd Idress Wani	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Aakas Mohd Dar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08.08.2018 at about 1130 hours, a specific information regarding the movement/presence of a group of LeT terrorists in Doniwari Forests of Rafiabab area was received and a joint cordon & search operation was launched, by Sopore Police, 32-RR & 92 Bn. CRPF. During the process of search operation heavily armed group of terrorists were intercepted who were challenged to stop/ surrender who in return Opened heavy volume of firing with their sophisticated weapons upon the joint parties of police/ army and thereby a gunfight triggered. Since the whole area was hilly/ difficult terrain and covered by dense woods and it was very difficult to retaliate the fire precisely. The terrorists by taking advantage of such topography/ dense woods and difficult terrain took safe position and kept firing continuously upon the joint parties and in such tough situation, the joint parties could not advance towards the terrorists. Thereafter a well thought was planned by the commanding officer of 32-RR and SSP Sopore and thereby two joint parties including SI Syed Mudasir Javid Geelani 7843/NGQ, SI Parveen Kumar ARP-085601, HC Irshad Ahmad 563/AWP, Sgt Aijaz Ahmad 599/IRP 13th Bn, Sgt Shahnawaz Ahmad 526/IRP 13th Bn, Ct. Aakas Mohd Dar 685/Spr, Ct. Kripal Singh No. 558/IRP 13th Bn, Ct. Mohammad Rafiq 580/Spr, SPO Taj Mohammad 103/SPO, SPO Mehraj-ud-din 276/SPO, SPO Ghulam Rasool 399/SPO, SPO Sajad Ahmad 309/SPQ, SPO Mohammad Rafeeq 153/SPO, SPO, Rameez Akbar 139/SPO, SPO Tanveer Ahmad 256/SPO, SPO Mudasir Abass 347/SPO, SPO Farooq Ahmad 138/SPO led by Dr. Mohd Idress Wani JKPS-135819, DySP (PC) Rafiabab and another party including SI Irshad Ahmad ARP-115599, HC Khursheed Ahmad 496/Spr, Sgt Mohammad Farooq 681/JKAP 7th Bn, Ct, Narinder Singh 818/Spr, Ct. Aijaz Ahmad 660/Spr, Ct. Mehraj-ud-din 769/Spr, SPO Bashir Ahmad 342/SPO, SPO Reyaz Ahmad 305/SPO, SPO Javid Ahmad 371/SPO, SPO Ishfaq Ramzan 284/SPO, L/SPO Gulshan Akhter 199/SPO, SPO Shahzad Ahmad 366/SPO, SPO Mohd Shaban 165/SPO, SPO Hilal Ahmad 03/SPO led. by Shri Vikram Singh Dy.SP (PC) Sopore and they were tasked to move towards the terrorists in crawling position into two different directions. While as two other joint parties of police/ CRPF were kept behind for backup firing/ protection. The joint parties led by DySP (PC) Rafiabab and DySP (PC) Sopore respectively volunteered themselves for final and last assault upon the terrorist and accordingly as per their well strategy they started moving towards the hiding terrorists under the coverage/ backup firing of other joint parties and as soon as they were about to reach, the terrorists after sensing the movement of joint parties stood up from their respective positions and fired volume of bullets upon the advance parties and started running away towards the opposite directions, but the joint parties of army/police especially DySP (PC) Rafiabab and Ct. Aakas Mohd Dar 685/Spr retaliated the fire effectively and bravely without caring for their lives and in the ensuing gunfight five (05) terrorists were eliminated which was later identified as Hashim R/o PaK, A++ Category of LeT outfit, Muzaffar Ahmad S/O Bashir Ahmad Mir R/o Langate, Handwara (Terrorist of LeT outfit) and 03 unidentified FT's. Arms/ammunition and other war like stores were recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 111/2018 U/S 307/RPC, 7/27 A. Act stands registered in Police Station Dangiawacha.

In this operation S/Shri Mohd Idress Wani, Deputy Superintendent of Police and Aakas Mohd Dar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/08/2018.

(No. 11020/155/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 25-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st BAR to Police Medal for Gallantry/ 2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Nissar Ahmad Darzi	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Irshad Ahmad Ahanger	Deputy Superintendent of Police	PMG
3	Aijaz Ahmad Malik	Assistant Sub-Inspector	2nd BAR TO PMG
4	Nasir Ahmad Bhat	Head Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.10.2018, Baramulla Police received information through reliable sources regarding movement of terrorists in Athoora Payeen. Accordingly, the input was further shared with Army 52 RR, CRPF 53 Bn, CRPF 176 Bn and SSB 2nd Bn. Acting on this information, Baramulla Police, CRPF, Army and SSB carried out cordon and search in suspected cluster of houses in village Athoora Payeen. During the search operation, the searching joint Police/Army party led by Mohd Yousif ASP Baramulla and supported by Sh. Irshad Ahmad Ahanger JKPS-125832, DySP (PC) Baramulla, Sh. Nissar Ahmad Darzi JKPS-125833, DySP (PC) Kreeri, SI Mohd Murtaza 7601/NGO, ASI Ajaz Ahmad Malik No. 79/B, HC Mohd Mustafa Wani No. 132/B, HC Nasir Ahmad Bhat No. 556/B, SgCt. Firdous Ahmad No. 716/AWP, Ct. Dawood Khan No. 1619/B, SPO Irshad Ahmad No. 1509/SPO, SPO Nazir Ahmad No. 602/SPO when moved near to the house of Gh Nabi Chopan S/o Habibullah Chopan R/o Athoora Payeen came under volley of fire, the fire was effectively retaliated by the searching party and cordon got tightened around the target house leaving no scope for the escape of the hiding terrorists. During cordon the composite force component i.e. Police and Army has established great co-ordination through mutual exchange of their respective communication wireless sets and hence acted in very synchronized and professional manner. While as, the CRPF 176 BN team, SSB 2nd Bn and another JK Police contingent were assigned to lay outermost cordon in law and order mode with the instructions to not allow any civilian towards the target area, so that main target area shall not be disturbed by unruly mob and to keep this area sterile from civilians interference during conduct of operation.

As soon as cordon gets laid out, the hiding terrorists fired indiscriminately upon the operational parties. It was a herculean task for the operational parties to evacuate safely the civilians who got entrapped. But the recommendees moved very close proximity to the target house and maintaining great coordination with the outer cordon party, successfully evacuated the entrapped house inmates. The third and most critical phase was the neutralization of hiding terrorists. The terrorists were challenged to surrender but they retaliated through volley of fires and grenade lobbing. An anti fidayeen squad constituted which comprising of Mohd Yousif ASP Baramulla and his team and Army 52-RR Major Vikas with his buddy. The said volunteered operational teams stormed the target house without caring for their personal lives while establishing great co-ordination with the outer team in cordon for fire control and during the ensuing close battle two terrorist of Lashker-e-Tohiba (LeT) were killed. The killed terrorists were battle hardened and were identified as Akeel Ahmad S/o Ab Rashid R/o Khanpora Baramulla and Minhaj-ul-Moh-ud-din @ Naza RIO Brath, Kalan Sopore (B category terrorist). The operation concluded without any civilian or Police/CRPF/Army causality. Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorists included 01 AK Rifle, 03 AK Magazines, 31 AK Rounds, 01 INSAS Rifle, 05 INSAS Magazines, 72 INSAS Rounds and 02 Pouches. In this regard, case FIR No. 74/2018 U/S 307 RPC, 7/27 A. Act, 18 ULA Act stands registered in P/S Kreeri.

In this operation S/Shri Nissar Ahmad Darzi, Deputy Superintendent of Police, Irshad Ahmad Ahanger, Deputy Superintendent of Police, Aijaz Ahmad Malik, Assistant Sub-Inspector and Nasir Ahmad Bhat, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/10/2018.

(No. 11020/156/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 26-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st BAR to Police Medal for Gallantry/ 2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Aijaz Rasool Mir	Additional Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Muneeb-Ul-Islam Bhat	Inspector	PMG

3	Manzoor Ahmad Mir	Head Constable	2nd BAR TO PMG
4	Sunil Razdan	SgCT	PMG
5	Rashed Ali Wani	SgCT	PMG
6	Pintoo Kumar Vaid	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30.08.2018 specific information was received that some foreign terrorists armed with deadly weapons are hiding at Parr Mohalla Hajin under the J/D of P/S Hajin. The information was shared with army 13 RR and CRPF 45 BN. Accordingly after a meticulous planning, a joint cordon and search operation was launched at about 0500 hours by SOG Hajin/Bandipora, police teams from police station Hajin, PS Sumbal nafri of DPL, army 13 RR and CRPF 45 Bn. under the overall supervision of Sheikh Zulfkar Azad-JKPS, SSP Bandipora. After a meticulous planning and strategy two small dedicated teams one operational team headed by Shri Aijaz Rasool Mir-JKPS, ASP supported by Sh. Mubashir Rasool—JKPS, DySP (PC) Hajin assisted by Sgct Rashed Ali Wani No. 1299/B, Sgct Sunil Razdan No. 450/IRP 8th Bn, Sgct Irshad Ahmad No. 422/Bpr and Major 13 RR and the second operational team under the command of Sh. Aumer Iqbal- JKPS Supported by Sh. Muneeb-ul-islam Bhat, SHO P/S Hajin assisted by HC Manzoor Ahmad Mir No. 137/Bpr, Basharat Ahmad Bhat No. 658/Bpr, Ct Imtiyaz Ahmad Ganie No. 993/Bpr and Ct. Pinto Kumar Vaid No. 471/IRP 14th Bn and army component 13RR were assigned to lay cordon of target area under the overall command and supervision of SSP Bandipore. As the search operation was started, movement of terrorists were noticed and were asked to lay down their weapons and surrender before security forces, but instead of surrender they fired indiscriminately upon the security forces with aim to kill SFs. The firing was swiftly retaliated by the joint teams resulting on spot neutralization of 03 foreign terrorists, who were subsequently identified as Rizwan Jindal, Fahadullah @ Abdullah and Ali @ Maaz R/o PaK of LeT outfit. It is worthwhile to mention that during operation no collateral damage to police/SFs or civilian occurred. The slain terrorists were major challenge to the state machinery. Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorists includes 02 AK Rifles, 08 AK Magazines, 01 Pistol, 01 I Corn set, 153 AK Rounds and Rs 8000/- Indian Currency. Case FIR No. 46/2018 U/S 307 RPC, 7/27 I A. Act stands registered at P/S Hajin, in this regard.

In this operation S/Shri Aijaz Rasool Mir, Additional Superintendent of Police, Muneeb-Ul-Islam Bhat, Inspector, Manzoor Ahmad Mir, Head Constable, Sunil Razdan, SgCT, Rashed Ali Wani, SgCT and Pintoo Kumar Vaid, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/08/2018.

(No. 11020/158/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 27-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Arun Jamwal	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Rabinder Singh	Sub-Inspector	PMG
3	Zahoor Ahmad Khan	Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01-11-2018, Budgam Police received information from reliable sources regarding the presence of armed terrorists in the upper reaches of a forest area in village Zagoo Khansahib. On the basis of this information, joint operation team consisting of Budgam Police and 53Bn RR was formed. Target area being forest area at a high altitude where from movement of security forces was easily noticeable, a joint operation party was tasked to launch the operation late night in extreme cold weather by foot to scale a steep cliff of approximately 6 kms taking cover of darkness and thick forest. After successfully climbing a steep hill, four cordon parties were formed to cordon the target area.

First team led by Sh. Arun Jarnwal EXJ-935525, DySP (PC) Budgam and Maj Abhinav No. IC-77623K of 53 RR alongwith HC Ajay Kumar 307/AP13TH, Ct Manmeet Singh 1065/BD, Ct Dileep Kumar Bhat 1097/BD, SPO Manzoor

Ahmad 454/SPO, SPO Syed Amjad Hussain 152/SPO, SPO Mahmood Hussain 71/SPO were given the responsibility of northern side of target area. Second team led by Maj. Jaswinder Singh No.IC-69616Y of 53 RR and SI Rakesh Pandita 252/PL, HO Divender Pal Singh 970/BD, HC Rakesh Bali 04/AWP, Ct Aijaz Ahmad 1425/BD, SPO Reyaz Ahmad 70/SPO, SPO Aijaz Hussain 196/SPO & SPO Gh. Rasool 371/SPO were given the responsibility of covering southern side of target area. Third team led by SI Zahoor Ahmad Khan 7835/NGO along with SgCt. Farooq Ahmad 777/AP13Th. Ct Bilal Ahmad 610/BD, SPO Nisar Ahmad 75/SPO, SPO Sajad Ahmad 413/SP0, SPO Bashir Ahmad 257/SPO and SPO Altaf Ahmad Wani 681/SPO were given the responsibility to cover eastern side of the target area. Fourth team led by SI Rabinder Singh 142/PAU (EXK-109158) alongwith HC Surjeet Singh 68/AP13THBN, SgCt Nazir Ahmad 250/BD, Ct Javaid Ahmad Khan 1424/BD, Foil Arshid Ahmad 52/F, SPO Sajad Ahmad 105/SPO & SPO Mohammad Shafi 831/SPO were given the responsibility to cover the western side of the target area.

The operation was coordinated and supervised by SSP Budgam Sh. Tejinder Singh IPS, CO 53RR BN RR, Col. Anoop Nair and Sh. Mohd Majid Malik (JKPS) ASP Budgam. All the four parties laid the cordon and after establishing the communication and coordination among aft four parties, it was decided to charge towards the target location, which was a lavender extraction unit, in a tin shed thickly covered by lavender plantation. As soon as parties moved towards the target, terrorists hiding inside in an attempt to escape and break cordon, fired a volley of fire. Joint operation parties in lack of any hard cover managed to safeguard themselves from indiscriminate fire opened by terrorists. Without losing cool, the operational parties tactfully retaliated which forced terrorists to step back. There after terrorists positioned themselves again in the tin shed located at a dominating position and started targeting the security forces personnel deployed in cordon, which were easily detectable by flashes of their firing weapons. In order to avoid any kind of causality, operational parties were directed to hold fire and wait for the first light. To move as close as possible to the target location so that the hiding terrorists can be localized, a search party consisting of Maj Jaswinder Singh, No.I0-69616Y, DySP (PC) Budgam, SI Zahoor Ahmad Khan EXK-022626, SI Rabinder Singh EXK-109158, SI Rakesh Pandita EXK-971287, HC Ajay Kumar 307/AP 13TH BN, HO Divender Pal Singh 970/BD, CT Dileep Kumar Bhat 1097/BD & CT Javaid Ahmad. Khan 1424/BD was formed which tactfully and skillfully closed in to target location and waited for dawn. With the first light, hiding terrorists were asked to surrender but they lobbed hand grenades and started indiscriminate firing on search/ cordon parties. During the gun battle that ensued Maj Jaswinder Singh got injured while others had a narrow escape and two terrorists who were later identified as Mukhtar Ahmad Khan S/O Ab. Ahad Khan R/O Brass Arizal Tehsil Khanshaib District Budgam LeT Outfit, category-(C) and Mohd Amin Mir @ Abu Ismail S/o Gh Rasool Mir R/O Drangbal Pampore District Pulwama LeT Outfit, category-(C) was eliminated. During encounter tin shed caught fire and got burnt. A small search party without caring for their personal safety, exhibited extraordinary bravery and valor in the line of duty and completed the assigned task meticulously which resulted in elimination of two dreaded terrorists.

By the time large number of people gathered on spot and started pelting stones on operational party and tried to snatch the dead bodies of killed terrorists. To control the mob, reinforcement of Police and 79 Bn.CRPD D/coy fired tear smoke shells due to which security forces succeeded in withdrawing from spot along with dead bodies of killed terrorists. Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorists includes 02 AK rifles, 05 AK magazines, 01 Pistol, 01 Pistol magazine and 01 Cutter. In this connection, case FIR NO. 201/2018 U/S 307 RPC, 7/27 I. A. Act stands registered in Police Station Khansahib.

Needless to mention that the elimination of the above mentioned terrorists is a major setback to the LeT outfit. The swift and gallant action displayed by Police and SFs has averted a major/disastrous tragedy which could have been caused by the said terrorists. This operation was a challenging task for Police and SFs as people in large groups were pelting stones heavily on Police/SFs from all directions to help the terrorist to escape. Acting professionally, Police/SFs ensured that no civilian causality takes place despite provoking actions/heavy stone pelting from all directions.

In this operation S/Shri Arun Jamwal, Deputy Superintendent of Police, Rabinder Singh, Sub-Inspector and Zahoor Ahmad Khan, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/11/2018.

(No. 11020/185/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 28-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Ram Singh	Assistant Sub-Inspector	PMG

2	Ab. Majeed Ahanger	Head Constable	PMG
3	Parvaz Ahmad Bhat	SgCT	PMG
4	Pawan Singh	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15-07-2017, following a credible input about the presence of terrorists at Wantiwan Satoora, Police Awantipora in assistance of 42-RR/180 Bn CRPF launched a joint operation. After assessing the situation and cordoning the area, a natural cave on the top of the mountain was observed which was also taken under cordon from lower side on the vertical undulation. A joint searching party was constituted comprising Inspector Gh. Mohd No.7150/NGO, ASI Ram Singh No. ARP 952259, HC Ab Majeed No. 261/IR 11th Bn, Sgct. Pawan Singh No. 189/IR 9th Bn, Sgct. Parvaz Ahmad No. 166/Awt, Sgct. Shameem Ahmad No. 455/Awt, Sgct. Bilal Ahmad No. 469/Awt, Ct, Vijay Kumar No. ARP-041243, Ct. Aurif Hussain No. 747/AP 12th Bn, Ct Mudasir Ahmad No. 453/GRP, Ct. Aijaz Ahmad No. 735/Awt, Ct. Umar Nazir No. 673/AM, Ct. Ali Mohd No. 591/Awt, Foll. Mohd Maqbool No. 47/F, SPO Fayaz Ahmad No. 22/SPO, SPO Fayaz Ahmad No. 117/SPO, SPO Mohammad Zaheer-ud-din No. 02/SPO, SPO Tariq Ahmad No. 204/SPO, SPO Ishaq Ahmad No. 144/SPO, SPO Umar Farooq No. 64/SPO, SPO Mohammad Ayoub No. 01/SPO, SPO Muzaffar Ahmad No. 11/SPO, SPO Irfan Ahmad No. 132/SPO, SPO Javaid Ahmad No. 06/SPO and SPO Gull Mohd No.600/SPO under the close supervision of Shri Mohammad Zaid, SSP Awantipora. During search operation the joint searching party noticed two young individuals coming out from the cave and stood up at the opening of the cave in very relaxing mood unaware of the presence of SFs. As both the persons were unarmed, in order to ensure whether they are terrorists, two to three gunshots were fired in the air. In its reaction both the persons ran inside the cave and again appeared with weapons and fired indiscriminately downwards expecting the cordon in that direction which proved the presence of terrorists in the cave. The terrorists were asked to surrender through public address system which they declined thus triggered an encounter. The joint search party moved meticulously towards the cave under the cover fire from the cordon party. Abruptly one of the terrorist in the cave threw a gas cylinder out of the cave and fired on it with the intention to get it blast and kill the searching party and make way for their escape. But luckily the cylinder didn't explode. Meantime, one terrorist came out of the hideout and started firing indiscriminately towards the joint search party but within a fraction of time the joint searching party noticed the movement of the terrorist and neutralized him. The other terrorists who were in dominating position in the cave were also firing and throwing grenades. In retaliation the joint searching party threw a couple of grenades towards the terrorists. Even after a long fierce fight the terrorists were holding their position strongly. The joint searching party moved meticulously towards the target. The joint searching team moved upwards by negotiating the Cliff/Wall Rock with the help of ropes to reach close to the terrorists with full surprise. After reaching near the opening of the cave joint searching party throws couple of grenades/tear gas shells in the cave and within couple of minutes the another terrorist came out of the cave firing indiscriminately towards the searching party and was successful to take cover behind the rock outside the cave. Insp. Gh. Mohd was on advantageous/dominating position observed the terrorist and fired on him but the terrorist could not be hit. Crawling and shifting his position on the top of the rock Insp. Gh. Mohd again fired on the terrorist and neutralized him behind his cover wall. In order to ensure that there are no more terrorists in the cave, again a couple of tear gas shells/grenades were lobbed inside the cave. Later-on after few seconds one terrorist slowly moved towards opening of the cave taking cover of the wall but the joint search party noticed the movement and fired effectively from their positions eliminating terrorist approximately at 05 meters away from the cave. After the killing of the terrorist there was no firing coming from the cave but there were still chances of more terrorists hiding inside clandestinely few more rounds of UBGL were fired but there was no activity visible/noticed. After due planning, joint searching party decided to conduct search of the hideout to ascertain possibility of any more terrorist hiding inside the cave. This was an extremely difficult phase of the operation. Insp. Gh. Mohd., ASI Ram Singh, HC Ab Majeed 11th Bn, Sgct. Pawan Singh 9th Bn and Sgct. Parvaz Ahmad entered the cave meticulously without caring for their lives under the cover fire of Sgct. Shameem Ahmad, Sgct. Bilal Ahmad, Ct. Vijay Kumar, Ct. Aurif Hussain, Ct Mudasir Ahmad, Ct. Aijaz Ahmad, Ct. Umar Nazir, Ct. Ali Mohd No. 591/Awt, Foll. Mohd Maqbool and 11 SPOs to ensure that none of the terrorist is still alive in the hideout. The entire cave was thoroughly searched and the bodies of 03 terrorists were recovered from the area who were identified as:-Mukhter Ahmad Lone @ Bitu S/O Mohammad Akram R/O Amirabad Tral. Parvaiz Ahmad Mir S/O Gh. Qadir Mir R/O Pahoo Haroon @ Hassan Bai R/O PAK. Arms/ammunition recovered during the operation includes 2 AK 47 rifles (damaged), 14 AK magazines (9 damaged), 80 AK rounds, 1 UBGL thrower, 5 UBGL grenades and 2 ammunition pouch. Case FIR No. 53/2017, U/S 307 RPC, 7/27 A.Act, 16, 18, 20 and 38 ULA (P) Act stands registered in P/S Tral in this regard.

In this operation S/Shri Ram Singh, Assistant Sub-Inspector, Ab. Majeed Ahanger, Head Constable, Parvaz Ahmad Bhat, SgCT and Pawan Singh, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 15/07/2017.

(No. 11020/145/2018-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 29-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Tejinder Singh, IPS	Senior Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Altaf Ahmad Khan	Head Constable	PMG
3	Rayees Ahmad Wani	SgCT	PMG
4	Ashiq Hussain	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03-10-2017 at 0410 hours SOG Camp Budgam received reliable information that some unknown terrorists have attacked 182/Bn BSF camp situated at Gogoland Humhama. These terrorists had entered into BSF Camp with the intention to cause heavy damage to the BSF troops. The fire fight had already started and one foreign terrorist was eliminated by alert BSF sentry. At the same moment SOG party headed by Addl. SP Budgam Shri Mohammad Majid Malik (KPS), DySP (Ops) Chadoora Shri Gh Hassan (KPS), DySP (Ops) Budgam Shri Parupkar Singh (KPS) under the supervision of SSP Budgam Shri Tejinder Singh (IPS) rushed to the said spot. On reaching the spot, SSP Budgam directed the operational parties which include Insp. Mohammad Ilyas ARP-981679, SI Rabinder Singh EXK-109158, SI Manzoor Ahmad EXK-055775, SI Rakesh Pandith 252/PI, HC Moti Singh 159/JKAP 13TH Bn, HC Ranjeet Singh 398/AVVP, HC Altaf Ahmad EXK-002031, Sg.Ct Ali Mohd 433/BD, Sg.Ct Rayees Ahmad EXK- 021536, Ct Gulzar Ahmad 9161BD, Ct Tawseef Ahmad 779/BD, Ct. Ashaq Hussain ARP- 096104, Sg.Ct Imdad Hussain 1103/BD, Ct Jahangir Ahmad 783/JKAP 13TH, Ct Asif Hussain 1352/BD, Ct Ab Majeed 850/KP, Ct. Hilal Ahmad 9751BD, Ct Gulzar Ahmad 1225/BD, SPO Tahir Ali 712/SPO, SPO Bashir Ahmad 254/SPO, SPO Mushtaq Ahmad 352/SPO, SPO Gurnam Singh 680/SPO, SPO Mohd Sikander 647/SPO, SPO Ab Rashid 228/SPO, SPO Zahoor Ahmad 164/SPO, SPO Mohd Yousuf 375/SPO, SPO Zahid Ahmad 362/SPO, SPO Manzoor Ahmad 535/SPO, SPO Manpreet Singh 358/SPO, SPO Mohd Maqbool 499/SPO, SPO Rayees Ahmad 860/SPO, SPO Tariq Qayoom 75/SPO (Sgr), SPO Mohd Shafi 301/SPO, SPO Shabir Ahmad 185/SPO, SPO Gh Qadir 529/SPO, SPO Niyaz Ahmad 497/SPO to lay the outer cordon to ensure that no terrorist should escape from the encounter site. After reaching inside the camp alongwith Shri Ravideep Sahi (IGP CRPF), DIG (Ops) BSF, Shri Hari Lal thoroughly briefed about the layout and internal setup of the 182 Bn BSF Campus so that a foolproof action plan is framed. It was learnt that some officers/officials of BSF were trapped in the SOs suite building and admn. block building of BSF 182 Bn Hqrs. The joint teams of Police Budgam, 182 Bn BSF, Ftr. BSF Kmr. QRT and Valley OAT CRPF were constituted and a strategy was formulated to safely evacuate the trapped officers/officials and eliminate the terrorists. At first instance, the entire campus area was cordoned off by joint teams of BSF, CRPF and SOG Budgam so that the terrorists are kept on hold inside the building. In order to safely evacuate the trapped BSF personnel from SOs Suite, room intervention and perimeter cordon team of 182 Bn BSF, Ftr. BSF Kmr. QRT, Valley OAT CRPF and SOG Budgam was formed and tasked to eliminate the terrorists. After safely rescuing the trapped BSF personnel, the room intervention team (SOG Budgam) comprising of DySP (Ops) Budgam Shri Parupkar Singh (KPS) Insp. Mohammad Ilyas ARP-981679, SI Manzoor Ahmad EXK055775, HC Moti Singh 159/JKAP 13TH Bn, HC Ranjeet Singh 398/AVVP, HC Altaf Ahmad EXK-002031, Sg.Ct Ali Mohd 433/BD, Sg.Ct Rayees Ahmad EXK- 021536, Ct Gulzar Ahmad 916/BD, SPO Manpreet Singh 358/SPO, SPO Mohd Maqbool 499/SPO, SPO Rayees Ahmad 860/SPO, SPO Tariq Qayoom 75/SPO (Sgr), SPO Mohd Shafi 301/SPO, SPO Shabir Ahmad 185/SPO, SPO Gh Qadir 529/SPO, SPO Niyaz Ahmad 497/SPO under the guidance of Shri Hari Lal, DIG (Ops) BSF and Sh. Tejinder Singh-IPS, SSP Budgam launched the final assault in SOs suite building to clear the building. During the assault, room intervention team recovered the dead body of one of the terrorists who was later identified as foreigner. After clearing the SOs Suite building, joint parties of SOG Budgam, Valley QAT CRPF and BSF QRT approached towards the administrative Block building to evacuate the trapped BSF officials and eliminate the terrorist who had positioned himself in the administrative block. There was one BSF official trapped inside who was tactically evacuated. The joint team of SOG comprising of Addl. SP Budgam Shri Mohammad Majid Malik (KPS), DySP (Ops) Chadoora Shri Gh Hassan (KPS), SI Rabinder Singh EXK-109158, SI Rakesh Pandith 252/PI, Ct Tawseef Ahmad 779/BD, Ct. Ashaq Hussain ARP- 096104, Sg.Ct Imdad Hussain 1103/BD, Ct Jahangir Ahmad 783/JKAP 13TH, Ct Asif Hussain 1352/BD, Ct Ab Majeed 8501KP, Ct. Hilal Ahmad 975/BD, Ct Gulzar Ahmad 12251BD, SPO Tahir Ali 712/SPO, SPO Bashir Ahmad 254/SPO, SPO Mushtaq Ahmad 352/SPO, SPO Gurnam Singh 680/SPO, SPO Mohd Sikander 647/SPO, SPO Ab Rashid 228/SPO, SPO Zahoor Ahmad 164/SPO, SPO Mohd Yousuf 375/SPO, SPO Zahid Ahmad 362/SPO, SPO Manzoor Ahmad 535/SPO, CRPF & BSF started assault to neutralize the terrorist. A breach was created in the wall of administrative Block using RL/MGL fire. Subsequently when tear Smoke ammunition was fired through breached wall, the terrorist had no choice but to come out of the building. As soon as the terrorist came out of the building, he was eliminated by the operational party, hence ending the gun battle. During search the dead bodies of three terrorists were recovered. In the gun battle one BSF officer attained martyrdom and (03) other BSF personnel sustained injuries. Recoveries were made from the possession of slain terrorists at the place of occurrence includes 01 Rifle AK (No UM-1797) with broken returning spring/body cover, 01 AK-47 Rifle with UBGL, 01 AK-47 (Broken Piston grip) with UBGL, 09 AK-47 Magazines (01 damaged), 64 AK-47 Rounds, 01 Chinese Pistol with Magazine, 07 Chinese Pistol rounds, 01 Knife Made in US, 01 Wire cutter, 03 Pouch, 01 Medium size back pack,

01 kit bag (sack) and 01 First Aid Injection Kit. Case FIR No. 229/2017 U/S 307 RPC, 7/27 IA Act has been registered in Police Station Budgam on 03-10-2017 and investigation taken up.

In this operation S/Shri Tejinder Singh, IPS, Senior Superintendent of Police, Altaf Ahmad Khan, Head Constable, Rayees Ahmad Wani, SgCT and Ashiq Hussain, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/10/2017.

(No. 11020/155/2018-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 30-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Yougal Kumar Manhas	Senior Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Sukh Dev Singh	Deputy Superintendent of Police	PMG
3	Tilak Raj	Inspector	PMG
4	Kishore Kumar	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24.03.2018, Police Rajouri received information through reliable sources regarding Movement of suspicious terrorists believed to be Fidayees in Sunderbani area. Acting on this information, Dy.SP Ops Rajouri, along with police personnel of Police Station Sunderbani and SOG Rajouri under the command of SSP Rajouri proceeded towards the location along with Army. Police and Army carried out searches in several villages of Sunderbani and started the process of cordon and search operation. All the security establishments were put on high alert and educational institutions were closed. Teams of Army and some police personnel/SPOs of District Police Rajouri were constituted. Among them one team was assigned the task to carry search operation while another one was tasked to give cover protection to search team while as other team was moved to the area to keep surveillance and collect further inputs about the reported movement of terrorists in the area. After a joint strategy with Army strategized at Malla Brore (District Jammu) about the topography and possible routes of infiltration, Police parties were mobilized for search of terrorists. Police party comprising Sgct.Kishore Kumar No. EXJ-965792, Sgct.Ali Mohd No.2825/J, SPO Manjeet Singh No.535/SPO and SPO Manoj Kumar No.168/SPO were moved to the area to keep surveillance and collect further inputs about the reported movement of terrorists in the area. Sh. Sukhdev Singh, Dy.SP Ops, Rajouri camped at Sunderbani along with the teams of Army and District Police Rajouri in search of the terrorists. All possible exit routes were plugged and general public was informed to remain alert and attentive and to inform Police about any suspicious movement. Police parties were continuously fanned in the area to keep a track on the movement of the terrorists w.e.f 24.3.2018.

During the intervening night of 27/28.3.2018 some locals of adjoining area of Sunderbani saw movement of some suspected persons roaming in the area. Upon receipt of this information, immediately Police, Army and BSF conducted night long searches of the entire area after cordoning it off. Sukhdev Singh, Dy.SP Ops, Rajouri, Inspr Tilak Raj, SHO P/S Sunderbani, HC Mohd Latief No.195/IRP, Sgct. Sukhdev Singh No.652/R, Sgct. Kishore Kumar No.2261/J, Sgct. Malkit Singh No.338/R, Sgct. Tilak Raj No. 690/R, Sgct.Kuldeep Singh, No 1061/R, SPO Abdul Qayoom No.1109, SPO Talib Hussain No. 423, SPO Mohd Aslam No. 662, SPO Om Parkash No. 452, SPO Manoj Kumar No.168, SPO Manjeet Singh No.431, SPO Mohd Roof No. 599, SPO Mukhtiar Ahmed No.70, SPO Mohd Farid No.976, SPO Abishake Sharma No. 1191, SPO Mushtaq Ahmed No.606, SPO Mohd Khaliq No.304, SPO Pardeep Kumar No.1386, SPO Tanvir Hussain No.1187, SPO Gurcharan Kumar No.45, SPO Sanjay Kumar No.08, SPO Dalip Kumar No.1061, SPO Vinay Kumar No.28, SPO Iftikhar Ahmed No.622, SPO Satish Kumar No. 376, SPO Ashok Kumar No. 476, SPO Sanjeev Kumar No.1138, SPO Sardari Lal No.735, SPO Ashok Kumar No.721 and SPO Mohd Wahid No.559 volunteered themselves to be the part of search and cover teams. Search operation was started under the close supervision of operational officers led by SSP Rajouri. On 28.03.2018 police party comprising Sgct. Kishore Kumar, SPO Manjeet Singh No.535/SPO and SPO Manoj Kumar No.-168/SPO who were already deployed for locating terrorists informed about the presence of a group of terrorists hiding in a bushy nallah near a stream in Rawarian Tala (Sodara) area of Sunderbani town close to BSF Station Headquarters. SSP Rajouri immediately mobilized all the available resources and rushed to the spot along with PSOs, Sh. Sukhdev Singh, Dy.SP Ops, Rajouri, Inspr Tilak Raj, SHO P/S Sunderbani along with Army and BSF. In the meantime, Police reinforcement led by

Sh. Deepak Kumar Slathia, iPS, DIG RP Range accompanied by Sh. Mohd Yousif, JKPS Addl SP Rajouri, Sh. Master Popsy, JKPS, ASP Nowshera also arrived and joined the operation. The Police party was divided by DIG R-P Range into small groups, each group was headed by Sh. Mohd Yousif, JKPS, Addl SP Rajouri, Sh. Master Popsy, JKPS, ASP Nowshera, Sh. Sukhdev Singh, Dy.SP Ops Rajouri and Insp. Tilak Raj, SHO P/S Sunderbani. The joint parties of Police, Army and BSF were fanned out for cordon in different sides in a way that whole of the area was covered. Sh. Sukhdev Singh, Dy.SP Ops Rajouri placed himself along with his contingent in the Western side while Insp. Tilak Raj, SHO P/S Sunderbani was stationed on the northern side and after placing stops on other sides, search of the area was undertaken. During the searches, the terrorists opened firing upon the parties headed by SSP Rajouri. SSP Rajouri displaying exemplary courage, great presence of mind and leadership qualities along with others acted swiftly. By now the location of terrorist had been identified and observed in dense grown-up bushy nallah and the searching party came more close by crawling. The operational parties had used their tactical acumen to reach to the targeted place. The search team was enough vigilant and remained unharmed during the attack and a meticulous strategy was chalked out and the location of the terrorists was marked. Searching party by adopting full professionalism started crawling and advanced towards hiding terrorists. However, the terrorists observed their movement and fired upon the search party indiscriminately with the intention to kill them and to break the cordon. Searching party retaliated the fire and a fierce encounter between the assault party and the terrorists under the covering support of other operational teams and terrorists continued for hours together. The assault parties remained committed and all the 04 hard core terrorists were instantly gunned down. After carrying further search of the area, no further movement/presence of terrorists was established and finally operation was called-off. Arms/ammunition recovered during the operation includes 4 AK-47 Rifles, 18 Magazines of AK 47, 324 rounds of AK 47, 02 IEDs and 08 No. of Grenades. However, to sensitize the area the operation continued till 30th March, 2018. It was the highest degree of professionalism and courage amid clear and persistent danger that the joint teams of Police, Army and BSF succeeded in neutralizing all the heavily armed four foreign fidayeen terrorists without any collateral damage in a day long operation. A Case FIR No. 34/2018 u/s 7/25/26 A.Act, 120-B/RPC, 3-A & 2/3 IMCO stands registered in P/S Sunderbani in the matter.

In this operation S/Shri Yougal Kumar Manhas, Senior Superintendent of Police, Sukh Dev Singh, Deputy Superintendent of Police, Tilak Raj, Inspector and Kishore Kumar, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/03/2018.

(No. 11020/161/2018-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 31-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to Police Medal for Gallantry/ 3rd Bar to Police Medal for Gallantry/ 4th Bar to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Sheikh Zulfkar Azad	Senior Superintendent of Police	4th BAR TO PMG
2	Mir Murtaza Hussain Sohil	Deputy Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
3	Saqib Ghani	Deputy Superintendent of Police	PMG
4	Gazenfer Syed	Inspector	2nd BAR TO PMG
5	Shahnawaz Teeli	Sub-Inspector	PMG
6	Ghulam Nabi	Head Constable	PMG
7	Gulzar Ahmad Lone	SgCT	PMG
8	Irshad Ahmad Dar	SgCT	PMG
9	Liyakat Ali War	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.09.2018, based on a specific information regarding presence of unknown terrorists in Shokbaba Sumler Bandipora who were hiding in the cowshed of One Mohammad Lateef Khan S/O Mohammad Shafi Khan R/O Shokbaba Sumler Bandipora with the intention to carry out sensational attack on nearby Police/Army establishments. The information

was shared with Army 14 RR and CRPF, 3rd BN. Accordingly after a meticulous planning; a joint Cordon and search operation was launched at about 1300 hours by SOG Bandipora, Police team from PS Bandipora, Nafri of DPL, Army 14 RR and CRPF 3rd Bn under the overall supervision of Sheikh Zulfkar Azad JKPS-013524, then SSP Bandipora. After Cordon of specific cowshed the civilian who got entrapped in the adjoining houses were evacuated to safer places by searching police Parties. The police teams were led by Sh. Mir Murtaza Hussain Sohil JKPS-116043, DySP Hqrs Bandipora supported by Sh. Saqib Ghani JKPS-155784, DySP (PC) Bandipora, Insp. Gazanfer Syed EXK-906032, SHO PS Bandipora, SI Shahnawaz Teeli EXK-109342, IC PP Aloosa. Under the overall command of SSP Bandipora two composite squads of Army/Police were constituted for laying close and strong cordon of suspected house. One operational team under the command of DySP Hqrs Bandipora assisted by Insp. Gazanfer Syed EXK-906032, SHO PS Bandipora along with SI Shahnawaz Teeli IC PP Aloosa, HC Mohd Ibrahim No. 77/Bpr, Ct (now SgCt) Gulzar Ahmad Lone No. 598/IRP 8th Bn, Ct Liyakat Ali War No. 533/Bpr, Ct. Nasir Ahmad No. 539/IRP 8th Bn and Army Major 14RR were assigned to lay cordon from north to south of the target house covering western side while as the second operational team under the command of Sh. Saqib Ghani JKPS-155784, DySP (PC) Bandipora assisted by ASI Akther Hussain No. 38/Bpr, HC Ghulam Nabi No. 218/Bpr, SgCt Irshad Ahmad Dar No. 133/Bpr., SgCt. Mohd Jabbar No. 593/IRP 8th Bn, SgCt Tariq Ahmad No. 733/Bpr, Ct Ishfaq Farooq No. 659/Bpr and Ct Farooq Ahmad Chopan No. 684/Bpr and major Army 14RR were assigned to lay cordon from north to south of target house covering the eastern side of the suspected house. The operational parties showing nerve of steel and commitment to the task, volunteered for the said job. This rescue team put their lives in great risk and evacuated all the civilians from the target area. During this process the team was attacked by the terrorists who were hiding in the target area. However, the team, positioned in such a manner to ensure tight cordon around the terrorists, swiftly retaliated the fire and prevented their attempt to flee from the spot. The operational party displayed presence of mind and moved towards the target area. The party challenged them to surrender but they struck back with volley of fire on the searching party of police/Army with the intention to kill them. The hiding terrorists were given several opportunities to surrender before security forces but instead of surrender, the hiding terrorists opened volley of fire on the searching party of police/Army with the intention to kill them. The firing was swiftly retaliated by the joint teams resulting in on spot neutralization of 05 unidentified terrorists, Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorists includes 05 AK Rifle (04 damaged), 15 AK Magazines, 15 AK Rounds, 01 Pistol (damaged) and 04 Pouches. In this regard, case FIR NO. 130/2018 U/S 307 RPC 7/27 I. A. Act registered at Police Station Bandipora.

In this operation S/Shri Sheikh Zulfkar Azad, Senior Superintendent of Police, Mir Murtaza Hussain Sohail, Deputy Superintendent of Police, Saqib Ghani, Deputy Superintendent of Police, Gazanfer Syed, Inspector, Shahnawaz Teeli, Sub-Inspector, Ghulam Nabi, Head Constable, Gulzar Ahmad Lone, SgCT, Irshad Ahmad Dar, SgCT and Liyakat Ali War, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/09/2018.

(No. 11020/141/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 32-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jharkhand Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Surender Kumar Jha, IPS	Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Deepak Kumar	Additional Superintendent of Police	PMG
3	Bivash Tirkey	Assistant Commandant	PMG
4	Hemant Kumar Choudhary	Constable	PMG
5	Ajit Kumar	Constable	PMG
6	Sanjeev Kumar Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Parasnath region has been the birth place of maoism in Jharkhand and a central training camp. It has the dubious distinction of producing maximum number of maoist commanders including CCM Misir Besra @ Sunirmal and CCM Vivek @ karam (both rewardee of 01 crore) presently operating in Jharkhand and neighboring state. Familiarity with terrain and immense public support have created the feeling of invincibility among the maoists but the Giridih Police have worked very hard on intelligence and sincere efforts with exemplary planning paid when Giridih Police made historical achievement during operation conducted at Akbakitanr, PS. Dumri on March 05.06.2018 to 06.03.18.

On 05/03/18 an intelligence input was received regarding presence of maoist dasta (50-60) led by Bihar Jharkhand Special Area Committee member Sunil Soren @ Sunil Manjhi accompanied with Dinesh @ Charlis (Sub Zonal Committee Member) and Sohan Bhuiyan (Sub Zonal Committee Member) in Akbakitanr and adjacent forest area PS Dumri. An ops was immediately planned by S P Giridih and ASP (OPS) Giridih in consultation with Commandant 154 Bn CRPF and officers of CoBRA 203 BN. Plan was chalked out and it was decided to induct 02 teams of CoBRA led by Lokesh Kumar DC. and INSP. Satya Bhushan respectively, 02 Assault Groups of Jharkhand Jaguar AG 06 & AG 17 led by Bivash Tirkey AC and S I Ramesh Bhagat respectively, 02 coys of C.R.P.F led by Anil Kumar AC. and Ghanshyam Gurjar AC, with troops of Giridih Police. The teams were inducted from different direction in the target area. Search started on 05/03/2018 in the forest area adjacent to vill Akbakitanr and Kanadih. In the midst of the search a real time input was received at the command post manned by SP Giridih, Surendra Kumar Jha, Deepak Kumar ASP (OPS) Giridih along with Alok Veer Vadat CO 154 Bn CRPF regarding presence of maoist dasta led by BJSAC member Sunil Manjhi, Sohan Bhuiyan and Charlis both SZCM at village Akbakitar. Troops were immediately diverted and directed to cordon the village Akbakitanr PS Dumri. Since the village was well spread over 800 mtr. most of troops were engaged in cordon with COBRA left for search. Considering the gravity of searching the Village where naxals were hold up and posing severe life threatening situation two additional searching teams one of C.R.P.F under command Alok Veer yadav, Comdt. 154 BN. C.R.P.F and one of Distt. Police under command Deepak Kumar A.S.P (OPS) Giridih under supervision of Surendra Kumar Jha, IPS SP. Giridih was inducted in the target area at around 1400 hrs. Once inducted in target area the area of search was divided into three parts keeping in view the area of search, threat perception and paucity of time. Threat perception was of highest order and nobody knew what was going to happen the next moment. The team of Distt. Police led by Deepak Kumar ASP (OPS) Giridih under supervision Surendra Kr. Jha SP Giridih was given southern portion of the village, team of 203 COBRA led by Lokesh Kumar DC was given north western portion where as south western portion was being searched by team of 154 Bn. CRPF led by Sanjay kumar U/S Alokveeryadav Commandant 154 Bn. CRPF. In the meantime ladies police were also called to assist search as there was input of lady maoist cadres too.

The team of Giridih Police under command Deepak kumar ASP (OPS) Giridih U/S Surendra Kumar Jha, SP Giridih comprising of Bivash Tirkey Asstt. Commandant AG -06, Arvind Binha SDPO Dumri, Police no 130 Hernant Kumar Choudhary, Police no 1349 Ajitkumar, Police no. 169 Sanjeev kumar Singh, Police no 1361 Lalmohan kumar, Police no 712 Jaina Oraon started searching house to house. Every time the team cordoned and entered the house was like direct confrontation with death but there was no sign of any fear on the faces of search team. Since maoist Sunil Manjhi was considered the most ferocious commander of Parasnath hills the threat perception increased manifold and all sort of precautionary measures were taken. During search few peoples were detained for interrogation. Since it was getting dark the search was stopped and the whole village was kept under cordon. During interrogation of detained persons one of them was identified as maoist Mukesh Soren. On 06/03/2018 morning he led to the house where he was hiding and search team recovered one.303 rifle from the house. He further revealed that BJSAC member Sunil Manjhi is hold up in a house.

On 06/03/18 at around 0640 his search team of Giridih Police approached to the house where the door was closed but not locked from inside. It was a very dangerous situation as BJSAC member Sunil Manjhi was supposed to be inside with an AK-47. Being the commanders Surendra Kr. Jha, SP. Giridih and Deepak kumar ASP (OPS) Giridih and Bivash Tirkey AC. decided to enter the house first followed by other team members. Few members were kept outside the house. The door was kicked hard and Surendra Kumar Jha, SP Giridih, Deepak Kumar ASP (OPS) Giridih along with Bivash tirkey entered the house in a flash without caring for their lives and took position. CT/130 Hemant Kumar Choudhary, CT/1349 Ajit kumar and CT/169 Sanjeev kumar also entered the house. The house had two rooms across the courtyard. Surendra kumar Jha, Deepak kumar and Bivash Tirkey moved towards the room cautiously. Sound of cocking the rifle was clearly heard inside the room. Warning was given to come out of the room. Volley of bullet was expected from inside but the person inside preferred to escape from the house using space between roof and wall.

Team members Arvind Kumar Binha, SDPO Dumri, CT Lalmohan and CT Jaina Oraon who were guarding outside the house screamed about naxal trying to flee. SP. Giridih with his bodyguard CT/1349. Ajit Kumar, CT/169 Sanjeev kumar Singh and ASP (Ops) Giridih with his bodyguard CT/130. Hemant kumar Choudhary with Bivash Tirkey AC came out of the house in a flash and ran in the direction of naxal and started chasing him. Situation was grave as the maoist was holding an AK-47 in his hand and a bag on his back but putting his life at stake SP Giridih Surendra Kumar Jha with his bodyguard CT/1349. Ajit Kumar, CT/169 Sanjeev kumar Singh chased from left whereas Deepak Kumar ASP (Ops) Giridih accompanied with CT/130 Hemant kumar Choudhary and Bivash Tirkey AC chased from right. Team chased about 40 mtrs. The maoist was challenged to stop but he kept on running. The Maoist once tempted to fire but the chasing team was closing in and the maoist could foresee the outcome of firefight and preferred to escape. When came within touching distance Surendra kr Jha SP Giridih, Deepak Kumar ASP (OPS) Giridih pounced on him and captured the maoist with a loaded AK-47. It was an act of extreme risk and dedication and devotion to work which propelled Surendra Kumar Jha SP. Giridih, Deepak kumar ASP (Ops) Giridih, Bivash Tirkey AC, CT/130 Hemant kumar Choudhary, CT/169 Sanjeev kumar Singh and CT/1349 Ajit Kumar to chase a ferocious maoist with loaded AK-47 in hand that too without any cover. It was extremely risky operation and direct confrontation with death but team led by Surendra Kumar Jha SP Giridih, Deepak kumar ASP (OPS) Giridih put their life at stake in the line of duty. The search team kept maximum restraint as any firing could have created serious chaos and confusion among multiple forces operating there and could have resulted in civilian casualties. Moreover catching a maoist alive that too of stature of BJSAC member Sunil Manjhi could have revealed a volume of

information about the Maoist strategy and the organizational details and financial links that could have proved vital in uprooting the maoism from Parasnath hill. When interrogated the captured maoist was identified as BJSAC member Sunil Manjhi against whom 18 cases were pending against him in different police stations of Giridih itself and carrying a reward of 25 lakh on his head. One AK Series Rifle No-K0447665 with round in chamber and loaded magazine (26 live rounds), extra magazine with 27 rounds, one empty magazine, walky talky set, black rucksack, naxalli, terateur, 2,48,000 (two lakh forty eight thousand) cash with other articles recovered from his possession.

On spot interrogation he revealed whereabouts of two other maoists. The search team immediately rushed towards the house where two maoists were hiding. Commanders Surendra Kumar Jha, SP. Giridih, Deepak Kumar, ASP (OPS), Giridih search some sound were heard from the false ceiling where pile of wood was kept. They were challenged to come out and two persons emerged from behind the pile of wood. On interrogation they were identified as maoist Bala Hansda and Savita. On further interrogation they led to recovery of their personal weapons 01 INSAS and 01 USA made rifle. Every time the search party carried room intervention to nab maoists it was extremely risky proposition but the tactfulness, alertness and courage made it possible without any co lateral damage.

During the whole operation a total of 15 hardcore maoists including BJSAC member Sunil Manjhi (25 lakh reward), Sohan Bhuiyan (05 lakh reward), Charlis (05 lakh reward) with 13 weapon including 12 regular weapons (01 AK-47, 02 nos INSAS rifles, 05 nos SLR, 03 nos.303, 01 nos US made Springfield rifle, 01 C/M pistol) recovered with 639 live rounds, 04 walky talky set, 01 laptop, naxal uniform, cash 2,48,000, grenade, cordex wire and other logistic items were recovered.

Arrest of 15 hard core maoists including BJSAC member Sunil Manjhi (Reward of 25 lakh), Charlis@ Dinesh @Shekhar(SZCM, 05 lakh reward) and Sohan Bhuiyan (SZCM, 05 lakh reward) and recovery of 13 weapons including 12 regular weapons have given a deadly blow to maoists in Parasnath region and created a vacuum which will never be fulfilled. Further interrogation of arrested maoists led to seizure of huge quantity of LLD, Cordex. Ammunitions etc from both Parasnath Hills and Jhumra- tugu axis.

The entire operation was executed in an exemplary manner which is an epitome in the annals of successful operations. This successful operation has elevated the morale of Police as well as CRPF, CoBRA and Jharkhand Jaguar. The sound planning and excellent execution on the ground to write another saga of success.

In this operation S/Shri Surender Kumar Jha, IPS, Superintendent of Police, Deepak Kumar, Additional Superintendent of Police, Bivash Tirkey, Assistant Commandant, Hemant Kumar Choudhary, Constable, Ajit Kumar, Constable and Sanjeev Kumar Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/03/2018.

(No. 11020/208/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 33-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jharkhand Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shambhu Kumar Singh	SDPO	PMG
2	Vimlesh Kumar Tripathi	Deputy Superintendent of Police	PMG
3	Jurendra Soy	Havildar	PMG
4	Shashi Ranjan Kumar Pandey	Constable	PMG
5	Rajesh Kumar Chau	Constable	PMG
6	Tasaduk Ansari	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The Superintendent of Police, Palamau, at 0945 am on 28/05/2018, on getting tip of information about movement of Sub-anal commander Girender Ganjhu, the dreaded naxal of banned outlawed TPC (TSPC) organization, with 30-35 armed members around Dundur-Hesag forest and neighbouring undulated terrain under P.S Chhatarpur with some ulterior motive.

After going through discussions with officers concerned, a police team constituted under leadership of Sri Virnlesh kumar Tripathi Dy.S.P (Probationer) with Asst. Comdt. Sh.Rajendra Harijan A/134 bn CRPF ASI Nagendra Kumar, CT/254 Shashi Ranjan Kumar Pandey, CT/889 Rajesh kumar Sahu, and personnel of 134 bn CRPF for establishing the intelligence by verification and further necessary action. As the team reached at Dundur village, a credible and confirm input was meted by local villagers that few moments back around 40 members of armed dasta of TPC naxals has moved from this place, further this information was passed to the Sub-Divisional Police officer chhattarpur and as per this information SDPO chhattarpur Sh. Shambhu Kumar Singh immediately reached at Dundur village. After discussion with commanders Sh Shambhu Kumar Singh divided the ops team into three segments under the command of SDPO chhattarpur, Dy.SP (prob) and Asst. Comndt 134 CRPF, the police team carefully forwarded towards the direction of Hesag hilly area where the TPC outfits were moved as per pinpoint information meted. As the team reached 500 meter south of Hesag forest and hilly area the place was covered with thick vegetation, undulated ground and bushes all around. Suddenly, the police team perceived the presence of few persons wearing army uniform and carrying prohibited and sophisticated rifles, it was perceived that around 30-35 armed naxals were seen in the different locations. In no time, the raiding party took position and moved from three directions for cordon them, as the team moved tactically forward about 200 meters, suddenly TPC outfits started barrage of bullets over police party. The police team shouted giving own identification as police and suggested for surrender to armed outfit but intending to kill police team TPC outfits started indiscriminate firing of bullets and they were shouting abusing language and provoking for killing the police personnel. The group also echoed slogans "TPC JINDABAD, POLICE PRASHASHAN MURDABAD" with gunshots. An encounter was evident which was soon established with incessant and indiscriminate fire. The police team still kept its nerve cool and again suggested giving loud alarm to surrender but the TPC extremists continued their firing from other directions. With no alternative left in their safeguard, all the commanders i.e., SDPO Chhattarpur Shambhu Kumar Singh, Dy. SP (Prob.) Vimlesh kumar Tripathi, Asst. Comndt. CRPF 134 A COY Rajender Harijan with their police teams crawled ahead, ensured tactical position and opened counter-fire. By 14:00 Hrs, the armed extremists reduced their firing rate. Thereafter, the SDPO Chhattarpur with his team along with the team led by Dy. SF' (Prob.) and Asst Comndt, CRPF 134 BN, proceeded ahead to encircle those armed TPC extremists with intention to pressurize them for surrender. At that event the police team was in jaws of death and was also having danger to their lives. Although it was a risky affair to take a lead during hostile firing, but the team commanders weighed it and shows its highest courage. As they advanced it seen that two-three extremists were moving back with ceiling of fire to the police party, one of them was perceived as injured. The team again shows its courage and surrounded them tactfully and detained all three TPC extremist with arms and ammunition, and the rest TPC extremists retreated and vanished into dense jungle and hilly terrain. Two body of TPC extremist was seen which were laid on the ground and arms and ammunition was also laid in the side of those bodies. The matter was immediately reported to S.P. Palamau in details and requested him for sending medical team and magistrate with additional forces.

During interrogation of apprehended extremists, disclosed their name as Lallu Singh (injured) s/o Balkesh Singh i/o Lath PS Hariharganj, Sono Yadav ski Satyanarayan Yadav r/o Rabari PS Pandu and Vikas Paswan s/o Arjun Paswan r/o Derapatra PS Hussainabad all are from Palamau district. First aid was provided to the injured Lallu Singh. Around 14:40 hrs Superintendent of Police Palamau, Add. S.P (ops) Palamau and 2nd in command CRPF 134 Bn reached at the place of occurrence. after that O/C Chhattarpur P.S SI Basudeo Munda and the Sub Divisional Magistrate, Chhattarpur, Shri Rajesh Prajapati, Executive Magistrate Shri Giriwar Minz, Block Development officer Chhattarpur Shri Ram Ratan Barnwal and the medical team reached at place of occurrence and then one .303 rifle and bullet were seized from injured extremist Lallu Singh and subsequently he was taken to Sub-Divisional hospital Chhattarpur for further treatment. Then through inspection of place of occurrence was done by Sub-Divisional Magistrate Chhattarpur with presence of other officers, during inspection one other dead body of TPC extremist found in the upper part of hesag hill, this body was identified by the apprehended TPC extremist Vikas Paswan as Rajesh Manjhi @ Amarjeet S/o Late Yamuna Manjhi r/o Lakbandhwa Ps Nawajaipur Dist Palamau JKD and the rest two body was identified as Chandan Yadav@ aman je s/o Sant kumar yadav r/o Bulka PS Ramna Dist Garhwa JKD and Pawan Ganjhu @ Pawan Sharma s/o Fajaiti Ganjhu r/o Lohritari Nawadih PS Lawalong Dist Chatra JKD. All the deceased were called as Area commander of banned TPC naxal organization.

Directing the team to continue with controlled firing in self defense, Sub-Divisional Police officer Chhattarpur Sharnbhu Kumar Singh with his buddy Hay. Jugender Soy, constable 904 Tasaduk Ansari and Dy. SP (Probationer) Vimlesh Kumar inpathi with -his buddy constable 254 Shashi Ranjan Kumar Pandey and Constable 889 Rajesh Kumar Sahu and other active members of the team, started search in area of conflict. The body of three TPC extremist was recovered, one armed TPC extremist was found in injured condition, during interrogation he disclosed the names of other twenty nine armed TPC extremist. Huge numbers of arms, stuffs and propaganda materials were also recovered. After arrival of the S.D.M., B.D.O. and Executive Magistrate of Chhattarpur with additional force, the inquest report of dead armed TPC extremist as Rajesh Manjhi @ Amarjeet s/o Late Yamuna Manjhi r/o Lakbandhwa PS Nawajaipur Dist Palamau ED Chandan Yadav@ aman je s/o Sant Kumar Yadav r/o Bulka PS ramna Dist Garhwa ED and Pawan Ganjhu @ Pawan Sharma s/o Fajaiti Ganjhu r/o Lohritari nawadih PS Lawalong Dist Chatra ED was prepared and on search of the dead body, one AK 47 rifle, Two SLR rifle two .303 rifle one 315 Rifle with magazines containing live cartridges was recovered and from nearby the dead bodies. Various arms, ammunitions and other materials whose details have been listed in the seizure list.

During the operation, Shri Shambhu Kumar Singh, Sub-Divisional Police Officer Chhattarpur and Dy. SP (Probationer) Shri Vimlesh Kumar Tripathi, shown humanity to save an injured male armed TPC extremist and exceptional

leadership qualities blended with exemplary courage risking his own life in neutralizing the dreaded three TPC extremist before he could cause any fatality to his fellow policemen.

Shri Shambhu Kumar Singh, Sub-Divisional Police Officer Chhattarpur and Dy. SP (Probationer) Shri Vimlesh Kumar Tripathi, displayed a solid example of loyalty, the guts of gallant and real qualities of a leader, in keeping with the highest traditions of any police force. The act of discipline, extreme bravery, leadership of highest order and exemplary courage since beginning to the end, shown by the aforementioned nominees, established high moral of the entire police team and instilled other's confidence and deserves recognition and appreciation of the highest level.

In this operation S/Shri Shambhu Kumar Singh, SDPO, Vimlesh Kumar Tripathi, Deputy Superintendent of Police, Jurendra Soy, Havildar, Shashi Ranjan Kumar Pandey, Constable, Rajesh Kumar Shau, Constable and Tasaduk Ansari, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/05/2018.

(F. No. 11020/211/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN,
Officer on Special Duty

No. 34-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Rajesh Dyanoba Khandave	Police Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
2	Manish Pundlik Gorle	Naik Police Constable	PMG
3	Govardhan Janardhan Wadhai	Police Constable	PMG
4	Kailas Kashiram Usendi	Police Constable	PMG
5	Kumarashaha Wasudeo Kirange	Police Constable	PMG
6	Shivlal Rupsing Hidko	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the night of 11/07/2017 credible and confidential information was communicated to PSI Rajesh Khandwe of The Special Ops. Squad, Gadchiroli by the Superior officers that 20-25 armed Naxalites were present in the Yengaon-Mungner jungle. As part of the action plan, 2 teams were formed to tackle this impending danger. The 1st team was under the command of Party Commander P.N. Surpat Wadde and his 16 personnel and the 2nd team was under the command of Party Commander P.N. Ramchandra Dhurve and his 15 personnel.

After travelling through the night in civil vehicles the said parties reached Yengaon at 7.30 am from where they started their search operation. Both teams started patrol in parallel formation, API Rajesh Khandve was incharge of operation and had control of both teams for coordination. At about 8.30 am in the Chavala jungle the police parties came face - to - face with a Nagai pilot who was leading a heavily armed Dalam of Naxalites numbering 20-25 dressed in their signature Olive green uniforms. There remained no doubt that these were members of the banned CPI (Maoist) organization. What followed was an unprovoked heavy volley of gunfire from the Naxals. Taking evasive action the teams died for cover. Their orders to the Naxalites to stop firing, lay down their arms and to surrender to the Police fell on deaf ears. The teams showed nerves of steel in this close-quarter battle when, even whilst coming under heavy and indiscriminate Naxal gunfire, the teams replied with controlled and highly effective gunfire which forced the Naxals to flee into the dense forest.

In the subsequent combing operation the Police party found 2 female Naxals dead bodies. Other articles belonging to the Naxal Dalam which were seized are as under:—

- 1 1-12 bore rifle.
- 2 1- country- made 303 rifle.
- 3 7- live rounds of 303 rifle.
- 4 2 - used 12 bore bullet cases.
- 5 1- used 303 bullet case.

- 6 Civil clothes.
- 7 Medicines.
- 8 Naxal ideology literature.

Pertinent to note in this encounter is the dedication shown by the recommended to their assigned task. This dedication is amply reflected when one takes note of the fact that recommended Police Officer API Rajesh Khandwe and the 2 personnel i.e. PC Shivalal Hidko and PN Manish Gorle were injured in the initial stages of this encounter. Yet their injuries neither weakened their bodies nor their steel-like mental resolve. They kept advancing on to the Naxal Dalam and answered Naval gunfire with gunfire. This not only ensured the safety of the remainder of the police party but also ensured that the Naxals beat a hasty retreat.

In this operation S/Shri Rajesh Dyanoba Khandave, Police Sub-Inspector, Manish Pundlik Gorle, Naik Police Constable, Govardhan Janardhan Wadhai, Police Constable, Kailas Kashiram Usendi, Police Constable, Kumarashaha Wasudeo Kirange, Police Constable and Shivalal Rupsing Hidko, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/07/2017.

(No. 11020/167/2019-PMA)
F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 35Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Suresh Durguji Kovase	Head Constable	PMG
2	Ratiram Raghuram Poreti	Head Constable	PMG
3	Pradipkumar Raybham Gedam	Naik Police Constable	PMG
4	Rakesh Mahadeo Narote	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Gram panchayat elections form the very back bone of Indian democracy. The Naxals by the very nature of their ideology are against the democratic process and Democracy in India. Committed to turning India into a Communist State and obtaining power at gun point is their only agenda. Casting of votes in the Gram panchayat elections were scheduled in Gadchiroli District on 16/10/2017. Heightened anti-national activities by Naxals to derail the democratic process was anticipated and expected. On 14th Oct. 2017 A.S.I. 233 Suresh Kovase received reliable information through the Intelligence Cell, Gadchiroli that approximately 50-60 armed Naxals belonging to the banned C.P.I.(Maoist) group, dressed in their olive green uniform had entered the jungles of Tavey (in the jurisdiction of Gyarapatti Police Center). Under the orders and able guidance of Additional SP (Op.) Shri Maheshwar Reddey an action plan was chalked out to counter this scenario. Accordingly, two teams were formed. The first team was made up of API Sandip Mandlik, H.C, Ratiram Poreti from the Intelligence Cell, AS-I. Suresh Kovase and 21 personnel of The Special Operation Group known as C-60 commandos. The second team consisted of The Nagesh Tekam Party and 23 personnel of the C-60 commandos.

The two teams left in civil vehicles on 14/10/2017 at, 0940 Hrs. and entered the jungles of Mothazhaliya at about 12.30 Hrs. They subsequently started the Naxal Search Operation on foot through the forest of Tavey- Talwargarh. At about 15.15 hrs. The teams came under sudden heavy gunfire from the top of a hill. They dove for cover and noticed that approximately 50-60 Naxalites dressed in olive green uniforms were firing at them and shouting out orders and instructions to each other to kill members of the police party and to snatch their arms and ammunitions. The police party asked the Naxals to stop firing and surrender themselves to the police but this was to no avail. Hence the police teams answered the Naxals fire with fire. During the gun battle H.C Poreti and personnel of his team were surrounded by Naxals from all the four sides and the Naxals were steadily advancing towards them. This was a grave and life threatening situation for H.C Poreti and his team. The situation worsened when the other members of the police team heard on the walkie-talkie that H.C Poreti was injured while taking cover. Without giving a second thought to the safety of their own lives ASI Suresh Kovase and PN Pradip Gedam, along with their team rushed up the hill where HC Poreti and his team were surrounded by the NAXALS. Their sole motive was to rescue the trapped police party. ASI Suresh Kovase was injured while carrying out this daring and near impossible rescue operation. At this time ASI Nagesh Tekam and his team carried out textbook perfect controlled and

effective firing which resulted in the Naxalites running helter-skelter into the jungle. The said gun battle lasted for 40-50 minutes.

In the subsequent combing operation the police team found 1 injured female Naxal lying motionless. Other articles belonging to the Naxal Dalam which were seized are as under:—

1. 1-8 mm rifle.
2. 18-8 mm bullets.
3. 1- Used 8 mm bullet shell.
4. 1- Switch
5. 4-Detonator
6. 1-Radio
7. 1-Olive green uniform
8. 3-Remotes
9. Maoist/Naxal ideology literature
10. Medical kits
11. Other items of daily use.

In this particular incident it is pertinent to note that the Naxals held a dual advantage. Firstly, they held the advantage of having the element of surprise on their side. This was apparent from the ambush prepared by them. Secondly the Naxals were firing from a higher altitude which is a decisive factor and advantage in any battle. But overcooling these odds and by the sheer strength of their courage HC Ratirarn Poreti, A.S.I. Suresh Kovase, PN. Pradip Gedam, P.C. 3066 Rakesh Narote not only rescue a trapped police team and saved their lives but also brought the Naxal plan of derailing the Democratic process to naught.

In this operation S/Shri Suresh Durguji Kovase, Head Constable, Ratiram Raghuram Poreti, Head Constable, Pradipkumar Raybham Gedam, Naik Police Constable and Rakesh Mahadeo Narote, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/10/2017.

(No. 11020/168/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 36Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Rakesh Ramsu Hichami	Naik Police Constable	PMG
2	Vasant Nanka Tadavi	Constable	PMG
3	Subhash Pandurang Usendi	Constable	PMG
4	Ramesh Venkanna Komire	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14/09/2017 the recommendee H.C. Rakesh Hichami received confidential and credible information that Naxalites belonging to the banned CPI (Maoist) organization were planning to carry out anti-national activities in the Bhendikanar area on 13 Sept. to mark the day of mourning on the occasion of 'Vijay Divas'. A team consisting of 1 API and 34 personnel was formed as part of the plan to counter the Naxal threat.

On 15/09/2017 they got dropped by civil vehicles at 16.00 hrs. They walked for 12 hrs. and stopped near Bhendikanar village. On 15/09/2017, information was again received, Naxal are still in vicinity of Bhendikanar village but

exact location not known. So, small teams with each 5 in strength was formed and search started. Small teams allows more area for searching without getting exposed.

At about 5.30 - 6.00 hrs. on 15/09/2017, small group of recommendees Rakesh Hichami, Ramesh Komire, Subhash Usendi and Vasant Tadavi cover under fire from Naxal sentry. Other Naxal soon realized about police, started firing on police teams.

HC Rakesh Hichami gave call on WT for help from other teams and continued effective firing on Naxal.

After 10-15 mm. other teams started advancing in the direction of exchange of fire and made firing in the direction. This compelled the Naxal to flee from spot.

In the subsequent combing operation the Police party found 1 Female Naxal dead body. Other articles belonging to the Naxal Dalam which were seized are as under—

- (1) 1- country –made single barrel 12 bore rifle.
- (2) 8- bullets of 12 bore rifle.
- (3) 1- backpack (Pittu)
- (4) Clothes and items of daily use.

In the said incident the recommendee police personnel showed exemplary presence of mind, courage and fortitude when, although they were surrounded by the Naxals, they kept their nerves clam and retaliated in a precise and coordinated manner.

In this operation S/Shri Rakesh Ramsu Hichami, Naik Police Constable, Vasant Nanka Tadavi, Police Constable, Subhash Pandurang Usendi, Police Constable and Ramesh Venkanna Komire, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 15/09/2017.

(No. 11020/198/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 37-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Telangana Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Mogulla Venkateshwar	Sub-Inspector	PMG
2	Mohd. Meharajuddin	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The nominees I to VIII exhibited exemplary courage by risking their lives in apprehending hardcore terrorists Atif Muzaffar, Mohd Danish, Syed Mir Hussain and other 5 of their associates involved in many terror attacks in UP and MP and prevented impending terror attacks planned by Islamic State (IS) inspired terrorist group. The group has executed blast in Bhopal-Ujjain passenger train on 07.03.2017; Ramleela grounds Lucknow on the eve of Dassehra [2016] when Hon'ble PM Narendra Modi addressed a meeting [rally] and also killing an innocent Hindu Retd. Principal by name Ramesh Shukla in Oct 2016. They also planned blasts in Deva Sharif Dargah, Bada Imam Baada in Uttar Pradesh and also had plans to target some individuals like BJP & Hindu leaders, Muslim [Shia] Scholars, train blasts, etc. in near future.

The nominees I to VIII received credible intelligence about the above terrorist group, as they are about to carryout terror activities. On receiving information the nominees I to VIII have formed into 3 groups. The movements of the terrorists in Madhya Pradesh were tracked by first group of nominees II, IV & VII along with ATS Bhopal, where 3 terror activists viz., Atif Muzaffar, Danish Akhtar and Hussain were apprehended near Pipariya tollgate from a Pvt. Bus.

Meanwhile the second group of nominees I & VIII received intelligence that an associate of above 3 terrorists, by name Saifullah is hiding in their den at Haji colony, Lucknow. The nominees I & VIII along with ATS Lucknow have surrounded the hideout of the above terrorists, and while trying to apprehend him, Saifullah opened fire on the ATS sleuths and during EoF Saifullah died. The terrorists have accumulated large amount/quantity of pipe 'bombs, explosives,

8 weapons, 650 live ammunition, Jihadi literature, Mobile phones & SIM cards, cash, Passports and other incriminating material and the same were recovered / seized by ATS police from the hideout.

Simultaneously the third group of nominees III, V & VI received intelligence about 5 more terror suspects available at Kanpur, those who have extended logistical support and procured weapons & explosives for the terror activities to the above terror group and trying to flee. The nominees III, V & VI along with ATS Lucknow immediately apprehended them.

The Nominees I to VIII have displayed extraordinary commitment to duty in the face of grave and imminent threat to their lives and nabbed the eight terrorists; recovered 8 pistols, 650 live ammunition, pipe bombs, explosives and 4 daggers etc. and averted major terror incidents thereby preventing mass destruction, damage of public & private properties.

In this operation S/Shri Mogulla Venkateshwar, Sub-Inspector and Mohd. Meharajuddin, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 07.03.2017.

(No. 11020/ 53 /2017-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 38-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Lokesh Bhati	Constable	PMG
2	Late Ekant Yadav	Constable	PMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Lokesh Bhati Constable CP and Shri Ekant Yadav Constable CP, Meerut UP, then posted at PS Lisari Gate Meerut, in the mid-night of 01/02.12.2014 with rifles riding on a motorcycle, were patrolling, in the area of Villages Lisari, Chaman colony and Madina colony, Fathehullahpur.

Constable Ekant Yadav, driving the motorcycle and constable Lokesh Bhati, sitting on pillion. when reached near Reliance Tower a person riding on a motorcycle was seen, arriving fast from the side of Noor nagar and these constables stopped their motorcycle and as soon, motorcycle-ridden person reached in proximity they pointed him to stop for check instead seeing the Police the motorcycle-ridden person daringly drove fast, but suspected him to be a criminal alert constables Lokesh Bhati and Ekant Yadav promptly, started chasing him. Crime-clever criminal driving his motorcycle fast and being closely chased by these constables, when reached near Tiles factory Fatehullahpur his motorcycle slipped and frightened criminal fell down, seeing this vigilant constable Ekant Yadav stopped his motorcycle and in a spur of moment, he alone with constable Lokesh Bhati as fearlessly moved ahead displaying courage and gallant in proximity with an object to over power and arrest him, Furious criminal abruptly took out a pistol and instantaneously opened fire with definite intent to kill, police personnel hitting constable Ekant Yadav in his chest to fell down, injured grievously.

In this situation of 'do or die', when constable Ekant Yadav fell down, grievously injured and he escaped injuries in the firing by barbarous criminal in front constable Lokesh Bhati yet, undeterred of his firing offensive and determined to arrest the criminal, alive, boldly mewed ahead firing in self-defence, but seeing the cruel criminal targeting his pistol to kill him, constable Lokesh Bhati with utmost presence of mind displaying conspicuous courage, gallant and great sense of dedication towards his duty, without caring for his life and limb, tactfully jumped physically and with policing skill forcefully struck butt of his rifle upon him causing his pistol to fell down scattered, but the same moment cunning but frightened criminal tried to took out from his belt his another fire-arms and attempted to snatch rifle of constable Lokesh Bhati, then he with indomitable courage collided with him and again struck the criminal with butt, causing him injured and fell dawn at about 01:15 AM. The criminal who later died in the hospital was identified to be notorious dreaded and barbarous criminal Noor Ali @ Noora, a history sheeter criminal with large criminal history and illicit fire-arms and ammunition were recovered from him successfully.

In this fierce face-to-face, Police Encounter in the open Shri Lokesh Bhati and Shri Ekant Yadav have exhibited exceptional courage, conspicuous gallantry and devotion to duty in this encounter.

In this operation S/Shri Lokesh Bhati, Constable and Late Ekant Yadav, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/12/2014.

(No. 11020/02/2020-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 39-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Amit Kumar	Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Amit Kumar SICP PS Saiyan District Agra, UP, accompanying Station Officer, investigating case of recent daring highway robbery, in the night of 13/14.03.2016, committed by named notorious, dreaded robbers and Inter-State absconder criminal Shri Krishna, history sheeted of PS Saiyan, having declared rewards from DIG Agra Range, U.P. and IGP, Chambal Zone, M.P. and resident of village Sikandarpur, within jurisdiction of PS Saiyan, immediately, sprung into action and quickly left with police team, in police Jeep, towards, village Sikandarpur, to trace the robbers, arrest them and recover robbed property.

Shri Amit Kumar SICP and Station Officer, respectively, leading their police parties, constituted by SO, entered and strategically, moved in village Sikandarpur and police teams, passing through the school lane, as turned in the lane, wherein house of criminal Shri Krishna, is situated, in electric light. he was seen standing, alongwith his companions; Shri Amit Kumar SI, leading his police team, alongwith Station Officer, seeing the dreaded criminals, in front, challenged them and himself, fearlessly, moved few paces ahead, to arrest him, but crime-clever cruel criminal Shri Krishna and his companions, furious, with sudden presence of police, abruptly opened incessant firing, towards this Sub-Inspector and his team, with an intention, to kill, which hit the face of Shri Amit Kumar SI and he was seriously injured. Shri Amit Kumar SI, Spite of being injured, in the firing of criminals, in front, yet undeterred and without caring for his life and limb, fought back and determined to arrest them alive, boldly and strategically moved forward, in their firing range, resorting firing in self-defence and in the spur of moment, displaying conspicuous courage and gallant, tactically jumped, with police-skill, pounced upon criminals-duo, forcefully, overpowered and captured above said dreaded criminals Shri Krishna and Sanjay, with firearms & ammunition and recently robbed property, at 02.40 hrs., in the mid-night of 13/14.03.2016, successfully.

Shri Amit Kumar, SI has exhibited exceptional courage, conspicuous gallantry and devotion to duty in this encounter.

In this operation Shri Amit Kumar, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 14/03/2016.

(No. 11020/07/2020-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 40-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Prashant Kumar, IPS	Additional Director General	PMG
2	Abhishek Yadav, IPS	Senior Superintendent of Police	PMG
3	Satpal, IPS	Superintendent of Police	PMG
4	Pravesh Kumar	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG

5	Ajay Kumar	Sub-Inspector	PMG
6	Vinit Kumar Kapasia	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02.07.2019 a notorious criminal Rohit @ Sandu who was lodged in District Mirzapur Jail had escaped from police custody while he was being taken to judicial comb in District Muzaffarnagar. While escaping with his gang there was a firing in which a Police Sub Inspector was injured and later succumbed to his injuries.

Shri Prashant Kumar, IPS, Additional Director General of Police, Meerut Zone was camping in the District Muzaffarnagar on 15/16.07.2019 night to monitor the district's general law tie order and the efforts of the district police in arresting the said criminals. He was accompanied by Shri Abhishek Yadav, IPS, Sr. Superintendent of Police and Shri Satpal, IPS, Superintendent of Police- City during the monitoring of field patrolling teams.

On the same night, Shri Pravesh Kumar, Sub Inspector In-charge Special Weapons And Tactics (SWAT) Team, Muzaffarnagar received credible information from a reliable source regarding the movement of absconding criminal Rohit @ Sandu from Bhopa to Mansurpur, armed and accompanied by his companions with tin intent to commit a sensational crime in the district.

Shri Pravesh Kumar, Sub Inspector with his SWAT Team, immediately shared the information with Shri Ajay Kumar, Sub-Inspector, incharge of Makhiyali Out Post who joined him with his team. They immediately started checking of vehicles to intercept and apprehend the criminals.

Around 04:45 AM, during checking, four persons were sighted speeding on two motorcycles from the direction of Bhopa and Shri Pravesh Kumar Sub Inspector fearlessly moved ahead to intercept them. The riders slowed down but upon seeing Police, the pillion-rider abruptly opened fire on policemen.

Mean while the information was flashed to Control Room alerted and Police teams started chasing the criminals. The criminals on being chased, suddenly turned towards village Bilaspur from the Bilaspur mod. Due to slippery road one of the Motorcycles had skidded and the criminals immediately abandoned it and started incessant vigorous firing at the Police team with an intention to kill them. In this fire exchange Sub- Inspector Shri Pravesh Kumar sustained bullet shot on his bullet proof jacket whereas Sub-Inspector Shri Ajay Kumar and Constable Vinit Kumar Kapasia sustained bullet injuries. Despite being hit by the bullets, the police parties showing exempted courage and bravery positioned themselves tactically and warned the criminals to surrender. But the criminals continued to fire with the intention to kill.

Mean while Shri Prashant Kumar Additional Director General of Police Meerut Zone after receiving information from the Police Control Room, accompanied by Shri Abhishek Yadav, SSP and Shri Satpal, SP City, immediately left for the scene of encounter. They strategically mid tactically covered the police teams and fired upon the criminals while boosting the morale of police party in engagement. Under die excellent leadership of Shri Prashant Kumar, Additional Director General of Police Meerut Lone, Shri Abkhkek Yadav, SSP and Shri Satpal, S.P.-City, along with Shri Pravesh Kumar, SI, Shri Ajay Kumar and Constable Vinit Kapasia tactically crawled close range to capture the criminals alive and challenged the criminals. They resorted to firing in self defence and injured two criminals who sustained fire arm injuries and later succumbed to injuries. They were identified as the notorious absconding criminals Rohit @ Sandu and Rakesh Yadav, having a reward or Rs. 1,00,000/- and Rs. 50,000/- respectively. Fire- arms & ammunition were also recovered in this action.

In this operation S/Shri Prashant Kumar, IPS, Additional Director General, Abhishek Yadav, IPS, Senior Superintendent of Police, Satpal, IPS, Superintendent of Police, Pravesh Kumar, Sub-Inspector, Ajay Kumar, Sub-Inspector and Vinit Kumar Kapasia, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/07/2019.

(No. 11020/81/2020-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 41-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Ajay Kumar Sahni, IPS	Superintendent of Police	PMG

2	Narendra Pratap Singh	Additional Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Awdhesh Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18.08.2017 checking of vehicles was being carried out in district Azamgarh between 15:45 to 16:00 hrs. Addl.SP Shri Narendra Pratap Singh departed towards Saraimir for supervising the checking. During checking at Sharda tri-junction by Kotwali police, two criminals on a motorcycle, fired on police and fled towards Mau, after injuring a constable.

Addl. SP directed adjoining police stations to cordon the fleeing criminals and moved ahead. DCR again informed that criminals are fleeing towards Kashi Ram Awas Colony situated in Village Gajahda of PS Mubarakpur. Shri Narendra Pratap Singh immediately rushed to Kashi Ram Awas Colony. At the same time SO Mubarakpur and I/C Swat team also reached there with force. Few moments later Insp. Kotwali with force and SP Azamgarh Shri Ajay Sahni with his PRO also reached there, where they came to know that the criminals are hiding in a vacant Kashi Ram Colony.

SP Azamgarh Shri Ajay Kumar Salmi constituted two teams'. Leading the first himself and comprising of Swat team while the second team led by Addl. SP Shri Narendra Pratap Singh comprised of SO Mubarakpur and Inspector Kotwali with force. Shri Ajay Sahni leading the entire operation entered the colony from eastern end, took position in the cover of stairs of a house situated in eastern side and challenged the criminals that they have been cordoned by the police and asked them surrender. The criminals reacted with firing on police party with an intention to kill. Seeing the situation and guessing the location of criminals Addl. SP with his team entered the colony from western end, took position in the cover of stairs of a house situated in middle of the southern houses and challenged the criminals. Criminals again fired indiscriminately. One bullet fired by the criminals hit the leg of SO Mubarakpur. SP putting his life in danger came out of the cover with team and showing extraordinary courage and bravery fired in self-defence. One bullet of furious and indiscriminate firing by criminals hit the leg of Const. Awdhesh who sustained gunshot injury and the other bullet hit and pierced into the BP Jacket of SP. Had he not worn the BP jacket the bullet would have hit him into the chest that could have been fatal. Finding no other option to overpower the criminals SP, Addl. SP and Ct. coming out of cover, entered in the firing range of criminals and fired in self-defence. One bullet fired by the criminals whizzed past touching the hairs of Narendra Pratap Singh. When the firing was stopped from criminal side, police approached the criminals. One criminal was found lying injured in semi conscious condition, who whispered his name Sujeet Singh @ Burhwa, who was sent to district hospital for treatment where he was declared as dead. This encounter took place from 17:05 hrs to 1720 hrs. Deceased Sujeet Singh had escaped from police custody on 11.08.2017, while going back to district Rampur after appearance in Mau court, who having declared a reward of Rs. 15,000/-.

In this operation S/Shri Ajay Kumar Sahni, IPS, Superintendent of Police, Narendra Pratap Singh, Additional Superintendent of Police and Awdhesh Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/08/2017.

(No. 11020/111/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 42-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Asim Arun, IPS	Inspector General	PMG
2	Late Rajesh Sahni	Additional Superintendent of Police	PMG (Posthu)
3	Atahar Ahmad	Constable	PMG
4	Avinash Kumar	Constable	PMG
5	Vikas Yadav	Constable	PMG
6	Mahendra Pal	Constable	PMG
7	Faheem Mian	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Asim Arun, IG ATS UP received an input from Counter Intelligence Cell Telangana that ISIS inspired terrorist Saifullah, whose associates had carried out a blast in a train near Bhopal, was present in a house in Kakori, Lucknow. He would have multiple firearms and explosives and would shoot to evade arrest. Shri Asim, Shri Rajesh Sahni Addl. SP and other ATS personnel rushed to the spot. Upon reaching the site at 1530 hours, Shri Asim assessed the situation and entered the building. The suspect was inside a room within the building and at that moment, the sound of a gun being cocked was heard. Sensing the gravity, Shri Asim appointed Shri Rajesh Sahni as the negotiator who talked and tried to convince him to surrender. A neighbour who was also a cleric tried. Saifullah's brother was called on the phone which was slipped into the room through the space under the door. He also tried to persuade him but Saifullah kept repeating from inside that he was on the path to Shahadat.

When efforts to bring Saifullah out did not work, Shri Asim decided to use the 'smoking out tactic'. Shri Rajesh Sahni, exposing himself to risk, lobbed in chilli bombs. Saifullah was heard coughing but did not come out, instead started firing from inside often by protruding his hand out of the window. Exercising patience and caution, the commandos drilled holes through the roof and the wall, exposing themselves to risk, lobbed more chilli bombs and tear gas grenades but Saifullah remained holed up. After midnight, the police observation team noticed movement inside and an increased rate of fire. It appeared that Saifullah might storm out of the room. If he did that several police personnel and citizens gathered outside could get hurt and he could even escape. It had become necessary to neutralize the situation quickly and locally.

Shri Asim Arun, himself a commando trained by NSG and SPG, decided that a high-risk room entry simultaneously from the two doors would have to be done. A cluster including Commando Constables Vikas Yadav, Mahendra Pal and Fahim Mian led by Asim stormed into the room. In a face to face situation, Shri Asim directed Saifullah to surrender but he fired straight at them. Ignoring the personal danger and bravely returning the fire, they shot at Saifullah bringing him down. The second team including Commando Constables Athar Ahmad and Avinash Kumar simultaneously entered through the other door and displaying conspicuous courage provided supporting fire. Availability of this cache, the constraints of operating in a close confined space and live transmission on TV made the operation particularly challenging. But due to the superior planning and extraordinary and conspicuous gallantry it could be conducted in a controlled manner with no injuries to police personnel and citizens.

In this operation S/Shri Asim Arun, IPS, Inspector General, Late Rajesh Sahni, Additional Superintendent of Police, Atahar Ahmad, Constable, Avinash Kumar, Constable, Vikas Yadav, Constable, Mahendra Pal, Constable and Faheem Mian, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/03/2017.

(No. 11020/112/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN

Officer on Special Duty

No. 43-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 1st BAR to Police Medal for Gallantry/4th BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Suvendra Kumar Bhagat, IPS	Senior Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Vijai Bhushan, IPS	Additional Superintendent of Police	4th BAR TO PMG
3	Arvind Chaturvedi	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
4	Dhananjai Mishra	Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The UP Special Task Force involved in systematic detection and prevention of organised crime and terrorist activities received information about the movement of the perpetrator of the sensational “BJP MLA KRISHNANDA RAI MURDER CASE”, Firdaus Hanif Khan (dreaded criminal with a long criminal history) in Mumbai, with a reward of Rs. 50,000.00. This sensational BJP leader murder caused a lot of political up roar and demonstrations ridiculing the establishment in UP. Seeing the sensitivity of the case Mr. SK Bhagat, SSP STF with a small team was immediately flew to Mumbai, who verified the information and informed IG STF Sri Jagmohan Yadav who also reached Mumbai by the next available flight. A full proof strategy to nab the criminal was made as the criminal was hazardous, never moved without sophisticated arms and ammunition and arrest was anticipated in crowded market place. After identification of the suspect,

two separate teams under Sri Yadav and Sri Bhagat approached Firdaus to effect the arrest, who inspite the police being in civil dress could sense the police surround and started firing at the policy party headed by Mr. Jagmohan Yadav who had a narrow escape by falling to the ground. Seeing the criminal firing at IG STF, SSP STF Mr. Bhagat in a composed manner rushed to overpower the criminal but was fired at, where in the bullet narrowly missed him. The undeterred Firdaus's indiscriminate firing apart from an extremely narrow escape for both Mr. Yadav and Mr. Bhagat, posed a serious threat to the passer by in the crowded market place. Both Mr. Yadav & Mr. Bhagat in utter disregard to their personal safety and security, displayed exemplary courage and bravery of the highest order with an object to arrest him. SI Dhananjai Mishra who was also very near Firdaus too had a narrow escape inspite of the fact he was crawling towards the criminal. In this operation Mr. Vijay Bhushan, Addl. SP and Mr. Arvind Chaturvedi, Dy. SP STF also fired at the criminal with caring for their lives. The police team under Mr. Yadav, Mr. Bhagat Mr. Bhushan, Mr. Chaturvedi and Mr. Dhananjay Mishra in the most composed reaction without caring for their lives and limbs, after a very careful examination of the danger to both police and public at large, had no option but to return the fire, to which Firdaus succumbed on his way to hospital.

In this operation S/Shri Suvendra Kumar Bhagat, IPS, Senior Superintendent of Police, Vijai Bhushan, IPS, Additional Superintendent of Police, Arvind Chaturvedi, Deputy Superintendent of Police and Dhananjai Mishra, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/04/2006.

(No. 11020/21/2007-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 44-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Border Security Force(BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Late Shri Vinay Prasad	Assistant Commandant	PMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15 Jan' 2019. Shri Sanjay Sherkar, DC (IRLA No 11112457) Coy Comdr of 'D' Coy (of BOP Pansar) and Shri Vinay Prasad, AC (IRLA No. 11112938), Coy Comdr of 'F' Coy (of BOP Paharpur) of 19 Bn BSF, both BSW qualified planned to carryout the review & revisit of 81 mm Mor fire plan & siting of the Mortar position located near BOP Tent Guard as the winter Ops Alert (from 13th Jan'2019 to 04th Feb'2019) was undergoing and a number of operational activities including review & revisit of fire plan in respect of each Bn had been directed to be carried out on the direction of the Jammu Ftr. Accordingly, as per the planning, Sh Vinay Prasad, AC and Sh Sanjay Sherkar, DC reached the rendezvous i.e Shap Nallah.

After that, both the officers left for BOP Tent guard by BP Gypsy. On their way, they halted near fwd duty point No. 1074 (in AOR of BOP Pansar) where the repair & maintenance work was carried out by BSF troops. At the duty point, both the Officers entered inside the said duty point along with the working party so as to have a look from inside and also to give necessary directions for further improvement keeping in view of the existing threat perception At about 151045 hrs, after inspecting the fwd duty point from inside, they came out of the said duty point to have a view & perspective from outside. After observing the loopholes from outside as Sh. Vinay Prasad, AC, when turned towards the repair & maintenance the party so as to give them necessary directions, a single sniper shot followed by volley of bullets were fired from inside the Pakistan territory (from an area that is full of ravines, broken ground and thick vegetation corresponding to BP No. 14 & 15). The bullets hit Sh Vinay Prasad. AC on the left lateral side of his abdomen. However, despite being grievously injured, he appreciated the situafor and immediately cautioned Shri Sanjay Sherkar, DC and others who were following him towards the front of the fwd duty point, to take cover. Simultaneously, without caring for his personal safety and displaying dauntless courage, Sh. Vinay Prasad, AC took position, immediately retaliated and fired effectively in the direction of suspected area from his personal weapon i.e AK-47 (Butt No. 02, Body No. 88314544) and also directed the adjoining Ned duty points i.e No. 1073 & 1075 to retaliate to the adversary fire Further, Shri Sanjay Sherkar, DC and SI Devender Singh crawled towards Sh. Vinay Prasad, AC and brought him to the safer side of the track during the process, firing by own troops was also retaliated towards Pakistan BOP Abhyal Dogra and the exchange of fire continued for about next 10 minutes. Meanwhile, the BP Gypsy which was parked near fwd duty point Na. 1073, was brought near fwd duty point No. 1074 and Sh. Vinay Prasad, AC was evacuated Hiranagar in a fully equipped BSF Ambulance As the time passed, Sh. Vinay Prasad, AC started to faint and was responding to the calls only feebly. Enroute, the injured officer was applied Axiostat and Oxygen was also given to him. At the Hiranagar Hospital the injured officer was administered with all possible life saving treatments including life saying drugs, resuscitation and was further referred to 166 MH Satwari, Jammu. On reaching 166 MH Satwari, the team of

the specialists tried their best but the life of Shri Vinay Prasad, AC could not be saved and he was declared dead at about 151310 hrs.

Had Late Sh. Vinay Prasad, AC not immediately retaliated and fired back at the sniper/firing party, the Pakistan firer would have caused more casualty to own troops. Despite being badly injured, Late Sh. Vinay Prasad, AC, by sheer dint of courage and absolute resolve, fired effectively and forced the Pakistan firing party to stop firing and withdraw. Hence, with scant regard for his Personal safety. Late Sh. Vinay Prasad, AC fought gallantly, gave befitting reply to Pakistan snipers and in the process, made supreme sacrifice for the Nation in the line of duty.

In recognition of his unparalleled S conspicuous gallant action, soldierly spirit exemplary courage, high level of professionalism, selfless devotion to duty and battle audacity.

In this operation Late Shri Vinay Prasad, Assistant Commandant displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 15/01/2019.

(No. 11020/57/2020-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 45-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force(CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Late Pranjal Pachani	Constable	PMG (Posthu)
2	Ambuj Kumar Srivastava	Assistant Commandant	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

A reliable intelligence input was received regarding presence of PLGA BN 1 led by Hidma and their nefarious design to attack SFs during “Shaheed saptah” in the jungle area of village Aitrajpad. The int was further corroborated with SIB, CG and based on verified input, an operation was planned by the troops of 208 CoBRA to nab the Maoists. As planned troops moved out at 0400 hrs on 30/07/2016 to dominate highly maoist infested villages namely Aitrajpad, Gacchanpalli and Bodhrajpadar under PS Bheji, district—Sukma, Chhattisgarh. Sh. Pranav Shekhar, Dy Comdt was leading the three teams each of A & F 208 CoBRA.

Troops left from Bheji camp towards the target area tactically and stealthily. As the troops reached near village Gacchanpalli, the scouts observed 2-3 Maoists in black dangri with weapons. Party commander Sh. Pranav Shekhar, DC was informed immediately. As the Maoists have not observed the troops, Sh. Pranav Shekhar, Dy Comdt briefly apprised his fellow team commanders and chalked out a plan to encircle and nab the Maoists. Accordingly, the party commander ordered the team number 16, 17 and 18 to lay a cut-off around, maintaining secrecy and utmost alertness. While team number 16 was laying the cut-off, team commander Shri Ambuj Kumar Srivastava, AC observed that 30-40 Maoists appeared from nowhere from their backside and opened indiscriminate firing on his team.

As the troops were alert and ready to meet any eventuality, they immediately took position and retaliated the fire. The mighty counter attack by troops was led by Team commander, Shri Ambuj Kumar Srivastava, AC himself from the front. He was actively supported by his buddy pair Constable Pranjal Pachani. Both of them charged on the Maoists firing heavily which created havoc amongst them. The effective and accurate firing from the duo brave heart hit many of Maoists who started running for cover. Troops though chased the fleeing Maoists but could not find one as they managed to escape taking advantage of undulating ground. However, lots of blood stains were found spread across the ground. It was established that the fleeing maoist joined their other group which was trying to encircle other troops of A/208 CoBRA.

Meanwhile team commander Shri Ambuj Kumar Srivastava, AC was directed by the party commander to flank the Maoists who were trying to encircle the team of A/208 CoBRA. Responding without wasting time, he immediately moved forward to flank the Maoists with his team (No. 16). Sh. Ambuj Kr Srivastava was in the front followed by his buddy pair Constable Pranjal Pachani. While the team No. 16 was moving ahead, around 100-150 numbers of Maoists started firing heavily on the team. Sh. Ambuj Kumar Srivastava, and CT Pranjal Pachani, were alert and retaliated the fire effectively. The exemplary leadership of Shri Ambuj Kumar Srivastava and fearless attitude exhibited by Constable Pranjal Pachani

motivated his fellow teammates and the whole team defying the number superiority of the Maoists charged on the Maoists. Not ready and prepared for such a ferocious counter-attack, Maoists started retreating backward. At this time Constable Pranjal Panchani noticed 4-6 Maoists firing indiscriminately on CoBRA party from the right side. Sensing the impending danger he immediately fired on the direction. The precised firing hit two of them. Maoists tried to pull their injured cadres and their weapons by re-directing all their firepower in cover. However, Constable Pranjal Panchani was in no mood to let it happen. He continued his advance under the cover fire of his fellow troops displaying raw courage and dare-devilery. Meanwhile, another group of Maoists suddenly joined that flank of the Maoists and galvanized their attack against the SFs. Undeterred with increased strength and heavy firing, Constable Pranjal Panchani kept on advancing towards the Maoists, when a bullet pierced through his head and he attained instant Martyrdom. He sacrificed his life at the altar of the duty while serving the motherland. The team commander has lost his valiant trooper, yet, holding on to his nerves, continued the counter-attack against the Maoists. Displaying the strong determination and conspicuous bravery CoBRA troops of Team No. 16 led by Shri Ambuj Kumar Srivastava, AC repulsed the deadly attack of the Maoists and forced them to run on toes.

In this operation S/Shri Late Pranjal Pachani, Constable and Ambuj Kumar Srivastava, Assistant Commandant displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/07/2016.

(No. 11020/49/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 46-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Late Laju N S	Constable	PMG(Posthu)
2	Late Fateh Singh Kudopa	Constable	PMG(Posthu)
3	Late Laxman Purty	Constable	PMG(Posthu)
4	Amit Kumar Kaushik	Assistant Commandant	PMG
5	Yogender Sain	Assistant Commandant	PMG
6	Kuldeep	Sub- Inspector	PMG
7	Sanjay Chahal	Constable	PMG
8	Manoj Barik	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

A reliable input received from Intelligence cell of 208 CoBRA that prominent Maoists leaders including Ravula Srinivas @ Ramanna, Secretary, DKSZC and Hidma Commander PLGA 1st battalion would be camping near villages Tondamarka and Dubbamarka of Sukma district Chhattisgarh from 2nd March 2016. These inputs were further verified with IB, CG SIB and AP SIB. The area is considered to be the citadel of Maoists and they have declared it liberated zone.

It was an opportunity for the SFs to nab the top Maoist leaders in one go. Accordingly, a Search and Destroy Operation (SADO) was planned and launched on 1st March 2016 at 1730 hrs from TAC/208 Khammam comprising of six teams of 208 CoBRA, along with 16 personnel of DRG(District Reserve Guard) and 02 Civil Police rep under the overall command of Sh. P S Yadav, Comdt – 208 CoBRA. Troops travelled by civil truck from Khammam to Devarapalli (TS) and thereafter moved on foot (approx. 35 km) up to the target area. Troops reached village Dubbamarka at 0730 hrs on 3rd March 2016 and made a temporary Base on a height at to the east of the village.

At about 1030 hrs, sentries of base observed 07 uniformed Maoists in the nearby area. On this, Ops commander directed Sh. Yogendra Sain, AC to chase the Maoists with his team (No. 09). Troops started following the Maoists stealthily. When troops reached close to the Maoists, they started indiscriminate firing upon them. Team of Sh. Yogendra Sain, AC effectively retaliated the firing of Maoists and forced them to flee away. As our troops moved back towards the Base, a large no of Maoists started encircling the Base. A fierce encounter ensued between the troops of 208 CoBRA and Maoists. During the encounter, SI/GD Rajbir Singh who was fighting adjacent to Sh. Yogendra Sain got splinter injury in his chest. On seeing this Sh. Yogender Sain, AC left his cover and with the help of his buddy evacuated SI/GD Rajbir to a safer position. First aid was provided to him instantly. Keeping in view of his condition, OPS Commander Sh. P S Yadav Comdt -208 CoBRA

decided to return to nearest base camp Kistaram which was 13.5 km. from the incident site for his early evacuation. Troops started advancing towards Kistaram.

After covering 2 km. distance from base LUP, Team commander Sh. Amit Kumar Kaushik, AC observed the movement of 6-7 armed Maoists who were stealthily creeping along the weir (med) of paddy field to lay a hasty ambush. Sh. Amit Kumar Kaushik, AC displaying his sharp operational acumen, directed his section to fire upon the Maoists which compelled them to flee away from the site. The sharp vigil of Sh. Amit Kumar Kaushik, AC prevented the Maoists to lay a hasty ambush. After that party continued their advance and reached near village Potakpalli. Troops started covering the village Potakpalli, when, suddenly at around 1440 hrs, Maoists started indiscriminate firing from 08-10 huts in the village by taking the cover of villagers as a human shield. The troops started retaliating the Maoist attack but were not effective as the Maoists were in an advantageous position. During the face-off in village Potakpalli, CT/ GD Sonaram of Team No. 8 fighting in the right flank hit by a bullet in the abdomen. Maoists had placed snipers to take aimed shot on troops whoever moving in for the rescue of injured CT/GD Sonaram. Seeing this, Sh. Amit Kumar Kaushik, AC along with a party of three men moved in for the rescue of CT/GD Sonaram. They advanced tactically with effective cover fire and brought him back to a safe position and immediately provided first aid.

The Ops commander directed the troops to keep on advancing as per the plan. When the party had hardly moved 01 km from the village Potakpalli, suddenly, 7-8 small groups of Maoists again opened indiscriminate fire upon the troops from the right and left flanks as well as from the rear side. Maoist's snipers positioned at treetop posed great threats to the troops. Troops got stuck in the killing zone of Maoists, yet, hold on to their nerves and started retaliating the Maoist's attack. Sensing the gravity of the situation, Sh. Yogendra Sain, AC directed a commando to fire UBGL on Maoists. As the fire continued, SI/GD Yashwant Raut who was at the rear of team No. 09, sustained a bullet injury. On seeing this Sh. Yogendra Sain, AC immediately moved along with his buddy to rescue SI/GD Yashwant Raut. In this course of action, he observed 01 Maoist positioned on a tree with LMG and firing continuously. He took aimed fire at the Maoist and shot him down and then evacuated SI/GD Yashwant Raut to a safe position. After evacuating the injured, Sh. Yogendra Sain, AC joined the counter-attack against the Maoists. While he was advancing from one cover to the other, Maoists directed the whole of their firepower towards him resulting in severe bullet injuries to Sh. Yogendra Sain, AC. Despite his injury, he kept on firing on the Maoists which resulted into injuries to some of the Maoists. Meanwhile, Sh. Amit Kumar Kaushik, AC noticed the injuries of his fellow team commander. He, along with SI/GD Kuldeep evacuated Sh. Yogendra Sain, AC him to a safe place.

The retaliation was not proving effective as the Maoists were in an advantageous position. At this juncture, CT/GD Laxman Purty put the effective fire of UBGL on the Maoists. The accurate landing of grenades caused severe injuries to the Maoists and created havoc among them. During the firing, CT/GD Laxman Purty killed a uniformed Maoist and advanced to recover his body and weapon. Meanwhile, a Maoist sniper took an aimed shot on Laxman Purty which hit in his chest. Though he was hit by a bullet, yet, took an aimed shot at the sniper and neutralized him. Due to excess bleeding, he fell unconscious and evacuated by his fellow troops. His life could not be saved and he attained martyrdom.

In the meantime, Ops commander with his party joined the flanks and augmented the counter-attack. CT/GD Fatte Singh Kudopa was fighting at the front. He located a uniformed armed Maoist positioned behind a tree and firing from AK-47. Amid the raining bullets, he came out of his cover, crawled near to him, took an aimed fire and neutralized the Maoists. However, before he could get behind the cover, got hit by bullets in his chest. In spite of bullet injury, he continued firing till fell unconscious. CT/GD Laju N.S noticed 03 armed Maoists, approaching towards Fatte Singh, to snatch his weapon. He positioned himself behind a cover and fired at the Maoists compelling to retreat without snatching the weapon. Thereafter, when he was trying to move to take another cover, Maoists fired at him, resulting in bullet injuries in his chest. CT/GD Laju N S and CT/GD Fatte Singh Kudopa succumbed to their injuries and attained martyrdom. As the fight continued, many Maoists were killed and injured at the same time a few of our commandoes got critically injured. After a little bit of time as the face-off continued at both the right flank and left flank a group of Maoists targeted the mid column in which injured were carried. CT/GD Sanjay Chahal provided a very effective fire in the rear which stopped the further advance of Maoists, but, in the process, he also got hit by the bullet. Notwithstanding his injuries, he continued to fire on the Maoists and stopped their advance. In the meantime, Sh. Amit Kumar Kaushik, AC along with SI/GD Kuldeep Singh and CT/GD Manoj Barik putting their lives in grave threat, moved towards the injured, firing heavily upon the Maoists. They evacuated injured troops and given first-aid to them. After evacuating the injured, the trios launched an offensive attack which baffled the Maoists and created chaos among them. Maoists fled away. After that, the trios joined the rear flank and augmented the counter-attack against the Maoists. Due to the augmented counter-attack, Maoists were taken by aback and panicked. CT/GD Manoj Barik by changing cover and position made a very effective fire of UBGL which hit the Maoists. The effective counter-attack compelled the Maoists to retreat and run for their lives.

During the fierce gun battle, 02 jawans attained martyrdom, 14 seriously injured and 04 got minor injuries. The intermittent encounter continued till 1900 hrs. After the darkness crept in, firing from Maoists gradually decreased and stopped. The area being the stronghold of Maoists, they were not ready to give up easily. The whole night a large number of Maoists were present nearby our troops, according to the various updates of UAV. Accordingly, troops strengthened their defense. At around 0730 hrs in morning on 04 March 2016, Maoists tried to attack the troops, which was strongly retaliated by the troops. At around 1130 reinforcement reached the incident site and the whole party started to return to Kistaram.

Maoists tried their best to inflict great losses to the troops for more than 24 hours by attacking in the large numbers (more than 400) but troops due to their tactical acumen, conspicuous gallantry, grit and their devotion to the line of duty succeeded in containing the injury to a minimum. A number of Maoists were seen falling down in the counter-attack, however, due to adverse condition, their bodies could not be recovered. However, Maoists in their Samiksha confessed that 09 Maoists were injured in that incident and they are unsuccessful in getting hold of any weapon of CoBRA.

In this operation S/Shri Late Laju N S, Constable, Late Fateh Singh Kudopa, Constable, Late Laxman Purty, Constable, Amit Kumar Kaushik, Assistant Commandant, Yogender Sain, Assistant Commandant, Kuldeep, Sub-Inspector, Sanjay Chahal, Constable and Manoj Barik, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/03/2016.

(No. 11020/86/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 47-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Mukesh Kumar Saket	Constable	PMG
2	Hemant Singh	Constable	PMG
3	Kanak Ramchiary	Constable	PMG
4	Ranjan Das	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20th November 2018 at about 0200 hrs, an intelligence input was received from 23 PARA about the presence of 04 terrorists in Village Nadigam under PS & Distt- Shopian, (J&K). On receipt of information, a joint Cordon & Search Operation (CASO) was planned and subsequently launched by 23 PARA, 34 RR, 14 Bn CRPF and J&K Police. Village Nadigam is located at a distance of about 7.5 Kms. in Eastern direction from DPL Shopian. Nadigam is a thickly populated village with approximately 350 houses and surrounded with thick apple orchards. The target house was just behind a Nalah and was covered with thick apple orchard leaving zero visibility from a distance. Conducting operations in the village was a major challenge for the security forces as thick vegetation and undulating ground give perfect cover to the terrorists. The inputs suggested that the terrorists had taken shelter in a double storied building a little away from the main village. A tight cordon was placed by CU-A of 14 Bn CRPF, 23 PARA, 34 RR and SOG Shopian positioned themselves all around the target houses at road access between Shopian-Nadigam. Once the cordon was laid, all the civilians inside the target houses were brought to a safe place. Thereafter, a joint search team of Army, CRPF and Police carried out a thorough search of the target houses and its adjoining areas but nothing could be found. Since intelligence input was specific and reliable, search parties started searching the house for the second time. During search, it was noticed abnormally-thick bathroom wall attached with showcase made up of ply with glass shutter in one of the bedrooms in the first-floor. Suspecting it to be a hideout, the search party removed the glass of the show case and made a speculative fire on the wall. Suddenly the terrorists opened fire and hurled a grenade upon the troops from their hideout. The search party had a narrow escape from the fire and the explosion. Troops inside the house jumped out from the first floor of the building and moved back to their safe position. Heavy exchange of fire ensued between the terrorists and the security forces inside the cordon and the terrorists got trapped. On receiving the information of contact being established Sh. Erick Gilbert Jose, Comdt. 14 Bn, CRPF and SSP Shopian along with re-enforcement rushed to the spot and took stock of the situation and further strengthened the outer cordon by placing the troops at all the tactical points where the L&O situation was expected. Heavy exchange of fire between the terrorists and the troops continued till the first light. Terrorists kept on firing intermittently by changing their positions inside the building. No. 075220725 CT/GD Hemant Singh and his buddy No. 115133626 CT/GD Kanak Ram Chiary, after appreciating the situation, took a LMG and mounted it on the first floor of the opposite building and retaliated with effective fire upon the terrorists. During the heavy exchange of fire, the target building caught fire. The whole building was engulfed in a huge flame of fire making it difficult for the terrorists to remain inside the building. Once the target house was on fire, CTT-A of 14 Bn moved forward and took position closer to the target house. In a bid to escape from the heat of the fire, one terrorist fired heavily upon the inner cordon and jumped from the building and took position behind a car in front of the target house. Exhibiting great composure and tactical skills No. 115139092 CT/GD Ranjan Das and his buddy No. 135060365 CT/GD

Mukesh Kumar Saket of CTT-A team 14 Bn, CRPF who were positioned in the close proximity of the target house, retaliated effectively by changing their position tactically & ensuring that the militants are pinned down & later gunned down the terrorist from very close range. The other two terrorists also made a desperate attempt to get out of the building and tried to escape from behind towards the orchard. The Troops of 23PARA and 34RR move forward closer to the building and positioned themselves towards the location from where the terrorists are expected to attempt their escape. In a bid to escape, the terrorists jumped out of the window firing heavily on the Army parties. The Army troops without caring for their safety and shown immense courage, gave no chance for the terrorists to slip away from their hands and opened fire from a close range which resulted in on the spot elimination of the fleeing terrorists. Another terrorist also made an attempt to move to a safer location from the burning building and tried to jump towards the adjacent building. This maneuvering of the terrorist was noticed by CT/GD Hemant Singh and his buddy CT/GD Kanak Ramchiary of CTT-A team of 14BN CRPF. The terrorist fired toward them which led to the tactical shifting of position by CT/GD Hemant Singh and his buddy CT/GD Kanak Ramchiary. During this period, terrorist opened fire upon them and jumped down in front of the adjacent house and took position behind a pile of packed apple cartons. Fire fight broke out from a very close proximity, CT/GD Hemant Singh and his buddy CT/GD Kanak Ramchiary who had taken safe position came out of their covers tactically and without caring of their safety opened a volley of fire upon the terrorists and neutralized him. At about 0900 hrs firing completely stopped from the terrorists side. In the subsequent search of the building and its premises by the joint search parties, four dead bodies of the terrorists were recovered who were identified as Abid Nizer Chopan (Outfit-HM, Category-"C"), S/o Nizer Ahmad Chopan, R/o Paddarpora, PS & Distt.- Shopian, Inamul-Haq @ Fahadullah (Outfit-HM, Category-"C"), S/o Mubarak Malik, R/o Mandujan, PS Heerpora, Distt-Shopian, Mehraj-Ud-Din Najar, (Outfit-HM, Category-"C"), S/o Ab. Ahmad Najar, R/o Drawani Nagbal, PS Zainapora, Distt-Shopian and Basharat Nengroo @ Umerbhai (Outfit-HM, Category-"C"), S/o Abdul Raseed Nengroo, R/o Chotigam, PS & Distt- Shopian along with 04 AK Rifles, 07, AK magazines and 129 rounds of AK-47.

In the operation CT/GD Mukesh Kumar Saket, CT/GD Hemant Singh, CT/ GD Kanak Ramchiary and CT/GD Ranjan Das has displayed exceptional and conspicuous bravery, raw courage, utmost dedication and commitment to duty and the indomitable will and passion to succeed and uphold the honor and integrity of the Nation in the face of heavy odds and succeeded in neutralizing four dreaded terrorists of the HM outfit.

In this operation S/Shri Mukesh Kumar Saket, Constable, Hemant Singh, Constable, Kanak Ramchiary, Constable and Ranjan Das, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/11/2018.

(No. 11020/173/2019-PMA)
F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 48-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Devendar Mohan Sharma	Deputy Commandant	1st BAR TO PMG
2	Boricha Haresbhai Desabhai	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26th November 2018, at about 1800 hrs suspected terrorists fired on the naka party of A/42 RR led by Major Vikram Singh near village Pinglish Tr-junction u/PS Tral. Being an inhabited area, the terrorists made good their escape in the cover of darkness. They had probably moved towards village Ari Mohalla of village Pinglish. The Tracker dog was used to locate the escape route of terrorists which led the troops towards Ari Mohalla in Village- Pinglish on the northern side, which had approximately 50 houses and large apple orchards on the outer side towards the east.

On receipt of information Shri Devendar Mohan Sharma, Dy. Comdt (IRLA-7470) along with a party of F coy of 180 immediately placed cut-offs on the side of the nallah which flowed South of the Pinglish village. Shri. Rajesh Kumar, Comdt and Shri Sanjay Kumar, Second-in-Command 180 Bn alongwith Unit QAT also immediately rushed to Pinglish and established cordon around Ari Mohalla. At about 0300 hrs, on 27th Nov. when house to house search of Ari Mohalla was in progress a technical input was received by SSP Awantipora, that terrorists of Ansar Ghazawat-ul-Hind (AGuH) were taking shelter in a house in Wani Mohalla in Village-Reshipora on the Pinglish-Hyuna road, approximately 2.5 kms from Pinglish and 4 kms from 180 Battalion HQrs, Tral. Accordingly some troops of 42 RR and ISO Bn CRPF were pulled out from Pinglish to carry out another Cordon and Search Operation (CASO) in village Reshipora alongwith the civil police.

At about 0330 hrs D/42 RR along with Major Navin Reddy and a Team from Tactical Operational Base (TOB) Satoora of 42 RR u/c Major Shakti Singh, 02 Pin of C/180 Bn u/c Sh. Devendar Mohan Sharma, Dy. Comdt(IRIA 7470) and a team of Civil Police u/c Shri. Ajaz Ahmed, DySP (SDPO Tral) tactically moved and cordoned off the Wani mohaila of village Reshipora. At about 0530 hrs Shri Devendar Mohan Sharma Dy.Comdt (IRLA 7470) had a discussion with Major Navin Reddy and swiftly and tactically deployed his team in the inner cordon to cover the target house and to check the possible escape routes. The other two sides of the target house were covered by the troops of 42 RR. The compound of the target House was approx. 50x50 mts. rectangularly spread out and the house itself was a bricked single storeyed structure of a size of 15x15 sq. mtrs with its main gate on the facing the east with separate toilet block on the north-east corner of the compound. On the east of the target house lay the Pinglish-Hayuna road and across the road the mountain ridge ran parallel to the road. In the neighborhood on the north-east side at a distance of appxly 50 yards was situated an under construction house.

At about 0630 hrs, after first light 02 joint Search Teams of 42 RR and C/180, CRPF led by Major Navin Reddy and Shri Devendar Mohan Sharma Dy-Comdt (IRLA 7470) respectively along with Civil Police commenced house to house search of Wani Mohalla. During search when the search party led by Devendar Mohan Sharma along with his buddy No. 145121259 Constable Boricha Harishbhai Desabhai was approaching the house of Sohail, aged 22 yrs S/o Farooq Ahmad Lone, he came out of his house. When he was questioned, he appeared nervous and frightened, but gradually, after being taken into confidence by the party commander of search team, he revealed that an armed terrorist of Ansar-Ghajwat-ul-Hind was present in his house since the previous night. Once the presence of the terrorist was confirmed a tight cordon was established around the target house covering all possible escape routes. After the troops took positions as assigned Devendar Mohan Sharma, Dy.Comdt (IRLA 7070) took position near the staircase of the under construction house in the north-east direction of the target house which was located at a distance of about 50 yards from the target house along with his buddy Constable Boricha Harishbhai Desabhai. Thereafter, announcement was made on the public address system appealing to the terrorists to surrender. However, the appeal was not yielded to, rather he responded with a volley of fire aimed at the troops, ensuing a gun fight between terrorist and the SFs. The terrorist was kept firing from within the house frequently changing positions. Since he was safely ensconced within the walls, the fire from the security forces had no impact.

However, the intensity of the fire specially with UBGL ensured that the wooden structure of the house caught fire which spread very rapidly. Unable to bear the heat, the terrorist tried to escape from burning house and jumped out through the window after lobbing a hand grenade and took position in the bathroom adjacent to the house. Shri Devendar Mohan Sharma, Dy.Comdt was already in position to cover the house and bathroom from that direction. The terrorist fired in the direction of Shri Devendar Mohan Sharma Dy.Comdt and Constable Boricha Hareshbhai Desabhai, but the ballistic shield provided them resolute cover blocking the terrorists fire. The terrorist was attempting to break the cordon and in his escape bid he again lobbed a hand grenade and fired indiscriminately in the direction of Devendar Mohan Sharma, Dy.Comdt. and his buddy. Unmindful of their own safety and not willing to budge or give up, both Devendar and his buddy stuck to their positions responding firmly to the adversary's attack. As the terrorist advanced in their direction, displaying raw valour and sheer grit Devendar Mohan Sharma, Dy.Comdt. and his buddy effectively fired on the advancing terrorist and neutralized him. The slain terrorist was later identified as Shakir Ahmed Dar R/o Rastoona, Deputy Chief of AGuH and a close associate of Zakir Mussa, chief of AGuH outfit and was active since three years. 01 AK-56 Rifle, magazines and matching ammunition was also recovered.

In the operation Shri Devendar Mohan Sharma Dy. Comdt, displayed astute leadership qualities and tactical appreciation while taking position clearly judging the escape route that the terrorist may take and duly plugged it with equally valorous support from his buddy Constable Boricha Hareshbhai Desabhai who upheld the faith and Confidence reposed in him by his Commander and ensured that the task was accomplished.

In this operation S/Shri Devendar Mohan Sharma, Deputy Commandant and Boricha Hareshbhai Desabhai, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 26/11/2018.

(No. 11020/174/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 49-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force(CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Anuruddha Pratap	Assistant Commandant	PMG
2	Imtiyaz Naseer	Constable	PMG

3	Sayar Ahmad Dar	Constable	PMG
---	-----------------	-----------	-----

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18/11/2018 a reliable input was received regarding presence of two dreaded militants in Reban village, under PS Zainapora. They were reported to be planning of some spectacular attack on security forces camp in connection to avenge the killing of their close associate Mir Idrees Sultan of Safanagari who was neutralized in an encounter taken place on 6th of November 18 at Safanagari itself. In view of the reliability of the input immediately a joint operation was planned with 178 Bn CRPF, 1st RR and SOG Zainapora.

Zainapora subdivision of Shopian is a stronghold pocket of militants and has witnessed several encounters in last one year. Reban has remained as nursery of militancy being a bit aloof from main axis of Zainapora-Shopian and away from the security establishments. Militants have been preferring it for shelter and their planning purpose. Reban is around 7 kms away from Unit HQR of 178 Bn and around 9 kms from SOG Zainapora as well as E/178 located at Zainapora.

Acting on the input a joint team of E/178 under command Sh. Anuruddha Pratap, AC E/178, QAT 178 u/c Sh. Sanjeev Kumar Singh, 2-IC Ops and C/178 left for Reban with components of 1st RR and SOG Zainapora. Despite being it late night, the first and foremost priority was to maintain the surprise element till the cordon was laid. The vehicles were left much before Reban village and a swift cordon was laid by the joint teams. During the search, the owner of last house in cordon affirmed the presence of two militants in his house. By this time, the teams have already searched the other houses and the CTT of E/178 u/c Sh. Anuruddha Pratap, AC along with his buddy Ct/GD Sayar Ahmad Dar have reached to the house in front of the target house. Meanwhile, on sensing troops close to them, Militants started firing upon the troops followed by lobbying of hand grenades, in a bid, to escape from the site. But the alert troops of CTT E/178 positioned merely 30-35 mtrs away in an under construction house retaliated valiantly without caring of their lives. The floor being under construction was having no window or other fitting and was very much in the range of even hand grenades and same was the condition of QAT 178, but the fearless teams of CTT E/178 and QAT 178, under command of their brave Commanders, remained in position and kept on firing, tactically on the house, militants were hiding in. To have a clear field of fire, CT/GD Imtiya Naseer of 178 Bn, changed his position amidst heavy firing without caring of his life. Meanwhile, a militant came out firing indiscriminately on the security forces. A volley of bullets fired by the militant flew towards the CTT E/178 in which CT/GD Sayar Ahmad Dar, buddy of Sh. Anuruddha Pratap, OC E/178 sustained bullet injury in his left feet which was not noticed even in the rage of fighting spirit and he kept on firing on him. When the militant, hiding near a toilet constructed in the periphery of the boundary wall of the target house, ran towards main gate firing upon the QAT of 178 Bn, CT/GD Imtiyaz Naseer, defying the mortal threats, fired upon him. He was supported by the firing of Sh. Anuruddha Pratap, AC and CT/GD Sayar Ahmad Dar. The joint efforts of trios resulted into the killing of militant.

Soon after neutralizing of this militant, CT/GD Sayar Ahmad Dar noticed little pain in his foot and stickiness. On removing the shoes, he was found to have been hit by the bullet. But CT/GD Sayar Ahmad Dar remained calm and composed and amidst the cover fire of the security forces, CT/GD Sayar Ahmad Dar walked to the vehicle on foot despite having bullet injury in his feet and taking few shots on the target house before leaving the cordon area. Meanwhile, another militant also came out of the house firing with his weapon and tried to lob the grenade on security forces. The CTT E/178 and QAT 178 both were very well in the reach of hand grenade. Had he been able to lob it, the collateral damage could not have been ruled out. But Sh. Anuruddha Pratap, AC and CT/GD Imtiyaz Naseer displayed splendid courage and fired on the militant without giving him any opportunity to lob the grenade on the security forces. The armed grenade fell near to the militant himself and exploded there itself causing death of the militant. During search of the target house dead bodies of two dreaded militants were found who were identified as Naaz Ahmed Wagay @ Furqan Bhai, S/o Late Ghulam Qadir Wagay, R/o Reban, PS-Zainapora, Shopian, Category 'C' and Yawar Ahamad Wani, S/o Ali Mohammad Wani, R/o Batnoor, PS- Litter, Distt-Pulawama, Category 'C' associated with Al Badr Tanzeem. Besides killing of two militants 01 AK 47, 01 Pistol, 02 AK 47 magazines, 65 nos. live AK 47 ammunition etc were also recovered.

In the operation. Shri Anuruddha Pratap A/C, (Irla-9824), No. 135281125 CT/GD Imtiyaz Naseer and No. 115344021 CT/GD Sayar Ahmad Dar displayed exceptional valour, raw grit and highest degree of commitment and dedication, to duties and succeeded in neutralizing two hardcore militants of Al Badr outfit & recovery of 01 AK 47, 01 Pistol, 02 AK 47 magazines & ammunition.

In this operation S/Shri Anuruddha Pratap, Assistant Commandant, Imtiyaz Naseer, Constable and Sayar Ahmad Dar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/11/2018.

(No. 11020/176/2019-PMA)
F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 50-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Vikash Kumar	Constable	PMG
2	Ramsharan Yadav	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28/12/2018 information received from Civil Police Awantipora regarding presence of terrorists at Village Renjipora, under PS Awantipora, Distt. Pulwama, (J&K). Accordingly after proper briefing, troops moved to the area and a Joint CASO was launched by Special Ops team of A/130 Bn, QAT/130 u/c Shri Rajesh Kumar, 2-I/C SOG Awantipura and 55 RR. After cordoning off the area by SFs, SSP Awantipora also directed LO components of CTT Rishipora 185 Bn, E/130 Bn & E/110 to be ready for maintaining the L&O situations. After strengthening the cordon from all points, troops of 130 Bn CRPF u/c of Shri Rajesh Kumar, 2-I/C, started moving tactically toward the hideout of terrorists. After accessing geographical conditions of the area appropriately and discussion with the Commanders of other SFs, Shri Rajesh Kumar 2-I/C divided the troops of 130 Bn in two teams. No. 031450399 Insp/GD Sanjeev Kumar along with No. 155110125 CT/GD Vikash Kumar, No. 155110072 CT/GD Ram Sharan Yadav and some other Jawans with SOG as team one, and Shri Rajesh Kumar 2-I/C, along with CT/GD Sandeep, CT/GD Sandeep Kumar with other Jawans as team two. Team one led by Insp/GD Sanjeev Kumar moved forward along with his team and took positions on right of the hideout with the aim to apprehend or neutralize the terrorists. The team one started advancing towards hideout of the terrorists with the help of cover fire given by the Team two. On seeing the movement of troops, terrorists started firing from their positions with the intention to kill the troops approaching towards them. The hideout of terrorists was on a hillock and they were at dominating position but troops of CRPF kept advancing toward them amidst heavy fire using excellent battle craft without caring for their own lives and retaliated with precise fire. During the initial gunfight, our party was not able to effectively engage the clandestinely position terrorists as they had established them in well fortified place in the hideout and were spreading bullets on the CRPF party trying to come closer to them. In the meantime, Inspector Sanjeev Kumar who was commanding the team noticed another small hillock near the hideout and adjudged that it can be used as a better position to target the firing terrorists. He acted on his plans and ordered CT/GD Vikash Kumar and CT/GD Ramsharan Yadav to move immediately toward that position and engage the militants from there. CT/GD Vikash Kumar and CT/GD Ramsharan Yadav swiftly acted on the directions of their commanders and immediately rushed to take positions at dominating point. On seeing the duo, terrorists opened a burst fire on them. Despite under heavy fire and threat to their lives, both the Jawans took their positions and fired toward the terrorists. Intermittent fire continued for some times. In the meantime, a terrorists opened indiscriminate fire and started running towards down slope with the intention to break the cordon and flee away. On seeing that terrorist, No. CT/GD Vikash Kumar and CT/GD Ramsharan Yadav immediately came out of their positions and fired on the fleeing terrorist. Both the constables were in an open area and were directly exposed to the fire of the terrorist. CT/GD Vikash Kumar and CT/GD Ramsharan Yadav displayed exceptional bravery and courage and were able to kill the terrorist in a nerve racking face to face gun battle. Killed terrorist later on identified as Ishfaq Ahmed Wani S/o Late Md Yousuf Wani R/o Koil, District Pulwama. However, other terrorists escaped taking the advantage of thick bushes and forest in the area. Exchange of fire lasted about 30 minutes in the entire operation. Thereafter, tactically search of the area was conducted after stoppage of firing and during the process dead body of one terrorist along with recovery of 01 AK 47 Rifle, 02 AK magazines and 40 live rounds of AK 47. During the most challenging face to face gun fight with terrorists in an open area, CT/GD Vikash Kumar and CT/GD Ramsharan Yadav of 130 Bn CRPF displayed unparallel courage without caring for their lives and eliminated one terrorist of L-e-T group. At one point of time, both were directly exposed to the terrorists and were easy target. Both the troopers had kept their spirit high and took appropriate decisions in the fractions of moment and fought.

CT/GD Vikash Kumar and CT/GD Ramsharan Yadav of 130 Bn has displayed exceptional and conspicuous bravery, raw courage, utmost dedication and commitment to duty and the indomitable will and passion to succeed and uphold the honor and integrity of the Nation in the face of heavy odds and succeeded in neutralizing the dreaded terrorist of the Lashkar-e-Toiba (LeT).

In this operation S/Shri Vikesh Kumar, Constable and Ramsharan Yadav, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/12/2018.

(No. 11020/189/2019-PMA)
F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 51-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Nitish Kumar Dubey	Sub-Inspector	PMG
2	Rana Zulffqar Ali	Constable	PMG
3	Irshad Ahmad Hajam	Constable	PMG
4	Raju Sarkar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24/10/2018 an intelligence an input was received from SOG Srinagar regarding presence of terrorists in Nowgam area of Srinagar city which was shared by SOG Srinagar with Valley QAT of CRPF. Sh. Naresh Kumar, AC and Sh. L. Ibomcha Singh, AC discussed the operational plan like approach routes, topographic of area, tasking of various team and contingency plan. Accordingly, Sh. Abhinav Bhushan, 2I/C In-Charge Valley QAT along with Sh L. Ibomcha Singh, A/C and Sh. Naresh Kumar, A/C briefed the parties and reached the Nowagam area.

Immediately, on reaching 02 teams of Valley QAT led by Sh. Naresh Kumar, AC and Sh. L. Ibomcha Singh, AC under overall supervision of Sh. Abhinav Bhushan, 2 I/C along with teams of 50 RR and SOG Srinagar launched a CASO in general area of Wanbal, Nowgam. At around 0220 hrs on 24/10/2018 while the search was underway, terrorist hiding in one of the house opened indiscriminate fire on the search party. But, without deterring from the bullets passing closely, the search party also retaliated with matching fire. However, the fire by terrorists confirmed their presence and location of the terrorists. Subsequently, the inner cordon was strengthened by the troops of Valley QAT, 50 RR and SOG Srinagar and focus lights were placed to illuminate the area and target house.

The ground, commanders deliberated on the strategy and operational teams reorganized and reoriented. All attempts were made by the security forces for surrender of the terrorists but all in vain. Terrorists did not surrender and continue to fire indiscriminately on the troops. Therefore, the teams undertook the herculean task of evacuating the civilians in the vicinity of target house to safety which included women, children and old age personnel.

Left with no other option, but to encounter the terrorists and free the area from their terror so as a part of strategy, it was decided that the bombs and bullet be fired through the opening inside the building and terrorist be forced to leave their safe cover. To be amply sure about the effectiveness of the fire a close reece of the target house was undertaken by Sh. Naresh Kumar, AC, Sh. L. Ibomcha Singh, AC along with SI/GD Nitish Kumar Dubey his buddy CT/GD Irshad Ahmad Hajam and CT/GD Rana Zulffqar Ali and his buddy Raju Sarkar. These officers and men moved around the house surreptitiously in darkness devoid of any physical cover, right under the nose of the terrorists entrenched in dominating position. Once the reece of the house was over Sh. Naresh Kumar, AC, Sh. L. Ibomcha Singh, AC along with SI/GD Nitish Kumar Dubey his buddy CT/GD Irshad Ahmad Hajam and CT/GD Rana Zulffqar Ali and his buddy Raju Sarkar, fired MGL rounds and bullets inside the building. Meanwhile, due to exchange of fire between terrorist and security forces the target house caught fire. The team of 50 RR was closing in to the target house, however terrorists positioned in a tactical advantageous position lobbed a hand grenade which resulted in injuries to the men of 50 RR. At that time, without losing a moment Sh. Naresh Kumar, AC, Sh. L. Ibomcha Singh, AC, SI/GD Nitish Kumar Dubey, his buddy CT/GD Irshad Ahmad Hajam and CT/GD Rana Zulffqar Ali and his buddy Raju Sarkar, intensified the fire on adversaries due to which the injured troops of 50 RR could be evacuated to safety and further taken to 92 Base Hospital for treatment.

Valley QAT and SOG personnel were keeping the terrorists engaged with effective fire, while the troops of 50 RR kept firing from close quarters on the terrorist. Meanwhile fire started to engulf the entire house as a result terrorist started hasty moves inside house which exposed them to the troops of Valley QAT. Considering it an opportunity CT/GD Rana Zulffqar Ali along with CT/GD Raju Sarkar moved out of their cover for clear trajectory path and fired multiple round of MGL on the position of the terrorist, as the MGL rounds started exploding in close proximity of terrorist, they were forced to leave their cover. Keeping a hawk eye view on above sequence of events, SI/GD Nitish Kumar Dubey showing ops acumen not only fired from his AK 47 but also guided CT/GD Irshad Ahmad Hajam to fire accurately from the LMG on terrorist.

By now the fire have engulfed the whole house and terrorists any how will try to escape by jumping out from the building. As was expected terrorist jumped out of the building. As the intention to inflict maximum casualties to the troops and escape from the encounter site.

Undeterred, SI/GD Nitish Kumar Dubey and CT/GD Rana Zulffqar Ali along with CT/GD Irshad Ahmad Hajam and CT/GD Raju Sarkar, in a final push stepped out of their respective covers without caring for their personal safety put pinpoint fire on the terrorist. A fierce close quarter exchange of fire ensued and 02 terrorist were neutralized before they could do any further damage. Thereafter, the search of the area was undertaken in which bodies of 02 terrorist were recovered. The terrorists were later identified as Sabzar Ahmad (HM, 'B' category) and Asif Shergujri (HM, 'C' Category).

Keeping in view, their conspicuous gallant action, presence of mind, indomitable courage, selfless sacrifice and conspicuous gallantry, extraordinary valour, unflinching loyalty and highest degree of dedication and commitment to duties in the face of grave adversity displayed during the operation.

In this operation S/Shri Nitish Kumar Dubey, Sub-Inspector, Rana Zulffqar Ali, Constable, Irshad Ahmad Hajam, Constable and Raju Sarkar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/10/2018.

(No.11020/190/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 52-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Rajendra Singh	Assistant Commandant	PMG
2	Ankit Maan	Sub-Inspector	PMG
3	Vikas Bhagat	Constable	PMG
4	Sujit Oraon	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the basis of own intelligence input regarding presence of maoists an Ops was planned involving troops of 201 CoBRA, SAT and representative of Civil Police of Chhattisgarh. On 27/01/2018 at 0410 hrs 06 teams of (B & F Coy) 201 CoBRA from Chintalnar and 03 teams of C/201 CoBRA from Narsapuram along with Police rep. launched an Ops in the general area of Chinnaborkel, Raigudem, Jabagatta, Gomguda, Karkanguda and its surrounding areas under P.S. Chintalnar under over all command of Commandant 201 CoBRA Sh. Rakesh Rao. Joint troops were divided in 04 groups.

All the groups moved cross country maintaining sufficient distance from each other. Group No. 02 comprising team No. 05, 16 and SAT with CO-201 were moving in single line. At about 0900 hrs, when the party reached in the forest area around 2 Km east of village Badi Morpalli, some suspicious movement was observed by the scouts of SAT. After assessing the situation, CO-201 directed Shri Rajendra Singh, Asstt Comdt to move with one section from the left flank and SI/GD Ankit Maan, SAT commander to move with SAT from the right flank of the suspected movement which was around 200 mtr ahead. After the spot briefing, both the commanders advanced with small parties from the flanks of the suspected movement. Before advancing, both the parties removed their pithu. Shri Rajendra Singh, AC advanced tactically with his 06 men from the left side and SI/GD Ankit Maan with 07 personnel from the right side. Both the parties advanced tactically using cover of trees & bushes to ascertain the factual position of maoists. When Shri Rajendra Singh, AC alongwith scout group approached towards the suspected movement crossing a big long open patch maoists party, consisting of around 15-20 men & women spread over 150-200 mtrs, opened indiscriminate firing upon them.

Shri Rajendra Singh, AC took stock of the situation and ordered 4 of his troops to give cover fire from left and he himself with CT/GD Vikas Bhagat and CT/GD Sujit Oraon continued his advance with heavy volume of fire on the maoists without caring for his personal safety. Meanwhile SI/GD Ankit Maan alongwith 07 personnel of SAT advanced from the right side towards Maoists amidst heavy firing; taking available limited cover and using fire & move tactics. During the encounter, huge cover of smoke was created by Maoists to escape from the site. Taking advantage of forest and smoke Maoists managed to escape from the incident place. The area was searched and recovered 02 dead bodies of Maoists alongwith 02 CM Gun, IED related items and huge dump of other items of daily use. On further searching the area, 03 IEDs were also recovered in the vicinity on the approach route to the incident site.

Despite life threatening circumstances during the fierce gun battle Shri Rajendra Singh, AC, CT/GD Vikas Bhagat, CT/GD Sujit Oraon and SI/GD Ankit Maan displayed high level of commitment, co-ordination in small team and shown gallant action, without caring for their personal safety. They exposed themselves to great risk and succeeded to neutralize two Maoists besides recovery of weapons and other items. Their unparallel devotion and conspicuous gallant action inflicted heavy damage on the Maoists.

In this operation S/Shri Rajendra Singh, Assistant Commandant, Ankit Maan, Sub-Inspector, Vikas Bhagat, Constable Sujit Oraon, Constable and displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 27/01/2018.

(11020/191/2019-PMA)

(F.No.- 18004/01/2020-CA-II)

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 53-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shashi Kant Rai	Deputy Commandant	PMG
2	Ram Kishan	Assistant Commandant	PMG
3	Suraj Kumar	Constable	PMG
4	Sandeep Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 31/01/2019, at about 1730 Hrs, a tip off information received from 44 RR and SP Pulwama about presence of 2-3 militants in Village Drubgam under PS Rajpora, Distt. Pulwama. On getting above information, a special joint operation (CASO) was planned in consultation with S.P Pulwama, CO-44 RR, Comdt. 183 Bn and Comdt. 182 Bn, CRPF, Nodal Officer (Pulwama) accordingly. After a short briefing, joint troops (SOG-182, SOG-183 Bn CRPF, SOG JKP, Pulwama) over all command of Sh. Shashi Kant Rai, Dy. Comdt (2-I/C Ops), 183 Bn CRPF, Sh. Ram Kishan, Asstt. Comdt. 182 Bn CRPF and Sh. Zaheer Abas Zafri, Dy. SP (Ops), JKP, Pulwama left from DPL, Distt. Hqr. Pulwama and reached at Village Drubgam at 1840 Hrs. In the meantime, troops of 44 RR (Army) under command Major Rohit Shukla and other senior officers of RR reached there. Sh. Shashi Kant Rai, Dy. Comdt. 183 Bn consulted with Sh. Ram Kishan, Asstt. Comdt. 182 Bn, officers of 44 RR and officers of JKP, Pulwama and placed tactical cordon around the suspected houses. Meanwhile, QAT, C/183 under command Sh. D. K. Chadhary, OC-C/183 Bn alongwith SHO Rajpora reached at CASO site and positioned tactically. At around 1910 Hrs, the cordon was laid and completed around the 17-18 suspected houses in Village Drubgam opposite side of Govt. Sr. Sec. School. During this process, civilians of the adjacent houses were advised to vacate their houses and take shelter at safe place. All civilians inside the adjacent houses were shifted/evacuated by the joint troops of CRPF and JKP with the help of SHO PS Rajpora and QAT, C/183 Bn under overall supervision of Sh. Shashi Kant Rai, D/C, 183 Bn. Subsequently search of the suspected houses started by joint parties of 44 RR, 182/183 Bn, CRPF (CRPF search party led by Sh. Shashi Kant Rai, Dy. Comdt. 183 Bn alongwith Sh. Ram Kishan Asstt. Comdt. 182 Bn) and SOG, JKP Pulwama led by Sh. Zaheer Abas Zafri, Dy. SP (Ops) and 44 RR search party led by Major Rohit Shukla. Thorough search of all suspected houses were started with utmost vigilant and alertness under supervision of above said officers. At around 2130 hrs when about 5-7 houses were left to be searched, Comdt. 183 Bn provided a very credible input to Sh. Shashi Kant Rai, Dy. Comdt. that some unknown militants were planning to attack SFs party from the outside in order to disorient the SFs and help the militants to escape who might be trapped inside the cordon. Sh. Shashi Kant Rai, Dy. Comdt. 183 Bn immediately corroborated and disseminated this input to all ops commanders at operation site. This further made the SFs confident that the militants were indeed hiding in one of the houses which were yet to be searched. As the operation started during night time, all measures were taken to avoid any failure/collateral damage, search lights were installed as to illuminate the target area. Thus all Ops parties were alerted synchronized and the cordon was tightened. Thorough search of the houses again resumed one by one.

Meanwhile, QAT/183 Bn under command Sh. Devendra Singh Negi, Comdt. 183 Bn, 2-I/Cops-182 Bn over all command of Sh. Nadeem Ahmad Samdani, Comdt. 182 Bn, Nodal officer, Pulwama and SP, Pulwama reached the CASO site. They took stock of situation. They strengthened the inner as well as outer cordon and interacted the all team commanders accordingly in consultation with senior officers of Police, SP Pulwama and CO-44 RR army.

As the search intensified and only two houses were left to be searched, at around 2325 Hrs the militants realized that they have been trapped and opened fire upon SFs. Security Forces strongly retaliated by return fire. Militants were asked to surrender but instead of kishan kept on advancing and exposing himself, fired at the terrorist neutralizing him later identified as Anayat Ahmad Zarger S/o Mohd. Abdulla Zarger R/o Arihal, Pulwama, J&K.

Soon after stoppage of the firing from the both side, fire tender was called and subsequently reached at the spot to extinguish the fire. The burnt house/debris was thoroughly searched by the joint team of SFs and bodies of two militants were recovered who were later identified as Shahid Ahmad Baba, JeM (Cat-B) S/o Mustaq Ahmad Baba R/o Drubgam, PS-

Rajpora, Distt. Comdr, Pulwama, of J-e-M outfit and Anayat Ahmad Zarger, JeM (Cat-C) S/o Mohd. Abdulla Zarger R/o Arihal, Pulwama a newly joined cadre of J-e-M besides recovery of 01 SLR rifle, 01 Pistol, 01 SLR magazine, 01 Pistol magazine, 46 SLR rounds, 04 Pistol rounds and other indiscriminating materials. The operation closed at 0245 Hrs. both dead bodies and recovered arms and ammunitions brought to DPL Pulwama and handed over to civil police for further medico and legal formality. All parties safely reached their respective location at 0320 hrs.

Sh. Shashi Kant Rai, Deputy Commandant (IRLA-8345), 183 Bn, Sh. Ram Kishan, Assistant Commandant (IRLA-11142), 182 Bn, No. 145261666 CT/GD Suraj Kumar of 183 Bn, and No. 115081038 CT/GD Sandeep Kumar of 182 Bn have displayed exceptional and conspicuous bravery, raw courage, utmost dedication and commitment to duty and the indomitable will and passion to succeed and uphold the honor and integrity of the Nation in the face of heavy odds and succeeded in neutralizing two dreaded terrorists of the J-e-M (Jeish-e- Mohd.)

In this operation S/Shri Shashi Kant Rai, Deputy Commandant, Ram Kishan, Assistant Commandant, Suraj Kumar, Constable, Sandeep Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 31/01/2019.

(No. 11020/202/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 54-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Sanjeev Kumar Singh	Second-In-Command	PMG
2	Jahangir Munawar	Constable	PMG
3	Sanjay Kumar Kamath	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded.

November and December of 2018 had been very tough for terrorists in Shopian in which more than 30 terrorists were neutralized in different operations. 12th of January 2019 brought the biggest jolt to the terrorist cadres as Zeenat-Ul-Islam, top commander of Shopian was gunned down in an operation in Kulgam. During his Choharam, the terrorists visiting his village pledged to avenge the killing of Zeenat-ul-Islam. Meanwhile the Republic Day was approaching near, which has been always a challenge for security forces like celebration of any other national day in valley. However, security forces were all alert to ward-off and thwart away any such audacious act by the terrorist.

On 22nd of January 2019 an input was shared by SSP Shopian regarding presence of some terrorists in Shermal village of Zainapora PS. Acting on the input, a joint CASO was launched by 178 Bn CRPF, SOG Zainapora and 44 RR. The CASO was carried out for whole night but no trace of any terrorist could be ascertained. When the operation was likely to be called off and cordon was withdrawn, SSP Shopian gave another input that terrorists are in a hideout erected in apple orchard near Shermal. As the operation was to be carried out in an open area and during day time there were apprehensions of serious law and order, Shri Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C (Ops) rushed to help the beleaguered troops. Leaving a party at Shermal village as deception, rest of the parties laid cordon around suspected area and plugged all the vents and escape routes. Then Sh. Sanjeev Komar Singh, 2-I/C, Ops 178 Bn CRPF with a part of Unit QAT, Sh. Anuruddha Pratap, OC E/178 Bn, with a part of CTT of E/178 Bn and Major Dheeraj Jadhav, B/44 RR with a HIT started moving down the road sweep searching the area. It was snowing since last night and snowfall was still on, so it was quite difficult to negotiate the undulating terrain with ankle mucking snow. Just after 150 mtrs this team came under a volley of fire which was retaliated valiantly. But to have a desired position from where the terrorists in the hideout could be fired upon effectively, Sh. Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C Ops 178 Bn and his buddy gave cover fire first to C-17 E/178 Bn and then amidst raining bullets changed his position behind a mound. Meanwhile, a terrorist came out of hide out firing indiscriminately who was fired upon by the QAT 178 Bn, CTT E/178 Bn but despite getting injured, he kept on running but was gunned down by the teams in cordon on other side.

The entire cordon area being in an orchard and undulating ground, it was difficult to locate the positions of security forces in cordon. Hence, it was decided to relocate the positions and strengthen the cordon. During this exercise, Sh. Sanjeev_Kumar Singh, 2-I/C (Ops) 178 Bn with his QAT and CTT E/178 Bn maintained his position lying on the snow and ongoing heavy snowfall. But the heat of exchange of fire between terrorists and his team defied the feel of snow. Suddenly another terrorist came out firing on security forces but due to heavy retaliation he hid himself behind a mound just few meters

away from Sh. Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C, and his buddy CT/GD Jahangir Munawar. Both of them were receiving fire on their cover by the terrorist. In this condition Sh. Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C directed his buddy CT/GD Jahangir Munawar and CT/GD Sanjay Kumar Kamath to fire on the hiding terrorist so that the militant is bound to leave his cover. Accordingly CT/GD Jahangir Munawar and CT/GD Sanjay Kamath fired tactically on the hiding terrorist making him to leave the cover. Meanwhile, Sh. Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C, crawled out of his cover without caring of his life and waiting for the movement of the militant. As soon as the terrorist was exposed, Sh. Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C Ops opened the barrage of bullets and gunned down the terrorist.

Security forces were still receiving intermittent firing from hide out. Finally it was decided to lob the grenade inside the hideout. But finding it quite risky, the hide out was blown with use of IED. The only terrorist left inside the hide out also got killed in that blast near the entry of hide out. To check the presence of any other terrorist or their belongings the hide out was dug. Meanwhile, Sh. Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C (Ops) 178 Bn alongwith CT/GD Jahangir Munawar and CT/GD Sanjay Kumar Kamath and other parties of 178 in inner cordon rushed to the site where thousands of stone pelters were pelting stone on the security forces and kept them at fence for hours till the hide out was dug checked properly. During search dead bodies of 3 dreaded terrorists of HM later identified as Bhat Amir @ Abu Huzaifah, (Cat-C) S/o Abdul Aziz Bhat, R/o Chidipora Chitragam, PS-Zainapora, Shopian, Shoaib Shah S/o Ghulam Rasool Shah, (Cat-C) R/o Heff-Shermal, PS-Zainapora, Distt-Shopian, and Dr. Shams-ul-Haq @ Burahan Sani Mengnoo (Cat-C) S/o- Rafiq Ahmad Mengnoo R/o Dargad, P.S.- Zainapora, Dist- Shopian besides recovery 01 AK 47 rifle, 01 9mm AK rifle, 01 Chinese pistol, live ammunitions and other indiscriminating materials.

In this operation, troops displayed unwavering commitment to accomplish the mission in a hostile weather (heavy snowfall). Shri Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C (IRLA-6694) 178 Bn lead his team from the front with raw grit, astute tactical acumen, inspiring leadership and selfless dedication without caring for self. No. 135380832 CT/GD Jahangir Munawar as buddy of Sh. Sanjeev Kumar Singh, 2-I/C (IRLA-6694) displayed extraordinary courage, commitment, audacity in face of grave personal danger and-an indomitable fighting spirit without caring for his personal life and safety. He remained as veil to his commander and complimented in the best way in execution of plans and tactics. No. 145044479 CT/GD Sanjay, Kumar Kamat, as buddy of Sh. Anuruddha Pratap, A/C, E/178 displayed extraordinary courage, commitment, audacity in face of grave personal danger and an indomitable fighting spirit without caring for his personal life and safety.

In recognition of this conspicuous act of gallantry, raw courage and unflinching devotion to duties in the face of imminent danger in keeping with the highest- traditions of the Force.

In this operation S/Shri Sanjeev Kumar Singh, Second-In-Command, Jahangir Munawar, Constable and Sanjay Kumar Kamath, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 22/01/2019.

(No. 11020/203/2019-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 55-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Atul Karwal, IPS	Inspector General	1st BAR TO PMG
2	Suman Kant Tigga	Deputy Inspector General	PMG
3	Rakesh Raman	Assistant Commandant	PMG
4	Vishant	Assistant Commandant	PMG
5	Sandeep Kumar	Sub-Inspector	PMG
6	Javid Ahmad Dar	Constable	PMG
7	Imran Khan	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded.

On 20th Feb 2016, terrorists attacked the CRPF convoy at Pampore (District Pulwama), near Jammu & Kashmir Entrepreneurship Development Institute building. Two terrorists came near the road, while the convoy was passing, and

opened heavy fire on two buses resulting in severe injuries to 12 CRPF personnel. Out of these, 02 personnel succumbed to their injuries and attained martyrdom.

Acting promptly, CRPF personnel escorting the convoy opened retaliatory fire and prevented further injuries. Terrorists, on facing heavy retaliation from the troops, ran for shelter to the nearby JKEDI building. This institute normally has 100–125 civilians inside it on working days, comprising of employees and students.

The information of this attack was received in the CRPF Sector HQ Srinagar at 1640 hrs. Immediately, IG Srinagar Sector, Shri Atul Karwal, IPS and Shri S.K. Tigga, DIG rushed to the incident site. In no time, they reached the encounter site and strengthened the cordon around the building.

The situation was very chaotic. The terrorists were firing incessantly on the Security Forces from inside the building and the civilians; inside the building, were running helter-skelter out of the building in a panic to save their lives. During this, one civilian Abdul Dar was hit by terrorist's bullets on his back and later succumbed to his injuries.

Shri Atul Karwal, IPS and Shri S.K. Tigga had a quick discussion on the emerging situation. They deliberated upon the possibility of heavy collateral damage of civilian lives in the cross-firing or a complex hostage situation emerging. Since the reinforcements were still arriving and not in place completely, it was imperative to take immediate action keeping the above mentioned situations in mind.

They decided to evacuate the civilians first and chalked out a plan for this. For this purpose, a team was formed that would enter the building and accomplish the task. At this time, there was a stream of civilians exiting the building in panic, while an intense crossfire between terrorists and SFs was on. Many more civilians could have suffered casualties, if immediate action was not taken. Sensing the gravity and urgency of the situation, Shri Atul Karwal decided to lead this team personally. The team comprised of Shri S.K. Tigga, DIG, Shri Rakesh Raman, Asstt. Commandant, Shri Vishant, Asstt. Commandant, SI/GD Sandeep Kumar, CT/GD Javed Ahmed Dar, and CT/GD Imran Khan.

This small team of intrepid soldiers tactically approached the target building from its porch. Amidst the ongoing gun-battle, the team noticed some civilians who were trapped in the reception area. The team, immediately swung into action, they secured the reception area and evacuated the civilians, trapped there, to safety.

After this, the team conducted a quick recce of the ground floor for evacuating the remaining civilians. Meanwhile, the terrorists, positioned upstairs, lobbed a grenade into the reception area which exploded very close the CRPF team. The sudden grenade attack caused multiple splinter injuries to Shri Atul Karwal, Shri S.K. Tigga, Shri Rakesh Raman, SI/GD Sandeep Kumar, and CT/GD Javed Ahmed Dar. The CRPF team was caught up in a unenviable position; the terrorists had the tactical advantage. Terrorists were on the upper floor, looking down at the CRPF team, caught in the open reception area which had no cover. This could have turned into a suicide mission, unless CRPF team retreated immediately. Yet, since many civilian lives were at stake, the CRPF team, undeterred by their injuries and defying the impending threat, took tactical positions and fired back at the terrorists. The team with its controlled and precise firing engaged the terrorists and prevented them for hurling more grenades, until all the civilians were evacuated to safety. In the ensuing gun-battle, they injured one or more terrorists.

While this exchange of fire was on, team members who had suffered splinter injuries were bleeding badly and immediate medical attention was required for them. Once the task of evacuating the civilians had been completed, keeping the deteriorating condition of injured troops in mind, the team tactically withdrew from the building. Later, the terrorists were neutralized by the reinforcement party.

A small team of courageous troopers, led by the IG CRPF Sh. Atul Karwal in person, exhibited exemplary bravery in retaliating the attack of terrorists and saving the precious lives of civilians. In the course of this operation, some of them were seriously wounded but they held on to their positions. In spite of being injured and trapped in a vulnerable area, they kept retaliating the terrorists attacks, till all the civilians trapped inside the building were evacuated. They risked their lives for saving civilian lives and prevented the possibility of any complex situation arising, bringing laurels to the Force.

In this operation S/Shri Atul Karwal, IPS, Inspector General, Suman Kant Tigga, Deputy Inspector General, Rakesh Raman, Assistant Commandant, Vishant, Assistant Commandant, Sandeep Kumar, Sub-Inspector, Javid Ahmad Dar, Constable and Imran Khan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/02/2016.

(No.11020/16/2020-PMA)
F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 56-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Attaur Rehman	Inspector	PMG
2	Naseer Ahmad Ganaie	Constable	PMG
3	Naseer Ahmad Sheikh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27 Mar 19, Kashmir Ops Sector (CRPF) received an input regarding movement of five terrorists, in Yarwan Forest, PS Keller, Distt Shopian. Accordingly, a joint op was launched by 14 CRPF, 23 Para and J&K Police.

Inspector/GD Attaur Rehman of Sector QAT (Kashmir Ops Sector CRPF), along with two constables Naseer Ahmad Ganaie and Naseer Ahmad Sheikh, were in the assault group, along with a team of 23 Para. Multiple cutoffs were placed at different points to prevent escape of the terrorists.

On 28 Mar 19, around 0125 h, they saw 5 terrorists approaching. Holding their nerves, the troops waited for the terrorists to advance. When the first two terrorists reached very close, Constable Naseer Ahmed Sheikh challenged them to surrender. Instead they fired upon the troops. Constable Naseer Ahmad Sheikh and Naseer Ahmad Ganaie remained undeterred and countered the attack.

Meanwhile, the 3rd and 4th terrorist moved from the flanks and fired. Inspector Attaur Rehman took position, along with troops of 23 Para, and a fierce gun battle is ensued. The 5th terrorist fled away taking advantage of the dense forest and darkness.

Our personnel continued to effectively engage the enemy, unmindful of being exposed to fatal danger. After the firing ceased, our troops started searching the area, around 0545 h. During the search, two dead bodies of terrorists, along with weapons were recovered from the encounter site.

While our troops were advancing towards a nullah, to check it, they came under heavy firing. Inspector Attaur Rehman had a miraculous escape as the bullets missed him by a whisker. Our personnel positioned themselves and identified the terrorist's position: moving tactically, Inspector Attaur Rehman and an Army personnel advanced towards the terrorist, despite no cover and managed to neutralize him. The remaining two terrorists could not be found.

The slain terrorists were later identified as Sajad Ahmad Khandey (LeT, Cat B), Aqib Ahmad Dar(HM, Cat B) and Basharat Ahmad Mir (HM, Cat C), all residents of Pulwama. 03 AK rifles, 05 AK magazines, 156 AK rounds and 03 pouches were recovered from the deceased.

In this operation S/Shri Attaur Rehman, Inspector, Naseer Ahmad Ganaie, Constable and Naseer Ahmad Sheikh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/03/2019.

(No. 11020/42/2020-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 57-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Ravi Shankar	Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06 Feb 19, an input was received about presence of terrorists in village Chakoora, Pulwama. Accordingly, a joint operation (CASO) was launched by 182 and 183 CRPF along with SOG and 55 RR.

As per the plan, QAT of E Coy of 182 CRPF along with SOG and 55 RR, moved towards the target area and laid cordon around the suspect houses. Cutoffs were placed on approach roads and BP vehicles were tactically placed around the cordon. Subsequently, 3 teams were formed to search the houses.

The joint search teams advanced tactically and evacuated the civilians trapped inside the houses and then started search of suspect houses. When the search was in process, all of a sudden, terrorists opened indiscriminate fire upon the search party, from one of the suspected houses. The troops swiftly took cover and retaliated. SI/GD Ravi Shankar positioned himself behind the trees, on the right side of the target house, and gave a befitting response.

The terrorists were asked to surrender, but they responded with heavier firing. Meanwhile, an unruly mob gathered around the site and resorted to heavy stone pelting, on the troops, with the intention of disrupting the encounter and facilitating the escape of terrorists. Displaying utmost restraint, troops dispersed the unruly mob from the encounter site and continued the counter-attack against the terrorists.

In the midst of ensuing gun battle, SI/GD Ravi Shankar spotted one terrorist inside the target house. However, he was not in a position to engage him from his existing location. He assessed that he had to risk his life to get closer to the target and, accordingly, he, under cover fire from his buddy, moved close to the target house. On observing SI/GD Ravi Shankar approaching the target house, the terrorist opened a fusillade of bullets and ran towards the nearby houses. SI/GD Ravi Shankar seized this opportunity and came into the open, exposing himself to grave risk, and fired at the terrorist, killing him on the spot.

The neutralized terrorist was later identified as Irfan Ahmad Sheikh, LeT, r/o Chakoora, Pulwama. 1 AK rifle, 3 AK magazine and 64 rounds were recovered from him.

During the op, SI/GD Ravi Shankar, of 183 CRPF, exhibited extraordinary bravery and highest degree of commitment to accomplish the assigned task despite grave personal risk.

In this operation Shri Ravi Shankar, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/02/2019.

(No. 11020/43/2020-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 58-Pres/2021—The President is pleased to award the 1st BAR to Police Medal for Gallantry/ 2nd Bar to the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Rajesh Kumar Barnela	Assistant Commandant	2nd BAR TO PMG
2	Nazir Ahamed	Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09 Nov 18, at 0700 h, an input was received regarding presence of terrorists in village Dar Ganie Gund, Tral, Pulwama: a joint op (CASO) was launched by 180 CRPF, alongwith 42 RR and SOG, accordingly.

Simultaneously, QAT under the command Sh Rajesh Kumar Barnela, Asstt Comdt with C and F Coy of 180 CRPF, and CO 180 CRPF also reached. At about 1030 h, a joint search of the houses was commenced. When a search party led by Sh Rajesh Kumar Barnela, Asstt Comdt, came to the house of Gulam Nabi Ganai, after intense questioning, he accepted the presence of a terrorist in his house. Immediately, the cordon was further strengthened. Thereafter, Sh Rajesh Kumar Barnela, Asstt Comdt, along with his buddy Constable/GD Nazir Ahamed took positions at the west corner of school building in front of the target house.

Thereafter, an announcement was made requesting the terrorist to but he replied with fusillade of bullets. The parties in the inner cordon also retaliated and the exchange of fire continued. In the meantime, the terrorist kept changing his position and lobbed grenades, in the direction of the searching party. Thereafter, he jumped out from window, firing indiscriminately, and took position in a V shaped defile between the cow shed and target house.

To go closer and engage the terrorist, a MPV vehicle was moved towards his position, but he lobbed a hand grenade which exploded under the MPV vehicle, which was got stuck at its place. At about 1715 h, probability of terrorist's escape was high due to sunset and it was decided to form a small team to flush out from its secure hide-out and conclude the op before dusk. Thereafter, a small joint team of Sh Rajesh Kumar Barnela with his buddy Constable Nazir Ahamed and 42 RR personnel tactically moved from two sides. They started inching towards terrorist position who was hiding himself in the gallery near the cow shed with utter disregard to their personal safety. Sh Rajesh Kumar Barnela took a decision in highest

order of personal courage under fire, despite the risks involved. In the meantime, terrorist had also observed and lobbed a grenade and fired indiscriminately towards Sh Rajesh Kumar Barnela and his buddy Constable/GD Nazir Ahamed but they saved themselves in the cover of BP shield. Despite heavy firing and grave risk to their life, Sh Rajesh Kumar Barnela and his buddy Constable/GD Nazir Ahamed dropped effective fire on the terrorist and neutralized him which was later identified as Anwar Bhai r/o Pakistan of JeM outfit, a sniper shooter and 1 AK 56 Rifle with 3 Magazines and matching ammunition was recovered from the deceased.

In this operation S/Shri Rajesh Kumar Barnela, Assistant Commandant and Nazir Ahamed, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/11/2018.

(No. 11020/44/2020-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

No. 59-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry /1st BAR to Police Medal for Gallantry/ 6th BAR to the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Ravideep Singh Sahi	Inspector General	PMG
2	Naresh Kumar	Assistant Commandant	6 th BAR TO PMG
3	Loukrakpam Ibomcha Singh	Assistant Commandant	1st BAR TO PMG
4	Devsant Kumar	Constable	1 st BAR TO PMG
5	Vijay Kumar Singh	Sub-Inspector	PMG
6	Gorle Jaganmohan Rao	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The joint operations by security forces virtually broke the backbone of militant organizations in the Valley. In order to overcome this setback the Jaish-e-Mohammad (JeM) took the centre stage towards the last quarter of the year with a large influx of foreign terrorists (FTs) tasked to carry out fidayeen attacks on the SF camps with the primary motive of inflicting casualties on the troops.

The Humhama area of Srinagar where apart from highly sensitive International Airport many vital camps of security forces are located, all these camps are vulnerable camps and regular intelligence inputs were pouring in from civil police regarding possibility of fidayeen attack on these camps in wee hours. Accordingly security around camps protected by CRPF (Srinagar International Airport and RTC) was beefed up and the HIT team of Valley QAT, CRPF (Elite Operational Unit) was also deployed outside Airport gate to respond to any such threat.

On 03/10/2017 at around 0400Hrs, 03 heavily armed terrorists of JeM outfit sneaked into the camp of 182Bn, BSF, Gogoland area which is located adjacent to the Srinagar International Airport by breaching the periphery wall from civil populated area. After cutting the concertina wire the terrorist taking advantage of darkness scaled the boundary wall and opened fusillade of bullets coupled with UBGL fire on the quarter guard sentries of BSF which was retaliated immediately. However, taking advantage of the dim lighting and undulating terrain inside the perimeter fencing, the 02 terrorists managed to move further inside and were successful in moving inside the two storied building of Administration block and SOs Mess. Third terrorist was neutralized by valiant BSF troops before he could cause any further loss to the troops.

Immediately on receipt of information regarding fidayeen attack on the 182Bn, BSF, camp, the elite operational unit, Valley QAT of CRPF was requisitioned and they reported at around 0430 Hrs. After a quick briefing by Sh. Naresh Kumar, AC, to the team and quick appreciation of the ground situation, the troops were placed outside the camp from where the view of camp was clear. Sh. Ravideep Singh Sahi, IG, CRPF, Srinagar Sector also reached on the location and briefly discussed the prevailing situation with Valley QAT commander Sh. Naresh Kumar, AC, SSP Budgam, IG BSF, DIG(Ops) BSF. First a small team of SoG Budgam went inside the camp and they reseed the SOs mess building where 2nd terrorist was taking position. Some personnel of BSF were also holed up in the rooms and required to be evacuated. At this time troops of Valley QAT skilled in such task led by Sh. Naresh Kumar, AC, moved in along with IG Srinagar Sector, SSP Budgam, SOG Budgam team and DIG(Ops) BSF. The SOs mess was reseed by team from very close quarter in MPV and Rakshak. The vehicles were parked tactically from where the movement of the terrorist could be seen.

The joint team of Valley QAT and SoG Budgam led by Sh. Naresh Kumar, AC, along with CT/GD Devsant Kumar, 82Bn, CT/GD Budhi Singh, 44Bn proceeded in the open area of SOs mess lawn which could be easily targeted by the terrorist. It was only after sustained efforts the trapped personnel of BSF from ground floor were rescued. After this difficult retrieval Sh. Naresh Kumar, AC along with his intrepid troops CT/GD Devsant Kumar, CT/GD Budhi Singh proceeded to

undertake evacuation of the bullet injured personnel and despite the tactical advantageous position of the terrorist the team traversed towards the stairs. Their advance was stopped by the terrorist with indiscriminate fire but at this point, Shri Ravideep Singh Sahi, IG, Srinagar Sector despite the looming grave threat to the lives of his troops, took his personal weapon, put on the BP Patka and galloped upstairs with his buddy in SO's mess to assist the belligerent troops who were determined to save the life of BSF personnel. Sh. Ravideep Singh Sahi, IG continued advancing with Valley QAT Comdr. and reached on the first floor where no physical cover was available to them. After quick appreciation of the situation, by Sh. Ravideep Singh Sahi, IG, bullet injured BSF trooper was asked to crawl towards them by Naresh Kumar, AC, under cover fire given by IG Srinagar Sector with troops of Valley QAT. It was only after the sustained efforts and precision covering fire, the team led by Sh. Ravideep Singh Sahi, IG, finally succeeded in recovering the bullet injured BSF trooper. It was a dangerous act, as the terrorist could have thrown a grenade or fired a UBGL. Their courageous intervention helped in timely evacuation of BSF personnel who was trapped thereby saving valuable life.

The immediate neutralization of the terrorist hiding in the SOs mess was extremely crucial as more BSF personnel were trapped in the mess. In order to deal with this situation the team comprising of Sh. Ravideep Singh Sahi, IG, Sh. Naresh Kumar, AC, CT/GD Devsant Kumar, CT/GD Budhi Singh took upon the onerous task of room intervention and clearance from ground floor to the top. Thereafter they audaciously entered the SOs mess and started their advance at the first floor, the terrorist hiding inside, fired a burst from his unmistakable AK-47. There was exchange of fire from both sides, at this point Sh. Naresh Kumar, AC and CT/GD Devsant Kumar, despite the looming grave threat to their lives fired a volley and quickly moved to the room adjacent to the room where terrorist was holed up. This provided the momentary distraction for the terrorist and showing audacity, intrepidity under the leadership of Sh. Ravideep Singh Sahi, IG, Valley QAT Comdr. Sh. Naresh Kumar, AC along with his buddy CT/GD Devsant Kumar seized the opportunity to target the terrorist when he shifted his location. In joint action, he was neutralized within seconds. It was an act of rare gallantry one could have witnessed in such a piquant situation as it changed the very complexion of the tense situation and the troops were upbeat on the neutralization of the terrorist. This paved the way for further counter action. Team of Valley QAT led by Sh. Naresh Kumar, AC thereafter moved inside and tactically retrieved the body of martyred ASI/GD B.K.yadav of BSF.

No sooner was this ordeal over that a plan was worked out by Sh. Ravideep Singh Sahi, IG Srinagar Sector to neutralize third terrorist. The troops of Valley QAT and SOG Budgam concentrated towards the building, where outer cordon was laid by BSF troops to prevent the escape of terrorist. The team of Sh. Naresh Kumar was joined by Sh. L.Ibomcha Singh, AC, 29Bn, SI/GD Vijay Kumar Singh, 73Bn, CT/GD G. Jaganmohan Rao, 29Bn. Meanwhile, the team came to know about the ASI operator of BSF who was still trapped inside the Adm. Block. Accordingly a plan was formed where IG Srinagar Sector himself showing on ground leadership as a supreme commander, accompanied the team led by Sh. Naresh Kumar, AC along with CT/GD Devsant Kumar reached at the entrance of Adm. Building in MPV. A MPV was parked inside the porch of Adm. Building with alacrity. The trapped ASI(RO) of BSF was communicated about the plan and he ran towards the MPV. As he ran out he was given directional cover fire from troops of Valley QAT despite grave threat to their life and tactical superior location of terrorist. It so happened that when the team had just managed to extricate the ASI(RO), terrorist targeted the team of Valley QAT and hurled a grenade down the stairwell from the gallery of first floor but due to alacrity and prompt action of team he was pulled into MPV and rescued.

After that the team of Sh. L. Ibomcha Singh, AC, targeted the building from right side with MGL fire. The second team of Sh. Naresh Kumar, AC, with the Support Weapon group of Valley QAT first targeted the building to make an opening on the left side area of first floor with 84 mm RL, where the terrorist was suspected to be hiding. The terrorist kept changing his position to avoid spotting and concentration of fire. After sometime when party successfully managed to breach the left side wall by firing CGRL, but the adversary further moved to the rear of the building and remained quite in order to maintain his safe position. Keeping the sensitivity of the area in consideration Sh. Ravideep Singh Sahi instructed the troops led by Sh. Naresh Kumar, AC, to lob tear smoke inside the building which will force the terrorist to come out of his den. As the tactical acumen gained after vast operational achievements worked, the terrorist came out but due to the heavy smoke of TSM which engulfed the area, obstructed the view around the building. Taking advantage of that the terrorist who was bearing uniform of CRPF tried to mingle himself in the inner cordon to create confusion among men but the belligerent commander Sh. L.Ibomcha Singh, AC, who had placed each and everyone men on that side very wisely became suspicious by his presence at that point. As Sh. L.Ibomcha Singh, AC, was moving tactically and stealthily towards the terrorist a grenade was lobbed on him by terrorist. Their lives again came under threat when terrorist made a bid to advance towards their direction while firing heavily at them. A surprise charge of enemy could numb the senses of bravest of the soldier with no cover at front but the trio of Sh. L. Ibomcha Singh, AC, SI/GD Vijay Kumar Singh and CT/GD G. Jaganmohan Rao, ignoring the grenade lobbed on them and bullets fired towards them flung into action, jumped to their sides overwhelming the adversaries with no mood to give terrorist the second chance in an unprecedented and audacious and also a courageous move fired and killed the third terrorist.

Operation at 182Bn, BSF, Gogoland was one of the most daunting and challenging operations. As In spite of the continuing uncertainty in the operation, the fact that officers and men remained undeterred in the forefront of action because ensuring the safety of nearby civilians, resuming the air services from International Airport Srinagar and protecting the vital Air force Base of the country was the top most priority. It was accomplished successfully by the elite operational unit of CRPF, Valley QAT Srinagar Sector with SOG Budgam & BSF. The achievement of the joint forces in neutralizing the 03

dreaded terrorists of JeM could be attributed to the tremendous grit, determination; exemplary valour and never say die spirit of the CRPF.

In this operation S/Shri Ravideep Singh Sahi, Inspector General, Naresh Kumar, Assistant Commandant, Loukrakpam Ibomcha Singh, Assistant Commandant, Devsant Kumar, Constable, Vijay Kumar Singh, Sub-Inspector and Gorle Jaganmohan Rao, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/10/2017.

(No.11020/170/2018-PMA)

F.No.- 18004/01/2020-CA-II

JAGANNATH SRINIVASAN
Officer on Special Duty

MINISTRY OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 18th January 2021

RESOLUTION

No. 11011/1/2015-Hindi—It has been decided to reconstitute Hindi Advisory Committee of the Ministry of Women and Child Development. The structure of the Committee will be as follows :—

- | | | |
|------|--|----------------|
| I. | Minister of Women and Child Development | Chairperson |
| II. | Minister of State for Women and Child Development | Dy-Chairperson |
| III. | Non Official Members | |
| | Nominated by the Ministry of Parliamentary Affairs | |
| 1. | Smt. Shardaben Anil Bhai Patel
Member of Parliament, (Lok Sabha)
401, Narmada Apartment,
Dr. B. D. Marg, New Delhi-110001
Permanent Address :
3, Adarsh Society, Highway,
Opposite Simandhar, Mahesana, Gujarat-384002 | Member |
| 2. | Smt. Queen Ojha
Member of Parliament, (Lok Sabha)
Sector- B1, Flat No.-1490,
Basant Kunj, New Delhi-110070
Permanent Address:
House No. 20, Jivagiri Path,
Ashram Road, Ulubari,
Gauhati-781007, Assam | Member |
| 3. | Shri Ram Chandra Jangra
Member of Parliament (Rajya Sabha)
Permanent Address:
Ward No. 6, Kath Mandi, Meham,
District - Rohtak, Haryana | Member |
| 4. | Shri Rewati Raman Singh
Member of Parliament (Rajya Sabha)
17, Teenmurti Marg, New Delhi-110011
Permanent Address :
19 A, Nyaya Marg, Ashok Nagar,
Distt.- Prayagraj, Uttar Pradesh-211001 | Member |
| IV. | (Two MPs nominated by Committee of Parliament on Official Language) | |
| 5. | Shri Darmendra Kashyap
Member of Parliament (Lok Sabha)
192, North Avenue, New Delhi-110001
Permanent Address :
Village – Khandaarpur,
Post office – Umarsiya, Bareilly,
Uttar Pradesh-243001 | Member |

- | | | |
|--|--|--------|
| 6. | Dr. Subhash Chandra
Member of Parliament (Rajya Sabha)
Banglow No. 4,
Bhagwandas Road, New Delhi-110001
Permanent Address :
House No. 166,
Krishna Mandi, Hisar, Haryana-125001 | Member |
| V. Members nominated by the Department of Official Language | | |
| 7. | Ms. Vandana Netam
Permanent Address :
Basantpur Ward- 46, Bazar Chowk, Rajnandgaon,
Chhattisgarh-491441 | |
| 8. | Shri Rajnish Jain
Permanent Address :
R/o 110, Nainu Shah Lane, Jain Bazar, Jammu (JK)-180001 | |
| 9. | Dr. Govind Prasad Verma
School of Humanities & Languages, Dept. of Hindi, MGCU, Motihari, Bihar
Permanent Address : School of Humanities & Languages, Dept. of Hindi,
MGCU, Motihari, Bihar-845401 | |
| VI. Nominated by the Ministry of Women and Child Development | | |
| 10. | Smt. S. Manisha Sanjay Bhansali
Chetan Trade Centre, In front of SFS
Jalna Road, Aurangabad,
Maharashtra-431001
Permanent Address :
Manik,
34, Vidya Niketan Colony,
In front of Totla Hospital
Aurangabad, Maharashtra-431001 | Member |
| 11. | Shri Chandrakant Joshi
Panchratan Tower No. 59 C/ Flat No. 2201
Ekta Nagar, New MHADA, Kandiwali West
Mumbai, Maharashtra-400067 | Member |
| 12. | Shri A S Shelva Kumar
No. 11, 1st Floor, M-Block,
8th Street, Annanagar,
Chennai-600102
Permanent Address:
No. 47, 2nd Floor, AE Block,
First Street, Annanagar,
Chennai-600040 | Member |
| 13. | Dr. Ishari K Ganesh
Kanchipuram, Tamilnadu | Member |
| VII. Representatives of the Voluntary Organizations | | |
| Representatives of Kendriya Sachivalya Hindi Parishad | | |
| 14. | Ms. Mridula Jain
Asstt. Director, Official Language,
NIC Headquarter, A Block, CGO Complex,
Lodhi Road, New Delhi-110003
Permanent Address:
E-3B, Gali No. 3, Pandav Nagar,
Patparganj, Delhi-110091
Mob. – 9868151964
E-mail – jainm369@gmail.com | Member |

- | | | |
|-------|--|------------------|
| | Representative of Rashtra Bhasha Prachar Samiti,
Wardha (Maharashtra) | |
| 15. | Dr. Hemchandra Vaidya
Asstt. Minister, Rashtra Bhasha Prachar Samiti,
Hindi Nagar, Wardha-442003
Permanent Address:
Chitrakoot, Radhanagar,
Sable Plot Bachelor Road, Wardha-442001
Mob : 09405903278
E-mail – drhemchandravaidya@gmail.com | Member |
| VIII. | Official Members from Ministry (Ex-Officio) | |
| 16. | Secretary, Ministry of Women and Child Development | Member |
| 17. | Secretary, Deptt. of Official language | Member |
| 18. | Special Secretary and Finance Advisor, MWCD | Member |
| 19. | Joint Secretary, Deptt. of Official Language | Member |
| 20. | Joint Secretary, MWCD | Member |
| 21. | Joint Secretary, MWCD | Member |
| 22. | Joint Secretary, MWCD | Member |
| 23. | Joint Secretary, MWCD | Member |
| 24. | Chairperson, NCW | Member |
| 25. | Chairperson, NCPCR | Member |
| 26. | Chairperson, CSWB | Member |
| 27. | Director, NIPCCD | Member |
| 28. | Executive Director, RMK | Member |
| 29. | Chairperson, CARA | Member |
| 30. | Joint Secretary and In charge OL | Member-Secretary |

Functions of the Samiti

The Functions of the Samiti will be to advise the Ministry of Women and Child Development on the effective implementation of Official Language policy of the Government of India and other matters connected therewith.

Tenure of the Samiti

The tenure of the members of the Samiti shall be three years from the dated of issues of resolution, provided, provided that:—

- A) A member who is a Member of Parliament ceases to be Member of the Samiti as soon as she/he ceases to be a Member of Parliament.
- B) Ex-Officio Members to the Samiti shall continue as Members as long as they hold the office by virtue of which they are Members of the Samiti.
- C) If a vacancy arises on the Samiti due to resignation or death of a Member, the Member appointed in that capacity shall hold the office for the residual term.

General

Headquarters of the Samiti will be in New Delhi but Samiti may hold its meeting in any place other than Delhi, if necessary.

TA and other Allowances

The non-official members will be paid TA/DA for attending the meeting of the Committee as per guidelines and at the rates revised/prescribed by Government of India from time to time vide Deptt. of OL OM No. II/20034/04/2006-OL (Policy-2) dated 03.02.2006.

ORDER

Ordered that copy of this Resolution be communicated to all Members of the Committee, all State Governments and UTs, PM Office, Cabinet Secretariat, President Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and all Ministries and Department of Government of India.

L. K. MEENA
Joint Secretary (I/C OL)